9

# यजुटर्वन-मश्विण।

-x \*\*\* x ----

#### [ শুক্লমজুবের্বদ — বাজসনেয়িদংছিত।।]

#### এক। पट्या २ था। यः।

প্রথমা কতিকা।

র্ষাকান্তং মমন্ত্রতা গণেশং লারদাং শুরুং। সংহিতৈকাদশাধ্যারে মন্ত্রদীপো বিভক্তভে?

অকদিশমারভাগীদশাধ্যার শহান্তমর্গ্রচান্যন্ত্রালাং তেবাং অভাপতির বিঃ লাধ্যা বার্দ্রের

বা লাভ্রিঃ পঞ্চিতিসূক্তঃ প্রথমচিতিমন্ত্রালাং প্রজাপতির বিঃ বিভারচিতের্দ্রেরা বার্দ্রই

ভূতীরচিতেরিস্কালি শিক্ষাণ ব্যবং চতুর্বচিতের বর এববিঃ। পঞ্চাচিতিমন্ত্রাণাং প্রমেল্পী

ব্যবং তেবা ক্রিটাং চিতিমপত্রন দেবা এব ভল্যা আর্বেরনিক্রামী চ বিশ্বকর্মা ত ভূতীরাং

চিতিমপত্রতে এব ভত্তা আর্বেরম্বর্গতভূর্বীং চিতিমপত্রর র এব ভল্যা ভার্বেরং প্রমেল্পী

শঞ্চমিং চিতিমপত্রং। পর্যারেরম্বর্গতভূর্বীং চিতিমপত্রর র এব ভল্যা ভার্বেরং প্রমেল্পী

শঞ্চমিং চিতিমপত্রং। পর্যারেরম্বর্গতভূর্বীং চিতিমপত্রর রার এব ভল্যা ভার্বেরং প্রমেল্পী

শঞ্চমিং চিতিমপত্রং। পর্যারের্গর তল্যা আর্বেরমিভি' (ভাহ ০)২০)। চয়নং কর্জু বিদ্রুল্

কার্বনক্রক্ষপ্রতিপদি পৌর্বমানেরিং কর্তা পুক্রবির্দ্রিভি' (ভাহ ০)২০)। চয়নং কর্জু বিদ্রুল্

কার্বনক্রক্ষপ্রতিপদি পৌর্বমানেরিং ক্রিব্রার্শনিভিল (ভ্রাং ক্রিল্ডের্ডার্মান্তর্ভার ক্রিটার্মান্তর্ভার ক্রিটার্মান্তর্ভার ক্রিটার্মান্তর্ভার ক্রিটার্মান্তর্ভার ক্রিটার্মান্তর্ভার ক্রিটার্মান্তর্ভার ক্রিটার্মান্তর্ভার ক্রিটার্মান্তর্ভার কর্মান্তর্ভার ক্রিটার্মান্তর্ভার কর্মান্তর্ভার কর্মান্তর্ভার ক্রিটার্মান্তর্ভার ক্রিটার্মান্তর্ভার কর্মান্তর্ভার ক্রিটার্মান্তর্ভার ক্রিটার ক্রিটার ক্রিটার্মান্তর্ভার ক্রিটার ক

ভতভড়াপ:মুৎপিশুসানীর ভূলমং ভাপছেব। পিশুছিনমীরাভরালে লক্ষিত্রাং বলীকস্বই किमगार। चारवनीप्राक्षिनरमरमर्भभक्षणाकाः आधुनाः आभनता मूकत्रनमायकाः द्वानाः। चारक्मीरवास्तर देनव । स्वरुक्तीक न नावी जिल्लाकी वासिः द्वाना। स्वरुक्त न व्याव (चडेाग्रीस् ख्रांचि मचलम्मा दून युक्षानः । का०७७२१) हेचि । चलार्वः । भाईपरका चुकर मरक्रा पुत्र कार व नम् वा का विशेष विवास। यावनगीरत भतिसत्र नमाधागभूनिकर नस्वधिविक्ति-भारको ट्या क्रुक्ति क्रूक्ति क्रुक्ति विश्वान विश्वान विश्वान विश्वान विश्वानिक विश्वा খাৰাকামপ্ৰান্তং। আন্তান্তুপ্তৃতীয়ঃ পপ্তাক্রঃ। অষ্টানাং দণিতাপি ক্ষিঃ দেবোহপি मांपछ।। ज्ञान महार्थः। मरिष्ठा मन्त्रमा (श्रात्रकः श्राज्ञानिः क्षेत्रमान्य परस्थः नचिक्त (छक्तः मिहाना प्रकारकतु शनिहेर निक्तिकारणाष्ट्राः । यदा नक्तानर कर्षानार नामनकुछर मिन्छि। পृतिगाः পশুनत्रीत्राचित्रात्र पृथाः नकानावगाध्य मनास्वरात्। देहेकाः कुषाबिर हिन्दानिनार्यः। निर्मृन्यम अन्ति श्रेषार्था अष्यार्था । अष्यार्था विक्रकः 'अषार्था विक्रास्थ ं( ७। १) १ हि अप्राः । कि खु इः । अवस्थक्षात्र ख बरमा तुक्षामः ममामनामः मुक् एक ६८मो युक्षानः। किः क्वता। भित्रा जुक्कीतिष्ठेकानिविष्ठाणि क्यानानि कवाद्य कनिया नियार्थः। समन् পর্বালোচ্য বুদ্ধাবধার্যোতার্বঃ। 'তত্ম বিস্তারে' 'নধানকর্ত্ দয়োঃ পুর্বালা' ( পা০ ভা৪।২১) ইতি জ্বাপ্রভারঃ। অনিভাষাগ্যশাসন্বিতীডাপ্রভাব । 'অপ্রণান্তোপদেব'---(শা•৬ ৪.০৭) ইভাগিন। নলোপ: '(क्या यक्' के कि ख्या शहासख्य प्रभाजमः। > #

#### বিভীয়া কণ্ডিক। ।

युरक्तन मनना यहर क्यना निष्ठः न्दा पर्नाव पक्ता । २॥

गात्रको। एठोत्रः भाषः भकार्गस्य मञ्चलो। एठछः भिष्मात्र 'এकणिम भक्षर छणः भक्षरको' हेछि। नावक्षित्र श्राणानादः नाव श्राणानात व्यवस्थाना वृद्धराविष्टाराका मित्रविद्धरेमकात्राण ममना वर्गात्र वर्षमामा कर्षात्र कर्षात् भक्षां प्रनावद्धान श्राणा कर्षात्र कर्षात् । ()) प्रमान्त कर्षा हे । भाषा । () ।

# ভূতীয় কণ্ডিক। বৃদ্ধান পৰিতা দেশান প্ৰতেল দিয়া দিবন। বৃদ্ধোগি কৰিকতঃ পৰিতা প্ৰস্বাভি তান্ত ৩ ৪

अपूर्व विशेष्ठः मक्षार्यक्षरमाना। मन्त्रा जाम् श्रीकान् क्या श्रीका वृ Cक्षत्र' जूमांबः 'त्महोर्डाहों' हेडाडात्रमः। क्षरगेडि बजायबागांडि दशतमडीडार्दः। किः क्रमा। पुक्तात्र बुक्ता एका वक् अधिकर्यनि नः वाका। किन्नु ठात्मकान निम्ना वृद्धाः कर्यना या चर्मिम विवर वीवाडि अकामक देडि विवर 'देखनव' ( भा॰ २०० ) देकि कश्रहासः । (शास्त्रमः पः पर्गर यक्षः अध्यक्षः वेगः नवस्ता यस हेति क्रमः। भूगः कीव्रनान्। युद्द मद्द (क्यांकिः क्यांम अनक्ष्याक्षात्का क्षिक्षकः मध्यूर्वदः। क्येष्ट्रवः मध्य मिवा (श्रेत्रिका चरक्रम कर्षाणा वर्गर भव्हरका (मनामिक्षकर्षाण मिविका (श्रेत्रिका मिनिका व्यवानिकः । जात्मवानिविद्रावरणवाक्रास्त्रा विषया । नियम व्यव्यवाकि श्रवर्षवाधिकर्षानि (अवस्थिः कोषुनामः प्रवासः पर्मशादिश উष्रधानः छना १६९ (तोषः क्याधिः **होत्रमामका(प्रत्यकः वित्रो वि**नर कविष्ठ ७ ७ छविष्ठेकाविष्यत्र । कार्यमार्थर किर्मुष्ठान्॥ ( >> व ० व )॥

#### **इन्नें किछक**। ।

যুঞ্জতে খন উত যুঞ্জতে পিলো বিঞা বিঞাগা বৃহতো বিপ'লচভঃ।

। वि द्यांका परव नद्वानियक देवाणी यनना ननिकः निक्किः। स

प्रभुक्ती नाविताकाणि ( भूकार वा० ८ क्य० ८ ) निर्द्यवस्था नावाद्वाद्वरका विद्याला अन्य यवमानमा वित्तरयन लाखि भूतप्रांठ म कनावनामामित्नां निश्चमा गण कत्मा निल्ला वाचरका मरमा युक्ष एक व्यवभर चार्को अर गरमा विषय (यरका। निगक्त। निगक्ति। निगक्ति। क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका वित्र हेडेक, निविष्याणि कामामि पुश्च क मन्नावभाषा के पुन्छ विश्वका वृह्णः श्रद्धाः ख्या निर्माण्डलः निष्ठ्यः श्रासामाण्डिका । अधिक्यरगर्जारभगविश्व कीवृजाः। (श्वाः (भागमिताः ख्वाठीकि (ठावाः वक्षा) वक्षा कर्णाम अविष्ठा के ठावः। मिष्यमृत्विगावमामामकः कूट्डा चाछर छत्ताक . এक এन मनिडा निक्रम मर्स्साभवर निर्मिष्ठयान्। कोष्ट्रनः गञ्जानिर नद्यामि श्रकानामि त्रिष्ठे नद्र्यापिर 'नरक्रयामिन बुख(क' ( পा॰ ७।७। ३०० ) हेकि क्षेष्ध विशाण्डर श्रावशाव्यानाणि शाव्याः। क्ष्याक अव मस्मित्र क्षु ह्यानि द्वां हे आह । यकः लिक्ट्रिक्क लिक्ट्रिक्षियो लित्र है नक्षर्यरम् अस्त्रमान् चिचिवती। चित्रिकाः नानज्ञीकिरमणार्थः ( >> च—हेक् ) ।

#### नक्षेत्री किया।

ত্তি পুলাভবিতী মুকুর্ব্যানাং ব্।তেন প্রণং। পদ্মীরজনানো বামিতি পদেনোচোন্তা। তে পদ্মীরজনানো। বাং বৃষ্টোরর্থে নমোভিরলৈ: ইদানীং হতৈর্ব তৈঃ পহিতং পৃশ্ধিং পুরাভনৈশ্বিভিন্নসৃত্তিও ব্রহ্ম পরিবৃদ্ধান্তরমানাই কর্পাছিং বৃদ্ধা বুদ্ধান্তরমানাই কর্পাছিং বৃদ্ধান্তর্ভাগ্রের তুলাদিভাজে: যথা প্রফালকেন প্রাণঃ কপ্ত থবরো প্রাহ্মনান্তর্গালিয়া দিশাদার্থিনা প্রান্তনং প্রহালনং প্রহালনং ক্রম প্রহালনং প্রহালনং ক্রম প্রহালনং ক্রম প্রহালনং ক্রম প্রহালনং ক্রম ক্রমানার প্রাহ্মনান্তর্গালিয়া কর্মনান্তর ক্রমানার প্রহাল ক্রমানার ক্র

#### मछी किखका।

रणा ,श्रामानमय्क ,रेक्स् फ्रा (प्रनमः महिमानद्यासमाः

यः नार्थियामि विमयम म अख्या त्याजि (सरः नविखा महिस्सा। का

मानियो मन्त्रो क्षत्र वृह्ण नृह्ण । महन्त्र (क्षत्र प्रमण्डण क्षत्र क्ष

(बार १२ कोर २०)। (२२वा-१क)। (बार १२ कोर २०)। (२२वा-१क)।

#### मधुभी किछका।

। দেব পৰিতঃ প্ৰাত্মৰ বজ্ঞাৰ বজ্ঞাপতিং ভগার।

দিব্যো পদ্ধঃ কেতপুঃ কেতং নঃ পুনাভূ বাচম্পতিকাচং নঃ বদভূ॥ ৭ μ

ত্তিপুণ নাগাতাপি (অ০ ৯ কা০ ১) কথাতে। তে নেন দ্বিতঃ । বজং প্রম্ব প্রকর্মের যজপতিং বজমানং চ ভগার পৌভাগারে প্রস্থন। কিঞ্চ দিবো দিবি ভবঃ ভাগহং কেজপুঃ কৈজং পরচিত্তে বর্তমানং জ্ঞামং পুনাতি লোগমন্তীক্তি কেজপুঃ উদ্বুদ্ধে গর্মবিঃ গাং বাচং ধারমভীতি গর্মবিঃ শবিতা নোহস্মাকং কেভং চিভারত্তি জ্ঞানং প্রাজু ব্রস্থানিবর্তমেন শোধরজু। বাচঃ বাণ্যাঃ পভিঃ দ্বিতা নোহস্মদীরাং বাচং প্রজু স্বাদ্মভু । ভাসহত্তা বাত্তেকৈ রোচভাষিতার্ক: । (১১জ - ৭ক) ।

#### बहुगी काखका।

वैमर त्या त्यन नविख्यांकाः श्राम्य (मनानाभ निर्मित्म मुखा-

জিতং ধনজিত**ু খডি**জতম্

ৰচা স্থেতিৰ ব্ৰহ্ম বুল্লার ক্রেন বুল্লার ক্রেন স্থা। ৮।

 भवा निर्धार तम व्यक्ति। वनकिष्ठः वसः निर्माव कनक्षाण्य त्या व्यक्ति निर्मावस्त्र विकास विकास । विकास वर्षा व्यक्ति क्ष्मित्र क्ष्मित्र निर्मावस्त्र निर्मावस्त निर्मावस्त्र निर्मावस्त्र निर्मावस्त्र निर्मावस्त्र निर्मावस्त्र निर्मावस्त्र निर्मावस्त्र निर्मावस्त्र निर्मावस्त्र निर्मावस्त निर्मावस्त्र निर्मावस्त्र निर्मावस्त्र निर्मावस्त्र निर्मावस्त्र निर्मावस्त्र निर्मावस्त्र निर्मावस्त्र निर्मावस्त निर्मावस्त्र निर्मावस्त निर्मावस्त्र निर्मावस्त निर्म

# ্নৰ্মী কণ্ডিক।। বেৰণা খা দ্বিভঃ প্ৰসংগ্ৰহিনাক্ষাভ্ভাগ প্ৰকো ৰপ্ৰভাগণ। আল্লে সায়জেশ ছন্দ্ৰণান্ত্ৰবংপুনিবাঃ দ্বভাগির পুনীক্তমন্ত্র তৈইতেন ছন্দ্ৰণান্ত্ৰপ্ৰ ১ চ

'(प्रतक (चक्राजियापात्र एक चारार्यर जामाकिमञ्जरक' (का॰ ३७।२।৮)। चक्रार्यः। (व्यक्त (विक काककाष्म्राष्म्रकमश्चन देनननीमलियाणाम क्ष व्यानारमकि वहा ( क. >>) जना-अखिनिकिमञ्जूष्ठ । (पर्यक्र का क्षेक्रार्शिक्ष माना वा अवसः मा'रेखर रेख्रु । व्यानाण्टर । जावरक जांकरका जांकशृंकक्ता। दर जांका निर्वाहितक क्षेत्रर विद्वार निर्व व्यविद्याः मक्किकार विविधार्थकाषार वाक्कार पृथाः मक्किकार माजूनिकार क्काकार नावमञ्जाकार भाषात्वन हत्यना गराप्तकृष्ठम यूकः नन् का कार्यापत्य गुहूर्यम । एव पुडासः। व्यक्तियर जाक्रावां विकाधिक विवादि क्षारि क्षेत्र प्रशामी व क्षेत्र ( পा॰ ১:৪ २० ) है कि कार कामामाम अविधि क्रमाकानः। व्यक्तिन सनमः श्रीः यन। मागगृङ्गन कपर । ८० व्यक्ति ! पर गुरोडा नडी प्रविधाः नवद्याय नवद्यानाइरमदार व्यक्तिगावत व्यादत 'खेशहर्माने (পা॰ ৮।২।৩২ বা॰ ১) ইাত হস্ত ভঃ। তৈাইভেন ছন্দনা ক্লমা আজিরখৎ অজিরণো ववाश्विमाणण् गूमत्राण्य विकि वृष्टे छ।वीछिनशर्वा 'व्यक्तारम कृत्राः मम्बद्ध' (मिक्न०००। २) इंडि बांट्याटका कि के व्यक्ति भूतोष्टर 'भनता देन भूतीयर' (७१०. २१०० ) इंडि अ(७६) भूबीरमणाः गक्षणा विकः भूबोणणः भन्याः । यदा भूबोयमस्यम भारतका एका युव्वाटक क्षर कीकि भूत्रीरकाश्विः युव्यावारताबार कृषा क्रकामधिः द्वानाटक बटकार्टका युव्यक्षा-ब्रोक्टकांभक्टारवन मुकाक्यनंदभगावा।क्यनमिकाकिकारवर्ग भूशेक्यविमाक्ट्यकुकाटक । अप्रद (क्रांभक्रोदेशक्षित्रमध्यक्रत्यं मर्काखास्मविष्ठं क १ ) अल-अक १ व

#### मणमी किछा।

चित्रनि मार्यानि चत्रा सत्रभश्चिक्ष्मात्मम चनिक्ष्क्ष्मशच्च

লা লাগতেন ছম্পালিরখং ৷ ১০ ঃ

षयिति छेथार निर्माणूर मृरभगमत् कणूक करा के वित्यत्वाहित। वाती जान होता । वाती जान होता। वाता मिन वाता जान होता। वाता मिन होता क्षेत्र मिन होता। वाता क्षेत्र मिन होता। वाता है का वाता है

अकामणी किखका।

ৰত আগায় পবিতা শিক্স'ক্ৰ**ত**্হিরণায়ীস।

चरवरक्तां किति हारा भृषियां चयाक्तर। चामुहे (कम क्ष्मभाकितवर । >> ।

পালং বিষ্ণুর । পাল ই ভেনেভাগি বস্তুলা বস্তুননিই প্রদান । তৃতীরত্বাপালং রাক্ত্রা প্রি:। পরিবেশ্যা। পরিভা প্রেরকঃ প্রকাপ তর্বতা হিরণারীং পর্বর পান বিষাধার স্থাপরিকা বিশ্রুৎ ভাষের বাররন্দন্ পরেঃ দক্ষি জ্যোভিনিচার্য নিশ্চিত্তা
সূর্ী পৃথিব্যাক্ষি ভূষেঃ দকাশাৎ আফুইডেন ছন্দনা আভরৎ আমুভবান ।
ক্ষিরক্ষিতি পূর্ববং । (১১ল – ১১ক) ৪

षावनी किएका।

श्चिष्ठ् वाक्षित्रास्य वित्रकाषण नवक्ष

विति ८७ वया भवनमञ्जतिहरू । छव माणिः भृषियावित स्थानिवित ॥ ३२ ॥

'व्यक्षिकोर'क क्षकाहर क्षक्षिर दुर्बाबार स्मार्थ (वात्र हेकि' (का०७० २।००)। ंषक्षात्रम প্রাকৃষ্ণ ক্ষা লাভান বিষয়ে কেহা প্রকৃষ্ণ করে। আবু দেবতা। আভার পঞ্জিঃ माचारमिष्ठिषुद्राः यथा चारक्षाो वामचकाराक्षारहेटको माखात्रभ६ किशः 'यम महस्को' नवज्ञ विष्ठा विष मुर्ववमर्गागा। कृषिः नष् मा । ह भाषानावकारनमाजिल्यनववार्वात्र्वकृहास्य । चाकिम नीजगाभित्रच । वितर्काग्रद्धार नच हर कृषिमकूनका श्रक्तर नीजगाजव नागन्छ। 'নলম্ভানবড'---( পা•৮২৬১) ইভ্যাদিনা জ্ঞান্তো নিপাভম্বভেঃ। তে ভবাম্বস্ত দিবি कारकारक भवनभुवक्रहेर क्यापिकाक्ररभग कांग्यांक व्यागक्य महः। वदा एव वया पिवि रियाजिकाणिया वाषक्राणम श्रामिक्षः। अस्रतिस्य छव गाकिः छेपतः। यथा नियुद्धायकवावृत्री অভারক্ষে শঞ্চরভি ভজেপেণাখাভারিক্ষণভিত্ত। মাভিদক্ষেন প্রকৃষ্ট দরীরমুণলক্ষাতে। श्रीविशा व्यक्ति छिनांत्र छव रशांमः स्थामान् अव नानारवरवर्धाः। প্রতাক্ষং দুশ্রতে। নিরাড্রপেশামঃ স্থুসতে। भीक्षभागरम्क् कार्यः। ( ) भ्य -- ) २ क ) a

#### बारभाषनी किलाहा

युक्षानारत्रामण्डर द्रवयश्विकारम द्वनवर्षः व्यक्तिर एत्रस्वयश्वद्वम ॥ ১৩ ॥

স্প্রভাগের বার্ত্রী কু শ্রিছুই। । প্রভং মন্ত্রগতে। অধ্বর্গ্রাক্ষমানাবুচ্চতে। বুরা পেক্তা, গৰ্মভো বন্দ্ৰ পনং ময়োভৌ ব্ৰব্ধহ। বৰ্ষতীতি বুষা কনিছা'—(উপ-১৷১৫৫) कुछा क्रिमा वर्ष कर होता क्रिक क्रिकिन शकायर । यथा यागिमाणाण मधाया युवर क्रमाण्यर्क्ष बुक् बनर बर्बारको। अरमाकाम व्यक्ति। करमा मर्गामनः एव वृष्यप व्यवस्थानारमो मुक्तभामकम्मु ही या । युवर बूबार त्रामकर गर्फकर युक्षाबार वजीकर । युटकटमा हि न्याम्बरम नटक ষধ্যমুখিবচনং যুঞ্জাণামিতি ক। অসিন যামে অসিম্নিফিক্সিণ। যথা যামে মুখ্তম-क्रांत्रा मित्रवायत्वक्षाचित्रियिककृष्ट निष् । कीष्ट्रां दानक्शा ८ नाहृ श्र ममर्थामछ। यः। ज्या चाम्यान्कामधमानमामक दिर्जाय गिकार्यः। 'हेवरपूतिवर-কাময়মানং' (নিরু - ৬।০১) ঠতি যায়ং। পদানিক্তীতাশমুং। 'হণ পালুনঃ কাচ্ ( পা৽ ৩ ১।৮ ) ইতি কাচ্প্রতায়:। অস্বটেরস্থ ছান্দলং ক্যান্ত-দলি ( পা৽ তাহা১৭০ ) हेडि देवाडावः। ( )) म - )७७ )।

#### **व्यक्ति किथिका।**

(यार्थरवार्थ करकेतर वारक्षारक क्वामरक। मुचान केक्यूकरम् । १० ॥

অবাদেবভাগ পারত্রী ভানংশেপভূইং। অবাং ক্ষুরতে। স্থারং প্রশারণধাং প্রাপ্তি বিশ্বিপালসালাঃ, বৃদ্ধিপ্রপিন্ধর করে বীর্যাবন্ধনিপ্রিপ্রপাণ বা অবস্ত্রে অবনার রক্ষণার ভ্রামহে আক্র্যান্থঃ। কুরং শশি স্প্রশারণং। ক পতি। বাজেবাজে ওজনরে মুম্মানাং দেবানাং চ লাভবাগ পতি ভল্তনর প্রাপ্তিনিমিন্তং বা। কিন্তুস্বরুং। বোপে-বোপে ভরস্তরং যুক্তাভেক কৃষ্ঠিও ইভি যোগঃ কর্ম্ব ভ্রামন্য ভল্তংকর্মণি ভরস্তরং বলবভ্রমুৎসাহ্বত্তং। ভব ইডি বলনাম। তবো বলস্থান্তীতি ভব্মী অসারাল(পাংহাস্থাং) ইভালিনা বিন্। অভাল্ডং ভ্রমী ভব্মরন্তঃ। অভিশন্নে ভরশ্ব প্রিন্তিন্ত্র্কং। অভিশন্নে ভরশ্ব প্রিন্তিন্ত্র্কং। প্রিন্তিন্ত্র্কং

#### शक्षा किला।

প্রত্রেহ্ণ ক্রামর শন্তী ক্রন্ত গাণণভাং মধ্যে ভূরেছি।

উক্তারকং নীছি। খতিগব্দেরভয়া নির্ধন্পুফা শবুজা শহ॥১৫॥

#### (राष्ट्रभी किला।

पृथिताः नम्हावधिः पूत्रीग्रभक्तित्रवाख्याधिः पूत्रीग्रम्भित्रवाधिः

भूतोस्वम्बद्धस्यक्षामः ॥ ১৬ ॥

অলেৎক্রমণে বিনিয়োগঃ। বজুঃ। আনুরী গায়ত্রী আয়েয়ী। তে অব্রে! পৃথিবাঃ
ছুনেঃ সবছাংসহস্থানাং পুরীয়াং পলাগ্রমিলিরবদলিরস ইনাভর আহয়। 'অয়িয়ু
প্রজ্ঞান্ত্র পিঙং গজ্ঞায়িং পুরীয়্রমিভি' (কা৽ ১৬০১২)। ত্রিয়ু আয়য়য়ৢ দীপায়ামেয়ু
রক্ষরজ্ঞানাথবর্ষা বল্ডত্কোপশ্রত্থে মৃত্তিকাপিঙং প্রতি গজ্জাখগর্জভালা অপীতি স্ত্রোর্বঃঃ
লামগায়ত্রী ছুন্দঃ। পুরীয়াং পলাগারিয়ালবদ ইন বয়মজ্জেম অজ্ অভিমুখ্যিমঃ গজামঃঃ
'অজ্যভেরাপ্র্মিতি লাকপ্লিঃ'। নিক্রণ ৫,২৮) ইাত বায়ঃ। 'অনয়া পুরুষমীক্ষতে দেবপিজ্মন্ত্র্যানর্থকিনারং পুরীয়্রমিভি' (কা৽ ১৬১১৪) দেবপিজ্ময়ুয়ালাং নিপ্রায়েমান্তর্ম ইন বয়ং
ভ্রিয়ায়ঃ লন্পাদ্রিয়্রায়ঃ । (১১ল-১৬ক) ঃ

#### मखमणी कांधका।

ক্ষ প্রাঞ্জ পুরুতা চ রশীনত ভাগপুরিবী আভতত ॥ ১৭।

'বলাকবণানানার ছিজেণ পিশুনীক্ষণেহ্যাবিতি' (কা০ ১৬।২।১৫)। বলীক্স বোহ্বর উন্নতবেদাভিয়ন্তঃ লা বলাকবণা শিশুবেনীয়ান্তরালে ছাণিভাতি তাং গৃহীয়া ভংশানে ছিন্না ভচ্জিলেশ পিশুং পশুক্তীভি স্ঞাৰ্থ: অন্নিনেবভা লিই প্রোণোম্থা প্রাথম ব্রেনং । আন্নিনাম্বান্তর্গজ্ঞানামগ্রস্পজ্ঞান্তরণ অন্তর্গেশ প্রভানি নিনানি আন্বাহ । কিন্ধ প্রাণা রাশ্মন্ কিরণান্ পুরুল্লা বছণা অন্তর্গ লাল ভালাপ্রিবী উল্লেখি আন্তর্গ আভিত্ত আলি অন্তর্গন আভিত্ত আভিত্ত আলি ক্রণান্ পুরুল্লা বছণা অন্তর্গ ব্যাপ্রবান্ । 'ব্যভারো বছলং' (পা০ ৩০০ছে ) ইভানিবা বিশাভঃ । ক্রিকালকো লোকজন্তা বোহারিতং পশ্লাম ইভি লেবঃ ৪ (১১ল –১৭ক) ৪

#### वाने।नन किलाः

### (बटकांगिंस्थी क'खका।

भावक्रमा वाकिन्पृश्विमेशियक क्रष्ठा ख्रम ।

प्रमा द्रभाम त्या व्यक्ति घठः वर्षम छ वस्रम ॥ ॥

'आक्राराहार व युर्गिश्व मिक्री ग्रही । कार्य प्राप्त मिक्री मुर्गिश्व मिक्री म

বিংলী কৃতিক।
। । । । ।
ভৌতে পৃষ্ঠৎ পৃথিবী লগছমান্তান্তিক শ্ৰমুক্তো বোনিঃ।

বিখ্যার চক্ষুবা সম্ভি ভিন্ত পুভজভ: । ২০ ৪

'(छोख हेजि प्रकृतिकान से नाविश बात्रमंत्रकान नामि (का ) का २ ३० ) । निरक्षानिस अवश् सवख्यसमण्युवरिष्ठकंत्रभवर्त्वाकंत्रियवक्तयम् प्रति मात्रस्य महार व्यविष्ट । जार्नी बुह्छी अवस्थितछा। ८० अवः (छो: क्रांताकरल लग मुहर। भृतिनी कृत्नाकस्था नमस्र अव्यामः। भाषो अक्षतिक्रमक्तिकरमान्यनांका वतीतास्त्रवर्षे स्त्रीनाका। वस्त दिस्कर खब रशिकिः छेर शिख्यानर । 'ज्या रशिक्ति। ज्याः' हे जि खेर्डः । तमर खुनगामचर हम्भून। विथा। में উपार्याभा। मृतर विरम्भाका প্রশ্ন । লংগ্রামং কর্তু গক্তে অক্রেন বাক্ষশাদী ভতাং वृति पृष्ट चिष्ठामंकिकिकं भारित्वाक्तमा निमान्य। श्रामाधिककि चिभ काष्यमः काउ [ পা-০।১৮) 'क गाध्वतशृष्ठमण कि लाभ १ (পা- ৭৪৩৯) ইভি কাচি পরে প্রনাশক্ষ আজন (नाभः ७६: म् थे शहातः। () भन २०क) ।

#### जिल्ला के खिका

महर् त्रीक्याग्राक्षावाद्यानाक्ष्यां वर्षाता वाद्यम्

यम् अया अया विश्वा अधिर वनक केना विश्वा भाषा । । २५॥

'উरक्राम्मणारक्षममणी छ' ( त्रा• ) । मुर्शिकाष्ट्रमेगुलातमञ्जेलार्यः। विद्राष्ट्रचरवन्छ। प्रवार्षहरूभाग निदारे न्द्रक्तिः विद्योध अक्रप्रवार्ष्ट्रनकाशिक। यांचित । यहांच मो जगांश यहां छात्र। जित्रक्ष (अश्वार आक्षामार मनम श्रांमणार यदा पर जिलेनि ख्यांक्रकाम। कशनम अच्यां। । । (नाकनर कश्टेंगपरीर राष्ट्र न अकशख्य कावः र्मिनिंगर जटेमा कीमृन्धर। जानरनामाः मनर ममाजीज जितिनम्नकः नाष्ट्रः। धेवि छिरकारक वंतर प्रियोश क्रेंबंश अधरकी त्वाक्र नगर वो बाल क्रियंट हिएक क्रांब क्रिया। कौंबुंबा यम्र । आकाः भृषिना। छेन्य छिर्नाक छनातकारम अधिमद्यानर सुर्गिष्ठ बन्छः बन्छिन् ८व्यांत्रर 李有句: । ( > > 年 २ > 本 ) ॥

#### वाविश्मो क खका।

क्षक्रभेक् । नर्गामा अक्ष अकाषाक अक्ष

व्यक्ति माममुख्यम् । २२ ॥ इस छो कमश्रिष्ट (बाक्न इंगा

'केनक्रमीविक्षाक्रिमञ्जाक्ष (का० )कारा२०)। निकाक्षाविक्षाक्ष मञ्जाहरू। खिष्टुण्। व्यक्ता व्यवनीनः हक्षणां खिरिर्गामाः नममाखा याको व्यक्षः वर्थरम्माइमक्रमी, हिरक्वास्त्राम् शृथिगार छ॰ जलाकर (माळवर रक्ताकः खार्मिश जुकुछः भूगानस्वकः सुख्यान् कर्त्वार्छन्छि "ग्हलर हम्मि"। भा॰ २ १।१०) हेछि म्हला सृक्ति छए छिल्लार क्रमि । अछ अधिक म्हला स्वर्थ । अधि होकर त्याक स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ । क्षेष्ट्र मृत्यर स्वर्थ । क्षेष्ट्र मृत्यर स्वर्थ । क्षेष्ट्र मृत्यर स्वर्थ । क्षेष्ट्र मृत्यर स्वर्थ क्षेष्ट्र मृत्य स्वर्थ क्षेष्ट्र मृत्य स्वर्थ क्षेष्ट्र मिल्लास्य क्षेष्ट्र मिल्

#### खासाविः भी किलिका

'देशिन मुक्षमिक प्रमाणिक वा कियापी कि ना विषया का मिन का का का निवास के कि का निवास के किया मिन किया म (कां ) कारारर)। व्यक्तार्यः व्याकार मन्युषा निक्षमगीत्म खर्माव्य स्मानिक व्यवनात्म मृर्णिएकार्गाविष्क ग्रांच भाष्ममुमायामा या या नियक है कि स्र कार गाकि वक्काकार व्यत्वाह की देव कृरशिक गांक्यकरेण्डवः। आषा कियमोडि असमाः असाईः मर्गाञ्चीतिज्ञास्त्रमा। देखतार्द्धः + किरियकाक्षितः। जा नियंख डेड्राख्यमााः प्रस्तः पृथुर खित्राण्डिख **पृस्तिणा** উखताई क भठिवा विकीयाङ्कितिकि। ग्रन्ममसुरहे अरम्भा (व किह्रूरको। एक अरम् । सनमा समा-युट्छन हिर्देश शुर्छनार्थान क्रमा कामासिम्बर्ग कानिकामि नीमग्रीमि सा। 'स क्रमण-बीखाः' स्वाबिः। कौष्म् वाश। विश्वानि ज्वानि श्रांकिष्म प्रस्तः वर्षाणि स्वामि श्रामि श्रामि श्रामि निर्वेग खेर। 'कि निर्वाण भर छ।:' जुमानिकान बाक्क श छ। यः। जित्र का पृथुर जित्रोई क छै। जि किंगींक टिंग किंगीकिंगन टिमालिंग प्रभू निकींनिः नम्मा मृत्येन वृष्ट्याः महाखरे। किंहि मा अप्रमृद्धिः (तं छः निकंछि ध्राष्ट्र नामूल वृष्टिनि हे छिन्छः। येषा छित्रकः छिनाक्-खेमार्थिम शृथूर निख्केणिक नेहर्वमनाशिः नम्मा नम्डेनलक्टिक नार्णम । त्रवस्मिछि बह्कं नियाशिः। (मर्भकं निवर्णहर्मा अर्थः। छन। व्यक्तिकं वाहनं स्वाहित्यकां पर मिर्छे छोडि वीर्ह वान जिल्ला का का का नाम नाहि छ। 'अछिमा ग्रांग खम विवेदनो' (भा • साठ '८० ) विक्रीक्षन 'विमार्शिक् क' ( ना e olee ) इक्षिति भरत भक्षा जूक । जाति वेक्षा वेक्षा वेक्ष वीं खिलां 'बुडाबारेंब: देनार्दनाहर निरमणारेबेह रेडबनाना नास्क्रकां माखीं डिडानः। खर्बा सुनामर वर्षनीयर मुख्यमामर ना। जारम (वना व्यव्या व्यवर पू मुख्य है जि जानः। सूर्यक मानन्धावातः । ( >> म-२०७ )।

#### क्ष्या किल्ला

श्रष्ठाकः विषयीयक्रमा भगणा वर्षा 🕮: न्मृ सम्पर्ता जिल्ला जिल्ला वर्षा वर्षेत्रावः । २८ ।

व्यव्यक्षियां विषयि विषयि विषयि विषयि । विषयि । विषयि । विषयि । विषयि । खिकाशार्यकत्रा खेकीत्रमानर । तार्शितत्रक्रमा त्कोर्यात्रस्थि कक्र्यायात्मम खनरम् व्यमना हिस्स्य खर घुष्टर क्रिय क्रियाः (नव्याः। श्रार्थनामार निष्ठ्। कीन्ट्रयार्थाः। वर्षा छै: यर्राष्ट्रकृष्टि छी प्रत्य चा छी प्रत्य त्नगार्थ हे कि वर्ग छी: यस्टिस ना स्माप्ति । च्युब्यूब्द्रः च्युब्यून च्युव्याद्या यार्गा स्रापः यश्च । यश्चमादेनः च्युव्यीयस्राप हेळावः । व्याख-मुख्य देखां चित्र है न व्यक्तिमुख्य ना चित्र है खटें ना चित्र । हर्गी कु जी भार्य। खर्नार्यि-ध्ययन माण्यिया व्यक्तिम्बर कर्त्र्मरयागाया मारकवार व्यक्ति। ज्या वित्रेरान व्यानानकरनम क्रमानः क्षा है कि कर्मानः 'किक की भावित्यारम' हे क्षा कर भक्ष क्षा करित्रना किक खेवानक्षत्राम् । जेव्यमधिमाध्यिम्यो। ७ (याकाः ॥ ( >> व्य -- २८कः ) ॥

#### शकविश्मी किखका।

कवित्रिष्ट्याञ्चक्रमोर।

'बाखा। निकर बिः পরিলিখন্ডি পরিশাঅপতিরিভি বহিক্তিক্সভররেছেরছেও' ( का॰ १७।२।२०) जन्नार्थः। जना वात्रव्यस म्रिनिश्चर निर्त्तिकिश्च नत्रमा नत्रम विक्विश्चरण्य यथा खथा। शति राज्यशिति अथवार नियक्ति भारति छवि। व छोत्। व छोत्र द्वार हे छि छवि-खाडीव्रविकार्यः। व्याद्यंत्री भावत्वी त्यामकष्ट्रहो। व्यव्याद्यक्तामि मानाद्यवक्तामि क्योश्वि वर्षाक्रमोर परिक्राख्यान । परिक्रमणर एक्षणार्थर चीकर्त्रणश्चर । कोष्ट्रप्तार्शिश । याक्रमाख्ड बाक्नाविक निष्ठः नामविका। कनिः त्वाविवर्षनः। किर कूर्यन बनानि नर्गात्ववीर । बाक्टव खनीरिव क्षक्र राष्ठ वक्षवामास सम्नागि तवविधानि वनानि ववद श्रवक्त्न । 'वाम् वादम' व्यक्त बाट्डाः 'बाचान्नाव्यान् -' ( পा॰ ७।)।२ ) हेड्यांचिमा क्यू श्राह्या मिनाडः। बाविड बरक च देखि बाचान, खटेच बाखरन। बनाकि वक देखि वनर बाबाकुक्षारम्ट्रीन 'पूर्वाक, विवास्त नुरक्षे वान देखि क्सक्टार्थाकः । ( >> ब-२०क )।

#### वष् विः वै किश्व।।

भित्र खारक भूतर यहर विकार विकार का

श्वषर्वर मिटविषट्व स्थात्रर छस्त्रावछाम् ॥ २७ ॥

আধেষামুট্ট পার্ল্টা পরীভাগনর্গ দীরগীভানের দক্ষঃ। সহক্ত দহলি বলৈ ভবং লছকঃ
বলের মধারারগ আর্মানভাত্তংশবারণং ছান্দ্রনিভাক্তং। কীভূনং ভাং। পূরং পুরীক্সপের্ব ভিত্তং আরেধাালিপুরাণাং রক্ষকভাং, সভা শিপতি পালরভীতি পুজং। পুরু পালরপুরণরোঃ কিন্ 'উলোর্ডাপুর্বক' (পা০ ৭ ১ ১ ০ ২ ) ইভি উলালেলে পুরিভি ক্রপং! ভবা বিশ্বধি মোধাবিনং প্রাক্ষণভাতং বা। ধ্রবর্ধং 'ক্রিপ্রবা প্রাণল্ভা' অভো বাভারের ভৌলাবিকাভত্ত্বভারা। ধ্রবর্ধং 'ক্রিপ্রবা প্রাণল্ভা' অভো বাভারের ভৌলাবিকাভত্ত্বভারা। ধ্রবর্ধং ভিত্রবা প্রাণল্ভা অভা বাভারের ভৌলাবিকাভত্বিভারা। ধ্রবর্ধ প্রাল্ভার বর্ণে। বসা ভং। অলহারপ্রভার বিশ্বভারী বিশ্বভারি ব্রব্ধ প্রাণল্ভার বর্ণে। বেসাং ভি ভলুরাবভারিভারং। তলুর বিশ্বভারাং ভিল্নাবিভারং। ভলুরাবভারিভির্বভারাং সার্বাং। (১১ – ২৬ক)।

#### मश्चिं नश्मी किंखका।

ভমধে তাভিভামাণ্ডশুক্ষণিভমভাভমখানস্পরি।

चर यरमञ्जूषायगोञ्जूष नृगर नृगर खात्राम खिन्नः॥ २१॥

'পুরো জেব দন দ পুনঃ পিভা ভর্ষত' ইভি ফ্রাডের। ক্রিড্রুডের। প্রচিঃ প্রধিহেছুঃ। 'পুন্ধ পাকাম্যীমরং' ইভি স্বভেঃ। (১১অ—২৭ক)॥

'ब्बह्या। निश्चः चमिक (पर्यमा एवंक' (का॰ ১७ २।२०) व्यह्या क्रमा। निश्चः चमिकः चमिकः चमिकः चिकः चमिकः चिक्तमा। (पर्यमा वा नागा। छः। प्रिनाः व्यापानः मुक्ताः व्यापानः। व्यापानः। प्रिनाः व्यापानः। व्यापानः। व्यापानः। व्यापानिः। व्यापानिः। व्यापानिः। व्यापानः। व्यापानः।।

প্রকোনতিংশী কণ্ডিক।।

! । । । ।

আপাং পৃষ্ঠমলি যোনিরপ্তেঃ লমুদ্রমভিতঃ পিম্বগানম্। বর্ত্তমামো মই।

। । । ।

হলা চ পুরুরে লিবো মানের। ব্রিম্ণা প্রথম ৪২১ এ

'कृष्णां क्रमाखीर्या। खत्र क्रक्षिम पुष्ठ तर्णां भाषा पुर्व मिल ' (का कारार )। ज्ञार्थः।

युर्गिरक्षाख्य मास्य व्याग् श्री गम्हतरणाम क्रक्षां क्रममाखीर्या क्रकाणाः पुर्व मिक भाषा व्याप्त क्रमणां क्रमणां व्याप्त मिक भाषा व्याप्त क्रमणां व्याप्त क्रमणां क्रमणां व्याप्त व्याप्त क्रमणां व

वनि । नव्यविष्ठः উष्कण भविष्ठः भिषमामः श्रीष्ठिकद्रः। यथा भिष्योगिषि "नवृष्ठ-निट्यम्पर। निष्यामर निकक्षर ममूणमूलकमिकाः मर्द्धवामर मद वहद क्षकृष्ठरीक्षरविक व्यवश्व वर्षवारमा बर्शमिक जिल्लगुकात्रम्हायमाः। शुक्रत्त काल कालीव ह। यदा शुक्रत्त का लब्खाद महर श्रेष्ट्र मर नक्ष्मामर युक्तियुक्तर प्रमि। "निमारि निक्षित हैं ( का० १७२ २८ )। क्षमर १ कर्मा करमाकि। (क शुक्र त गर्ने। बिर्मा मात्वमा कारणाक क शिवारिन षतिमना উक्र विम पर अनम निखु छर छय। উत्त्रार्छारमा यतिया (छन 'अक्ष्क -' ( भाव काष्ठात्र ) हेकालिना किरतास्त्र तारवा हमनि । ( ) ज - २०क ) ।

#### जि. भी कि शका।

मर्च छ ह्या नर्च छ ह्याकिक्टल न्ह्राम छ है।

नचनाथाः छ जमशिर भूमीश्रम ॥ ७० ॥

व्यानच्छ উट्ड वर्ष ह व है डि' (का० > अश्वर्ष )। वन् बरम कुक्काविमनुक्तन्ति ं भ्रेड्न च्युत्वविक एदार्थः। क्रकाबिमयुक्तवविष्यत्वा एव चयुष्ट्राची। एव क्रकाबिक भूकत्वेद उर्ज श्रार वर ह वर वर वर व्यापातिनी वालि करवः। वर्ष ह वर करहर क्या करक ज्याभि जनभः। ८ । नमूळा मा नोमुर्थ यूगार। जिल्ला कि क्र ति एक मकरण विकास माहम् ही माहमः माहः व्याप्त आवारः। एपछी व्याप्त मान्य हो। एपानित्य मुनार भूगीसर भवनामधिः मचनाबाः जमानाकावम्बरः। 'नन बाव्हावरम' व्यवक्तिः। व्यव्हान् छाविः छ्डर निष्ड डर भारत प्रज्ञ । निष्ठ एक्डि 'नक्ष मह क्ष्मिमि' ( পा॰ २।८।१७ ) मह भी मूक् । ७० ।

#### अक्तिली किला।

मचनावाच चित्रवानमोही **উत्रमाचना। चविनस्कितिस्थी (ब्यास्थितस्म**नस्वित ॥ ७১ ॥

ए क्रकाव्यिमण्डत्र । (बााविश्रसः एकविममक्रमिय नित्रस्त्रतमगानिमस्त्रप्रम् कितिकाकी भारतिकाकी युगायुत्रमाक्षमा उटियाद्वरणण क्रमहोत्रभती द्वाविश म्ल्यानाश मयाभाष्क्रावश्वक । कोषुट्य युनार ! व्यक्तिया निकट्कार्याकाता । व्यक्तिक केलि व्यक्तिया वक्कपूर्यादयमाहकी। च। पणः वर्गमा ज्ञापम रेखार्थः। ज्ञापमा नमोहो नमा नक्षण वक्तिएक वेखार्थः। ७५ ।

#### वाविश्न किका।

'শিশুং পুরোধ্যাহনীতি' (কাচ ভাহাইণ)। প্রতিষ্ঠা গায়ত্রী লটো লগু বট্ট চেডি
প্রান্তিটেতি লিজলোক্তেঃ। অবিদেবতা।। হে অলে । বং পুরীয়ঃ পলবাছিল বিশ্বতরা
আনি বিশ্বং লগং লগং বিভর্জি ধারয়ভি পৃঞ্চাতি বা বিশ্বতরাঃ অস্ত্রনপ্রতাঃ:। বে অরে !
প্রবানঃ ইতরেতাঃ পৃশ্বতাবী অবর্জাণা বাবি, প্রাণো বা ছা ছাং নিরমন্ত্রিঃলেবেণ মধিতবান্।
'পাণিভাগং পরিগৃত্বাভানং দক্ষিণোভরাভাগং দক্ষিণঃ দাত্রিস্বাময় ইতি বড়্ভিঃ লশ্বত
লক্ষরু আ পুষ্করপর্লে নিমন্বান্তীতি'। (ফাচ ১৯২২৮) দক্ষিণোনান্তিং প্রভাভাভাগং
করাভাগং লশ্বং শিশুং দাময় ইতি বড়ুচেম লক্ষ্পৃতীলা পুষ্কয়পর্ণে স্থাপয়তীতি স্ত্রার্থঃ।
আবিদ্বেত্যাভিন্তো গায়ত্রো ভরভাভদৃষ্টাঃ। ছে লবা ! অগর্থা প্রাণঃ প্রকারদি উদক্ষাং'সকাশাছাং নিরমন্ত নিরমেবেণ যবিত্তনান। 'আবেণা বৈ পুষ্কয়ং প্রাণেহ্বর্থা' (৬৪।২।২)
ইতি প্রতঃ। বাষত ইতি অভিন্তামন্ত্রপতিহা। বিশ্বত সর্প্রভাভাগতঃ সমন্ধিনো বাষতঃ
অথিকাশিছ মুগ্রাহ্বিলরণেঃ নিরম্বা নিরমন্ত্রতিং। বিশ্বত সর্প্রভাভ বার্ত্রাক্রনচনহ
প্রথমানভ্রতনার্থে। বিশ্বে সর্প্রে বাষত ইভার্বঃ। যহা অচোহয়মর্বঃ হে অরে ! অবর্পাধ্য
প্রান্তি প্রতাদিন পল্পত্রেন্যাপরি ছাং নিরমন্ত্র। কীলুবাং পুষ্করাং। মুর্গঃ উভ্যাল্বংপ্রাণ্ডাহ বিশ্বত বাষতঃ সর্প্রভাগতো বাত্তলংপুর্বপর্ত্রাপ্রমিন্তন্যজ্বনিপাল্নছারেণ দর্শবং
অস্ত্রান্তিত র (১৯৯—০২ক) র

#### জ্ঞান্তিংশী কণ্ডিক।।

ख्यू का स्वाद्ध्वा श्रेष के विष का विषय । युद्ध हर श्रुवमायम । २०॥

(व जाता। जनकानः वासः भूतः मग्छ नामक वादः छ्यू पा। छ जनार्त। छत्तर पार किर्ध क्षाण्यमम्। कीमृन्र पार। मृत्यम् र सुत्यक गाग्नाना म्छात्र। 'व्यक्तव्य स्वाः' हेडि ( পा॰ ७ २।৮१) किन्। भूतम्बरः क्रम्यत्वरभाष्यस्व स्विनाः व्यवागार भूतानार ; विश्वाविद्यात्रः । 'व्यक्तरमम्बर्यमार्तो ह' ( भा॰ ७।०।७) हेडि विवि निभाषः । ७०।

#### हरू खिः नी किका।

अब् या भारका व्या भगोरम मण्डा रखन्। यनश्यवर् तर्मत्य । ७८॥

भिष्ण विश्वानः भाषाः मगार्गन्ती, यदा भाषा व्यक्तित्व स्वान्ता क्ष विश्वाना विश्वानः । व

#### 

আরেরী ত্রিষ্টুণ্ দেবপ্রবেদেববাভাভানে দৃষ্টা। দে ভোতঃ দেবানামাজ্যান্তঃ দে আরের বি তালে। উ এবার্থে। সকীরে এব স্থানে ক্রয়াজিনাথো দ্বং নীল উপবিদ্ধা কীলুন্তং। চিকিন্তান চেভনবান স্থানিকারং জামন। কিন্ধ স্থাক্তজ্ঞ লাগুক্তজ্ঞা কর্মণের বজলা যোনেই স্থানে ক্রয়াজিনে বজ্ঞং লালর স্থাপদ। 'অস্কেরামণি দৃষ্ঠতে' (পা- ৬০০১২৭) ইভি লংহিতারাং জিরাপদনা দীর্ঘ্টা। বজে জিরমাণেহবল্যভালেবল-লোমনিধানাদীনি ক্রয়াজিন এব ভবজীভি ক্রয়াজিনং স্কুক্তলা কোনিঃ 'ক্রয়াজিনং বৈ স্কুক্তলা যোনিঃ' (৬০৪।২০৬) ইভি ক্রেন্ডে:। দে আরে। বজো দেবাবীঃ দেবানদভি শ্রীণাভীভি দেবাবীঃ দেব স্বান্ধান কর্মা দেবান ক্রমা দেবান কর্মান বজানি। 'লেটোহভাটোটি' (পা- ৩৪।২৪) ইভাডাগেনঃ। প্রার্থিন জভো বজনানে ক্রয়াভ্রম্বর আয়ুগ্রমণ বা বাঃ দেবান কর্মান্তের ক্রমান্তর্বার আয়ুগ্রমণ বা বাঃ ব্যান্ধান কর্মান্তর্ভার ক্রমান্তর্ভার বার্ধান বিশ্বিণ ক্রমান্তর্ভার আয়ুগ্রমণ বা বাঃ ব্যান্ধান কর্মান্তর্ভার আয়ুগ্রমণ বা বাঃ ব্যান্ধান কর্মান্তর্ভার ক্রমান্তর্ভার বিশ্বিণ ক্রমান্তর্ভার আয়ুগ্রমণ বা বাঃ ব্যান্ধান কর্মান্তর্ভার আয়ুগ্রমণ বা বাঃ ব্যান্ধান কর্মান্তর্ভার ক্রমান্তর্ভার বার্ধান কর্মান্তর্ভার ক্রমান্তর্ভার ক্রমান্তর্ভার ক্রমান্তর্ভার বিশ্বিণ বালন ক্রমান্তর্ভার ক্রমান্তর্ভার বিশ্বিণ বিশ্বিণ ক্রমান্তর্ভার ভারমান ক্রমান্তর্ভার বিশ্বিণ বিশ্বিণ ক্রমান ক্রমান্তর্ভার বিশ্বিণ ক্রমান্তর্ভার বিশ্বিণ বিশ্বিণ ক্রমান্তর্ভার বিশ্ব

#### बहेकिः नीः किका ।

मि दशका दिलाकृतकरमा विकासरक्षा को विवेश श्रेन्नमप्रकृतकः।

जनकार समिकित्रिका नवस्त्रकार स्थितिकार करिया कर्

व्यात्वत्रो खिहुन् गृरमभष्पृष्ठे। मोजूरनमर्त्तारममिखात्मन नचवार्छ। व्यक्तिः (ए।क्ट्र-यहर्य छनीवर । (हाछ। याचन भोवछ खर्छ। छ्यवसः। (हायभिष्णावकरमात्राष्ट्रामा किस्तर्विक्रत्भ मयाक्षभिक्षयाम्। कीस्त्याविष्ठ। द्वाका द्वामायास्याका। व्याधिकात्रः व्यानन्। (यय 'विव मीरक्षी' शहायह (यवकी व (ययः मोखियान्। मीमियान् बीवाजीं को विवान 'वियु को फ़ारबो' अवार कवः। 'कुषाको नार को र्षाक्कानना' (भा०७ ) व केलाकोविः। '(बार्ता दिगाक्ति ( ला० ० > ००) केलि बर्जानः। (काकिविकारियो श्ववनाम्। श्ववकः नाथुक्ष्यमः किळाकात्रो। अम्बद्ध ठळाविः 'वस् वर्ष' अवस्यव्याहरू खर कर्ष वना मार्विख्य है। अकृशे अधियुं दिशामा न अविष्टः जनक्रमानावक्षेत्र जिल्ला ख्या विषिष्ठः वन्धि चन्नाम देखि वद्या बाखास्यः वस्ता विषष्ठः वस्त्रस्यः । 'सूतिर्छर्भः नृष्ट् ( भा॰ ७,8।७४৪ ) देखीर्कनि भरत कृत्। त्माभः। महस्रक्षतः महस्र मस्यानः विक्रि श्रुकां जिल्ला मार्ट कर्षा (सामर्यामा किस्ता कामा मना नः। बामादिवकार्मि स्वीरमाकावस्त्रज्ञपुष्टिहेर न कत्त्राकीकि कानः॥ (३३वा - ७६क)॥

#### मल्यान कालका।

मध्योक्य भट्टारक्याम (माहस (मनवीखमः।

वि थ्रार्ष व्यक्तर भिरम्भा ऋष क्षानक अन्तर्भा ००।

व्यारक्षेत्री वृष्ठी क्षाव्यवस्था । क्षृष्ठीत्या बावनार्ताश्यक्षेत्री । स्मानक्षमा हान्यस्मा किटा गर्यः। इत्रिर्मेशा (क स्वमा। सिक्तिम यक्षाई (क टामक के बहुत कर्या। वार नरनी वक् मुक्तगर्व गथा छ गविन । यथर अवार्मन व्यानक क्ष्यू (व्यू वार । व वर त्यांकच 'का भी त्यां' मीनाय। कोष्मयः। १वनवीक्यः दिनाम १विक कर्त्यकि दिनवीः 'वी कास्तादमे' किन्। व्यक्तित्व दक्षवत्रीः ८५वरो छयः। किक वर्षकः वर्षत्रीय्यक्रवस्त्राह्मः वृभः विक्व विश्वकः बीकाननग्री स्वाधातम नवनात्व। 'हरका वा व्यवस्थ (व्यवः विकास मूमक नायूक बुद्धिविष् हेकि व्यक्ति। ( २२०१ - ७१क ) ।

> । क्छाक किश्वार्थक (न बोक्र शक्क यशूभ की तम्बात खानावाखावाद्विक दकार्यास्यमः खुनिश्रनाः ॥ ७७ ।

'वंशः चर्विश्वनव्रवारणा (वरोति विशेष का॰ ३६००१२)। वृश्णक्षत् कां विक्षि । विकित । विकित । विकित विक्षि । वि

#### जिल्लानह्या विःश्री कालका।

मर ८७ यास्याखिया प्रवाञ्खामात्रा क्षप्र यविक्छम्।

(या (ययानार हत्रिक व्यानव्यम कटेक क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका

'শং ভ ইভি বাভষপক্ষিপভি' (কা০ ১৬.৩০)। শিশুগর্জে শাষ্থ প্রেরমভি। ত্রিষ্টুপ্ ভর্মণ পূলিবীদেবভামর্জ্যং বায়্দেবভাষ। বে পুলিবি। উভানায়াঃ উদ্ধাভিষ্পুদেনাকছিলায়াতে ভক্ষর্পাং ক্ষমণলুলং খননন্থানং বিকতাং শিশুবির্তিন জলপ্রত্বেশে বিকলিছাং। ইড়ভাব আর্ব্যং (পা০ ৭.২.৩৪) ভংছাতে বায়্মা দক্ষণাডু পূর্বোজেন জলপ্রক্রেশেশ ভূণাদিপুর্বেদ চ বায়্র্বা পূর্বাই ভাগ লামাক্রেল্ড। কীলুশো বায়্মা। মাভরিষা মাভর্বাভারিকে শর্মপ্রাণিনামবাছেকভারিকি ভারতি সাছভি মাভরিষা। এবং পৃথিবীস্ক্রা বায়্মাই, হে দেব। ভ্রোভনাহিঞ্বস্ক্রেষ্ট্রাইছি সাছভি মাভরিষা। এবং পৃথিবীস্ক্রা বায়্মাই, হে দেব। ভ্রোভনাহিঞ্বস্ক্রেষ্ট্রাইছিল ভাবেক প্রাণভাবেন চরিল প্রাণান্ধাইছিল ভাবির আণবাহ ভাবেক ভাবেক ভ্রাক্ষণান্ত্রাইছিল ভাবির প্রাণ্ডির বিষ্টুটির প্রভাবিরাইছিল ভ্রাক্তির বিষ্টুটির প্রত্বাহার প্রতিরাধি বিষ্টুটির ক্রিটের বিষ্টুটির ভ্রাক্তির বিষ্টুটির ভ্রাক্তির বিষ্টুটির বিষ্টুটির প্রতিরাধি ওলাক্তির বিষ্টুটির ভ্রাক্তির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টুটির ভ্রাক্তির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টির বিষ্টুটির বিষ্টির বিষ্টুটির বিষ্টির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টির বিষ্টুটির বিষ্টির বিষ্টুটির বিষ্টির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টির বিষ্টুটির বিষ্টির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টির বিশ্বটির বিষ্টুটির বিষ্টির বিষ্টুটির বিষ্টির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টির বিষ্টুটির বিষ্টির বিষ্টির বিষ্টুটির বিষ্টুটির বিষ্টির বিষ্টুটির বিষ্টির বিষ্টির বিষ্টুটির বিষ্টির বি

#### । किछीक किश्री।इत

खनाका क्यांक्रिया गर मर्च यक्रवमानवर्षक

मारना अरब विषया १०० प्रवास्य विकान्दना ॥ ३० छ।

ं जाकीर्सात्रकाक्षमा हाकि प्रकाष हेकि (का० २०७६) जन्नार्यः। जाकीर्याः क्रकाविमभूषद्भभरताः आषान्द्रभाषत हेति। विविद्यत्रताष्ट्रभः विहीता वयार्वः। ख्यां छ वर्ष , १ वर्ष । पार. व्यक्तिवृत्तर वस्त्रवर वस्त्रवीद्रः शृदर कुरणानिननिर्विष्ठमानवर व्यानीवष्ट्र क्षार्थाष्ट्र । 'विष्य युक्तरमास्क त्या गर्हाक गामा वस हेडि' (का॰ २०।७७)। छम्म शेवादक्रका किय-बच्च थवर यञ्च म विकायकः खरमरकाशनर एक विकायला एव व्यक्ता विश्वेक्षनर वस्त अकाममान विकित्तर वानः वत्तर म्रका जिममान नरगाय नगाक निवादय । 'द्याक म्यमान' **呵呵) 預92日 (>>呵 -80** 平) #

#### जक्र का किए मी किछा।

किछ व्यथ्वत्राना त्या (मना शिन्ना।

पुष्य क कामा द्वरण श्रक्तमित्राक्ष यांचि स्वर्षिणिः ॥ ८५ ॥

**'देखिके** जिल्लाबारबाय किरकेंजि' (का॰ ১७ ७।१) खर निष्यः गृबीरबाखिरकेपिछि च्यार्षः विदिश्वका भवा वृद्धी विद्यभागाष्ट्री। क्रिकीता वाववार्यः व्यक्त व्यक्ति। Cच चक्कत, त्याकरमार्थ्यता यरका त्यम क्षेत्र यागनिकादक, एव व्यत्य । **उक्किं।** डि विविदेश खेथात्र ५ त्यमा त्यमचकानत्रा विद्री क्रीकृत्भनत्रता नुष्णा त्यार्चामन भागक। 'बारहार्किकि:' ( भा॰ ७ ०। ५०६ ) देखि मः विखात्रार मीर्यः । किक दर व्यवः । व्यवस्थितः শোভনকীভিভিঃ পছ। यदा नायुनिटिहेत्ररेषः ক্রকা আয়াহি আগচ্ছ। কিং কর্তুং। বৃহতা खोना टक्वीरहम टब्बमा पुरम मर्सानक्यानिया स्रहर। 'मुरम विर्या ह' ( ना- छ।८।५५) विकि मञ्जाककप्रार्थ। मिनाकः। कीपुन्य । ज्ञुककिः माध् क्रान त्रजीवर्गक मर्खकि श्वास्त्र क्षेत्र व्यापिक देखार्थः। या यात्र याशीख नमरक्ष्मः॥ ४)॥

> विक्रशिक्षा कि कि वा केंद्र के यू न किछा बिक्षा क्षिरण म निका। छ। । वक्ष व्यविषा स्विष्किक्षाविष्ठिक स्वत्राभर्ष ॥ १३ ॥

ভির্মান্তঃ প্রাক্তং প্রাক্তর প্রাক্তি বুব ইভিও (কাত ১৬,৩৮) প্রান্তিনান্তঃ প্রাক্তি বিদ্ধান্ত প্রাক্তি । করিবিভাগি বিদ্ধান্ত করিবিভাগি করিবিভাগি বিশ্বিদ্ধান্ত করিবিভাগি করিবিভাগি বিশ্বিদ্ধান্ত করিবিভাগি করিবিভাগি প্রাক্তির বিশ্বিদ্ধান্ত করিবিভাগি করিবিভাগি বিশ্বিদ্ধান্ত করিবিভাগি বিশ্বিদ্ধান করিবিভাগি বিশ্বিদ্ধান্ত করিবিভাগি বিশ্বিদ্ধান্ত

#### खिड्याविशा किथा।

ল ভাজে। পর্ভো ভালি রোগ্ডোরথে চারুক্তিভ্ত ওযধীয়ু।

চিত্রঃ বিশ্বঃ পরি ভ্যাত্নপ্রমাভ্ছ্যে অধি ক্ষিক্রদার। ৪ ৪০ ৪

'ব্যান্থভাগিরিনাভি বারয়য়য়প্রভৃতীনভিমন্তরতে দ আতঃ ছিরো ভব শিবো ভবেভি'
(কা০ ১৬ ০০৯)। পিশুং নীটেরবভার্ঘ্য নাভ্যুগরি হন্তাভ্যাং বারয়য়য়পর্কভাজাল আত
ইত্যাব্ৎক্রমেণ প্রতিমন্ত্রং মল্লয়তে একৈকং পশ্রাহেকৈকং মন্ত্রং লগতীতি ক্রার্থঃ। অব্ধদেবত্যা ত্রিষ্টুণ, ত্রিভদুটা। অব্যান্ত্রক্র তেনাত হে অরে! দ দং রোদতোঃ লাবাল্
প্রিয়োর্গর্ভঃ দলিনানীং আভোহদি। কীদৃশস্থং। চাক্রঃ লোভনঃ পূজ্যঃ। ওর্ষীমূ
প্রোডালালিকস্থান্ত্র দাতব্যান্ত্র বিজ্তঃ বিজ্তঃ। চিত্রং নানাবর্ণাভিজ্ঞালাভির্মিটিরেরপঃ।
ইনানীমুংলয়বাং শিশুঃ নংগনীয়ো বা। অক্তৃনিভি লিকব্যভায়ঃ। অক্তৃনি ভ্রমাংদি
রাক্রাণলিকভানি অক্ষলারাণি পরি পরিহরন্ মাত্ভো। অধি ওব্ধবনন্দভিত্যঃ দকালাৎ
ক্রিক্রেণ অভাতং শক্ষং কুর্কান্ প্রগাং প্রকর্ষেণ গছে। 'ইলো গা কুডি' (পা০ হায়ায়)
ইতি গালেনঃ অভভাবশ্ছান্দলঃ 'ছন্দান দুর্গন্তুলিটঃ' (পা০ ০৪৬) ইভি দর্শকালে কুরু।
প্রেভ্যাণনর্সো বা৷ ইভানেন সম্বন্তে। 'দাবভিদ্বিভি-'(পা০ বায়াছ)৬৫) ইভ্যাদিনা
ক্রিক্রেণিভি যন্ত্রপ্রান্ত্রানিপাভঃ। (১১জ—৪০ক)।

#### **ह्यातिः ने कि का।**

हिर्ता छन नीष्यम जाकक्ष नाकाक्षन्। १०१७न ख्रमक्षमाशः भूतीयनावनः। ८०॥

ः - वान्यरमयणाञ्च वृक्षिया । देववि खिल्मार्थर नाक्षीकासी वान्यर ए नास्त्र नवन क्ष्मन्। व्या हमात्रिकः नम् पर रीष्ट्राकः कृत्माद्या कम। रीष्ट्राकः कृतिकः। बीफ् ब्रकामि वक्र मः! जासः (वनवाननन गांकी जन्नरक्ट्रक्र । भृथूः विक्रोर्नः नम् जरक्षः श्रुवर श्रुवंतिमः चार्षिया ज्या च्रुर्वन नम्रत्य श्रीवरण विवन् च्रुवरः। कीवृत्यस्थ भूतीममार्यः भूतीममार्यान भारकृताभा मृहहारण छार महलीि भूतीयर भवमार मनवर मनकीि मा भूतीयवादनः। 'कवाभूतीयभूतीरखतु काृष्ट्रं ( भा॰ ७०२ ७६ ) देखि काृष्ट्रे श्रवाताः ॥ ८८ ॥

# **लक्ष्म विश्वा कि कि क ब्लिट्सा छन क्षकार्टिंग माजुनी खाल्मा जिल्ला ।** या जानापृथिनी व्यक्ति (व्यक्तिका प्रतिकार या नगन्मकीम् ॥ ८८ ॥

व्यव्यव्यव्या भगावण्यो। व्यक्तिताब्यिनिकः भूकाः भ्रमाध्यव्याद व्यक्तिकितावा व्यक्तिता व्यक्तिः खरमत्त्रायनः एक व्यक्तित व्यक्तित व्यक्त, माणूरीकाः महमाः वर्षाक्रकाः व्यक्षात्कार्थ पर निमः मारका क्या । 'अभिता मा अतितार्थरत्रार्थः' (७८८।८) देखि स्टिंश किक क्रामार्थियो मा चित्रपाष्टीः मा मक्राभम्। ख्योख्रिक्र माखिरपाष्टीः। ख्या नमन्त्रजेषाजित्नाहोशः ( >> च-- १६ म ) ।

महिष्यात्रिः ने किखका। देखकू नाजी कनिक्तमज्ञानमञ्जानमङ পचा। अन्त्रश्चिर भूबीखर वा भाष्ट्रासूयः भूता। मुवाश्विर वृष्याः छत्रञ्जार अर्क्ष्यम् म्यू स्थितः। व्यश्व व्यात्राह्य वीक्षात्र । १८७ ।

'वात्रम्राखायाभूमित निष्यम् भण्ण्यम् देश्रण् गांकी सुवाधिमिकाच्यत्रात्रिकि' (का- > ७ ० ०)। ज्यां की मात्र निक्ष मात्र विक्र जागण्यान देश ज्यां नाजी कार्यान विवासिक वर्षान देश ज यहानक जिल्लानमा जहार्गति भाषा यहारक जिल्ला जालान किकी निष्ट प्रमुख कि छोरबार के कि जानक सम्बद्धाः एकी बक्र रंगो भारती वृत्या। राष्ट्री वन् देश वन् वन्द्रिय व्यक्ष किर कृतिन्। कानक्षम वाहार्यर किवलवर कृत्रम, यक मृत्रसर। त्रामकक देखाड् यवनगासमार्थः। किः कृस्तम्। मानपः लाभनाग्राग्राहातः गर्दछत्रविष्टम मस्ता पिष्णा णाबसम्। वक्क जुनकर। की मृत्या श्रायकः। अका अखम्यीतः। 'अवम् नत्या अका प्रकार 'অভেন্যোহণি টুক্তারে, ( গা০ ৩২ ৭৪ ) ইভি কমিশ্। অধ্যান্ত রাণভোগাদানং রাগ্-ভোপৰাশাৰিং। ভণাচ শ্ৰুভিঃ 'ৰদশ্বত সকুষি রাগভং নিরাছ ভদাপতে ভচং দ্যাতীভিং

(ज 8 को न)। किन्नं व्यवस्थः पूरी सं लेवसभित जेवस्य क्रिया स्वार्थित क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिय

#### मश्रह्यादिःनी किश्वा

আজত নৃত্যমূতত সভামরিং পুরীয়ামলি রখন্তরানঃ।

ভ্ষণ্যঃ প্রতিনাল্পব্যবিধিতত লিশ্ম রজ্মতাক্ত ইয়াঃ।

ভ্যালাবিধা অনিরা অনীবা নিবীল্যো অপ তৃশ্ভিং অভি ৪৭ ৪

আরিবেনভার বজ্য প্রাজ্ঞাপতা। সার্বারী। অভনতানকাভাগানিভারী বিনক্ষিতা। অভন্যানিভার নতামরি ভাল্ঞভররপাল্লমণাহরামীতি লেবং। বডং নভাগাতি পুনর্বচনমালরার্থি "অন্ধাপুর্বমীক্ষতে প্রাক্তিমিভি' (কা০১৬০০১০)। বেরণিত্কার্যাবিশ্বোহনদ্ধান্ত্রিক্তি অলিব্ল কর্মানিভি' (কা০১৬০০১০)। বেরণিত্কার্যাবিশ্বোহনদ্ধান্ত পুরুষ্ঠ অলিব্ল বিল্ল ক্রিল ক্রিল ইভি পুর্ববিৎ প্রেন্দ্র কর্মানিভার ভিত্তি পুর্ববিৎ প্রেন্দর লাভ্যাবিশ্ব ভিত্তি পুর্ববিধ প্রেন্দর বিভাগার ভিত্তি প্রাক্তি লাল্ল কর্মানিভার লাভ্যাবিশ্ব ভিত্তি প্রিক্তি লাভ্যাবিশ্ব ভিত্তি প্রাক্তিমিভার ক্রিল পরিব্রভার কর্মানিভার ক্রিল পরিব্রভার ক্রিল ক

व्यक्ति व्यवप्रमा किर कूर्यम् । विचाः वर्षा व्यक्तिमा किन्नीः व्यक्ति सामीरम्ह याज्ञीत्र अन्य व्यक्ति हेन्ना व्यक्ति माण्डिका व्यक्तिमाः । हेट्सकान्नमात्र । व्यक्तिमानाः ॥ ७० ॥

#### व्यक्तिश्वी किल्का।

एक श्वमहा, धावमहिर शिव्युक्ष्णी व पृष्टी क शोक्रूक्ष । गृहर को वृद्ध भूष्णी व शिक्षणी । श्रुष्टि शृद्ध । भूष्णी न श्रुष्ट श्रुष्ट । भूष्ट । भ

#### 

वि नावर्गिक क्षेत्र्रित्रविक्तां विकाश वास्त्रीतः निष्युक्त (का॰ ३० वा० ३) वि नावर्गिक वास्त्रित्य निकाश क्षेत्र विकाश क्षेत्र क्षेत्र विकाश क्षेत्र क्षे

#### शकानी किंकिन।

जार्भा हि है। यहाक्रिका म উर्ज्य वस्या

ां । यरच स्वाक कक्ष्णा । ०० ।

'আপো বি ভিডি পর্শক্ষারপক্ষ্মক্ষানিক্তি পিঙে' (কা০ ১৯৩ ১৭)। পলাধবক্ষুক্তি বিষয় আলং পিডে বক্ষারেশ ক্ষিপেলিডি স্ত্রাবা: বিষয় বিষয় নিষ্মানিক বিষয় নিষ্মানিক বিষয় বিষয

প্রকাশী ক জিক।।

বিল বঃ লিবতমো রল্পনা ভালমুভেছ নহ।

ভিলভীবিব মান্তর্গ হয়।

(व जानः, ता युपानः यः जिन्छ्यः जाख्छतः जरेषनः एत् ग्रताव्छ हेवाज्यन्यकि हेवः जिन्द्रात्वाचान् छत्र त्रमञ्जाक छात्रिनः कृत्र । छः त्रमः खानशः जिन्द्रात्वाचान् छत्र त्रमञ्जाक छात्रिनः कृत्र । छः त्रमः खानशः जिन्द्रात्वाचान् छ जन्म । छेन्द्रात्वाचान् छेन्द्रात्वाचान् । छेन्द्रात्वाचान् । छेन्द्रात्वाच्छ्य छ। छन्। छन्। । चन्द्रात्वाचान् । छन्। विक्रिक्तः । चन्द्रात्वाचान् । छन्। विक्रिक्तः । चन्द्रात्वाचान् । छन्। विक्रिक्तः विक्रिक्तः विक्रिक्तः । चन्द्रात्वाचान् । छन्। विक्रिक्तः विक्रिक्तः । चन्द्रात्वाचानः छन्। विक्रिक्तः विक्रिक्तः विक्रिक्तः विक्रिक्तः विक्रिक्तः । विक्रिक्तः विक्रिक्

#### बिमकानी किला।

प्रचा च्या श्राम (चा यना च्याम चिष्य।

वार्या कम्मण ह नः। दर।

समाम शिक्षम । निर्माश्चर्या विकास । तमाम्यामानः । तमामानः । तमामानः । तमामानः । तमामानः । निर्माश्चर्या । निरमाश्चर्या । निरमाश्वर्या । निरमाश्चर्या । निरमाश्वर्या । निरमाश्वर्याष्वर्या । निरमाश्वर्या । निरमाश्वर्या । निरमाश्वर्या । निरमाश्वर्

#### विश्वामी काष्ठा

व्यवस्थानि । विष्ण विष्

वाक्षास्त्रितः का पार वरक्षांवि निष्ठम व्यावक्षामि। क्षिपंत अक्षान्तः क्ष्मूर्वे क्षार्यः । अक्षामध्यम्बात्र वच्चत्वा ८तागक्षकात्मारुवन्तर कटेच त्रामाकावात्र ॥ ०० ॥

## हजूश्याणी काश्या। क्रमाः मध्या शृक्षितेः व्याख्याखिः मगीविद्यः। (खबार काक्रतक्य हिन्द्रां (भरवयु (ताहरस्य स्टा

'मर्कतारभात्रनाममहर्षिक क्रमाः क्रिप्रकाखि (का॰ ১৯।०।১৯) रश्चनिकखारनाविक्षित्र नामानहर्विः निखर मिश्चमछोछि क्यार्थः। क्रमरभग्नामान्त्रे (स क्रमाः, श्रीविश नाबिश निखर नरम्का मर्कतारमामान्दिः नरमाका युवरक्याखिः देखीम्मधिर नमीविरम नमाक्ष्मिक निक्षाक्षाक्षाः खेळात्र मिश्वस् नमोविरम नमाक्ष्मिक विकास क्यां क्रमाक। देवां क्रमावार क्यां क्यां क्रमावार क्यां क्यां क्रमावार क्यां क्यां क्रमावार क्यां क्रमावार क्यां क्रमावार क्यां क्रमावार क्यां क्यां क्रमावार क्यां क्यां क्रमावार क्यां क्रमावार क्यां क्रमावार क्यां क्रमावार क्यां क्यां क्रमावार क्यां क्यां क्रमावार क्यां क्रमावार क्यां क्रमावार क्यां क्रमावार क्यां क्यां क्रमावार क्यां क्यां क्रमावार क्यां क्रमावार क्यां क्रमावार क्यां क्रमावार क्यां क्यां क्रमावार क्यां क्यां क्रमावार क्यां क्रमावार क्यां क्रमावार क्यां क्रमावार क्यां क्यां क्रमावार क्यां क्रमावार क्यां क्रमावार क्यां क्रमावार क्यां क्यां क्यां क्यां क्रमावार क्यां क्रमावार क्यां क्रमावार क्यां क्यां क्रमावार क्यां क्रमावार क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्रम

প্রাণার কৃতিক।।

লচ্স্টাং বস্তী ক্রেছীবৈঃ কর্মণাং মুদ্ধ।

- স

'न्या पृथिति निर्माण विकास मुर्गिए नमाक् मिस्रिकि' (का॰ ১৬ था२०) एक निर्माण निर्माण का क्ष्मिक्ति क्ष्मित्र क्षमित्र क्ष्मित्र क्ष्मित्

শটুপঞানী কণ্ডিক।
নিনীবালী অকপদা অকুরীরা খোপদা।
ভূতামদিতে সংখ্যাক বিশ্ব বিশ্ব দ

#### मक्षणकाणी किका।

हैवार कुरुगालू मल्ह्या माल्ल्यामांबिकिकिया।

वाका भूखार याबाभाष्ट्र माधिर विकर्क् गर्क च्या । यथक थिएताक्षि ॥ ८१ ॥

जिला क्षिण । नामर्थान निमा तृष्णा ह नाहणाः वर्णाणाम् शर कर्माण् चरमाण् । ना किया कृषा मणी भर्ण वर्षाणाम् जानमणार जिला निम्न विक्रि । वर्षा मणी क्षिण करमी के भर्ण करमाण भूकर विक्रि छवर। 'प्रज्ञमान देवार करताणि मृत्रमाणाम् भवक जिला के कि' (का > 500 २०)। प्रज्ञमान भूजा कर विज्ञान मृत्रमाणाम वर्षाम ज्ञाण कर विज्ञान मृत्रमाणाम वर्षाम करताणि। व्यक्ष भूजा वर्षाम वर्षाम करताणि। वर्षाम करताणि। वर्षाम करताणि। वर्षाम कर्षाम करताणि। वर्षाम करताणि। वर्षाम करताणि। वर्षाम करताणि। वर्षाम करताणि। वर्षाम करताणि। वर्षाम कर्षाम करताणि। वर्षाम करताणि। वर्षाम करताणि। वर्षाम कर्षाम करताणि। वर्षाम कर्षाम करताणि। वर्षाम कर्षाम करताणि। वर्षाम करताणि। वर

#### न्वेशकाणी क्षिका।

বলবা কুপ্ত পারত্রেণ ছন্দালিরছত্বাসি প্রিয়া মন্ত্রি প্রজাত রান্তল্পান্ত পৌপভাত জুনীর্ঘত গ্রাভাজ্ঞনানার কুলালা কুপ্ত কৈউ তেন ছন্দাজিরগত্ব বাল্লেরিক্সালি বাহয়া হয়ি প্রজাত নাহত্যান্ত ्रशी विकास स्वीर्वास विकास समामा का स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व

खोत्रिम बाबता यति अवाध् नामरन्नायर भी गडाध्यवीर्याध्यवाष्ट्राक्षकमामाञ्च

विष्यं चा व्या देनचामताः कृषचाकृष्टे एकम क्रम्मनावित्रचक् वानि विष्य क्रि वात्रज्ञा

मित्रि क्षाभ्याक्रत्नावर त्नी भछाभ्यविष्ण् मणाणाण्यकाषाव ॥ ॥ ॥

"यन वर्षाक क्षेत्रकि, ( का॰ ) लाज रक्ते। वक्ताच लाखार वेसर्वाक्रणां क्षारिक्ताज्ञ-विभूगार करत्राकी कि श्वार्थः। हिनारम्यका वास्त्री अक्ष्रुभ्। (इ हित्य, वनवः स्वयिद्यवाह नात्राखन इन्मना कृषा व्यक्तितवर विकतन हैन या या॰ कृथस क्र्यस। यनाविद्राण्यि निश्चिष्ठ कुछ। छवर। राष्ट्रका ना कि विद्यानि प्रियो हानि विश्व विश्व राष्ट्रका राष्ट्रका विश्व विष्य विश्व नश्चमार्थ। मन्नीकि नामानाभिकत्रगार ८२ छे एथ, मन्नि यक्षमारम व्यक्षार भूखानिकार शास्त्र म्हानम् । त्राम्राञ्जायः मनम् पृष्टिः मात्रम् । त्रीलन्तार (भाजिकः मनमामिकः मन्नि वासम्। श्वरीर्वार (बाख्यर यीर्वार योत्रकर्ष वित्र श्वानम् । जवाश्वास्थानामस्त्रार नेष्ट्राने व्यक्ति थात्रम्। 'व्यक्षाक्रमोत्र मर्न्तकः क्षेत्रमः वाक्रमामगांकि क्रजार्ष्यकि' । का० ১७०२१ )। क्षेत्रमान मखतः अविख्छन्त आखान्नकाम्र्कः नीवा अवगार निक्तिगारेखः नररवाक्षक्रेष्ठि ख्वार्यः। উवारवरणार जार्याक्षेत्र । ८२ छ एवं. क्रजाः टेजरे एकम इजना चार क्रूमा । वयस्तिक-क्रभामीखि निर्मनः। (मयः भृतिनः। माना क्रकः क्रवाखन्नाविखारचि (का॰ ১७।२ २४)। खाम्यार विविनम्या निल्या गातिया मुद्रर सुरवाक्तर बाकूर विक्रोम्निकियार मृर्स्मामित रवाकवरोडि एकार्यः। উपारमग्डार जाको व्यवह्रेश्। व्यक्तिशा स्माः कामरक्ष क्ष्मना चार कूर्वन चर (भ्राक्रनानी कि नित्मवः। (मधा नावा। क्षाती। 'विष्म (पन्नि नभीक (बाकि (का॰ प्रकाश २३) पृत्साक मामार करता शक्ति श्वार्थः। केवर खाकी विदेशक्ष दिश्र मित्राक्ष विश्वाक्ष वा विदेशवार महावार महावार महिला का विदेशिए। मरत्रा किका मा देवचामताः अवकृष्ठा विरचलियाः (२ छिर्च, चार कूर्वकः। चाकृष्टे रक्ष कंचना क्रमा पर छ निध्या निभ् नामि। ध्ययर भूसंख्लार ॥ ( ) अच- ८४ म ) ॥

#### धारकानमञ्जी किछा।

विजः शृष्णाण्। कृषात ना महीयूबार मुखतीर (यानिवधदा ! जाबिरेंडा यःत्राञ्चिषि

> खनशामिष । () ! প্রাবজ্বদিভি: थु(खनाः

1. -

শূ

'বিজ্জীর উল্লের ইউিচ ্ লর্মজঃ করোজানিতৈ রাজেন্ডি' (কা০ ১৬ ৩৩০০)। উথোদ্ধন্দ আলাধ শ্রেমা বিজ্জোপর ভূপীরভাগে লর্মার বৃষ্মীং বেষলাই করেন্ডি জনাধ্যেলাভিমানি প্রতিনিদ্দান করেন্ত বৃষ্মীং বেষলাই করেন্ডি জনাধ্যেলাভিমানি প্রতিনিদ্দান চতুর্ম্ ভীরপ্রে জনযুক্তাঃ কুর্যাদিতি স্তার্বাঃ। রাজানেবভাং যক্ষ্মায়ন্ত্রী। ছে রেখে অনিইজা আলিভিম্নপাল্লা উপারা রাজা কাঞ্চী-ওব্ছ'নীরাদি। 'বিলং পৃত্নভানিভিট্ট উতি' (কা০ ১৬ ৪০) উথারা মুখনালভডে। উথানেবভাং যকুর্ম্ হতী। ছে উথে, অনিভিঃ দেবনাভা জে জন নিলং মণাং সৃত্ব লাভু গৃত্নাভু। 'কুরাল্লেভি নিল্পাভি' (১৬ ৪৯)। অনুষ্ধাং নিল্পাভ ভূমো লালং মণাং সৃত্ব লাভু গৃত্নাভু। 'কুরাল্লেভি নিল্পাভি' (১৬ ৪৯)। অনুষ্ধাং নিল্পাভ ভূমো লালং করিছেল আলিভিঃ উথাং। ক্রাল্লাভিমানিভিম্ন করিছা আলুত্রারাক্ত ভূমিং লালং করিছেল আলিভিঃ উথাং। ক্রাল্লাভিমানিভিম

#### मष्टी किखका।

विभागको धूनप्रकं भाष्रदेखन इम्पनिकट्यक्रमाका धूनप्रक देखहूरक्रम इम्पनिक्रप्रकाविकाको

ब्नक्क जानरकम कामानाजिद्यप्रिक जा (पना देनपानता ध्रमाखायूष्ट्रंटकम

. इम्मनाजितचित्रच। ध्नमज् नक्रनच। ध्नमज् निक्षाः ध्नमज् ॥ ७०॥

्लिश्च विश्व विश्

#### अक्मश्री किछका।

व्यक्ति हिंदि । देव विषय वाव को श्री विषय । विषय । विषय वाव विषय । विषय

जनभूषान्छित्र नाता (वरीकियापनावि)ः श्विताः नवत्त व्यक्तियपन ह्यूप ॥ ७३ ॥

'অত্রা খত্রং চতুরত্রং খনতাদিভিট্টো ত' (কা০ ১৬।৪।১)। অবাঢ়োখাবিখপ্রোভিষাৎ भाकाम हजूतव्यः गर्धभवा। बन्छ। ७ र्बार्यः। व्यवहिष्यकार व्यावाभका। विद्ये ग्रा एट व्यवहें अर्छ, व्यावाद्या श्राप्तकाः अवरक्ष नव्यात्म केर्रातकार्य वा वार वन्त्र व्यक्तिवा हेर स्थाकिरत्राक्कर पाठक्षपर। कीषुणामा 🖘। विषयमावकी विषयार स्मानार भव्दा विषय्प्रकार अधिकार विषयः मा विषयः भगाविष्यः । यद्ध (लामाय---)( भा- ७ ०,১०১ ) वेठ्यामिन भोर्यः। मटेखार्फिटेनः मांच्छा। । वट्ययु (मटन्यु मांवर्य। विष्यामय्याः (छक्छार मछो। ज वाः '(प्रवानार (प्रशूपार क्राव्यार (का॰ >७।८।>> ) हे जि । व्यापाम्याम्यान क्षित्र का गर्छ द्वानम् का कि क्षार्थः। भक्ष वक्ष्युपारमत्त्रानि एवं व्याद्यान्यका विष्टे को। विचारमवाव की विदेशः (मटेनः निव्काः (मवानार निष्ठाः (मवाः (मवनाष्ठाः (मदवा मीनामाना अयमतः शृथकाः नयद्य उर्भात व्यक्तित्र हेव ८ए उर्थ, या याः मथकु श्रामत्र । दिवनश्रीयद्य-শৌষৰয়ঃ শ্রুত্যোক্তা:। তথাচ শ্রু।তঃ 'ও্যধ্যো বৈ ধেবানাং পত্না:' ( ৩:৫ ৪।৪ ) ইতি । 'विषयानायम्हान्न प्रांक्षनाव्याविना मोलवान । यवनार्षं ७' (का० ३७। ८)। उपाद्याननामखद्रश विष(क्यां किवकृष्णीरं ष जिर्गपात्र अलटेनः नक्यां क्वां किवादियां ने विद्वाराष्ट्र मीनम्छोछ रखार्वः। विश्वविष्ठा विश्वनाः वार्शास्त्रान्तः । त्राप्ताः छन्ति व्यक्ति स्र व्य ८६ छ (स, प्रामणोक्षां प्रशाका गत्रस्य । 'वक्रको (स्रुणोक्षमार्गा कर्णाण' (का०७७। ८००)। नामक्राक्रसागतिष्यस्य ग्राप्त कियाः क्रमा एकरमासार मध्यन् क्योग सक्रिक स्कार्यः। वाभ बुक्छो। विषं (पन्यूडा वक्र अरम्रा (पर्या। एक्र व्याका क्रिमानिका (पन्थाः श्वाप्ता क्रिमिन व्यक्तिम हेव ८२ উट्ट, बार अनम्ब नहामानकार मन्नामग्रहा 'व्यकातातानि देव वस्व (याव्रावादेव वीमण् नमार वृष्ठरे (७।६।४७) देखि व्यास्म का विवास मार्था वाला । बाखा। नाम काना। 'क्रमार्जान है व बाम्हत्मां किह यूर्गर (माकर मक्छि'। ७.८ ८११)

हि अ एव । प्रमार्थि। विषर्ष्रमुक्षा ब्रांट्स्याक्ट्रियांनिरमा (बनकाः श्विया উপরি ছে উথে, অভিরণ ইব चाং পচস্ত। অসম্বন্ধা। अङ्गश्रुक्तिः। 'मक्तवानि देव अनम्रः' (१८।८ ৮) देखि व्हरक्ष्मनत्त्रा नक्ष्याकियानिका (एवखाः (ए छर्प, षार भक्ष । कीषुर्धा अनमः। अध्यान्त्रभावाः अध्यान्त्रः भावार भावार वाशार छाः मश्राच्यानिष्यः। विष्टेर म्मेहर ॥ ७० ॥

#### विभक्षे कि कि का

भिक्ष हर्नी श्रुष्का रहा (प्रवक्त जामनि। छ। मर हिन्द असम् ह ६२।

'बाहत्रिक मिळाकि' (काव ১७।८।১৫)। भागासः स्रभागः क्रिमकोणि स्वार्धः। िम्द्राद्विका गात्रको विचाभिक्षपुष्ठा। भिक्षणांष्ठाण व्यत्ना त्रक्व १ छात्रः यत्यार्त्र चा वसर सम इकि (चवः। वार्षभरोसि वा। कोषुमक मिळक। हर्यनीश्वकः हर्सनद्रम मञ्चाणाद्मत्रजीक हर्यानेश्वर कचा। नरिकामार मीर्थः। मञ्चानार नाममिकः। दननक क्षेत्रभागक। कोक्रूपमनः। मार्मान नमाकनः। नामनोक्ति भूताननाम (मिष् कार्नाह) क्नमाननीनः या 'यव पारम' देखाक व्यत्त्राभः। कोषुमः इ।मः विकल्पनश्चमः विकल्पन ंधरमटेकः खात्राच छक्ति तथाः 'त्रं खाबर्ष' व्यवादकर्षागुम्ना व्यक्तियम हित्रखन हेक्कि ेकित्रध्यं गण्डमम् अन्य धार्मी अर यनः श्रार्वप्रात्मिण कावः ॥ ( >> व्य - ७२ क )॥

#### खिषशी किला।

লবিচোৰপতু জুলাণিঃ স্বস্ত্রিঃ জুলাত্রুত

व्ययायमाना वृश्विगामाना देशम व्याप्त ॥ ७० ॥

अंदिषभंति स्थापार एमगरकाति (का. २६ डा.४४-२२ )। क्योक्टर स्थापम्यामाः प्रमान क्रिकां को कि मुखांबें। निविक्तिवंगा द्वारको। एक किए, निविधा (विवेश मक्ता) यनावर्ष्यम उँ जांश वृद्धा ह यो यागूष ग्रू अश्वाकाषमार अकामीकरताजू। उँ अवस्थात वृद्धित्र शाहारी। कीयुनः निका। ख्यानिः (नाक्तो भागी रुखी यक्र न स्थानिः। चक्रुतिः (नाक्या चक्रुन्तः) क्रम् । पक्र म पक्रिः। मकात्रक दत्रकक्षामनः। स्वाहः ब्वाह्म याष्ट्र स्वाह्म वाह्न क्रमा ख्यांदः। विविद्याद्वपत्रिष्ठात्म। यहः व्यवाष्ठात्रः नानिः। ऐथायूष्ठावार क्रत्राष्ठायायात्रिष्ठि ( का > 36 8 33-80 )। स्थानमाक्षणाका विविधान विद्यान वि श्वार्थः । इ एत, निव्या एवला मछो जनावमामा जन्मकी नावाममाश्रू नको श्वार दिला े नछी चेमानाः क्षाठ्यानिननः निनः अर्थसानिनिनन्छ जाश्व जाश्यमः। जास्कितरनरमि (中日: 11 (2) 出一日日本) ,

#### हजूश्वेष्ठी किन्ना।

ख्याप द्वा करवाक् किंक अर्थो चन्।

मिटेक्डार छ छेबार भित्रमागा छिछ। जना मा ८७ मि ॥ ७०।

'উল্লেক্ড্যুথারেভি পরিগ্রু' (১৬।৪।২১-২২)। হল্ডাভ্যার্থায়াদার পাকার্ছং নিজাশন্ধভীভ স্তার্থ:। বহুতী প্রেছির্চ্চ উথাদেবভাঃ উল্লেক্ডার নিজাদেবভাঃ। হে উথে, বর্ষারেভলাগবটাবছিরাপতা বহুতী মহুতী ভব। তত উল্লিট বক্তাণি প্রহর্ত্তর। বহুঃ বংট্রুবর্ট ভিরাদি 'বভাবভঃ। উকারঃ পালপুরণঃ। 'পাত্রে করোভি বিলৈভাং ভ ইভি' (কা৹
১৬।৪।২২)। হল্ডগ্রীভার্থাস্থ্রভঃ প্রেছাপিতে কলিংশিচংপাত্রে স্থাপরভীতি স্তার্থার ।
ভভো বিশ্বজ্যোভিষাং তৃষ্টার্থপনং। হে মিত্র পর্মপ্রাণিহিভজারিন্ দেব, এডার্থার ভিজতি প্রার্থার ।
ভল পরিস্থানি পরিজাণার প্রয়ন্ধানি। ভিন্তবং। অভিতা ভেলনং ভিত্তিঃ ন ভিজ্ঞিক্ত ভিজতিক অভেলনার। এবা চোথা বরা গ্রীভা লভী মা ভোল মা ভিত্তবং, বিদীপ্রতি

#### शक्तिशी कि कि का।

বনবন্ধান্ত দান্ত গায়ত্ত্বণ ভ্ৰমণালির সম্প্রাক্ত দান্ত তৈই তেন ভ্ৰমণালির স্বদানিত গান্ত দান্ত ভাগতেন ভ্ৰমণালির স্ববিধে স্থা দেবা বৈশানর। আচ্ছ্ দান্ত স্থান্ত ইতেন ভ্ৰমণালির স্বধ ৪ ৬৫ ৪

'जवानमार्गिकिछ स्वार्थः। छेवाल्यछानि हचाति जाछ। वन्न, भावजी। ८व छ एवं, यमयः मामर्थान हमाजि ज्ञान हमाजि जाछ। वन्न, भावजी। ८व छ एवं, यमयः भावर्थन हमाजित्व हर चा चामाळ माछ नमछ। १ छ छ वित्र मोछिए वन एवाः विद्यान क्ष्मान ज्ञान । अव्यान व्यान क्ष्मान ज्ञान । विद्या नामक अव्यान व्यान क्ष्मान व्यान व्

विषष्ठी कि खिका।

ज्ञाकृष्टिमश्चिर क्षाय्याम् वाहा भरना स्वयायश्चिर क्षायुष्यम् , याहा हिन्छर निकालमाधर

कार्षण मादा नाटा निश्वमिश कार्षण मासा काषानण्डाम

मन्द्र चाराक्षरक देशभागतात चारा ॥ ७७ ॥

্পাকুভান্তে দ্প্রভণানি ছবা সপ্তায়িকাভাক্তিনিতি প্রতিমন্তং' (কা॰ ১৬৪:৩০)।
বিষ্ণালন্তরণং লগাণ্যাকা অপীইকাঃ কৃষা কান্তনানাগছায়ং দীক্ষাং কুটোদ্প্রভণবোমকালে
প্রাক্তভানি লোমবাগে কর্তনানি 'আকৃতিগ প্রযুক্তেয়ার খাহা' (অবাা॰ ৪াক ০৭) ইত্যাদীনি
পক্ষোদ্প্রভণনংজ্ঞানি ভয়ায়িচসনন্ত্রানি সপ্তোদ্প্রভণানি প্রতিমন্ত্রং জ্লোভীভি ভ্যাবাহি।
বিশ্বেলিল্লাল্লালে বিষয়া ভাং প্রতি প্রযুক্ত প্রের্ক ডং লছন্ত্রপ্রেরক সগ্নিমুদ্দিশ্র
ভালা ভ্রতন্ত্র বিষয়া ভাং প্রতি প্রযুক্ত প্রেরক ভালার অনুক্তির লামানাদিক রণাং বা। মনং । বজুন্তির প্রাক্তর্ক ভালার ভ্রতনার্ত্রিকিভি লামানাদিক রণাং বা। মনং । বজুন্তির প্রাক্তর্ক ভালার ভ্রত্রেরাজিরিভি লামানাদিক রণাং বা। মনং । বজুন্তির প্রাক্তর্ক ভালার ভ্রত্রেরাজিরিভি লামানাদিক রণাং বা। মনং । বজুন্তির প্রাক্তর ভ্রত্রেরাজির লামানাদিক রণাং বা। মনং । বজুন্তির প্রাক্তর ভ্রেরক মান্তির ভ্রত্রেরাজির লামানাদিক রণাং বা। চিডং । বজুর্জ্ক পিতি । আণক্ষাভিত্রাভিত্রিকা ভ্রতনার ক্রাক্তর প্রক্তর বিষ্কালিভ ভ্রতনার । বাচঃ । বজুর্জিপতী ।
বাচে। মন্ত্রণার বিশ্বারণং প্রতি প্রবৃক্তর প্রক্রের ক্রানার ভ্রতনার প্রক্রানার প্রক্রিলিভা ভ্রানার ভ্রতনিদমক্ষ ও প্রক্রের বাণানক প্রার্বিভার বিষারণং প্রতিক প্রবৃক্তর প্রক্রের প্রক্রানার প্রক্রিলানাং পালকার ভ্রতনিদমক্ষ ও প্রক্রিলানার বাণানক প্রত্রের বানার বিশ্বানর পুত্রার বারের সারা ভ্রত্রের ভ্রতনার। ১৯৩০—১৬ক ) ।

সপ্তমন্ত্রী ক'গুকা।

বিখা দেশত নেসুর্গকো বুরীজ লেখাম্।

বিখা বিষয় ইনুগজি হারং বুলীত পুস্তালে ভাহা। ৬৭।

#### नहेंग्डी किला।

मा च्र किया मा च्र तिरवाश्य शुक् वीत्रवय च्रा क्यिएन्टपर कविक्रभः । का

'म(छाछ्यपासः क्रयास्तर्य्यसमानतात्रक्रणत छेथाययगोदिक्षित्रस्छ मुक्कणायण क्रमायः चर्छीप्रक्रित्रम्थाः मा च्यू छिथी हेछ छित्रं पृष्ठः थाछ् ( का॰ ১৬ ৪.७১ ) खेल् अछण ह्यानः मस्तरः कोक्षणीयात्मारः ज्ञयानः क्रयास्त्रितः क्रयानः क्रयास्त्रितः क्रयानः क्रयास्त्राध्यस्त क्रयास्त्र क्रयास्त्राध्यस्त क्रयास्त्र क्रयास्त्राध्यस्त क्रयास्त्र क्रयास्त क्रयास्त्र क्रयास्त क्रयास क्रयास

#### खरकानमञ्जूषिकशो क्**छिका** ।

ষুত্ৰক থেবি পুনিবি ক্ষয় আক্রী নায়া ক্ষম ক্ষতালি

क्षेर (बट्वका हेन्यक क्वाम्यक्षा क्रम्बिक बटक व्यक्तिम् ॥ ७० व

कार्या कात्रावाणकारता वर्षनार्यः। ए शृथिति विति, त्रृथकार्याकार शृथितीयः मद्धिर्विणाः विकासित्वकादः। ज्ञातित्व वर्ष जिष्यः स्वात्व विकासित्वकादः। ज्ञातित्व वर्षात्र विकासित्व वर्षात्र वर्ष वर्षात्र वर्ष वर्यात्र वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्यात्र वर्षात्र वर्ष वर्षात्र व

#### मल्डिक्सीः क्थिका।

क्ष मार्थिता इकि आहा (दावा स्त्राः। ७ महमन्द्रा का का ।

'खवानाक्षाकृ व्याप्तानां कार व्याप्तानां कार व्याप्तानां कार व्याप्तानां कार व्याप्तानां कार विष्ठ विष्ठ (का० २० ६ ०० ००)। व्याप्त वाण्य वाष्ट्र व्याप्ता व्याप्तानां व्याप्ता व्यापता व्याप्ता व्याप्ता व्यापता व्य

#### जकमञ्जूषिक विकाश

পরক্তা অধি লংগভোহণর। ২হলভাভির। যত্রাহুমণি ভাঁ ২হলব 🛭 ৭১ 🖡

'रेनक्छिं भन्न हिंछ' (का० ১६।८१०६)। विक्छ छ छ निमा कि पूर्वार्थः । जारवर हे छि नर शामनाम पूर्वार्थः । जारवर हे छि नर शामनाम पूर्विष्ठः । जारवर हे छि नर शामनाम पूर्विष्ठः । जारवर्षक वन एक छ छ जारवर नर अस्ति । जारवर कर अस्ति वा क जारवर भन्न जारविष्ठः । जारवर्षक वन एक छ जारवर भन्न जारवर्षक जारवर जारवर्षक जारवर जारवर्षक छ जारवर अस्ति । जारवर्षक जारवर्षक छ जारवर जारवर्षक छ जारवर्यक छ जारवर्षक छ जारवर्यक छ जारवर्षक छ जारवर्यक छ

#### बिनश्चिष्णभी कि खिका।

#### खिनश्विक्यी क्षिम्।।

যদপ্তে কানি কানি চিলা তে দার্রণি হয়।লি। স্বাং ভংগত তে পুতং ভজুব্য হবিঠা। ৭০।

#### **४ क्टू** व्यक्ति विकाश किल्या

यनखु।পঞ্জিক বা যদ্রো অভিনপ্তি। নর্বাং তদভ তে মুতং ভজ্বর যদিষ্ঠান ০৪ ৪

'লাবংশরাং বলভী জি' (কা০ ১৬৪ ৯৯)। লাবো নীচে দেশে শেন্তে ভাং ভূলপ্তাং লমিবং পঞ্চমীমালবাভি। উপাজাহ্বকা উপদাপিকা পিপীলিকালদুলঃ ক্ষুদ্রজীবঃ বদ্ধাক্র আন্ত ভক্ষরাভ অবঃশর্মাদেব। ব্যো ব্যাকণ্ড বদ্ধাক্র অভিনর্গান্ধান্তি অভীভাত্বর্দ্ধতে তৎনর্কাং তে স্বর্মন্ত ইাভ প্রবং। (১১ল – ৭৪ক)।

#### शक्म शिष्ठभी कृष्ठिका।

ब्द्रव्यक्षावर **ब्द्रव्यार्था** (यह व्यक्ति वान्यदेष ।

माम्राम्प्राचित अधिया ममरकार्था मा एक काल्टिका सिवाय ॥ १९ ॥

्लामानीः श्राह्म विवादि (का० १०।८।८०)। जहेरीलः श्राह्म हो लामानिः व्याद्य । एवं विकृत्ये। विकृत्य

पाक्षिपाणाम्नामयिष्ठामापीम यथा क्षेष्ठाहमक्षमाएवन पाणर मह्यक्षि छपर। भूनः किर क्र्क्षछः। त्रामः ८भारवन धनक भूषे। एक्षिनालक्ष्ट्रम हेमा व्याप्तम ह नरमप्तः हर्षर क्र्क्षछः। पाम्पाहमस्त हेष्ठार्थः। (১১ व – १८ क्र)।

# सह । श्रीक्षक्रमी कृष्टिका । नाष्ट्रा शृक्षिणाः भौभशास्त व्यक्षो त्राग्रत्भागात्र तृष्ट्रक ह्वाभृद्ध । हेब्रस्य तृहक्क्षर सक्रवर क्षिणात्रभविष्ट शृक्षमान्त्र मामहिम् ॥ १७।

শ্বিষা হ নাভিঃ পৃথিবৈর ববৈর এতংশমিধাতে' (৬৬০৯) ইভি শ্রুতেঃ। পৃথিবার নাভা নাভো। বিভক্তেরাকারঃ। পৃথিবীর পায়া উথারা মধ্যে সমিধানে দীপামানে অরো আহবনীয়াঝ্যে অরিং ওদাভমানিনং দেবং বয়ং হ্বামহে আহ্বয়ায়ঃ। কিমর্থং। বৃহত্তে রায়ঃ পোবায় কৌল্মর্যায়ং। করংমনং ইয়য়া অয়েন মান্তাভ তৃপ্যভি ভুয়ুতীভি ইয়ংমদন্তং 'উগ্রাম্পন্ত-' (পা০ ০০০ ০৭) ইভ্যাদিনা খলি নিপাভঃ। বৃহত্ত্থং য়ুহ্ভি মহাজি উক্থানি লক্ষাণি য় ভং। য় অতেং যজনীয়ং। পৃতনাম্ম লংগ্রামের জেভারং জয়শীলং। লালাহং সহতেহভিত্বভাতি সালহিত্তং লোঢ়ায়মক্ষত্তে গামভিত্বিভারং। শ্রুমান হ্যাধ্বীয়াম্যাহ্রীয়বিষ্যাহ্যিলকঃ জেভারম্যাম্যাধ্রীয়ের্যাব্রম্যঃ (১১ লাল ৭৬ক) ॥

সপ্তাপপ্ত জিজনা।

। ।

যা: দেনা অজীবরীরাব্যাবিনীরগণা উত্ত।

ব কোনা ব চ ভক্ষরাস্তান্তে অংশহণিদ্ধান্যাভোষ ৭৭ ৪ -

ষড়কুই তঃ। যাঃ কাশ্চিৎপরকীয়াঃ লেনাঃ অভীহরীরভীহর্যাঃ অভিযাযিত্যঃ অমণাতিমুখোনাগমনশীলাঃ অভিযান্ত তা আভম্বাঃ। 'হলমশজিলান্তিভাঃ করপ্' (৩:২।১৬২) ইভি
করপ্ 'হুবভা লিভি-' (পা০ ৬।১ ৭১) ইভি তুক্ 'টিড ঢ়াগঞ্বসলজ্-'(পা০ ৪ ১।১৫)
ইভ্যাদিনা শ্রীপ্। উতল্পোহপার্থে। উভাপি চ ষাঃ লেনাঃ আব্যাধিনীঃ আ সমস্বাহ্বিধান্তি
ভাঃ লক্ষভোহশাংস্তাভয়স্তাঃ। উগণাঃ উলগ্ র্বিণাঃ। পুবোদরাদিপঠান্মবামপদলোপঃ।
উপ্ত ভার্ধপণোপেতা বহুস্তোমা ইভার্থঃ। দে চ স্তেনাঃ গুপুচরাঃ যে চ ভল্করাঃ প্রকটিটোরাঃ
ভিত্তবন্তব্রাভি বৎপাপকং' (নি০ ৩৷১৪) ইভি নৈক্ষণাঃ। তে আমে, ভাণ প্রেমিন্তালি
ভিত্তবন্তব্রাভি বৎপাপকং' (নি০ ৩৷১৪) ইভি নৈক্ষণাঃ। তে আমে, ভাণ প্রেমিন্তালি

#### विकेश विकास किया।

प्रश्री जार मिल्ल स्टेंडा खरूरी २२ छछ। रहा छ। ए खनाम खगन खंबर थान ज्यवानिकान्। १৮ ह

শুপ্তাঃ প্রকটাশেচতি বিবিধাশেচারাঃ। প্রকটা অপি পুনবিবিধাঃ। অর্থো মার্গে চ প্রক্রতা প্রভাবনের প্রায়মানাঃ প্রকটাঃ। ভত্তাহ্পাভিপ্রকটা নির্জনা গ্রামেষ্বাপস্ত্য বন্দীকারাঃ তে অত্ত মলিন্ন চ উচাস্তে। মলং পাণাধিকালেবামন্তীতি মলিনাঃ তথাবিধা ভূষা ন্নোচন্তি অনে বনে বা অনুষ্ঠা ভবন্তীতি ম্লিন্ন চঃ। দন্তপঙ্গিক্ষধাে ষাভাাং তীক্ষরভাতাং ক্রেম্কালিকং ভক্ষাতে তে দংট্রে রাক্ষনীলংজে। ভতঃ পুরোবর্তিনো বহিদ্পামানা দ্বা অমন্তাঃ অস্তারভিমাশ্রিতা জন্তাঃ। দন্তলীনে ভূ হন্। দংট্রাভাাং মলিন্নু ন্পীড়েরিষা অভ্যাঃ অস্তারভিমাশ্রিতা জন্তাঃ। দন্তলীনে ভূ হন্। দংট্রাভাাং মলিন্নু ন্পীড়েরিষা অভ্যাঞ্জন্তানি প্রভাগে ভেলন্ পীড়রিষা হে ভগবঃ ভগবন্তবিধ্বাস্ত্রক প্রনানি পীড়রিষা হল্লাং ছেভান্ পীড়রিষা হে ভগবঃ ভগবন্তবিধ্বাস্ত্রক প্রনান, তাজাধান্প্রেভান্ত্রধানিভান্ স্বষ্ঠু খাদিভান্ভিক্ষভান্পুনজ্জীবনরহিছা ধ্রা ভবন্তি ভবা ধাদ্ ভক্ষয়। প্রণাদিভানপেতান ক্রম্বেভি বাঃ (১১ল - ৭৮ক)।

তে ক্ষেষ্ণায়বন্ত তে দ্বামি অন্তরো: ॥ ৭৯॥

জনের গ্রামবর্তির যে মলিমুচ: পূর্বেজে। বন্দীকারাঃ যে চ বনে জেনালঃ জেনাঃ বাজ্ঞানের সূক্' (পা॰ ৭।)।৫০) ইত্যসূক্। গুপ্ত চোরাঃ ভস্করাঃ প্রকট চোরাঃ। যে চ কলের নদীপর্বিত গহনের অধারবঃ পরেষাং পাণাভিলারুকাঃ হে অলে, ভান্ চভুর্বিধান্ জে তব জন্ত মোলি দংষ্ট্র রোজিধামি স্থাপরামি ভস্কণারেভারিঃ। অবং পরক্তেজ্জি ভে অবারবঃ 'ছন্দিল পরেছারামিভি বক্তবাং' ইভি অবশ্বাহক্তাত্। 'ক্যাছ্নদলি' (পা৽ তাহা১৭০) ইভি উপ্রভারঃ। (১১অ–৭৯ক)॥

অপীতিভনী কাণ্ডক।

যো অশ্বভাগরাভীয়াত্তত নো বেবতে অন:।

নিন্দাত্তো অশ্বান্ধিকাচচ পর্বাং তং সম্মা কুরু।৮০

সুর্বাং চোরভেনা নর্লিটাঃ ইনানীং শক্রভেনা উটাছে। তে চতুর্বানাঃ জারাভারে প্রেবিণা নিকালা জিলাংস্বংশতি । তার নাজনাছেন প্রাপ্তঃ বনং যোন ননাভি লোহনাছিঃ। কার্যানিলাভং যঃ করোভি ল বেনী বাগ্রেইজ্রেরাজং যঃ করোভি ল নিকালঃ। ইছারাং না কার্যানিলাভং যঃ করোভি ল কেরাজিরাভি ল নালার নাজনালার ইছারাং যা কার্যানাং আরাজিরিবাচরভি অরাজিরাভি জরাভিত্যক্তি । আচারে ইছারাং যা কার্যারাং । বিশ্ব আরাজিরিবাচরভি অরাজিরাভি জরাভিত্যক্তি । আচারে ইছারাং যা কার্যারাং । বিশ্ব আরাজিরিবাচরভি অরাভির্বান্তে কার্যানালেনাপ্রীভির্বান্ত্রভি 'বিব অপ্রীভেট' 'বছলং ছক্ষানি' 'গোঁ ২০৪ ৭০ ) ইভি লাগো পুরভানঃ। বোহণাক্রেছি ছিলাংলভি নাজভি বাচা ভঃবং জনাভি। যালাপরেহিলান্ বিকাং বিজ্ঞভি। হভিত্যক্তিভি জিলাংলভি নাজভি বাচা ভঃবং জিলাভি। যালাপরেহিলান্ বিকাং বিজ্ঞভি। ইভাল লোপঃ পরকৈ নাজভি গৈছা করিবালানঃ 'লোটাহডাটো' (পা০ ০০৪ ৯৪ ) ইভালভাগ্রেহান্ত্রালিভানির জিল্প। তে জারে, তং নর্কাং জনং চতুর্বিনং যক্ষণা ক্রক্র চ্বিত্য ভক্ষরেভারীঃ অক্ষানিলভানির ভিজ্ঞভি। মালাভা চর্বান্তরাক্ষাক্ররাবাচী। (১১জন ৮ ক) র

প্ৰকাশী উভনী কণ্ডিক।।

স্থান্তং মে ব্ৰহ্ম স্থান্তং বীহাং বলং।

স্থান্তং ক্ষুত্ৰ বিজ্ঞান্ত্ৰ পুরোহিতঃ । ৮১।

দ্বাশীভেজনী কণ্ডিক।।

উদেশং শাছু আঙরমুদর্কো অথে। যলং।

কিশোমি ব্রহ্মণাংমিত্রামুল্লগামি স্থা ২ হলছং। ৮২।

अवार य गीप्रामार वाक्यायाणीनार य (या अटेक्क्छ वासू सूर्को छेक्छित्रयूरक्र्यंव विक्रियानिम । कित्रक्षिम् वर्षः । लोकिरकां क्रित्रिम । लारक वि रवाक्छ्याद्रक्रुटेश ख्यक्ति खना अवर सम्बद्धि खन्नर खम्बद्धम् विद्धा स्ट नाविः छामभूकितः। खाला खिन ह रणर चत्रीत्रविक्षम् वित्रर। खम्मना मञ्जामार्याम खमिलान्यक्ति किरनाविक खीनान्यरतामि। खान्यको प्रामभूकमानभूखरभोत्वाको मञ्जूष्ठभागि छेरक्षर खानभागि। अन्तर खरम्भिन नाममुखा छेखाः। () ) च- ४२ के )।

वामीषिक्यों किष्मा

भाग (क क प्रक ) स्था (प्रक् न भी गण क प्रवः ।

প্রপ্র কার্বারং ভারিব উর্জাৎ নো দেছি বিপরে চতুম্পরে। ৮৩ চ

'कुषा गमिषर खरक कारक कारक कारक कारक के छा। पागर' ( क > ७ ७৮ )। व्यक्षर्याना खः अभिनेत्र एए उत्य नियमभाषा की कि उ कि सार्वानाक्यार। श्राप्त है जि नीव्या श्री उत्तर निकायान-व्याक्षाची हे जि क्तावः वारक्षत्रो উপविष्ठी वृष्ठी वर्षाविक्षणात्रा हिष्ट्यी वाववार्यः। एव व्यवस्थ अञ्चल भागक भारत. (नाक्षणाम्बल क्रिंग कर्षान वक्षा अञ्चल क्षाप्त कर्मा क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त कर्मा क्षाप्त क चनरमर (पछि। कीप्नभात्रण। जनमीनण नाणि जमीन। नामिर्दान जनमहिन्द ख्या । ख्रिमः ख्रुमा छ रमनाम । ख्रुपः रमः ११छट उ स्याप्ट ख्रिम ख्रुमः । दमाश्रमान्यकः व्ययम्बार्यः। किक काकात्रः व्यक्तात्रियः व्यक्त माकात्रः व्यक्तर्यं वर्षत्रः "अन्यूरभावः भावभूतरव' (भा० ७.२ ७) इंडि भावभूटेखा (श्राभवर्जक विवश व्यक्तियार्थः ह्वाभनर्भाष्ठानः 'व्यक्तारम व्यवस्थि मक्षरक्ष । नि० २०।८२ ) हेलि वारकारख्यः 'कृ ध्रीनमछत्रनरमाः (लाटी यगादेनकयहनर 'निकाइनः (लिटे' ( ना० ७ > ७८ ) हे कि निन्धाना 'बाईबाजूकज' ( भा॰ १ २ २८ ) हेडोहे हामनि बाटबास्न किः 'मटि।३ए।टिने' ( भा॰ ७ ८।३८ ) हैं विष्यात्रायः 'हेक्क (मानक्ष' ( गान अठन ) है कि (मने हेकावरमार्थ क्रवांकार्य)। खात्रिय हेकि क्रांभर। किक त्याक्ष्याकर विभाग मञ्जाक श्रेखात्मी हे पुर्मात्म भगात्मी ह देखिय हरू (विष क्षात्रक्ष। यक्षा (को नात्को सक्त नाक्नाक्ट्रिक क्षिन्ति। प्रकार नाक्ष यक्त न प्रकार खद्य 'नावर नद' ( ना॰ ल वा १०० ): 'नावज चार्नार्वकाविकाः' ( ना॰ लाव प्रका विका विश्वति निर्माद्य । विश्वति मञ्जास इक्ष्मात भगायतस व्यक्ष दिव विश्व कारार्यक्रवहरू । म्याक्षा मन्न विश्वाश्वाश्वाश्वाश्वार्षः । ११व-४०२)।

है। ह मानान्यनमाभार वाकीनरमञ्जल किलामार क्यानरनाक्तामः । ४३ ।

खिममाकी गत्र कृष्ण (यहकोर भ शत्माक्र म । ३३ ६

### यकुदर्वान-मः श्रिण।

#### [ শুক্লযজুবের্বদ — বাজসনেয়িসংছিতা।]

#### हानद्यां अशासः।

क्ष्या किखका।

একাদশাধারে উবাদংভরণাদিমন্তা উজাঃ বাদশেহধারে উপাদারণাদিমন্তা উচাল্ডে। ভত্রে বিজ্ঞানা কঠে কল্পং প্রতিমুক্তে পরিম্ভলমেকনিত্ব ক্ষাজিননিক্তু তং লোমজ্ব জ্বাকের্ শণক্তে ত্রিরভাত্যপরিনাভি বহিলিওং দুশানো কল্প ইতি (১৬ ৫।১)। দ্বিদাধানাত্তে ঐশক্তাং ভিঠ্তজ্ঞানে। ঐশিয়াং কল্পং পর্ণনির্পত্তং ফলকাকারমাভরণ-বিশেষং বপ্পতি। কীদৃশং বর্ভুলং একনিংশতিঃ পিশু। যত্র। শণক্ষলজ্লাঃ স্বন্ধপাছনিক্তা উন্নতনিক্ষাং পিশু। উচাল্ডে। কুফাজিনখণ্ডে শভকুফরোমস্থানে স্মৃতং ত্রিগুণশাপুত্রে প্রোভং নাভের্দ্ধং বর্ত্তমানং শিশু। বিভর্তিবিজ্ঞ তপা দার্থামতি স্ত্রার্থা। ক্ষাজিলনথা ত্রিষ্ঠা। বিল্লেভিয়েলি কল্প ভ্রতি তথা কল্প আভরণবিশেষঃ উর্বাা মহত্যা দীপ্তাা বাজেই বিজ্ঞোভতে। ক্ষাজ্মতাশ্যালেন কল্প ভ্রতে। কল্প আভরণবিশেষঃ উর্বাা মহত্যা দীপ্তাা বাজেই বিজ্ঞোভতে। ক্ষাত্র ভ্রতিম শিশু কুল্প। প্রভাকের্মপাল্ডামানঃ। শান্তি শপালি কুল্প। প্রভাক্ষ্মপাল্ডামানঃ। শিল্প জনেত্যই শিল্প দ্বাতি ক্ষাব্যাং বা আন্তঃ জীশনং ক্ষানাঃ বোচন্ত শান্তি বিজ্ঞাং ক্ষানাই ক্ষানাং বোচন্ত শান্তি বিজ্ঞাং ক্ষান্তিবিদ্ধান্তিরইন্তঃ পঞ্জপুরোডালপ্রভ্জিভিরমুডোছ্মরণধ্রী লভবং। ব্যক্তাংক্যাণ্ডি

(छोर्फ्रामाक्यामी (पनभन क्रमधिभवगद्यर व्यक्तिक गडी। कीवृष्टी। (छो: भूरत्रकाः (वाक्रमध्यर (त्रकार्शिक्रभर यकाः मां क्रमधिम् इत्तर बूक्टर ॥ ( )२ व - )क )॥

#### चिन्त्रेश किछा।

मरकाषाना नगनना निकार भागरणि जिल्लामण् नमीही।

काराकामा करका व्यक्तिकांकि (परा व्यक्ति भारत्र मिर्वाकाः । २ ।

'পরিমণ্ডলাভ্যামিঞ্ভাাম্থাং পরিগৃহাভি নক্টোবালেভি' (কা০ ১৬।৫০)। বর্ত্তলাভ क्याम्यावात्रवनावनत्रभाक्याम्याः शृङ्गाङोकि च्छार्यः। व्यविष्यवक्या खिक्रे न् कूरवक्षा। व्यक्तप्रथाश्रद्ध विभियुक्तर। मरकावामा नक्तर ह देवान्ह मरकावरमी। विकरकावाबाद मरहिलाग्रार मीर्थः। मक्तर त्राखिः देश व्यवः नएकायलो त्राखिएनरनो अक्सविर शानरत्र एक भागरप्रत्य मात्रः श्वाकति विद्वात्वामिकप्रक्षिः कर्मरप्रत्य देखार्षः । खत्व मूरश्वानमानः । पिश्वः सामु মাজাপিজরাসিব। 'ধেট্ পানে' 'হেতুমজি চ্' ( পা॰ ৩ ১ ২৬ ) ইজি পিচ্ 'আছেচ অপছেলেছ্-শিভি' (পা০ ৬।১ রঙ) ইভি আকারে 'অর্ডিব্রী' (পা০ ৭ ৩ ২৬) ইভ্যাদিমা পুক্। कीषुरभो मरख्यवरमो । नगनमा नगनरमो नगानर यरना यरबारख এकमनरक भवरमक्षणपुरख्य विद्वार्थ विमक्षणः द्वापः वर्षार्ष्ण विद्वार्थ। क्रुका द्वाधिः अक्रमणः। मभीष्ठी ममाशंकिष्ठ एक ममोठाः ममाशंकरम नमांबर् मश्कारे या। भूतिनयर्था विकर्कः। त्य है थः-कृष्ठ दाखादम जान्यामिश्वाद्रभाष्याम्याः शृङ्गमोजि (नवः। 'दंविक क्रावाक्यारमिक' (का॰ ১৬৫।৪)। व्याद्यनगैरमाभितिकाम्बारमयिथि। क्षाणामाम्र प्रार्थि भारमगानमी श्रीक काः ख्रकीकि रखार्थः। क्रावाकामा (मार्कि कामा पृथिती ह क्रावाकामा । प्रित्वा क्रावात्मनः विकरक्ष-(मांभः। जावानुबिरवादिखर्यादा अखदिएक ह त्या क्रकाः दाहमात्मादिक्छ। अकामाख ख श्त्रामी जिल्ला विकास निकास विकास का মাদ্ধান্তি দেবা অলিমিতি' (কা০ ১৬০৫ )। আহ্বনীয়াৎপৃক্ষাদলি ভূমে স্থাণিভায়ামাল-मााम्बार निम्माणि दिवा हे छि भाषन। ऐक्नालानमी विकिष्ठ आदिष्यात भाषात्र्यां।-मब्बिमाखान्। म्अबच्हना युग्डावामिन नकारक । क्या हकूतव्य नाः हकूतवानि हकूरकानानि व्यक्तागर्याभनभाषक्रभावि यञ्चाखन्ताः विविकात्रात्राः (ठिष्ठि स्टार्थः। योगवत्रश्रीणि (प्रयाः श्राना यक्रभागण खण्यशिः धात्रप्रन् ज्यातप्रन्। जण्डणाम जार्यः। कंषुचा (शयाः। अविर्णाणाः यात्र्यारत्न अविन्ध धनक्रिणः एकः। खगरूर शात्रमामी खि (च्या:। 'व्यशिर शात्रमम् आयरणामा हेखार व्याणा देव (प्या अविरम्भूष् विकि देकिकिश्रीश्रम्भारकर्ष्त्रभारक्ष भाषा उठारक । ( )२व्य--२क ) म

#### कृषीया किछकः।

'শিকাপাণং প্রভিষ্কতে বড়্ডামং নিষা রূপাণীতি' ( কা০ ১৬০৫ ৬ )। উৎ উর্জ্বং ব্যান্তে নিষমাতে বৈজে উলামা রজ্ঞবং বড়্ডামা রজ্জ্য উর্জ্বাক্রণের হতেত্বনালালীত্বং বিভাগাণং বজ্ঞমান করেও বল্লাভীতি ক্রার্থঃ। সবিভ্রেষ্ডা অপতী প্রানাপত্বী। করিঃ বিভাগ জ্ঞান্তর্পনিঃ। বর্ষের ক্রান্তর্পনিঃ। করিঃ বিভাগ জ্ঞান্তর্পনিঃ। বর্ষের ক্রান্তর্পনিঃ। বর্ষের ক্রান্তর্পনিঃ। বর্ষের ক্রান্তর্পনি প্রতিষ্কৃত্বতে প্রবায় প্রতিশন্ত্রাতি রাজিভ্যোহ্ণহত্তা ক্রপাণি প্রকাশন্ত্রভার্থঃ। বল্জ বিপরে চতুল্পনে বিপান্তাভকুলাজো মলক্রপন্তাভিত্যা ভল্লং কল্লাণং ক্ষমবারপ্রকাশন্ত্রনাপর ক্রান্তর্পনি প্রের প্রান্তর্পনি ক্রের ক্রান্তর্পনি ক্রের প্রান্তর্পনি ক্রের প্রান্তর্পনি ক্রের প্রান্তর্পনি ক্রের প্রান্তর্পনি ক্রের ক্রান্তর্পনি ক্রের ক্রান্তর্পনি ক্রান্তর্পনি ক্রিক ক্রির ক্রিক ক্রির ক্রিক ক্রির ক্রিক ক্রির ক্র ক্রির ক্র ক্রির ক্র ক্রির ক্র ক্রির ক্রের ক্রির ক্রির ক্রির ক্রির ক্রির ক্রির ক্রির ক্রির ক্র ক্রির ক্র ক্রির ক্র ক্রির ক্রের ক্রির ক্রির ক্রির ক্রির ক্রির ক্রির ক্রির ক্রির ক্র ক্রির ক্রির ক্রির ক্রির ক্রির ক্রির ক্রির ক্রির ক্র ক্র ক্র ক্র ক্র ক্রির ক্র ক্রির ক্র ক্রির ক্র ক্র ক্র ক্র ক্র ক্র ক্র ক্র ক্

# ছতুৰ্শী কৃষ্ণিক।। অপৰ্ণে বিল প্ৰক্লমাং জিৱতে বিজ্ঞা গায়ত্তাং চক্ষুৰ্ব চন্দ্ৰ ক্ষাণ্ড বিজ্ঞা । বিষয়ে আছা ছন্দাত লাজানি যজুত বিষয়াঃ লকাঃ। আন ভে ভন্নামন্দেশ্যং যজারভিন্নং পুদ্ধে বিষয়াঃ লকাঃ। অপর্ণোদি গক্ষমান্দিশং গচ্ছ সঃ পভা ৪ ॥

भविकार खाकर खाकर खत्रकाणि श्वन्यंश्वीणि निकार (का० १० था १) विकारिकवृत्राधिर खाहा।वृद्धर यात्रप्रिक निकार विकार विकार

खिद्वेश्र्णायस्य वित्रश्रमानीयः। भाष्यद छस् यमगाय्यायाशः नाम छखन छस्ः त्मसम्मीयः। यस्य स्थानीयः। यस्य वित्रश्रमानीयः। स्थान्य वित्रश्रमानीयः। स्थान्य व्याप्त निव्याप्त विद्याप्त विद्य विद्याप्त विद्य विद्याप्त विद्याप्त विद्याप्त विद्याप्त विद्याप्त विद्याप्त विद्य विद्याप्त विद्य विद्य विद्याप्त विद्य व

#### शक्ष किला।

বিকোঃ ক্রমেহিনি লপত্নহা সায়ন্তং ছব্দ আরোহ পৃথিনীমত্ন বিক্রমণ বিক্রোঃ
ক্রমেহিক্সভিয়াভিহা কৈছুভং ছব্দ আরোহান্তরিক্ষমত্ন বিক্রমণ বিক্রোঃ
ক্রমেহিক্সয়াভীয়তো হস্তা জাগতং ছব্দ আরোহ দিনমত্ন বিক্রমণ বিক্রোহ ক্রমেহিনি
ভ্রমেহিক্সয়াভীয়তো হস্তাভূতিং ছব্দ আরোহ দিনমত্ন বিক্রমণ বিক্রমণ হ

 जाककाकक्ष्यका के काळ। जक वक्षा जाकक्षक हम जारता । जळ हक्षि विक्षारम् स्वाप्त विक्षारम् स्वाप्त विक्षारम् स्वाप्त विक्षारम् स्वाप्त विक्षारम् स्वाप्त विक्षारम् विक्षा

#### यष्ठी किश्वना।

व्यक्तम्प्रशिः श्वनश्रीत्रव (पा)ः कामा (त्रतिव्योक्रमः सम्बद्धाः

भरखा खळाटना वि शैबिरह्या ज्यमात्त्रापनी खाळूमा खाळाछः ॥ ७॥

'পিশুৰ প্রাঞ্চনকং প্রগৃত্বাত্যক্রনদ্মিরিডি' (কা০ ১৮৫।১৪)। উর্জনান্তঃ প্রাগৃদ্ধমিরিং शृङ्गाकोष्ठि रकार्यः। व्यशिद्यत् वा किष्ठुन् वस्मश्चीषृष्ठाः व्यश्चित्रकम्पद 'हम्मान मूक्ष्मक्षित्रहैः' ( भा॰ २१८१० ) कम्मांख विक्रु ख्वारा कोष्ट्रमः। भोतिय खनम्। त्योगत्यनात भक्ता केखः। (क्योर्ष्यंच हेव खनम्न गर्थ्वन व्यवस् कृत्वानः 'खन अवी (व्यवव्यक्' कृतावित्रव्यः। (भवनां वर्षामाह। काम (त्रतिवर 'स्नार ज्वानः' ( পा॰ १। ১।७३ ) हेकि विकास्मरनानः। कार्याख पृथियोनामच भठिङः। कामाः पृथियोः द्वित्रहर 'लिह ब्याचापत्न' यस्नुगस्राक्छ्य-खाडावः (त्रकण्हाम्पनः। चडासः काहीछि लाग्हन् 'नाष्ट्राष्ट्रह्यूः' ( भा० १ )।१२ ) हेछि क्ष्मधायः। क्षाममाक व्यापायमाध्ये वन् यथा त्यत्या व्यवकावः शक्तकाकार्यः क्षामः त्यति। बीक्रवः नमक्षम् चकोभव्यानानम्हिम ७वरीकाश्चनम्। अञ्चलपूर्हारख। वि वजाद व्यक्तामः डेंद्राष्ट्रमानः नग् नष्टः जागोरमन हेकः मीक्षण्ड नग् वाथाद विथाण्डि। व्यक्ष्ट्र-निकर्णा (कामः। व्यन्ता जवा गावाज्यार। विथानम्बि हेमर मर्कर विविधर क्रीकाममुखि। (वामनो माावार्श्वरवााः चक्रवार्षा छायूना वाभामा वस्रमाछाछि (याक्षि: লমস্তাৎপ্রকাশভে। যশা পর্জক্ষ্যো ভাত্মনা বিহ্নজ্ঞাপেণ জ্ঞাবাপৃথিব্যারস্তর্ভাভি এবম্বিঃ नेर निर्णाणः गाम्यूत्र(१। ( )२ व्य-७क )। প্ৰাপ্ত বৰ জুগতে।

मख्यो किछका।

व्यविश्वाविश्ववि या िविश्वयाश्वा वर्क्षमा श्वाम मुखा

(मसम् द्रिगा (शार्यक व व

'जनस्त्र छार विश्व कि (१०।८।२०)। वक् छुष्ट एवम छ छ्का त्र यूपा विश्व प्राप्त विश्व कि विश्व

व्यादिशी स्वाइरको क्रकः लाद्या वाषणार्णक्षाद्वाश्रृहोगीः। द्व व्यक्तिः व्यक्तिः स्वाह्य व्यक्तिः विष्तिः व

व्याद्यको (च श्राम्तका)। (च व्याद्य क्रीयावियम मह नियक्ष भूतद्वाशम्छ। व्याश्यक व्याप्तका क्रिका क्र

# সশ্মীক: শুকা। বি ব্যা নি প্রস্থারে পিথ্য ধার্মা।

149 क्यांत्र । > ।

(र जारा, त्रा। धरमन नर निर्वा । किक धात्रा जनगत्रा तृष्टिक्र निर्मा निष्ठः भिष्न ज्ञा । किक धात्रा जनगत्रा तृष्टिक्र निर्मा । किक धात्रा जनगार्थः । किक धात्रा ज्ञा । किक धात्रा । किक धात्रा किक धात्रा । विष्ठा ।

विष् भ प्रा

#### । किछाद मिन्ना

का बार्श्वभञ्जक्ष राष्ट्रकां यहातिः। विन्या गर्का वार्ष्ट्य मा बजाद्वेमां यद्यक्ष १००॥

'উপারমাভ ধারয়য়া ভারাই।ম হাভিমন্তরতে' (কা০ ১৬৫০১৬)। নাভেরপর্থালারিৎ খারমংজনভিমন্তরত হাভ ইরাবঃ। আমেনামুইব প্রাবৃষ্টা। হে লয়ে, অহং ভামাহার্থ-মাজ্তবানাম। আর্পুর্ব হুবভেল ভি উত্তর্মকণ্ডনং। ছং চ অন্তর্মভূতঃ উথাসধ্যাহ্-বাল্ডবিল। আবিচাচালরভান্তং চলনরাক্তে। প্রণঃ শ্রেঃ লন্ ভিট বিচলিটি বিভ্রালিন। কিন্দু পর্বা। বিলঃ প্রজাঃ বা ভাং বাল্ডর। যথা লর্বা। বিলঃ প্রজাঃ বিলঃ প্রজাঃ বা ভাং বাল্ডর। যথা লর্বা। বিলঃ প্রজাঃ বিলঃ প্রজাঃ (১৬৭৩৭) হাভ প্রভ্রানি ভাং বাল্ডর পরানি ভবোণভিঠন্ত 'অরং বৈ বিলঃ' (১৬৭৩৭) হাভ প্রভ্রালির রাজ্য়ে পরালাল। অবি ভবং লরং জনপদভ্রে। মাণ্ডল্ডর শ্রে। মা ভূং। অম্বিনু রাজ্যে ছিবা লর্বা। প্রভার পাই। ববা প্রতির রাষ্ট্রং 'মা ভ্রান্ত্রেশবিভ্রবং' (৬৭৩৭) ইভি ফ্রান্ডে:। জ্রীঃ ভ্রান্ডর মা ক্রান্তর্মান্তর্মণিভ্রবং' (৬৭৩৭) ইভি ফ্রান্ডর:। জ্রাঃ ভ্রান্ডর বাল্ডবাল্ডান্ডের বঙ্রু 'ন মাভ্রোরেণ' (পা০৬৪নঃ ৪) ইভি প্রভ্রাণঃ। (১২প ১১ক)।

#### बावनी किछिना।

डिश्डमर वक्षण भाषंमण्यक्षनीयमर वि भगमर खनाम्।

পাল উন্ত্রোওত্থামিতি' (কা০ ১৬৫।১৭)। ক্রন্ত্রগালালকাপালে) গলার্ক্রগার্গেণ নিকালয়তাতি হয়ার্ব:। বরুণদবতা। তিরুপ্ ক্রন্থলোপদ্টা। উলিত্যুপদর্গোহ্ব বি ক্রতাবিপ শ্রবরেতানেন দম্বাত্তে। হে বরুণ, উত্তমমুত্যাক্তে লিরাণ ছাণিতং ছলীয়ং পালমম্বহ লকালাং উৎ শ্রবয় উৎকৃত্ত বিনালয়। অব্যম্বহাকে পালহ বিশ্রবয় বিচ্ছেদর। কর্পালমবশ্রবয় ক্রিকৃত্তামিতো বিনালয়। মধ্যাং মধ্যমপ্রাত্তেল ছিতং পালং বিশ্রবয় বিচ্ছেদর। শ্রব বর্রের মিঘারিচি হ্বয় লোটি মধ্যমৈকবচনে ক্রপং। শ্রবার্গেতি লংকিতায়াং দীর্ঘাল্যালয়। যদা শ্রব ক্রোলিয় ক্রোলিয় ব্লোলিয় মধ্যমৈকবচনে ক্রেলি লায়্কেপি' (পা০ ৩)১৮৪) ইতি প্রাপ্রতার্গত শায়্কালেশে শ্রবারেরি ক্রপং। অব পালকেয়াব্যালারকরং ক্রে ক্রাট্রিল ক্রিপ্তরু, বরুণ ক্রিমাল্যালয় ক্রেলি লায়্কালি বর্ত্তমানাঃ লক্ষো ক্রমার্কর্তিয় ক্রিলানতারৈ স্লাম ক্রপাত্ত হায় যোগ্যা ভবেম। ক্রিল ইত্তারে 'নিপ্তিস্ত চ' (পা০ ৬৩১৩৬) ইতি দীর্বঃ। (১২৭ ১২ক)।

#### बद्यामनी के खिका।

व्या त्रवस्य प्रमाम् स्था । व्या । स्था । स्या । स्था । स

वा शक्ति । के बा कार्या विका निका क्या कि शास्त्र । १०॥

प्रसावि महानि हानानि मसीन (माकान पा प्रशः पर एक न मसीन प्रति विश्व प्रति विश्व प्रति विश्व प्रति विश्व प्रति विश्व प्रति विश्व विश्

#### हकूर्यनी क'छका।

न्यषत्रमञ्जन(याभगगव्या (भाषा सज्जा सज्जा सज्जा सज्जा अज्ञा अ

(ফা০ ১৬৫।১৮) 'আবহরতি হল্প ছে ছিবলিছি'। উলায়িমনভারয়্তি। অগজী আরিপ্রোক্ষণে ইয়ম্কো মজ্বজা। বালক্ষপ্রকরণে ইয়মজিলগংমুক্তা ইত তু জগভী আছে বৃত্তিতি ষজু:। ভার্তিবয়োগগাত (ফা০ ১৬০৫০১৮) 'আলক্ষাং করোভি শৃত্তার্থঃ। হংল ইভি মন্ত্রভার্তঃ (অ০ ১০ ক০ ২৪)। (১২জ—১৪ক)।

#### शकमनी किका।

मीम यर माञ्जाका। উপত্রে বিশাক্তরে বয়ুনগান কিবাক।

देशनाः जगना याकियाजित्याठीयश्वयकाण् खळाटकाः जिल्लाखादि । >e p

(का : क द २०) 'ष्रणा करें एक गोष प्रसिकि'। व्यानको निर्माण सत्त्र स्था विश्व क्षित्र क्षित्र

#### (माएमी किका।

व्यक्षत्रक्ष क्रम् वर्षामाः नवरम (य। कञाष्य ् इत्रमा क्रम् वर्षाकरम् विर्वा क्रम् । कः

व्यवित्वर्थ। (व व्यक्ष्ट्रेक्ष)। (व व्यवा व्यवाया व्यव्यर्गा (व व्यक्ति वक्षीय व्यव्याय क्रा मोथा। युक्तः मन् मौतिष्ठ (ययः। किक बाक्र बाक्र । १ निक्री क बाक्र विषाः कक् न्यापनर। (स काष्ट्रमः नर्नकः। काषः (१८मा कानर यटकि स कार्यामः खन्ना देशामाः । वतः कन्यानकाती वारका छव। दिः द्वसन्। इतना (व्यामका खनब्द्यजनम्। ( )२ष — >७७ ) ।

#### मक्षममा क छका।

खुषा भव्याच व्यापा नीम विनचार । बिटमा

क्षिनः मुन्दाः चार द्वानिमिष्टामपः । ১१ ।

दि व्या । मञ्र मनर्पर निवा भारता जुना भारता भगतात्रार निवा मौन नक्षात्रामा भारत अञ्जू भविम । अर्था । सन्धः नियाः नार्धाः १० ६। इटाञायूपामाः पर ८गानिर चकोमर चानभागमः वागीम वांगरकार्यायन 'क्कान मुढ्जक् निहः होक ( ना॰ ७ ८७ ७) रमाखर्ष मुढ्छ । २१ म

#### ः ।कछ।क किमारिक

बच्छ वात्रत्यम् विछोत्रः भाराबाख्यमाः।

कु श्रमन्त्र नुवना अवव्यावद्यान धनः वत्य वाषीः । ১৮ ।

(का० १७६,०१—०२) 'बा९नर छान विकल्पत्री एका कावन किन बादन त्था त्या नामा विमूर्णा इकेटल । अदक वाहाया व्यवस्था वान किन यमश्चीक श्वार्वः। विश्वपन्। वादम बिहुत्भ जनमनभूवन्नश्चीवृद्धाः। व्यवभः षियः পत्रि विषः नकामार कार्षा जाकः 'व्यार्गा देव विषः व्यानाष्ट्र ना अव व्यवस्थलात्रकः वैष्ठि व्यक्तिः ( ७, १।८।० )। काल्यावाः वाद्यः । विष्ठात्रवात्रमपंरवाद्य व्यक्तिः वकावार विमार्गा करक काछः। 'यहममरमा विक्रीयः भूक्रवांवरवावक्रमप्र' हेचि व्यक्तिः ( ७ ९.८.७) <sup>6</sup>न युपाक (सारमर्खाकार हाविभक्षरिक, इन्छ ह क्रार्कः भ. अँकर्यात ब्रुकात्ः। वैर्वे मरमा ब्रेक म ब्रम्पाः 'भूक्षभमाक्त' (भा-४१) हे जि गरेः। नुम्पाः अवाभिकः व्यवसम्भूभकी प्रदिव्य

#### बदकागीयानी क छका।

বিদ্মা তে অংশ তেশা তেলাণ বিদ্ধা তে বাম বিভ্তা পুরুতা।

বিল্লা তে নাম পরমং ওছা যবিলা ভমুৎসং যত আজগভ্ ১১৮

ছে অরে! বানি পৃথিবিশ্বন্ধ দিনস্পরীভাদিনা তেণা স্ক্রপাণুফানি আদিভারিআড়বানলক্ষণাণি ভানি অয়াণি তিলংখ্যাকানি ভে ভব প্রস্থানি ক্ষণাণি বয়ং বিদ্ধ জানীয়ঃ ।
'আচেছিভভিভিং' (পা০ ৬.৩ ১১৫) ইভি লংহিভায়াং দীর্ঘঃ বিদো লটো বা' (পা০ ৩ ৪ ৮৩)
ইভি মলো মাদেশঃ। বছা তেধা বিভক্তানি ত্রয়াণি তীণি ভে ভব ক্রপাণি অয়িবায়ুস্র্যাখ্যানি
বয়ং বিদ্ধা কিঞ্চ ভে ভব প্রস্থানি পুরত্রা বহুরু প্রদেশেরু গাইপভাহ্বনীয়াবাহায়াপচনানীগ্রীয়রপেরু বিভ্তা বিজ্ঞানি ধাম ধামানি স্থানানি আপি বয়ং বিদ্ধা
বিভ্তিভি বিভক্তেরাকারঃ। ধানেভাত্র বিভাজ্বলোপঃ। কিঞ্চ ভে ভব পরমমুহকুইৎ
ভ্রা। লপ্তমীলোপঃ। গুলায়াং বছাবাস্থতং পোপাং যবিষ্ঠ ইভ্যাদিমন্ত্রপ্রালয়ং নাম
ব্যক্তি ভগণি বিদ্ধা। কিঞ্চ বভ উৎলাৎ অক্রপাৎ স্থানান্ধাজপন্ত বৈত্যুভক্তপোন্ধভাহিল ভ্রুবন্ধুৎগুদ্দমং জলক্ষপং স্থানং বয়ং বিদ্ধা। গ্রেনিট্টিঃ (১২জ—১৯ক) ৪

#### विर्यो के छका।

वयू छ। नुवन। जन प्रज हक। जैर परिवा अग्र छ नन्

- प्रज ।

् ८६ मा १ में तुर् सरमा प्रशासनी युवनाः अञ्चानिकः व्यम् एक पक्षामव्यस्थान किवानिकः वर्षानाः या वामीर्य मीनवाकनातः। 'क्षाक्षणिकः हे वेकि निवानिकानः (भाग )। नृहत्माः नृष् भर्ठरक् भृत्स्रायं हृष्टि महान निष्णिकः वर्ष्णीक नृहत्माः अञ्चानिकः वर्षाकः नृष्ट् भर्षान निष्णिकः वर्षाकः नृष्ट् भर्षाः निष्णिकः वर्षाः वर्षः वर्षाः वर्षः वर्षाः वर्षः वर्षः

#### कर्ना कि कि।।

व्यक्तम्पत्रिः खनवृद्धिन (छो: कामा (व्रविष्योक्षमः मम्भन्।

नरका बकारमा वि शैभिरहा अधामारमाममी काम्मा काकाखः ॥ २०॥

व्यक्तमार्थिक गाथाका (क. ७) । ( ) रवा - २)क ) ।

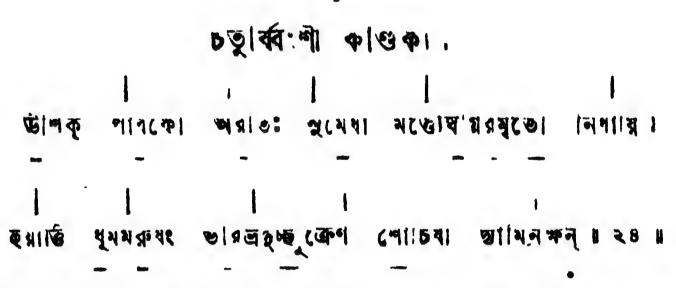
#### माविश्यो किखिका।

অবংবিধেহার্থিভাতি বিশেবেণ ভাগতে। কীলুনঃ। শ্রীণাং গ্রাথাধিসম্প্রায়ঃ ক্তার্থং রাজা। 'উল্বো লাত্যততোঃ' ইতি কোনঃ। রয়ীণাং বনানাং বৃদ্ধণো ধার্রিজা। সনীবাণাং মনলা ইবিতানামভিলবিতানাং প্রাপণঃ প্রের্থণাপ্রিজা। বেশুং পর্বার্গ বিশাবিতানাং বেশিবলাং পোনং গোণর তাতি বল্ধমানকর্ত্ দ্বোম্যাগপ্ত রক্ষিতা। বৃদ্ধঃ পর্বাতা মিবালহেতুঃ ব্যান্থীতি বৃদ্ধঃ। হলা বৃদ্ধঃ গনরুণঃ যুণাজানি শ্রনালনর্থানিধনাক্ষাপক্ষিতি ভ্রায়ম্পি ভাগণাকপ্রকাশেকিনানামুপকর্তা অভো বৃদ্ধঃ। সহণঃ ক্ষুণ্ণ বল্ভ মন্তন্তর্বাতা বৃদ্ধান্তা। বৃদ্ধান্তা বৃদ্ধান্তা বৃদ্ধান্তা। বৃদ্ধান্তা অব্যাতা অকেহবিত্তা বৃদ্ধান্তা। বৃদ্ধান্তা অব্যাতা অব্যাতা অকেহবিত্তা বৃদ্ধান্তা। বৃদ্ধান্তা অব্যাতা অব্যাতা বৃদ্ধান্তা প্রাতা। বৃদ্ধান্তা প্রাতা বৃদ্ধান্তা বৃদ্ধান্তা। ইণানঃ

व्यक्तियाचना क्षेत्रामानः। छेवःकारमध्याद्वाद्याचामाव्यः व्यक्तिवरक क्षित्राद्वाद्याद्वाद्याद्वाद्या वाक्षी नाथान देखि। ( :5四-55年 ) 1

### खारा विश्नी काष्ठिका। (क् कूर्व्यक्ष अर्छ चा द्राष्मी च्युनाच्छाध्रमानः। বিশ্বস্ত बोक्र हिनामिमां छन्द्र ना स्वास्त्र विषय । २०॥

लार्षिक्षांत्रभागः উर्वश्वभानः य्याञ्चना श्रक्तिष्ठनन् त्याप्रभी क्वापार्थिता। व्या व्याप्रभा नक्र विष्यान श्रमण । कोषुनः विषय (क्ष्रः व्यानिषाण्य विष्यान् श्राध्या । মুবনত গর্ভ: ভূতজাতত সভবদন্তরবাহতে। বাযু।প্রনা। ল । ই প্রাণভাবেন ভূতানাম্ভঃ अक्षर्वात । किक यः भवाभन् कन्मूक्र भग भवाभद्रका शब्दन् गोष्ट्र । विष्टु भरका मुढ़ार्यः । इष्णायः । पूढ्याण व्याप्त्रयात्रात्र इत्या । यदः । अव्याक्ष्यः । वदः । वदः । वदः । वदः । वदः । वदः 17 ® (मानः। यभाधर णमः जना अग्रे अधि यक्ष विद्याचा कियादी निवास कि निवास यथा ठ वा८ ता महाय ८ व्या च व्यमान महा ( ३२ व्य २०व्र ) ह



र्वाश्वाद्यायु अवन्यत्ययु अक्षर्यायु । नगांत्र निष्ठः प्रदेशवाष्ठ (व्यवः । 'व्यवः प्रमाना মারোগেৎপীতাতভাবঃ। প অরুষমরোবং চক্ষুরাহাণতবরাহতমরোচনং বা ধুমমুগের क्रिम्मभ्राच । 'वारावकान्छ' ( भा॰ > ४ ४२ ) क्रिमभाक्षात्रात्वाववानः 'हेट्डा वा अप्रयुक्ति, (१७: निका । धूमण् नामूल शृष्टिवाक' हा । व्यादा । कामृत्यारायः। जानक एखादा कामादा (भाटेकाब्रज्ञानक् काखः। यर्पादानामिक इकट्यटायः। गानकः गानाम्रज्ञ भूनाखी। छ। জরভিঃ অলংমাতঃ পর্যাপ্তমাভঃ। ববা তুষ্কেরাতঃ গ্রীতরাহতঃ। প্রমেবাঃ লোভনা (लगका। अधाम्रवात्र नगर्व। (भग वृद्धियान, (लाक्ता (भर्व। यरका यरका वा । व्यम्रकार्यत्र न-थन्त्र। ७। शबर निवर वनदात्रम् 'पानिते' ( पा० १।४।७१ ) इंछ्यापना निमाण्यः। खाळान् (नाहिया निमात्मन (छक्षना क्षणार्मात्मन छ। भाकानाभनकन्याध्यू नन्। नक्ष वा श्रामणा क (क्लमा क्वालाकर गान्नू विज्ञ शब्द । 'इकः क्षमानाहि (भवा एनकावार्थ' देवि क्षर्कः । २८ ।

#### नकविर्न किका।

लुणात्मा क्रका केन्द्रा। गात्कोक्कृष्यस्थायुः ख्यात्व क्रष्ठामः।

णुनात्ना नागाणा ( )क ) । ( )२ ल — २६क ) ।

माजुश्मी क'खका।

यटि चन्न कृष्यस्य (मार्ट्यू १९ ८ वन शुक्रमस्य ।

প্র তং নয় প্রভরং দলো অসহাভি শুদ্ধ দেশভভং যদিও। ২৬ p

#### मखावःनी काखका।

चा छर छछ भोस्रारम्ब उक्ष उक्ष चाडल नाक्षारम।

श्चित्रः स्ट्रिशं श्रिद्धा खन्ना क्षान्त्रकाटकन किन्नवद्गकारिकः त १००



শোভনং প্রাণ্ড কার্ডি: স্থান্ত প্রাণ্ড নবজীন কার্ডিহেতুস্থানি কর্মানি গোলবদানি
ভিত্ত কর্মান্ত হৈ পরা । বং তং বল্লান্যাভল নেবল । নিরন্তরং কর্মান্ত বিষ্ণার্থা ।
উক্লে উক্লে নিংক্ষলাপ্রসাণান্মিলে চলাস্থানে হস্তক্তের সভি ভ্যান্তল নক্তঃ নেবল ।
কর্মাণ লল্লে চ প্রের্মেলার্থা । এবং দ্বা নেবিভোষ্যং বল্ল্যান্য হর্মেল্যা প্রিল্লা
ভবাতি ভবতু । লিগুর্বে লেট্ 'লোটোংডাটো' (পা০ ৩ ৪ ১৪ ) ভারা অর্থান্ড প্রিয়োহয় । ওলো
ভাবেলা । ভবালাভেনাব্দরেন পুত্রেণ উদ্ভেন্থ ইন্তেন্ম্ন্যুং বুদ্ধিনাপ্রোত্ । ইলোপেইডাগ্রে
ভোজনিক্তির্পাং । ভবা জনিবৈঃ জান্ধানাবৈশ্চ পৌরোধিন্দ্রভিনদ্ধ জনিয়ান্ত ভোলান্ত ভোলান্ত ভিত্তি ।
ভাবস্থার বৈঃ । ভাবস্তাব্রে উণাদিক ইন্প্রভারঃ ॥ (১২ জল ২৭ক ) ॥

#### 

दि व्या स्थान स्थान प्राप्त प्रश्नानाः शहर (मन्मानाः मण्डः ए।न्। श्राम्त्या विन्याही। 'कालाश्वरनाहः' हे कि (भार अह) । प्रश्नानाः । । पर्न्य मन्नान वार्याण वन्नवीक्षान श्वावीक्षान श्वावीक्षा विद्या विद्या

व्यविकः मक्षमाभित्र विका व्यविक्षां व स्वकः कर्षाण विन्। कोष्ट्राणार्शिः मदार मदाणार व्यविकः मक्षमाभित्र व्यविका । क्षणाममाभारत करण ह मदायिक क्रियर । रनाकनर रमसः व्यवि चचार । देनचान्त्रश्चाः नर्काटका। मरवरका। विष्टः कर्ववाशिकः भन (लावर (लावकिकि (मामरभाभाः भागक विकला। व्यवस्य भारमे मि व्यक्तिरमा । यह मानि विक व्यक्तिरमा (वयत्र विरक्त जाना नृति में दिवायन) नत्रर स्ट्निंग आस्त्रतायः अस्ति कि क में देश । एव (सना व्यक्षावयः । जात्व जान जान जाने तर (नाजमपुत्त बुक्त निवर नगर वृत्त नक लानवा । ( )२ ज — २३ क ) u.

#### किश्मी किश्वा।

नमी ना समर आग्रा कुर्याभार प्राष्ट्र तथः निवानागर निवासिविकिः। ( का॰ ) ७।।। ८ ) उपारशक्षत्रविभि छ। शीनः लक्षेर मरक्षाना यक्षमान উर्वाहरक्षी समीवाहरक मभिष्याष्ट के उत्वार्थः। विक्रभाक्षपुष्टीत्वयौ गावती वाामाक्षिणुष्टाट्छ। (० व्यव्याक १ कि । (व विभावनामा: किमा क्रियाकि क्रिकेट अधिक विश्वमार्थि (श्रीयम्ब क्रिकेट) व्याचित्र(व) व्या वरीः वि वाक्रबंधम नाकर्तान कृष्यः । ( ३६व ००व ) ।

> अकि विश्वी कि कि कि व्याय कत्रम् हिस्तिकः। विध्यटमग नियक्षण्य अस्त्रीरक। विस्तानसः ॥ ७५ ॥

'नागमी क्यूयरमाक्रपंडि किक्वरहार्वित करवाडि' कर-३६ ७।३६ ) विवादामामक मूक्रविक मरतानमोगिक अपूर्वातिमुर्द्धः क्रवा विकर्ष- विक्या वक्षानः वकरहे क सानविक्रि जानमहोद्यागुरुशे (क व्यक्ष ! निर्म मर्क (क्यां क्यांक्याः किकिकि प्रकार्नः । जारत । न देवारीमानकः निवाकः निवाकः कारानकृष्ठा । किन्नुतः प्राचीकः व्याचीकः व्याचनः 

日西南南南西日

क्यानिकाम्यास निर्वाचनिक्य ।

वृश्विक्षावृश्विकानमा विभागीसमा व्यकाः ।

'ब्बमफ्राटबी मुख्या टक्षवर्ष हैकि खाछ याचा ग्वाब्र' (का० >७।७ >৮)। वक्रिक क्रिकीर मुर्यो मः स्थापा दर्शकिष बरश्चन क्यां होर अचा यथार्थर क्यां वाचर राम्य गार्क् मिणार्थहै। व्यक्षित्रकार्षेष्ठेन्। (ए व्यथ । बिर्श्वतिर्धः बाखाविकार्गावित्रावित्रान् क्षकामपुर्केषः क्षेत्रावि नम्ह । उरनावश्वरः । किक वृष्टीस्कि । (श्रीटिए: त्रीमाणिः कालम्कालमन् क्षणवरकानमन् कवा चकीरमन बाहरकन वदारतन कालाः भूखाविका मा विश्लीः या नामम्। ( ) रच-- १ क

#### खन्निःनो किछक।।

व्यक्तमप्तिः, खनरत्रिय (चोः काथा (त्रात्रद्योक्रमः नगश्चम्।

मरणा ककारना वि कीमिरका जनामा द्राम्मी लाख्ना कालामः। ८७ ह

'बारक वर्षाक समिति हि स्वर्णा ( का॰ ३७।७२० )। बारक वकः कुर्का स्वर्णा बार्गर। भावाहा ( ७ क० )। ( ३२ ल-००क )।

#### क्ष्रुत्रोश्मी किश्वना।

आयमशि**र्कतकंत्र** मृत्य वि मरम्प्री। न ८३। ५८७

मिष्ड या श्रद्धः श्रुष्ठताम् छ एक् मोनाच देनरवा

विद्रमा व्यक्तिवः

'वार्ष्य व व कृष्ट्र कारवाक्षिक के कवकः मिषामामः श्राट्याकि' (का॰ ১७/७ २५)। वारक वानामर। यनिकंषुष्टेरवित्री लिक्ट्रेन्। 'अनस्राभावः नावभूत्रान' ( भा- ११) हो ए शाननर्भक विवश व्यवसिः विक्रिं विशेषि कत्रक्षत्र कत्रक्षत्र स्वमानक मृत्य मृतूरक व्यवसामिक (जयः यज्ञवामक्कणभाष्यानः मृत्याणीकार्यः। भूक्रवनाजामः। यर त्वार्शिः स्र्या म स्या हैव काः कानक हैकि काः प्रशास्त्रीनभामः मन् ब्रह्मवा कवा द्वाहरक वकासः बीभारक ।. বোহরিঃ পৃত্তমান্ত লংগ্রামের পৃদ্ধং রাক্ষণমভিত্যক্ষী গলুণং ভিত্ত বৈশ্যো দেশগন্ধী আতিবিঃ মোহস্বাক্ষং নিশঃ মজলরূপঃ লোহরিদ্ধীদায় দীপাতে। 'দীত্র ক্ষরে' বাজুনাম-নেকার্ববাদার দীপ্তার্বঃ লিটি ক্লাং ভুজাদীনাং দার্বোহজানিত' ইতি (পাত তাঠান) অভ্যাশদীক্ষ ক্রিদ্দি লুড্ডলেঙ লিটঃ' (পাত ৩৪৬) ইতি বর্জগানে লিট্ট। ( ২অ—৩৪ক) চ

#### शक बिश्मी क खिका।

'পলালপুটেনাপো দেবীরিভাকয়া' (কা৽ ১৬ ৬:২৬)। বনীবালনামন্তর ভড়াপাকি
লল্ভানং পরা বটাদিপত্রপুটেন পায়ংপ্রাভক্ষবায়াঃ পকালার্ত্বভং বস্তক্ষা'ত ভাকেলা তা
লাল্ভানং পরা বটাদিপত্রপুটেন পায়ংপ্রাভক্ষবায়াঃ পকালার্ত্বভং বস্তক্ষা'ত ভাকেলা তা
লাল্ভানং পরা বটাদিপত্রপুটেন পায়ংপ্রাভক্ষবায়াঃ পকালার্ত্বভং বস্তক্ষা'ত ভাকেলা তা
লাল্ভাক্তি প্রাভিন্ত পরার লাগভাদিভিঃ প্রভিন্ত ক্রেপ্রং ক্রেক্র ক্রেটা' সাজঃ উ পাল্পুর্বিটিঃ।
কিন্ধু লোভনঃ পত্রিক্রেণো যালাং ভাঃ প্রশ্বালঃ আপঃ বর্ষণ্ঠ পত্রা আদিন উভি প্রভাত্তিরি।
ক্রিমুৎপালয়াত্র ব্রক্ষোৎগভাটিভাবের জনমঃ ভুপত্রভিন্তিরা ভারভাত্তিরি ভাকেল
ক্রেণায়ায়রে নমস্তাং প্রহ্বভিবন্ত । কিন্ধু হে আপঃ ৷ এ ত্রম অপ্যু মায়নি বুয়ং বিভ্রত বাররভ্
মাত্রা পুরামির যথা মাতা পুরেং স্বাল্থান ধারয়াত ভবংগালয়ত ত্রংগালয়ত ত্রে – ৩০ক ) য়

#### यहाँ वः नी काका।

व्यम् वर्षे वर्षेष्ठेन त्मोषगोतक क्रमारम। भर्छ मन् व्याप्तरम भूनः ॥ ०० ॥

ু (কা > ১৬ চাব ) 'ভভো বাজাং'। ভভো নস্তরং পঠি গ্রভাং বাভারণ বরে গড়িন্দ্রী তাতা ভারণ করে। বিরুপদৃষ্টারেরী পায়ুত্রী। পূর্বার্য্রণ ভারতিবিক্ষেন লংগুভা বাভার্যরের পর্বাণাগ্রভাগে বলনভাগাভাবহরণ-মপত্নুভো (ক আরে! অক্স জ্লোবু তব পরিঃ স্থানং ল ব্যোবারীঃ ববাভা অক্সক্রাকে ভ্রবিপরিশামমলু বিপরিশমশে 'লোহাচ লোপে চেৎপানপুর্বং ইভি 'পি ৬ ১ ১৩৪ ) ক্র ইভান্ত বিলর্গলোশে লাল্কঃ। বলা ওবধীঃ স্বীক্রোবি অঠরাবির্গণেশ। কিঞ্চ গর্ভে অনুপ্রাশ্রের বিভঃ লব্পুনার্যার্য স্বিশ্বার্য স্বাভা বিশ্বার্থিক বিভঃ লব্পুনার্যার্য বিশ্বারণ বিভাগালে বিভাগান্ত বিভাগান্ত বিভাগান্ত বিভাগান্ত বিশ্বার্য বিশ্বারণ বিভাগান্ত বিশ্বারণ বিভাগান্ত বিভাগান

#### मश्वातःणी किछका।

त्राह्म अर्ज्यावर्गमार गार्जा नमकाजीनाम्।

भर्छ। विष्णु कृष्ठमार्थ गर्छ। व्यभागि । ७१ ।

जिट्यार् क्षेट्रणार बित्वर मखा।। (च व्यक्षा चर्गामनी गार मर्ट्षार्मि (चमक्रिट्रेनर वाम-विविद्यदेवक्रवश्रामकार। (ह व्यक्षा वर नगणनीनार छत्रनार गार्फ रिन व्यवनिरकार व्याप्रमामचार विषय कृष्टक नर्वक क्यानिकालक गर्व्हार्राच करेत्राचित्र (भन विक्रामधार, व्याप्र वर्षाव्य वाखनरेनडाखांकक्र नचार । ( २२ व्य - ७१क )।

#### वमि खिश्नी कशिका।

(यानियभक भृषिनीमरत। मध्यका माञ्चित्रः (व्याजियानभनामपः । ७४ ।

'ब्बर्गामिक्या श्रीखामामएख श्रीनामाठि' (गा॰ ১७७२»)! व्यक्त किश्रीस्थारः अकाषाक्रमाभिक्षा अञ्च गृद्धां खिलाजि छन्। अप्ता क्षा विश्व । एवं व्यव । यह व्यव क्षा विश्व विश्व कांत्रवेक्षाः वृविवोः (यानिक्षा व्यवण व्यवण आवा नाक्ष्यिः वरम्देकाकोक्ष (का) किन्नान (कक्नो नष्मद्राः नन् भूमसानमः चन्नाममानीम् । ( )२ क · ०৮ क ) ॥

#### अटकांबहवाति भी किश्वका।

পুৰিণিমপ্ত। বোষে মাতৃৰ্গাংগাপত্তে হস্ত বস্তাত বিষ্ণ মং । ৩৯

८६ चार । जानम्ह नृथिनी ह नवनमानम जनकृतिका । ज्ञान श्रामान ज्ञान भूषोप्रावक्ष्मीर्वा वर त्यारव क्विवि वाकुक्रनाम छेरनाक वर्गा विकः त्यारक। किक्कुक्क्षर ह ब्बिबख्यः क्यांविक्यः। ( )रब्य – ७२म )।

#### हवातिः न किना।

जूबद्धा विवर्धा जूमस्य देगासूगा। जूमर्थः वास्ट इतः । so p

8 (8 1 (oc off) 8 ·8 1 (6 · 4) Billbill B

#### अक्टबाबिरनी किना।

युवा। निवर्षकार्य िष्य गात्रमा। विष्णुषा विष्ठेष्णवि ॥ १३ ॥

#### विकारिशमी कथिक।।

च्यक गहरमा यनिष्ठं मार्विकं अक्षा च्या वा ।

श्रीविष्ठ (या व्यष्ट्र (या भृगक्ति गमाक्र हे छत्रः गरम व्यद्धि वर व

· 'श्राद्रभाषाभ्राम् वाखर्ड (कार्शम हिंख' (कार्० ) । ख्रुषात्राचात्रकामिक्स शुरी छर छच क्रुको मूचा तार थाना दनाना भ इंडि च । हित्ना चार्शिय निक्रिक । वीर्ष अरथा कु हो र छ छे। खिरुन्। चवात्रभनााखी अभागान ७९न(पावरम् चमानः 'मञ्चरना कः नच्रुको हन्यनि (পা০ ৮।১।১) ইতি রুখে। তে অগুবনা ছে ব্বিষ্ঠ বুগভাৰ আছে। যে ইছে यहाना त्नाव युगाय व्यक्तिशार्थार्था व्यवः वया कर्या व व्यक्ति अवहनः व्यामीकी वार्यः है किन्डना। जूमिकेना यहनः भ॰ १० केना ज् भाष्टिक प्रमा । खवा अष्डमा शक्रमा (आजनभर श्रामनमा लामद्राक्रमाठार्वः। किक चल्य ध्यक्षणार्थः भन्तापः। श्रीप्राष्ठदाद्धानाष्ठकर्याः (इ च्या **व चः श्रम्भः श्रीप्रचि** बाद्यान'छ निमां इ देश धकः श्रामकृत्।' ह पार त्यों के कंकिरखों क किविया के लाकप्रकारः। এवर मिछ (क व्याप्ता) व्यवस्त्र १ छ छ व क्या छन्। व्याप्ता व्याप्ति नगांत्र ह 'निम जाखनावनश्राहाः'। केनिमार्थर। नमाकः वस्तर्भाः 'म् मरमानाकः हेकि ( भा॰ अरा १९० ) बाद्र श्रेष्ठाग्रः भीलार्बः ॥ ( )२ ब --- ४२ क ) ॥

#### किल्यां वर्ण का ।

(नायाक् क्षिराक्षेत्री यस्त्रका भावको। विचन्द्रांत याद्यं व यस्ः। (ए वच्निद्ध वभणटक, दस नक्षवान्, वक्षवानीक वच्याचा 'बारा भानन' (णा॰ अरावक) है जि कंमण खरमरयूरको ८ए नक्षानम् मममा माठः, म घर (बाब अवाम खंद्यासर युग्धा वृवादकः विन मृश्व स्कन्ता । (स्विः । ना० ७४ >०> )। देवि । वः अवावात्नात्नी स्वत्नी। कीषृत्यः। स्तिः विदान् रथना वनगान् यत् वनमगात्राका । नरपूष्ठे नन, द्यमान्त्र लिखात्राणि लेखवार्थाव लेखकः नेनक्षा 'आमान्धिक विष्ण विम्राधिक विष्ण

कि स्वाकि (का 36 915)। का का मार्गिक मार्गिक

### 

ं 'छिथासामगाङि गृथिगर पूगर्खाङ' (का > ७।१२)। ष्ठ छामानखन्म्यात छारमग्र मिनामूर्थार सात्रात्र । व्याधारी । छहुन् । व्याधारामण्ड प्रेनानं क्रिया मनकरखन पानिका। दि स्राप्त, व्याप्त नारा क्रिया नगरक दा जाः पूनः गांगस्त नामुणनाष्ठः प्रोणसञ्च । द्व नच्नीक, वक्षः मनर छात्रायदा नापा छ। पाछ । यदा प्रांन स्त्रां न मन्नीयः छ नः पूर्ति (छ मनरम्खः, खाद्यानः खाद्याना वाक्षान्याना गरेकः कृषा घाः पुः पायस्त्राः वर छ छवः समनोत्रः प्रकाणन् क्रिया व्याद्याना वाक्षान्यान प्रांत्र प्रकाणन् क्रिया व्याद्यान व्याप्त प्रांत्र प्रकाणन् क्रिया व्याप्त व्याप्त प्रकाणन् क्रिया व्याप्त व्याप्

# পঞ্চপ্রারংশী কাশুকা। আপের নীত বি চ পর্বিভাগে যেহন ছ পুরাণা মে চ নুত্রাঃ। আনাল্যনোহ্যসানং পৃথিয়া অক্রেলিয়ং শিক্তরো লোক্সলৈ । ৪৫॥

'অধ গ ইপতাচমনমুচাতে। পলান্দাবলা গাইপতাং ব্যুক্তাপেত বীডেভি পুঞ্ প্রতিদিন্দং পুরস্তাং প্রথাং কিনি ১৭১০) আন কাবিকার্ত্তাা দালাদার্থা। গাইপত্যাল কালাদার্থা গাইপত্যালিকং স্থানাদ্যালিকং স্থানাদ্যালিকং কালাদার্থা প্রায়ল প্রায়ল পালাদার্থা প্রায়ল প্রায়ল পালাদার্থা প্রায়ল প্রায়ল প্রায়ল পালাদার্থা প্রায়ল প্

অতঃ স্থানাদপেতা সভ্যাত্ত বিহায় বিনিধং সভ্ত। ক্যাত্ত্যপদর্শবিধাত আহ। অবক্তি স্থাপর চাম্মিত অবদানং পৃথিবা। অবদানং স্থানমিদং যমে। কেবোংইম স্থানামায়াদানত-বান্। পিতর দেনং লোকং স্থানমিদ ব্যানায়াক্রনক্তবত্তঃ। ক্রোডেঃ দ্বি সৃপ্তে স্তি ক্রেং। যমেন পিতৃতি চ এডচ্যুনস্থান্ত স্থানায় দত্ত্যাত্য্যন্প্রপিত্তার্থঃ ॥ ৪৫ ॥

#### वहिन्दाशिको किन्।।

লংক্তান্মশি কাম্বরণং মাধ্র তে কাম্পরণং কুরাৎ।

অধের্ড সাপ্রবেদ বিভি স্থ পরি। চত উপ্রবিষ্ঠ প্রস্থার । ৪৬ ।

'डिलोडीज् भागामूनरकाथाः निगगिक मरकानिमिकि' ( का॰ >गा।।। यथा वापूर्मर कुछर कार ज्ञानामूनक् किथा गाईनडाविक्सारन कारम् मा निष्यां । छिराप्यकार यक्षा (ए উययक्रण, पर मरकानमणि मम्नार गमाक् कालणामनमणि। भन्दर्ग हि उर्पण्य आश्वा शिव्हि । उथा कामन्त्र कामानारवातपास्त्र । कामानम्को कि कामनत्र यक्क का वा मम्भागकषार। षाज्य छन काममत्रनर, काममम्भागनमामपीर मात्र कृतार जाय। व्यक्त जाना त्र न नामा नर। ८७ ७७ का कामसत्र नर भागः मत्रि जुत्राद जुत्रायः । यज्यर काम-धर्गर भश्चक्त पर मरकानर ममाकृ का पक्रमांन ऐस्मिकारा । 'भनद्रा वा दियाः भनवः ময়ি ভে পদবো ভূয়াসঃ' (৩:১১৮) ইতি শ্রুতেঃ উত্থাভিপ্রায়ধেক্বচন-'निकडा महारश्चर पाष्ट्रायमर' (का॰ ১१।४७)। छेवयर निकखा युवारमहाद्वार भन्न चार । নিৰণাত। নিকভাদেৰভাং বজুঃ। তে নিকভাষরণ, মুমুগ্রেড ম ভালকমলি নিকভাছোইখি-রত্যাগ্রা ভবজি। অধেশ্চ পুরাবং পুর্ণমণি পুরয়জাভি পুরীবং। পিপর্যেরীবক্পজ্যাত্ম छेगांकिएक 'छित्माहार्श्नमा' ( गा॰ १०) २०२ ) हेळ्लाहात्मः। ज्ञाजिक्यात्रवक्षकार । न ना व्याधः यर कवाकिष्टेकि। 'व्यादात करेवण्ठामतमा (तार्ख्यं सर्गिककाः' (११)। २०) हे केंकि ह स्कालिश । 'भित्रिस्थितिः भित्रिस्थिति नृतिनिष्णान्य म्या हिन्छः (का॰) १। १। १। कानश्याखनात्रिविखनीर्भछान्द्रान्य (महेत्रिक भूकानामिक अनिक्षणमुक्काखाः यममीत्रा देखि। পরিশ্রিদেশভাং যজু:। (ছ পরিশ্রিভঃ শর্করাঃ যুধ চিভঃ ছ চীরছে ভূমৌ প্রক্ষিপারে हैं छि । इसे जिल्ला खन्य। भारतिष्ठः च भारति मन्त्रकः चानिष्ठ। खन्य। ही प्रस वेडि ऐक्रि हिन्दः ऐक्रि वाणिकाः मरका। युधर अप्रसमिषर भाईभन्छ। विचर (नवस्तः ॥ ( >२ ज — अक्त ) ॥

#### मश्रक्षा विश्वा

व्यक्षण्या विश्विकामिकः ज्ञानः ।

जङ्खित्रर याक्यकार म गरिष् जनगण-कृत्रत काक्रत्यः। ६९॥

'बरमार्क्ष्वच्छोम्ड छ स्था विकर्णा छ ताः क्षां हो क्र नवमा छि विक्व छ वह छ वर्ष एन। जिल्ली स्थि युक्कीमः क्यां वेहेकाः आहीः आध्रक्षणा विक्रित्शक्षत्रभः एकाक्षित्रभात्रकाश्रकाशिक व्यक्षां व्य क्रमनिष्रारकः। बक्ष्रकृष्यरेगरेककार। इस्मीर्यास्यभाधाः भष्टा भाक्ष्यप्रगानिक इस्का व्यक्षत्रका दिवास देखि प्रवार्थः। शक बर्ठा विश्वामिखपृष्ठी व्यारश्चराखिष्ठकण्डपूर्वा केष्ठु भा विष्टेरिका भवाखर कूर्यात्र क्षित्र स्वत वर्ण प्रक्रि । व्यवर गाई भवाः व्यक्ति हैका विष्टे क्षि यिष्णाको हिएक नाम केखः भूम्यांच्युक्र लागर कठेता (चामरत पर्प भारत्य छ । नर्खमादय कि है। कि खु छ हे छ । नावणायः वडी छ नावणायः 'बह्न गर केंग्निनि (भाव वं संवक) केंग्रि जाना (जो जिंड जिस्क् जामनीर्य जानिक जाना के विश्ववीतः । कोकुंबर त्वावर। मक्तित्रर मध्याईर। वाक्यत्रर नष्ट्रनार कृत्विकत्रिकार्यर। ष्ये छोर में। नकें त्रः मध्यक्षां पर। जक्षाराम या मन तर। मश्चिर प्रतपर जु श्चिकत्रर। र्वाची क्रिकेन दक्ष्मनंबिक्ष अपर ८माभर क्रेट्र पटक किन्न दक्ष काल्ट्यमः, काल्ट्र व्यक्त चैंबर यंत्रार एक चरत्र, खर्मीन नमनाय छनीरिय मछख्यामः नम् खिलाक्यादेमः कुन्नरम 'वेन'नेक्टरका, के प्रक्रकात्रः। উखतार्ष्क भावः। (२ काखरवनः, मखिर व्यवनः नमन-कूषेन्य छ। १ म व्यथित गर्धा प्रति प्रति ज्ञा महामा विषय महामा प्रति हर वाक्य प्रति जन नामा क्या क्या वंबर्भारेमंचर खुन्नरम 'महरखन मरिमर हो बः ( भा छ। ८ ००० ) के जि च छ। छ। अः। 'मनू माहना क्रिः जनपान् । ( >२ च--- ४१क )।

#### महेक्वातिःनी काखिका।

जात परक किनि गर्कः शृथिनार परमायसीयम् वा वा

(यमाश्वित्रक्रम्काञ्च ८७वः न काक्षत्रर्गता नृहकाः ॥ ८৮॥

८६ जाम्रज्ञ गर्गावम यजनीम ८६ जाम, ८७ ७व यर विवि द्वारणाटक गर्का मी शिमकंस नर वर्ष ७ थक पृथि गामधिम नर वक्ष क्षेत्रवीष सः विस्तर वक्षाण्यू जारायू जासः विस्तर वक्ष गर्कना ख्या विक्षीर्थस्य विक्षा विकाय विकाय विकाय विकाय विक्षा विकाय विकाय विकाय विक्षा विक्षा विक्षा विक्षा विक्षा विक्षा विक्षा विक्षा विकाय विका

# ख्या निष्ण कर्मम्हान्निभाषकः। (मन्। व क्रिय िका ह्य। या विष्ण कर्मम्हान्निभाषकः। (मन्। व क्रिय िका ह्य। या द्याहरम পत्रखार-प्रश्ना याण्डावखाइ পভিষ্ण काशः॥ ३ ०

তে অথে, দিবো ছালোকত লছকি অর্থ্যকং ঘদভাজিগালি আভিমুণ্যম প্রজ্ঞি 'দা ভাতিগত্যোঃ' হরাদিঃ। অভালেদং ছান্দানং। 'অহাছেরাপ্ত মিতি আকপুণিঃ' (মিক্লান্ত হাত্য) 'নিপাতত চ' (পা ৬-৩ ১৩৬) ইভাজ্ঞেতাত লংহিজারাং দীর্মঃ। 'আপো মা ক্লাঞ্জিবির ধুমনাকৈতি' (৭ ১০১ ২৪) ইভি ফ্রাভিঃ। কিন্দা বে দেবা দিকা। উচিকে উচিরে উচাত্তে দিয়ো বুদীরিক্রিরাণি ইফাভি প্রেরম্ভি দিকাঃ জ্ঞানকণা দেবাঃ ভাল্লে দেবাংশ্চ ঘ্যক্তা জিগালি অভিগজ্ঞি। উচিকে ক্রক্রং কর্মণি বিট্ পুরুষ্ণচনরাক্রভারঃ। 'প্রাণা বৈ দেবা দিকান্তে বি লক্ষা দির ইফাভি' (৭ ১০০২৪) ইভি ফ্রাভেঃ। ক্রিঞ্জানা বৈ দেবা দিকান্তে বি লক্ষা দির ইফাভি' (৭ ১০০২৪) ইভি ফ্রাভেঃ। ক্রিঞ্জানানের দিকানের স্থানা প্রজ্ঞান্তপ্রিক্তা আপ উপ উপভিজ্ঞি অব্যানের্থভান্ত বা আপ উপভিজ্ঞি ভা আপেড ঘ্যভিজ্ঞিনিরান্তা হার আপি উপভিজ্ঞি ক্রিয়ারারান্তি ভাবঃ ম (১২ন্স – ৪২কা) র

পঞ্চাশী কণ্ডিক।
পুরীক্তালো অন্তরঃ প্রাক্তালো করেঃ প্রাক্তালো

ত্বভাং বজগত্ত:ভাষ্মধীশা হংধা মহীঃ . ৫০ চ

ज्यक्षार (नग्रार । ज्यमीया नाजि ज्योया दावित्रणमात्रात्र्णाक्षणीयित्रण वात्रर ज्यात्रणार (नग्रार । ज्यमीया नाजि ज्योया दावित्रणमात्रात्र्णाक्षणाक्षणा वाजि ज्यमीयाः ज्याक्षणानित्रिकाः महीः यहजीः ग्रा क्षणा हेनः ज्याक्षणीन्धायाः ज्याद्याः । कीष्णा ज्यात्रः । श्रीवातः भूतीवातः भूतोद्याः । व्याज्यात्रः । ज्याद्याः । व्याज्याः । व्याः । व्याज्याः । व्याञः । व्याज्याः । व्याज्याः । व्याज्याः । व्याज्याः । व्याज्याः

শ্রীভিবৃক্তা ইভার্থ:। 'অক্সেনামণি দুশ্রতে' (পা॰ ৬,৩।১৩৭) ইতি লংছিভারং প্রানণেভি দীর্থ:। 'বছলং ছন্দলি' ইভারং। তথা অফ্রন্থ: ন ফ্রন্থীতাফ্রন্থ: অছিংলিভারঃ পরস্পারং শ্রীভিবৃতা:। (১২অ—৫০ক)।

#### अक्शकान किल्का।

ইডামধ্রে পুরুদত্লত্শ<sup>্</sup>নৎ গোঃ লখক্ষত ইব্যানার সাধ চ

। শ্যান্ন: স্তুত্তনয়ো বিভাবারে লা ভে স্থাভিভূত্তমে a e> n

'ইভামল্ল ইন্তি পশ্চিমে প্রতিমন্ত্রমুভরতঃ' (কা• ১৭ ১ ১১ ) ইডাম্য ইভি ঋগ্**ষ**্মে ক @ किमञ्चर लिक्टिम (च लाममारका) लिख (किमरा) केमर्ग कमर्ग केमप्रमाद केखे तरकार में किस सिक्नाम्यः हेर्डामिणि पिक्नार अप्तर क हेर्डाख्यामा अर्जार्यः। दव आरश्रामा विष्ट्रेन्छेट्र । হে অংগ্র, হণমানায় যজমানায় লাধ লাধর লম্পাদর ছিন্দ্রাভর্থ।' ( পা০ ৩।৪ ১১৭ ) ইভামসং। লপ লার্কণাতৃক্তিলোপঃ। হ্বরাজ লাহ্বরাজ দেবান জুহোতি না হব্যানঃ মস্তু প্রদেষ্টোজেং 'পশবো বা ইডা' (৭ ১১।২৭) হাত ভগলীবদৈ ুরন্ধাংখাৎপাক্ষমানদ্বাৎ। কিন্তু ভামিডাং। পুরুদংশং ভংগ ইভি কমনামর পঠিতং। পুরুণি বহুল দংশাংলি কর্মাণ্ ষয়া লা পুরুষংলাঃ ভাং পুরুষংলগ্রিতি প্রাণ্ডে টিলোণশ্ছান্দণঃ। বত্কর্মাণবন্তুত্মরং দেহী-खार्थः। ७वा व्यख्यमञ्ज्ञास्त्रां वर्ष्ट्रान्य वर्ष्ट्रमानमनणात्रिनः । ज्ञानः (राष्ट्रभन्निक् मानः भरमान व्यविष्ठाविकश्यक्ति (पर्शेष्ठार्वः। किक नाश्याकः यव्यानानाः ४४: भूतः भाष्यः कीवृनः व्यक्षः। खनत्रः खेत्रणः भूखा अ स्नृन्द्रिताक्षणां प्रकाशाविता। विद्या क्रम्यकः। यदा क्रानाः। य हिल्ला क्रिका क्रिया । ज्या विष्या । वानश्य बाग्नरः, भूका विष्यादा 'विष्कृरमात्रभूमानिक्षांद' ( পा॰ ७४४) इंडि पाट्डात्राकातः। (रू ७(श, (फ **७व मान्न**(গাপুতाबानावयम् स्थां७: (बाधना वृद्धितस्याद्याद्य अत्यास सृष् ७वड् । वस्यात्मकाखत्राद्वापि (पर्रामिक कारः। वाकार्यन नत्ना मूक्। नत्य विकत्कः विकारप्रत 8 ( 4 5 4 -- 6 7 4 BELLE

विश्वाकी किल्ला

मश्र ८७ (यानिवाधित्रा यट्डा खाट्डा खट्राड्याः ।

खर काम्ब्रम कार्तादाका त्ना रक्ष्यां विश्वम ॥ ८२ ॥

बोबाका ( लवा॰ ठक॰ २६ ) । ( २५० - ५५क ) ।

#### विमकांनी कि कि।।

চিদলি ভাগা দেবভাগালেরসভাবা নাল পরিচিন্দি ওয়া নিবভাগালিরসভাবা নাল। তে।

#### **हकुश्मकामी** काश्करा।

(माःश पून हिसर श्नारका भीम अस्मा बरा

हेलाशी का वहन्ना अविकास निमान । ८८।

'िक्यू (नाकर नेना मान्य व प्राप्त । प्राप्त ।

#### भक्षभाग किका।

ण पण रम्मार्थः माम्म विश्व पृत्रतः। प्रमारम्मार्थाः विश्व जिष्ठा स्त्राहरम मिनः। ८८ ह

'নিভ্যে লাহমশ্বলাহলা উপনামান্ত্তরে তরা লেবতরা তা অলোতি' (কা০ ১৩ ৭-১৪)।
ভয়া বেবতরেভি লাহমং তা অলোভি ফ্রলোগনাবিদ্যন । এতে নিভ্যে দর্বজ্ঞে স্থাবিঃ।
ইল্পুড়াপ্রিরমেবতৃটাক্ষেবতাাত্বট্ট প্র। লিবো ভালোকস্থিমিনা দিবস্চ্যুতা বা ক্রলোগনাগ্রহ আলাভ বৈগান্ত্রা আরু বিলোবতা ক্রেলোগনা ক্রেলাগনা আলাভি লোহলাহানি অরুবুতা আলঃ তাঃ
ভালিঃ। 'আলো বৈ ক্রেলোগরং লোহং' (৮৭৩২১) বিজ্ঞা বৈ বিলাং' (৮।৭।০)২১)
ইতি চ ইল্ডিঃ। অনুন্ধাঃ। ক্রেলোগনাং পৃথারঃ মানাবিদাঃ। বহা 'অরুং বৈ পৃথাণি (৮।৭০২১) ইতি ইল্ডেরারমাণঃ অরাগন্তা বীহালিগান্তনালালা ইভার্যঃ। করা জীপুত্তি লেবানাং অন্ম' (৮।৭০২১) ইতি ইল্ডেঃ।
লব্দন্ধানাং অন্মন্ অন্মনি লব্দন্ধতি প্রারমেতেং। 'ল্যনানি অন্ম' (৮।৭০২১) ইতি ইল্ডেঃ।
লব্দন্ধে লব্দন্ধে লোম্বাপ্তল্ভিপ্রারমেতং। 'ল্যনানি বৈ ট্রেলি রোচ্নানি' (৮)৭০২৭)
ইতি ক্রান্তঃ। বজ্পরিশান্ত্রা অল্লোংপাদিক। আলো লিবঃ ল্যালাদ্দি রোক্রেপ্রভিত্তি ভাবঃঃ (১২৬—৫৫ক) ঃ

महिलकाणी काक्षका।

विद्याः विद्या व्यवीयमञ्ज्य महिला शिवः।

विद्याः विद्याः व्यवीयमञ्ज्य महिला ।

विद्याः विद्याः व्यवीयमञ्ज्य विद्याः ।

विद्याः विद्याः #### मखनकानी किंकिना।

वाबक्क क्षामां नश्कियो स्माहिक भूवनक्षात्ने।

### हेरंब्र्डिंशिक नश्यनारनी । ६१ ।

'লমংবিলাণ কুষোধাং মিবপভি লমিভানতি' ( কা॰ ১৭।১।১৯)। লমং বিলং ষ্ণাঃ লা
লমংবিলা। বিভজ্ঞানুক্ ছান্দপঃ। পাইপভালিভং বৃৎপূর্ণেম পরিশ্রিংলমাং ক্লমা ভল্লবেয়
নালৈক্বাাাল্লং ছাপয়ভি চভূপ্রিয়ে। চভল্লে। ভালিকেবভাঃ। ললিভং উন্ধিলেভালিভা
আনম্ভাক্ষরপাদছেই পাইনিংশভাক্ষরভাব। কে চিড্ডোখাল্লী, ঘুবাং ললিভং লংগল্ভেং।
'ইণ্ গভৌ' লকতে) ভবতং। লকলেবাং চ একলভল্লো ভবতং। বলা লভল্লবং বজ্জালিনং ক্লেভং। কীলুলো ব্বাং। লভ্জিরে লভ্জিনী হজো 'ইঙ্পব'— ( পা০ ৬৯,১৩৫)
ইভি কঃ। লমাক্ পরক্ষারং প্রতিব্রো। রোচফ্ দীপামানে 'আলছ্ক্—' ( পা০
৯২১৬৬) ইভালিনা ইফ্চ্। স্থমনভ্সানে শোভনং মনঃ ক্লেভ্জে বা। স্থমনভ্সতে জৌ
স্থমনভ্যানে । স্থাভুঃ কাঙ্ভাজ্বনে । পরক্ষারং লোভনচিভ্বজে)। ইব্যলম্ভিস্পিলেচনং স্থালি চাভিল্বলানে অভাবহরজে ভ্রোনে আভভঃ নমাক্ লন্পালয়ভো বা।
দ্বের্থাভ্রের বৃদ্ধিঃ। ( ১২জ— ৫৭ক )।

#### जिस्निकानी क छका।

नर नार मनार्भि नर खडा नमूहिखाडाकत्रम्।

वाद्य नूतोक्षाविन। छत्र वर म हैवमूर्कार यक्षमामात्र (विहाहका)

উপরিষ্টাৰ্থ হা আইন্থানবদ্ধবিদ্যাল করণ দিয়া দেশ বিকা। তে পুর্বোজ্ঞানরী, বাং
ব্বরোশনিংলি বন্ধবিদ্যাল নেবৃদ্ধবিদ্যালন শ্লান করণ শ্লাকরং প্রাক্তর শ্লাকরং শ্লাকরং শ্লাকরং শ্লাকরং ।
করোভেল ও লেখন কর্মনি আলি অকরামতি স্থাপ। তথা প্রভা প্রভানি কর্মাণি প্রাক্তরণ ।
বিভানি কর্মনার (নিশ্ব হাত ৭) তথা চিভানি চ মনোগভলংক্ষারাজ্যাকরং। উকার্ট্ট
শ্লুক্তরার্ক্ত। এবং মনঃকর্মনংক্ষারেরে হারু ভৈরে হারু ভ্রমায়ং প্রার্থিণে তে পুরীলা, পশ্লা
তে করে, বং নোহলাকং অধিপাতীতি অবিপাঃ পালকো ভব। ইন্মায়ু মূর্জাং ভর্পণেচনং
বিভানি ভ্রমায়ার বেনি বেনি ।

#### धारकानमञ्जी क खिका।

आर्थ पर भूती स्था त्रविमानभूष्टिमाँ र जानि।

णिनाः क्रमा जिल: लकाः चर (यांगिमिनाला: rea !

উथाबिएनएडगिकिक् आर्थिकानिक। आनिश्राक्षत्र नामसार। एवं अरक्ष, सर भूगोगाः अध्याबिएनएडगिक्षा प्रतिमान् भूगोगाः अधियान् भाषाः अध्याक्षत्र । अर्थः मस्या विनः विनाः व्याखाः क्षत्र । अर्थः मस्या विनः विनाः व्याखाः क्षत्र । अर्थः मस्या विनः विनाः व्याखाः क्षत्र । अर्थः स्वानः व्याखाः क्षत्र । अर्थः स्वानः व्याखाः व्याखाः व्याखाः व्याखाः व्याखाः । अर्थः स्वानः व्याखाः व्य

खार्भी भीक खिन्स नाक्स तथा एवं र प्राधित तथा। ( स्वया व क क क ) भूम निवास वार हिंदि । एक भूम निवास कर्षा प्राप्त कर्षा प्राप्त से विश्व है। यह भिष्ट । यह भिष्ट स्वयान है से विश्व है। यह भिष्ट । यह भिष्ट स्वयान है से विश्व है। यह भूम कर्षा है से विश्व है। यह प्राप्त कर्षा है। यह प्राप्त है। यह प्त है। यह प्राप्त है। यह प्त

तिरेष: फिरेन कृष्ट: गर्नमानः श्री आगि शिक्ष कर्या निम्क कृष्ट ।

'निक्छा किः नमः निनाः सूचा मार्छन पूर्वाक्ष । ज्ञानिक्षा विषय प्राप्तिक । ज्ञानिक्षि । ज्ञानिक्षिक । ज्ञानिक । ज्ञानिक्षिक । ज्ञानिक । ज

ख्यात्वा क्कोर इक्षर निक्किक क्यार्यः। केवात्ववहाः विष्टून्। इहीता नवकः क्ष ह्यात्वा व्याप्तः। पृथितो क्यान्याः। पृथितो क्यान्याः। पृथितो क्यान्याः। पृथितो क्यान्याः। पृथितो क्यान्याः। पृथितो क्यान्याः। प्रथितः। क्यान्याः। प्रथितः। क्यान्याः। प्रथितः। क्यान्याः। प्रथितः। क्यान्याः। प्रथितः। क्यान्याः। क्यान्याः। क्यान्याः। क्यान्याः। विष्युक्षः। क्यान्याः। क्यान्याः। विष्युक्षः। क्यान्याः। विष्युक्षः। विष्युक्षः। विष्युक्षः। विष्युक्षः। विषयुक्षः। विषयुक्षः

### বিষ্ঠী কড়িক। । অংশস্তম্যজ্মানামন্ত স্তেন্তেভাামনিতি ভস্কস । । আক্রমস্প্রেল্ড লা ভ ইতাা ন্মো দেবি নিশ্তি ভুভামস্বাভ্য

'নৈধ্ তাঃ ক্রঞান্তবস্কাতি লোহলপাঃ পাল্লান্তহিবিদ্যানন্তবিদ্যানি লিক্তি ক্রেলান্তবিদ্যানি লিক্তি ক্রেলান্তবিদ্যান্তবিদ্যানি ক্রিলান্তবিদ্যানি ক্রেলান্তবিদ্যানি ক্রেলান্তবিদ্যানি ক্রেলান্তবিদ্যানি ক্রেলান্তবিদ্যান্তবিদ্যান ক্রেলান্তবিদ্যান্তবিদ্যান ক্রেলান্তবিদ্যান্তবিদ্যান ক্রেলান্তবিদ্যানি ক্রেলান্তবিদ্যানি ক্রেলান্তবিদ্যানি ক্রেলান্তবিদ্যানি ক্রেলান্তবিদ্যান্তবিদ্যানি ক্রেলান্তবিদ্যানি ক্রেলান্তবিদ্যানি ক্রেলান্তবিদ্যানি ক্রেলান্তবিদ্যানি ক্রেলান্তবিদ্যানি ক্রেলান্তবিদ্যানি ক্রিলান্তবিদ্যানি ক্রিলানি ক্

### विष्ठी किछन।।

मयः च एक मिर्वाक विद्याशिका विष्या विष्या विष्या

यत्थन पर यम्। नर्विषात्नाख्य मार्क व्यापदत्राव्देत्रमम् ॥ ७० ॥

### **एक्टिंग्डी कि जिला।**

यश्चार्य (चात जानक्रां विकास स्मानाम् वर्णक्रमात्र।

দাং তা অনো ভূমিরিভি প্রান্দতে নিক্তিং ভাহং পরিবেদ বিশ্বতঃ। ৬৪ ট

(स द्वाद विषयनीत क्र मुक्त मिर्व किएमिन, मणाः एक एव जानन जाएक मूद्य जसर क्रिक्शि जाइ जिन्न प्रमान । किम वर । এবাং नक्षानाः यक्ष्यानक क्रिक्शिक क्ष्रमण्ड विकास । किम वर । अवाः नक्षानाः यक्ष्यानक क्रिक्शिक क्ष्रमण्ड देखील जाडा निवास क्ष्यान । किम वर्ग जाएक माहा प्राप्त क्ष्यान क

### भक्षिकी किका।

यर एक (मनी निर्वाक्षत्राननक नामर जीराचिक्ष्णम्।

खः (छ विद्वामाह्या न मवापटेवछः <u>शि</u>ष्ट्रमि अर्थ्छः ।

नरंभा खूटें । (यहर हकात व ७० व

'নিক্যক্লস্বাদেশ্ব্যাপনীঃ প্রেণাক্ষতি বং ত ইছি' ( সা॰ ১৭।২।৪ ) । নিকাং ক্লস্বাণাশং ইন্তে আলনীং চ নৈৰ্ভীইকাভঃ পশ্চাংক্লিভি। বস্বানহেৰ্ডা। ত্রিছুপ্। বস্বানহ প্রভাৱতে । বে বস্বান, নিব্তিকেনী তে তব গ্রীবাল্ল কঠাবরবের বং পালং নিকাক্লপনাবৰ আলবভাবতে । কীলুলং পালং। অবিচ্তাং 'চৃতী ছেলনে' অচ্ছেডং বৃচ্ং তংগ্রীবালং তে তব পালননেন ব্রেণাহং বিস্তামি বিস্কামি। ততিক্লপশ্টুটো বিনোচনার্বঃ। কলাং স্থানাব্যিক্লামি আন্ত্রেক্র্যান্যার্হপতাচিতিস্থানাং ন কথাতি ইন্যানিবের পালং স্থানাব্যান্তিত চিতিস্থানাং ন কথাতি ইন্যানিবের পালং স্থানাব্যান্তিত আল্লাডার্বঃ। নকারঃ প্রভাততি আল্লাডার্বঃ। নকারঃ প্রভাততি আল্লাডার্বঃ। নকারঃ প্রভাততি আল্লাডার নির্ভাতি লন্ত্রাল্লাভাত বিশ্বান্তিত ক্লাডার্বালাভাত ক্লাডার্বালাভাত বিশ্বান্তিত ক্লাডার্বালাভাত নির্ভাত্তিক নাম ক্লাডার্বালাভাত ক্লাভাতিত ক্লাডার্বালাভাত ক্লাডার নির্ভাতিক নামং চ মধ্যে জলপূর্বং চম্বনং ভ্রুটাং নিন্যান্ত্রালাভাতিক ক্লাডার নির্ভাতিক নামং চ মধ্যে জলপূর্বং চম্বনং ভ্রুটাং নিন্যান্ত্রালাভাতিক ক্লাডার নির্ভাতিক নামং তালাভাতিক ক্লাভাতিক ক

महेन ही कि शिका।

निरंगनाः निष्मा क्रमार विषा क्रमान्छ ।

निरंगनाः निष्मा क्रमान्छ ।

निरंगनाः निष्मा क्रमान्छ ।

(त्र हेर निष्ठा न्छाप्र विद्या न छ ।

'অনপেক্ষণেড্য লালাঘার্যোগস্থানং নিবেলন ইতি' ( কা০ ১৭ ২০০ )। ক্রম্মন্ত্রনালিক্ষর্যারে। নৈর্বাত্যাপনান্দেলার পঞ্চালপন্তরঃ লালাং গছারি । অধ্বর্যুরেড্য লালাঘারি ভবং নার্ছপভ্যাচিভিক্ষপমন্ত্রিপুলিউতে। বিখাবস্থান্ধর্মপৃত্তিপ্রদেবত্যা ত্রিছুপ্। অন্ধান্ধ্য বিখালিক্ষণা ক্রপালি অভিচত্তে পশুতি আহ্বননীয়াতিপ্রণীতান্ত্রীপ্রধিক্ষালীনি লক্ষাণি রূপালিক্ষণ্ডঃ পশুতি। ক্রপালি ক্রপালি। লটাভিঃ বৈঃ কর্মানির্ছান্তালীভি লেখা। ক্রাণ্ডির্ছান্তালীভি লেখা। ক্রাণ্ডিরাহানির ক্রমানং অগ্যাত্তর কর্মানির্ছান্তালীভি লেখা। ক্রাণ্ডিরাহানির ক্রমানং অগ্যাত্তর নিবেলনঃ। ভবা বন্ধনাং বলানাং লংগ্রমান নিবেলনাভ প্রোণম্বতীভি লংগ্রমা প্রভাগতাক্রপন্তরাপক্ষণ লভ্যবন্ধা ক্রমানং লংগ্রমান ক্রমান ক্রমানিক্রমান প্রভাগতাক্রপন্তরাপক্ষণ লভ্যবন্ধা ক্রমান ক্রমান ক্রমানিক্রমান ক্রমান ক্র

### मक्षिष्ठी कि कि का।

मीता वृक्षण्डि क्यरबा ब्रा विख्यरख श्वक्। भीता स्मान्य ख्रुब्रा । ७१ ॥

'विक्रवाविद्धाविष्ठ गाण्डिव विक्रं पृष्ठा मानग (च्या व्रवाविष्ठ नी दा द्र व्यक्ति व्य

## প্রতি ক শুকা। বুনক্ত দীরা বিবুগা ভরুধবং রুতে বোনৌ বপতেত নীজন্। বিবা চ শুস্তি: সভরা অলারো নেদীয় ইৎস্পাঃ প্রধেষয়াব । ৬৮ ॥

হে কর্ষকাঃ, দীবাঃ দীয়াণি চলানি য়ুনজে মুঙ্ক ষোজয়ত। 'ভপ্তনপ্তনাদ্দ' ( পাণ বাসাধ ) ইতি যক্ত তবাদেশে শলোবল্লোণাভাবে মুনজেতি রুণং। যুগা মুপানি বিভক্তমংশ শ্লাব্রেলিভিজিলিভারিপ্তারম্বত। ভতঃ ক্রতে কর্ষণেন লংস্কুতে ইত্ত অন্ধ্রিপ্তারম্বত। ভতঃ ক্রতে কর্ষণেন লংস্কুতে ইত্ত অন্ধ্রিপ্তারমি ছানে বীজং ব্রংযপত। করা। গিয়া বা ওবদীরিভ্যাদিক্যা ( ক০ ৭৫) দেবমন্ত্রনাচা চক্ষারাচেবলেন চ। কিঞ্চ 'বাবৈ গীরমুখ্ শ্রুপ্তিঃ' ( ৭০২ ২০৫ ) ইতি শ্রুপ্তঃ শ্রুপ্তিঃ অল্লভান্তির্বিংলিকা লভরা অলং ভরণং ভরঃ পুষ্টিঃ। ভ্রেল্ডেই স্থল্পভারঃ। ভরলা ফলপুরা লভ বর্জমানা লভরাঃ পুরা অলঃ। 'ইভক্ত লোপঃ পরিম্বাপদেরু' ( পাণ ০৪৯ ৯৭ ) ইতীকারলোপেইভাগমেইদাণিত রুপং। পরুং গালুং নেদীয় ইও অভিস্কেম্বাভিজ্ঞং নেদীয়ঃ গ্রেশ্বেলির বিনাবেশি। ( গাণ বাত ৬০) ইত্যক্তিক্সের্শ্বনি প্রভারে নেদাবেশঃ। ইৎ অন্যর্কে। নেদাবেশঃ। ইৎ অন্যর্কে। ক্রেণ্ডিক্সের্লালনির বিশ্বেশঃ। স্থলিখন্দেহিজ্ঞানির্বিং। ক্রান্তালনার্বিং। ক্রান্তালনার্বিং। ক্রান্তালনার্বিং। ক্রেণ্ডিক্সের্লির প্রান্তালির প্রস্কার্নাল্রিক্সির্লির প্রস্কার্নালির বিদ্যালন বিদ্যালির প্রস্কার্নালির শ্রেণ্ডির বিনাবিং লালার ক্রিয়ালির ক্রিয়াল বাহ ক্রিয়ালির ক্রিয়ালির ক্রিয়ালির বিনাবিতি আল্লির বিলাবিক্সির প্রস্কার্নালির বিলাবিং লালার হিন্তালির বিলাবিক্সির বিলাবিক্সির প্রস্কার্নালির বিলাবিক্সির বি

### अद्यानमञ्जूषिष्ठभी किश्वमा।

खग्ण श्रृकाणा निकुषस् स्थिण खग्ण कीमाना व्यक्तिस् वादेश। । खग्णीया स्थिता (सामगामा श्रृणिश्रणा अग्णीः कर्स्वनात्म्व ६ ५० ६

'আত্মনি ক্বন্তাস্থপরিশ্রিচ্ছুনং ত্ব ফালা ইভি প্রভাচং' (কা০ ১৭২ ১২)। চিডিছানে পরিশ্রিৎদমীণে চতুর্গপ্রিদ্ধিন্দিশশান্তমান্তরপুর্ণেষ্ চতপ্রঃ নীডাঃ ক্রন্তরভারিত্তদৃষ্টাঃ নীভালেনত্যান্তথ্য: বে ত্রিষ্টুভৌ ভৃতীয়া পঙ্কি চতুর্বাস্থাই প্রা ল লোভনাঃ ফালাঃ
দীরাগ্রন্থা লোহনিশেষাঃ শুনং অবং যথা ভণা ভৃগিং নিক্রন্ত বিলিখন্ত। শুনামিভি তুখনাম।
'কালঃ নীরোপকরণোৎপ্রণয়োঃ ফালমংশুকে' ইভি কোলঃ। কীমালা হলিঃ শুনং তুথেম
ঘাইছঃ বৃষ্টভঃ নহ অভিষন্ত অভিগভন্ত। বে শুনাদীরা শুনাদীরো ছে বাষ্যাদিভোঁ), অফে
আমাকমোৰণীঃ ব্রীহাদিকাঃ শুনিপ্রালঃ লোভনফলাঃ মুনাং কর্তম কুক্রন্ত। কুক্রন্তমিভি বচনবাভারঃ। যত ভননালেশে শলি লুপ্রে গুণে ক্রন্তে কর্তনেভি ক্রপং। 'কীনালঃ কর্যকে কুলেভি
কুতান্তো।পাণশুবাভিনোঃ' ইভি কোলঃ। শুনাক দীরশচ শুনাদীরো 'বেবভাদক্ষে চ' (পা০
ভাতাহে) ইভি পুর্বাপদনীর্থঃ। শুনো বায়ুঃ দীর আদিভাঃ। 'গুনো বায়ুঃ শুইভাকরিক্ষে
দ্বীর আদিভাঃ দ্বনাং (নিক্রত্নাও) ইভি যাস্কোক্ষেঃ। ক্রিদুশৌ শুনাদীরে)। হবিষা আলেম
ভোল্মানা। ভোশভির্বাধকর্মা। শুনিং মুন্তে জালেন শুনিং নিক্রন্তে নজাবেষ্টীঃ সফলাঃ
কুক্রমিতি ভাবঃ। গিপ্লাং ফলং । (১২অ—৬৯ক) টা

### मश्रिष्ठभौ किका।

चृत्खम नीखा मधूना नमबाखार निरेषाधिततसम्ब मङ्गिखः।

पद्धाः

पद

मोडा नाजन नविष्ठ विष्ठ में प्राप्त प्राप्त प्राप्त विष्ठ निष्ठ । क्षेत्र निष्ठ क्षेत्र क्षेत्र क्षिण क्षेत्र क्षेत्र

### जिल्ला किल्ला

मान्तर भगोत्रवस्थरमरू (मार्गाभरम् ।

अञ्चलकि भाषिर क्षक्रकारक भीवतीर क्षंत्रावज्ञवसाय्वर ॥ १० ॥

ভৎ পূর্বোক্তং লাজনং হলং গাং বেলুমবিং ছাগবিংলবং রথবাছনং রথবাছকথানিকং ছ উবপতি উদানমতি প্রাণিকং বক্ষমান প্রকৃতি ভারঃ। অভএব লাজনং গবাদিপ্রাণকং। কীলুনং লাজনং পরীরবং। পরিদ্ধানাভাতীতি পরীরং কালঃ রো মঘর্বঃ। পরীরমপ্রাতীতি পরীরবং কালগংখুক্তং। ভবা প্রবেশঃ শেবিমাত কুবনার লোভনক্বকরং লোভনং থেবং যাবাং। ভবা বোষপিংলক্ক লোমং পিবতীতি লোমপা যক্ষমানঃ ভবিন্ লোমপি যক্ষমানমিজং বনমতি ভূমিং বনতীতি লোমপিংলক্ক। যথা লোমপি যক্ষমানেব্দরতি মালমতি পাপমিতি লোমপিংলক্ক। ব্যা লোমপি যক্ষমানেব্দরতি মালমতি পাপমিতি লোমপিবলক্ক। 'বন্ধর ছন্ধনতো' ইতি বাভোক্তপ্রত্যায় শীলার্বঃ। 'হলদভাবনপ্রমাা' ( পা০ ৬০০০) ইতি বিভাক্তর্ক্তপুর্ক বিলাতো বাভোঃ' ( পা০ ৬০৪০১৪০) ইতি আলোপে হলভাবাং। যথা লোমং পীনতেহনেমতি লোমপিক্ষমাঃ ভক্তবিলাককং। মহি লাজনকর্দ্ধ বিমা লোমচমলাঃ ক্রাঃ। প্রকৃত্বং লাজনং গ্রাহি গমন্ধতীতার্বঃ। কীলুশীং গামবিং চ। প্রকৃত্বিয় ক্ষতিগাভকর্দ্ধ।। প্রকৃত্বং ববালেশঃ। যুবভিজ্বভিত্বেগ্রতীনিভার্বঃ। তথা পীবনীং স্কৃত্বং বুবভিল্বভিত্বেগ্রতীনিভার্বঃ। তথা পীবনীং স্কৃত্বং বুবভিল্বভিত্বেগ্রতীনিভার্বঃ। তথা পীবনীং স্কৃত্বং বুবভিল্বভিত্বেগ্রতীতি প্রস্থাবংপ্রমাণ-ল্যবর্শ্বংক্তিব্ববিশ্বভিত্বিশ্বতার্বঃ ৪ (১২জন ৭১ক) ৪

### विमश्चिक्यों क्थिक।।

ক্ষামং কামজংখ ধূক মিত্রার বক্তপার চ।

वैद्याद्यान्तिकार श्रुक खनाना क्ष्मीनाः । १२ ॥

कावान्यत्वान्तवान्त् भूत्रम्भि काय्या। 'ठवः कर्यक' ( পा॰ ०,२।१० ) हेखि क्र्-क्रायात्वा वाकारवणक क्रमः नरव्दा द्व कायद्व माक्रम्भिक्तः, विक्राविश्वाक्रक्षामान्द्व क्रायाविभिक्ताव्य क्रम्मिक्टः (कायर श्रूक मन्नावत्र ॥ १२ ॥



### विगंद चिंदनी किकी।

विभूठास्वयत्रा। (प्रवामा जनत्र जन्मात्रमञ्ज जो जिंद्रानीय । १७॥

'আনত হো বিষ্চা বিষ্চাবিদিতি পশুবছৎক্ষা দক্ষিণাকালেই ক্ষবিষ্টে হলাভি' (কা০ ১৭) হা২০-২১)। স্থান্হলাবিষোম্বা পশুবদিভৈগানীং দিশং প্রজি বিজ্ঞভাধ্বর্থাঃ বজানাল ক্ষান্তারাং পদীরাংজানধ্বর্থাবে দদাভীতি ক্তার্থা। বিষোচনে দলঃ স্থাদেবভার্বী পাল্পত্রী পাল্পত্রী পাল্পত্রী পাল্পত্রি দলালাল্পতা। তে দেববানাল, দেবভার্কক্ষিণারিণঃ, দেবার্থং বানং ক্ষান্তান্তবো বেবাং তে । বলা দেববানমার্গবেত্তভাঃ কর্মবারা ভৎপ্রাপকাঃ। তে আয়া আহম্বনা পাবো বলীবর্দ্ধাঃ বৃন্ধ বিষ্চাধ্বং। মুচেঃ কর্মবারা ভৎপ্রাপকাঃ। তে আয়া আহম্বনা পাবো বলীবর্দ্ধাঃ দল্ভো বৃন্ধবেত্বভার্থঃ। অভ ভদলঃ ক্ষ্পণিপালাহ্যক্তভা কঃবভা পারং দদাপ্রিং বর্মবান্দ প্রাপ্তার ক্ষিত্তভার্থিঃ। অভ ভদলঃ ক্ষ্পণিপালাহ্যকৃতভা কঃবভা পারং দদাপ্রিং বর্মবান্দ প্রাপ্তার ক্ষিত্তভার্তি লিপ ল্পে ক্ষপং। ভত্তভার 'বোহদনালাপিপালে শোকং ধারং ফ্রাং মৃত্রিভাজিও ( প্রহণ তাংন )। কঃবপার্যেব ক্ষান্তার বন্ধ জ্যোভিয়াণ পান পরমান্তাক্ষণং বা ভেজঃ প্রাপ্তাঃ। আহ্মান্ডের্গ্রে 'প্রাদ্ধি —' (পাণ ৩.১:৫৫) ইত্যাদিনা অঞ্প্রভারঃ । (১২জ—৭০ক) ।

ह्यूःगस्विष्यो किखका।

मध्य त्ररका अत्रत्यां । मध्य क्रया अक्रवे छि:।

नद्भावनाविमा मण्दनास्यः मण्दं अव्य

नक देखवानंत्र हेखन्ना चुट्टम चाहा । १७ ॥

'नकृति (कान निष्कृति क्ष्या क्षित (कान निष्कृत )। क्षामीर निष्कृत क्ष्या निकृति । क्षामीर निष्कृत क्ष्या निकृति । क्ष्या निकृति क्ष्या निकृति । क्ष्या क्ष्या निकृति क्ष्या निकृति । क्ष्या क्ष्या निकृति क्ष्या क्ष्या निकृति क्ष्या क्ष्या निकृति क्ष्या क्

परलाकिः कर्षाकिष्ठिकि करनाविकिः भवकावतो शिको। कीष्ट्रमः खतः। अकत्वनात्वन नष्ण् १ पृष्ठेः। कीष्ट्रत्याक्षिः। हेण्या शृक्षिता भक्ः श्रीकः छव्वावर्धाक्षितः। ज्ञात्त्रमे विश्विते हेण्यात्वन (भोक्षाभवः (ठाठारकः। (১-५-१८कः) ।

### भक्ष खिल भी कि कि न।।

या भ्रमीः भृत्या भाग (१८०७) छित्रमः भूता।

মনৈত্ব বজ্ঞানহত্ৰতং ধামানি পপ্ত চাৰ ৭৫ ৪

শ্বা ত্ৰ্থীরিভি তৃতৈর্ধণভূষণাত্র্বে (কা॰ ১৭.০৮)। প্রভিত্তিশ্চম্পেন সংক্ষীৰণ্থ দশতি উপপাত্র্বিতি কতৃশ্চ্নীতাপ্র ব্যাক্তরে। অবর্ধপুত্রভিবস্তুটা ত্র্যাধনেবত্যা (বা অমানভিদ্যতীত্যন্তঃ (১০১) পপ্তবিশ্তিরস্তুভঃ মুক্ত্র মেত্যাতা (১০) ব্যাদশ বৃদ্ধীঃ কুল্লাপি কর্মণান্যুক্তাঃ। পালানাং নানাধিকো বৃংহাধিকো কার্যা। মুগশক্ত কালাবাচী। ত্র্যাপার মুগানাং স্থাহারিপ্র্যুগং ত্রিকালং ব্যাপ্ত প্রার্থি শর্মি চ। পুরা ক্রাপার বা ত্র্যাপার প্রধায় প্রধাঃ প্রধায় ত্র্যাপার ত্র্যাপার ভ্রাপার আত্যা ত্র্যাপার আত্যা ত্র্যাপার ভ্রাপার কর্মণার প্রধায় প্রধায় প্রধায় ত্র্যাপার ত্র্যাপার আত্যা ত্র্যাপার ভ্রাপার কর্মণার ক্রাপার ক্রাপ

बहेमला छ व्यो का छम।।।

শতং ৰো অধ ধামানি প্ৰস্ত বো ক্ল:।

व्यवा व्यक्त प्राप्तिमर ८५ व्यवस्य क्ष १७।

हि जय, बाक्ष्माना ७वववा त्या प्रवाकः वावानि वाखित्याः (क्यानि वा व्यानि वा व्यवहः महि। छेड व्यानि त्या प्रवाकः क्रवः त्यावश्ची क्रवः व्यात्वावा व्यवहः महवः महि। महम्बद्धः महवः त्यावश्ची क्रवः व्यात्वावा व्यवहः महवः महि। महम्बद्धः व्यावश्चान्य विविध्वः व्यावश्चान्य विविधः विषः विविधः वि

## मश्चमश्चिकिकी कृष्टिका। च्यमाः श्रीकरमावस्तः भूष्ममञीः श्रीक्षणाः। प्रमा देव मक्षिमीर्योक्षयः भागविक्षणाः ११॥

ধ্য শুনাং হে ওবনন্ন, বুনং প্রতিনাদ্ধনং ক্ষ্য ভবভ। কীলুখো মুনং। পুলানপ্রীঃ পুলৈক্পেভাঃ। প্রস্বনীঃ কলপ্রলবনভাঃ প্রস্বতি জনমন্তি কলানীভি প্রস্বনীঃ 'অভেভাছনি দুভাঙে' (পা০ ০ হা৭৫) ইভি স্তের্জনিপি প্রভাহের 'বনো র চ' (পা০ ৪।১।৭) ইভি তীপ্রাজ্ঞাদেশত। আখা ইব লজিখনীঃ দহ আমুক্তি ভালীলাঃ 'ইণ্মদ্বিটি' (পা০ ৩,২।১৬০) ইভি করপ্ 'টিড্টাণঞাই' (পা০ ৪।১।১৫) ইভি তীপ্। বথাধাঃ দংগ্রামে জন্মলীলাঃ ভবংফলপর্যাজভাজন্মলীলাঃ। 'বা ছন্দ্দি' (পা০ ৬০)১০৬) ইভি শুর্বিধিং কৃত্বভি নিবারম্বিভ বার্মিকিভ বীক্রবঃ 'নছিব্রিরিদি' (পা০ ৬০)১১৬) ইভালিনা উপলর্সনির্বাহ নিবারম্বিভ বার্মিকিভ বীক্রবঃ 'নছিব্রিরিদি' (পা০ ৬০)১১৬) ইভালিনা উপলর্সনির্বাহ ববা বিবিবং রোহভি প্রব্রোহভি বীক্রবঃ গার জ্বার্মিকঃ ক্ষেণ্যালেশ উপনর্সনির্বাহ পারম্বিক্রবং 'পার ভীয়া ক্ষিণ্যালেশ (পার্মিক্রবং 'পার ভীয়া ক্ষিণ্যালেশ (পার্মিক্রবং 'বেশ্ছাক্ষ্মিণ) পারম্বিক্রবং 'বেশ্ছাক্ষ্মিণ) পারম্বিক্রবং 'বেশ্ছাক্ষ্মিণ) পারম্বিক্রবং 'বেশ্ছাক্ষ্মিণ) পার বিবিধং বের্মিক্রবং 'বেশ্ছাক্ষ্মিণ) পারম্বিক্রবং 'বেশ্ছাক্ষ্মিণ) পারম্বিক্রবং 'বেশ্ছাক্ষ্মিণ) পারম্বিক্রবং 'বেশ্ছাক্ষ্মিণ) পার তার্মিকর বিবাহিন্য বিবিধিক্র বিবাহিন্য বিব্রাহিন্য বিভ্নার বিবাহিন্য বিক্রবং 'বেশ্ছাক্ষ্মিণ) পারম্বিক্রবং 'বেশ্ছাক্ষ্মিণ) পার বিবিধ্য বিভ্রার বিক্রবং 'বেশ্ছাক্ষ্মিণ) পার বিবিধ্য বিভ্রার বিভ্রার বিক্রবং 'বেশ্ছাক্ষ্মিণ) পার বিবিধ্য বিভ্রার বিক্রবং 'বেশ্ছাক্ষ্মিণ) পার বিবিধ্য বিভ্রার বিক্রবং 'বেশ্ছাক্ষ্মিণ) পার তার্মিক্রবং 'বিশ্বরার্মিকর বিলাহেন্য বিবাহিন্য বিবাহিন্য বিবাহিন্য বিবাহিন্য বিক্রবিধানিক্রিক্রবিধানিক্রবিধানিক্রিক্রবার বিক্রবিধানিক্রিক্রবিধানিক্রিক্রবিধানিক্রিক্রবিধানিক্রিক্রবিধানিক্রিক্রবিধানিক্রিক্রবিধানিক্রিক্রবিধানিক্রবিধানিক্রিক্রবিধানিক্রবিধানিক্রিক্রবিধানিক্রিক্রবিধানিক্রবিধানিক্রবিধানিক্রবিধানিক্রিক্রবিধানিক্রবিধানিক্রবিধানিক্রবিধানিক্রবিক্রবিধানিক্রবিক্রবিধানিক্রবিধানিক্রবিধানিক্রবিধানিক্রবিধানিক্রবিধানিক্রবিধানিক্

### 

नरमम्बद्ध

'देश खेननीर खेनमें हो, देशे बांखनः खेन हिन्दी खोर, ट्लाबन में गर्ने भेने निक्स में के छो। देश र्षेनीः देवषाः, देव। यूषा ने क्षान देशि अधूना नकामानिविना छए क्षानिष्कर महेकीहेयूनक्षर्य नहिंग श्रीबिश विशे हिंग कि विशेष । एवं भूक्षेत्र वक्षाभूक्षेत्र, खन खेलाकावेचेर हैं पर निश् "८मेक्र केटिनो वंख्यांचा नर लद्रोद्रभवर मर्टनम् महाक्तर। 'बन यर्न मेखर्डी' मिंह्। मेडि-ें भूक्रियः अणि मन्ना विकरं आवी। उ उत्ताविता खत्र क्रम खता वित्याविति खाव विका

> अद्यानाना ७७ना किला। (वा विषयन १९५। (वा वर्णा क्षणा। यरमन्य श्रुक्तस्य ॥ १० ॥ हें द क्वानव

८ए ७ ववमः, ८वं। यूमा कथर्य । जानवार्म मुगक् छ छः । विवयन भागर कविष इविवार क्ष शानभाद । किक त्रा युषाकर भर्म भनात्म भन्यार कृक्ताः वनाकः विकि कृषा । किंश्वर्शिने दिश्वार्षेर खूँखें।र खानगर व्यापननंकाणाः जावजळा १ वर्षानकाः। "व्यानि केंबिरकेंग कुरक्षगोर्क्षणेया खर्माश्व (।ग॰ २६) इंकि वात्यारख्या स्थिति छाः, अवेगग्रंह र्धिक को क्षेत्रभंत्रः काबारक । किरमाँक निकाशकार्य। देर जनार्ष। देर पुनंभरती क्षा निक्ति। (भाकांकः वनम कर्य। भागामिकार क्षिष्ठीिक (भाषाकः। 'वाक्षी आखिक्षिः नेवानाविष्यात्र्विष्ठरेखे इति खर्छ। यव। नवत्य त्या निवस्त्रमध्याय कनिएक नर्यायभीमार कन्यकार भार्त (ता यमां छः कुछ। भगारम ह क गए खोक्षाभोगाः कनिक्षार। अख्यत बूबेम्खाः नट्डा शास्त्रात्वा कृषिकाक अव किनाम क्षत्र। 'शोनीविटका विनिधिक वंबंदें विविद्यार्थाः । शिक्षार श्रीकान कात्रजार कृत्यो ह स्त्रकार्या है जि कि एक निष् किमेर्विवां भ छोछ । वर यभारको त्र गार भूक्ष र यभागर पूपर ननवर त्या देव विवा देनाचेवेच ७ चावचेचीविकानोवछ। च च च च न ह च च न । दवेशविकानावचेची Colt के नां अविश्व के वाजिया के कार्टिक वार्विट के क्षेत्र के वाजिया के कार्य के किया के कार्य के किया के कार्य कु छाकः यु (ब्यर श्रुक्त यर । व्यरक्षः वां श व्यम (बां छ जा शर मि । वन विष्ठः श्रीत प्रधाः । १२ ।

> वनी जिल्ले के चिना। यटकोवगोः नमग्रह द्राञ्चानः नियक्षानिव। विवाः म दिहार किन्याकाषाभीवहास्त्रः । ৮० ।

ত্তি প্রবীঃ প্রবণয়ঃ, বত্ত বিংগ্র কৈষ্ণাক্তির ব্যাহ্মণে যুবং প্রপ্তান্ত ব্যাপ্ত ব্যাপ্ত বিশ্বর বিশ্বর কিষ্ণান্ত করি ব্যাপ্ত বিশ্বর প্রবিশ্বর বিশ্বর বিশ্বর

এক। শীভিজনী কণ্ডিক।।

আখাগতীত লোখাগতী সূর্জ্জপন্তা সুদোলন্দ।

।

।

আবিংলি লক্ষা ওবলী ক্ষম আবিং জাভাবে । ৮১ ।

আইম অন্ত ব্যথমন্ত অবিষ্টভান্তরে রিম্বভিক্ষিনালাণ্য বেরণং বিষ্টাই ভাইণ শুন্থ ন বিষ্টুক্তি বিষ্টিমনাল্য সক্ষামন্তরি করে। তেও কারণমারই প্রমিতঃ। 'লিশমারইও করে' (পা॰ ৪০০১৪০০ চ ইভি ভাভিপ্রভান্তঃ। ব্যা ভনসং ভাভিক্ষিতারঃ ওইম ব্যথমন্ত শুক্তমণার স্থান্তরি ভালিব প্রমান্তর আনাহি। বিভেলু ডি আন্ধনেপদে উভইমকবচনে ইভভাইছ আবিংগীতি ক্ষণং। অইম ব্যথমান্ত্রিং গোড় বা। ভাত্তেব্যান্ত ভনেন্ত্রিক করিইভাভিন্তবৈ লক্ষাঃ কা ইভাভ আল। অস্বভান্তা সন্তাং প্রমান্তরি করিইভাভিন্তবৈ লক্ষাঃ কা ইভাভ আল। অস্বভান্তা সন্তাং প্রমান্তরি আইলক্ষাভিত্ব লাক্ষাঃ কা ইভাভ আল। অস্বভান্তা স্থাং প্রান্তরি ভালিব ভ্রমিত ভালিব ভ্রমিত ভালিব ভালিব ভ্রমিত ভালিব লাক্ষান্ত্রিং। উজ্জিন্তাং 'উজ্জ বলপ্রান্তরাং কাল্সান্তিনাং কাবন্তরীং কা উল্লেখ্য কাল্যান্তরা ভালিব ভ্রমিত ভ্রমিত ভালিব ভ্রমিত ভ্রমিত ভ্রমিত ভালিব ভ্রমিত ভ্রমিত ভ্রমিত ভালিব ভ্রমিত ভ্

का निवास का निवास कर मुक्त ह ५३ ह

ए शृक्षेष वेळेशूक्षक, खनाषामध चनिष्ठ व्यक्षीतः खेळि वनरं निष्ठिक्षीमाः 'वश्र्वाटम' खनीक्षणे वनरं वार्ष्ठिक्षिक्षि व्यक्षीनाः 'वश्र्वादम' खनीक्षणे विष्ठित्रं के जिन्नकिष्ठि व्यक्षीनि खनीक्ष्ठि । भारता (भाष्ठित यथा (भाष्ठीर चश्चानाम् भारतार ज्ञानां व्यक्षिक खनिष्ठिक खन्ने विष्ठिक विष्ठिक खन्ने विष्ठिक विष्ठिक खन्ने विष्ठिक विष्ठिक विष्ठिक खन्ने विष्ठिक विष्

### वानोडिक्यो किल्मा।

ইফ্লাভর্মা গো যান্তাথো যুদ্ধ**ু ছ নি**স্কৃতীঃ।

পীরাঃ পভত্তিনী শ্বন যদাময়তি নিস্কুণ। ৮৩।

त्व अववतः, त्वा युवाकिमक्विनीय निक्षित्वनात्ती याका क्यमी। निक्रतािक वााविश्व माणाविक्वितः। 'निम्पाद्या वहनाश' ( १००००) हे कि क्षािक्विणाश्व प्रिक्वितः। 'निम्पाद्या वहनाश' ( १०००००) हे कि क्षािक्विणाश्व प्राप्तां विक्वित्वां विक्वित्वं विक्

### हजूतनी किन्नी कालका।

व्यक्ति विचाः निविधः (स्थम देव खब्धमक्तमूः। अवनीः क्षाप्तृ हातूर्वा विवश्य कर्षात्र नः ॥ ७८ ॥

 किशिष्टि छ १ वर्षि छ । विश्व विश्व

### भकानी जिन्नी किना।

यक्तिमा राज्यस्त्रहरमायगोर्दछ जादर्गः

আত্মা যন্ত্রত সূরা জীবস্ভো ষ্থা। ৮৫।

यद यदा देवा ७वदीः वाक्यनशृक्षप्रमानम्नन जहर एक चक्रत जामर्थ द्वानम्ब छरेक्य व्यक्षक व्यादिवाणा चक्रवर भूमा क्यान्य व्यक्षित व्यक्षक व्यादिवाणा चक्रवर भूमा क्यान्य व्यक्षित व्यक्षक व

### बज्नेकिकशे कालका।

यक्ष्यां स्थापिक्रमण प्रमाणकः।

ख । यद्मर विवादस्य উল্লো यदाभनीतिव । ৮৬॥

ছে ওষণীঃ ওষণয়ঃ, বত য়োগিণঃ অভভত্তং প্রভাত্তং লক্ষাণাজানি পরুপারঃ। পরুংশক্ষঃ পর্মবিদাঃ প্রতিপক্ষঃ লক্ষাণি পর্কাণি প্রছান যুবং প্রণপথ প্রগছৰ বাগ্রুৰ ভড়োংজ পর্কাণ লম্বানাৰ বৃদ্ধং বেলগং বৃদ্ধং বিবাধধ্যে নিবর্ত্তরপ ব্যাণিনালং কুরুংধ্য়। ভত্ত ভূটান্তঃ। উর্ব্বোধ্যা মধ্যমন্ত্রীর মধ্যে ক্ষেত্রে ক্ষেত্র মধ্যমন্ত্রীর মধ্যমন্ত্রী মধ্যমন্ত্রীর মধ্যমন্ত্রীর মধ্যমন্ত্রী ম

### महानीविक्रमी कविना।

वाकर यचा व्यापक हार्यन किकिमीवना।

माक्र राष्ट्र खाला। भाकर नेश्र निर्मित्री। ७१।

ভে ষশ্বরোপ, তাং চাবেণ পক্ষিণা নাকং নত প্রণত প্রকার্যণ পক্ষা। কিন্তুতিন চাবেণ।
কিনিটাবিনা। কিন্তুতি অক্ষাক্সকরণং। কিন্তুতিশক্ষেন নীগতি ক্রীভৃতীতি কিনিটাবিভাগ । চাষতদোচিতঃ মার্থঃ। বাতত প্রাঞ্জা পতা। নাকং প্রণত বাতপতিসংপলার-শেতার্থঃ। কিঞ্চ নিছাক্ষা লাকং নতা নহটা তব। নিছাত্ত কার্যাতি নিছাকানিকতিঃ কুজ্জা-পত্তিত্বা লয় নতা। যথা অক্ষাত্তকরণমিকং হা কঠং করা ওবলা নিহতোহছমিতি লক্ষং কুক্ষন তৈ যক্ষ, তং নতা। অর্থান্তরং ঝা ক্ষাবক্ষত্তি।অধ্বনেরত্বকরণার্থঃ কিনিঅক্ষঃ। কিনিটাবিভাগিরং ক্ষোবক্ষত্তি।অধ্বনেরত্বকরণার্থঃ কিনিঅক্ষঃ। কিনিটাবিভাগিরং স্বেপ্রবার্থঃ। 'চব ববে' চবতি ব্যাকুলং ক্ষা চত্তি চাবঃ পিত্তরোগঃ। বাতত প্রাক্তিবিভাগিরঃ গে বন্ধ ব্যাপরাজ, তং ক্ষপিত্বাত্তরোধিঃ লহ প্রাপত্ত প্রজা করা ক্ষাবিভাগির কিনিটাবিভাগির বিভাগির বিভাগিরাত বিভাগির বিভা

### वहानोकिकनी किका।

व्यक्ता (या व्यक्तावका क्रिया का काः मन्त्राः मर्श्वकामा हेक्षर (म क्षावका वरुः । ৮৮ ।

ए ७२०११, स्व बूबाकर यथा जन्ना काकिताविक विवासकार वाविक विवासकार वाविक विवासकार वाविक विवासकार वाविक विवासकार विवासकार वाविक विवासकार विवासकार वाविक विवासकार वाविक विवासकार वाविक विवासकार वाविक वावि

### न किला के ब्रिक्ट किला किला

বাং কলি বুৰা। প্ৰদা অপুন্ধ বাল্ড পুশেষী:। ব্ৰশ্যক্তিপ্ৰস্ভাকা নো সুকল্প, লেঃ ৮৯-৮

যা ওবণয়ং ফলিনীঃ ফলিক্তঃ ফলবৃদ্ধাঃ যাত্যাক্ষণাং ফলরছিতাঃ যাত্যাপুতাঃ পুতারছিতাঃ 
যাত্য পুতানীঃ পুতানাঃ পুতারুদ্ধাঃ তাঃ দর্মা ওবণয়ো বুহুম্পতিপ্রস্তা বুহুম্পতিপ্রেরিডাঃ
সভ্যো নোহমানংহদঃ পাপাদ্ধোগর শাস্কর পুণক্ কুর্মন্ত । (১২৩০-১৯৯ )

### नविजिभी किका

मुक्ख या मनवावर्षा रक्षनाव्छ। व्यत्ना यमक निवादमक्षियाद । ३० ॥

क्षत्याविवालाविक्ति लक्ष कृष्ठिक लथाश्वानि। व्यवानिक्षणि व्यविष्ठि व्यविक्षणि विक्रिक्षणि विक्रिक्षणि

### अक्नविष्यो क्षिन।।

व्यवशृक्ष विश्व । यर को नमझ वा भटेख न व विश्वास्त्रिक शूक्र यह ॥ ३००॥

দিবঃ পরি হালোকাংশকাশাদবপভন্তীরবপভন্তোহের। গছনাঃ ওবদরঃ অবদর্য পরস্পারং বচনমুক্তবভাঃ। কিং ভদাহ। জীবভীতি জীবতাং বং জীবসত্বভাগে প্রেলাভনাবং পুরুষং বর্মশ্রবাষহৈ 'পশুরু বাজো' লোট ব্যাপুষঃ ল পুরুষো ন রিম্বতি ন নপ্রতি। রিম্বতীতাত্তা 'লোটোংডাটো' (পা০ ৩৪ ৯৪) ইত্যাভাগমঃ। পূরুষ ইতি ছাল্লাে দীর্ঘঃ লক্ষতা । (১২ জালা ১০ কালা

### विनयिष्ठकी कालका

या अववीः (लामवाक्को स्वस्योः वकविक्रक्याः।

ভালাম্থি এইওনারং কাষায় লত ভ্রেণ্ড ৯২ ৪

लिएका वाका बाजार काः (मामद्राक्ताः वस्तावः वस्तावः वस्तावः वक्तावः वक

٩.

### जिनविष्णे किष्णा।

चा खमीः जामग्रीमिष्ठिं। श्रिमीमञ्च।

बुहम्मिखिक्षत्र्व। व्यटेश ममस्य मीर्वाम् । २०।

শোষরাজ্যো রা ওবণয়: পৃথিনীমস্থ বিষ্ঠিতাঃ বিনিশং দ্বিজা: মুছস্পতি প্রস্তাঃ মুছস্পতি প্রস্তাঃ মুছস্পতি প্রস্তাঃ মুছস্পতি প্রস্তাঃ মুছস্বিতাঃ তা ওবণয়োহস্তৈ ওবলা মদ্গৃহীতায়ো নীর্যাং লক্ষ্ম লামার্বাং প্রায়ত দ্বা ইম্বং বিহুণীর্যা ভবজিতি ভাশঃ। (১২ল – ১০ক ) গ

চতুন বভিতনী ক গ্রিক।

বাস্তেম স্থাতি যাশ্চ দুরং পরাপতা:।

ব্যাংশ সম্পূর্ণ বি যাশ্চ দুরং পরাপতা:।

ব্যাংশ সম্পূর্ণ বি যাশ্চ স্বাধ্য বি বি ন ১৪।

স্বাংশ সম্প্রা বীরু বোহকৈ সম্প্র শীর্ষা ব ১৪।

ए अवनमः। (ना यूमाकः बामछ। जिंक्दनारेम यूम्मगूनः श्रदीष्ट्रः बनमक्षा मा मिषद मा निमम् १ गरेम ज क्रम्नाम जिंक्दनार्वः (ना यूमाममः बनामि यूमम् नमानाष्ट्रः बनमः करम्मि म ह मा दिवदः क्रिममामाकः नमाम विभाद विभाद ज्योपुःनः ज्यूमानगवानि श्रामिकाछः निमममास्तरः (नामनिक्यक्षा (को नात्न) यक ज्यातः नाना यक निःवाश्याम्भूनिकः (नाः दाहाःहः) नानमक्षाक्रामानः । (२२००० ३६कः) ह

### श्रम-मक्रिक्ष-म्हा

### यहैनविष्ण्यी किंकिया।

<u>चित्रः जमश्रकः (मारमय जरू माका</u>

यदेच कुर्वाचि खाचानख्य ताज्यमभातत्रायणि ॥ ১७ ॥

मुक्षा प्रवासिमा (मारमम नर् अनम्मः (सन्छाः नमनम्ख नपासर कुछन्छाः। क्षर मुक्षाक्षमारु वामा(गा मरेन क्रभ् गाम क्रथ्गां क्रप्णां ज्ञानिमा हिक्क्तिर क्रम् क्रम् क्रिक्षा क्रम् क्रम् क्रम् वामाम क्रम् क्रम् क्रम् क्रम् नम्बर्ग नम्बर्ग

সপ্তাৰভিত্তনী কাণ্ডকা।
নাশরিত্রী বলালভার্শন উপচিচাধলি।

———————

অধ্যে শভক্ত বক্ষাণাং পাকারোরলি নাশনী। ১৭ ট

তে ওবণে । তাং বলালনা ক্ষাব্যাধেন শির্মী নাদক্রী আল ভবলি । বলমলাভি ক্ষিপভি ঘলালঃ ক্ষাঃ । আর্শলো গুলব্যাধেল মালিকালি । উপচিভাং উপচিম্বন্ধি ক্ষারং বর্মন্তী-ভ্যুপচিভঃ ক্ষিপ বির্থুগড়্মী পদাদয়ঃ তেবাং চ নালিকালি । আবো আপিচ অভলা বন্ধাণাং বহুনাং ব্যাধীনাং পাকারো: মুখপাককভাদেশ্চ নালনী নাদক্রী তাং ভবলি । পাজ্যে মুখপাকঃ অকঃ ক্ষতমূচাতে পাকেনাকঃ পাকাক্সলা । যথা পাকেহমপাক্সলাক্ষার্থা মন্দারিম্বং ভলা নালনী অথলি ॥ (১২ অ—৯৭ক) ॥

एक अववयः । अञ्चलाः (वर्गनिष्याः यामयमन (यष्ठेकार्गानिषार्थर यमममञ्जलन् । हिल्लक्ष्यान्य व्यवस्थाः । एक अवरव । वर्गनिष्य वर्गनिष्य प्रदेश । अवस्था वर्गनिष्य वर्गनिष्य । वर्गनिष्य । वर्गनिष्य वर्गनिष्य । वर्गनिष्य वर्गनिष्य । वर्गनिष्य वर्गनिष्य । वर्गनिष्य । वर्गनिष्य । वर्गनिष्य वर्गनिष्य वर्गनिष्य । वर्गनिष्य वर्गनिष्य वर्गनिष्य । वर्गनिष्य वर्गनिष्य वर्गनिष्य । वर्गनिष्य वर्गनिष्य वर्गनिष्य वर्गनिष्य वर्गनिष्य वर्गनिष्य । वर्गनिष्य वर्य वर्गनिष्य वर्गनिष्य वर्य वर्य वर्गनिष्य वर्य वर्गनिष्य वर्य वर्य व

### वारमान्यक्षेत्री कलिका।

মে অরাভীঃ দচত্ত প্তনারভঃ। भाभागाः । महमानाष्ट्रावरम् ॥ २२ ॥ ननार

হে ওবধে, যতঃ খং সহনাদালি লক্রনভিভবত্তী ভবনি অভো মে অয়াতীঃ অধানশীলাট 'भेव्हेंरमभाः महत्र अध्यक्ष । गांख त्रांखिक्रांगः यामार छ। अत्राख्यक्षाः। পংগ্রামকামাংশ্চ পত্র পুডনাং শংগ্রামং কাময়ত্তে তে পুডনায়ভ্তান। काह्' ( भा॰ ७। )। हो ज का ब छा छ छ शहा है। किस नर्तर भाभ मानम ख छर नह था। वराज्य वार्वः । ( 25 年 - 23 年 ) 4

### मछ भी क छिका।

उराप चनिष्ठ। रहेन्त्र ह दा चनाभादम्। नी चा गुष्ठ **ष्ट्रधा पर की वाश्क्रधा पछ बल्ना विद्रबाद छ। २००॥** 

হে ওমধে, তে তব খনিতা খদনকর্তা দীর্ঘায়ুর্ভ, য়াদিতি শেষঃ। যথৈ চাতুরায় নরায়াহৎ चार भनामि मार्था मुत्रच। व्यापा व्यापा चर मोर्था सूत्र मिक्क विकास क्या विकास वस्तक्ष्रा मछी विद्याद्याचि वस्तक द्यार भवाय 'जूर्शकावड' (भा ० १। ) । ७४ ) हे जि छ। ७६। नम्बन्दिमा २ व्रुत्रवाही। च छ र नम्बाः मा म छ । न्वा । ( ) २ व्य - ) ०० व्य ) ह

> विकाल रिक्रामहाकाका উপস্তঃ। ७ मुखगा (अ। वर भ छ स

२२विमानिक ॥ >०> ॥ উপভিরম্ভ व्यभा ८मा

एक अवर्ष। एम्ख्या छेरकुष्टेशि कनि वृक्षाः भाग ठामकामामानम्भरवा शख्यः नह 'रेखा ध्यमभ्डवा छ रत्राः ' छ भञ्जा प्रशिष्ठ छ भका तार्शा भज्ज निवाक त्रनाश ह नगी ए न्रह् छ। खिर्व खी छा भछ त्र चुकाः दार त्नमलाभिष्ठार्थः। किकः यो गरतार्थानीश्रमाणि जालवृष्टि न नर्त्रावृष्याक्रम् निष्ठः ममी गण छ नामरमा रेखा माम छिर्दिश्मा मधी । ( )२ व्य - )० ) व

वंगात्राभीषाः मगःसः।

### बाखसमाक लगी कालका।

मा मा हिल्मोच्छनिष्ठा यह पृथिता। त्या ना विनल् म्डामर्चा सागरी

কি০ ১৭০০১১) 'লোগেইকাঃ ক্ষেনাক্ত্য বহিক্লেন্ন্ত্ৰাজ্যে পদবাভি ভিউন্ম মান্তি দীবিভি প্রভাবে প্রভাবে প্রভাবে প্রভাবে প্রভাবে প্রকাশ কর্মান্ত্র ক

### खाखतगछ७भी किछक।

अक्षानर्द्धक शृबिव यरकाम गर्मा गर्। यथः ए अधात्रविका अदाहर ॥ ১००॥

व्यक्ति। एवं पृथिति। यरकाप्तिके विश्व प्रमाणका विषय विश्व प्रमाणका विषय विश्व विश्व

### । किकार हिट्लान किक्स

जारी यस्ति श्राक्तर वस्त्रप्रश्च वस्त्रप्रकर वस्त्रप्रया अस्तर स्वाप्ति । १०६५

व्यविद्युष्टा भावती भव्यतिव्यक्ति । त्य व्यविद्युष्टा । त्य व्यविद्युष्टा । त्य व्यविद्युष्टा । खा अप कार कार को शिवद वक्ता जनकर हका मान्या नक तर यन जर शृक्तर शिवतर वक्ता जनकर विकास यक्षार्थः खर्मकर ब्राविक्रियः विद्यद्या (प्रयानाभाष खन्नाभाम खन्नामः प्राप्तिमः ॥ > 8 ॥

### भाकाका का का का का का जामगुङ्ख (सामिर गोहर्ख योद्राग। हे वम् जा गर मर या (शाव् विषया छन्य अश्यि मिलियनियायभी गाम्॥ >०৫॥

वाक्षीरक्षे विष्ठे भाष अप्रकार कार्या द्वारा कार्या कार्या निर्मा विकास निर्मा कार्या खद्भार्मित्र विविभाषाच्चाकिक्युख्य म्लाञ र्यानिश खानश विद्याख्य सहित्य केंक्चायरकार्यक्रावार यांत्रवामाक्किर या केरकारुवाद श्राप्तमाइमी हा। मिषाः मकाणामक्रमाप्रमाप्त क्षण्यामि श्रीकरताथीकार्यः। 'अम कश्राप्त' गर्छ। किक अकरमस्मिष्ठामिकंश मामारिष्कु व्यात्रका व्यक्तिवृ । जन्य समीम्रेश्वाविवत्रीरतम् त्राम् ममीम्रविवानिशक्षम् ठाविवज् । (का॰ ১৭।৩।২৩) 'উল্লব্নস্থাঃ লিক্জা: প্রমাষ্টি জহামি লোদামভি। উত্তরলোগেইকাড: লিক্ডাঃ वाक- वाक देवाबर यकार कामनिवामनविद्यामगोगार वार्शियकार (विविध्यामयकर च्चांबि काचांबि। च्यांकावरतात्रकः शांनि स्म मा नाखु डार्वः ॥ ( >२ व्य-- >० ८ क ) ॥

> यषु खतमा खयो क खिक।। व्यक्ति । वाक्यमूक्वार मधानि माखाय करव ३०७॥

(का॰)१७७७) 'जा अपनिक निक्छ। क्षाना कान्यकाषाना वर्ष्ट्र का क्यार वर्षे निक्छाः व्यक्तिना काकिः नुष्कनकः विनाषानः छान्द्रवः नावकाश्चिष्टः यक्ष्रकाश्चरणवदः विनाषानः (व विद्वात्रभक्ष्यो। यथा विवीयक्ष्योस्रभाषो वाष्यार्वो व्याष्ट्रप्राविद्वरको ना विद्वात्रभक्ष्याः। ८६ जात्व, ८६ विकायला। विका मोखात्रय यस धमर यक छरमाधाममर ८६ काछिसम। खन वासा धूमः व्यक्तिया कोश्वयक वावास कोशासा नोग्रस ककारक व्यानिकिशिक 'वी काळाननवावनगालियू' यूग छ। छ। छ न निवाय वादन वाद्य एक वाव वादक क्षेत्र कीषुन् वयः। अवश् अवश्रास् शालादक कुछ कर्याक अवः वृभवर्मनार्ववामार क्ष्यानः। ख्या यवि वद्द नदकाशांत्रिकार 'ब्रमा वा चक्र अटना नमः न ट्यमम्ब्रिः ह्यादक

विश्विष्ठ देखि स्वर्धाः (१७।२२०)। विक त्रव्या महाया छान् त्रा त्रणात्र प्रमानिक्षेत्र । विश्विष्ठ स्वर्धाः विश्विष्ठ । विश्विष्ठ स्वर्धाः विश्विष्ठ । विश्विष्ठ स्वर्धाः विश्विष्ठ । विश्विष्ठ स्वर्धाः विश्विष्ठ । विश्विष्ठ स्वर्धः विश्विष्ठ स्वर्धः विश्वेष्ठ स्वर्धः विश्वेष्ठः स्वर्धः विश्वेषः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्य

### मर्थाखर्णकक्षी किछा।

(स चरत्र ! घर छाजूना मोछा। छामप्रवि छेलाक्ति । छर नर्षर खाद्यावी छार्षः । की मृष्ण्यर । भावकर कि । भावकर वर्ष्का ना । खळ वर्ष्काः खळ छ छ । भावकर वर्ष्काः खल्या । स्व । स्व । स्व । स्व । स्व वर्ष्काः स्व स्व । स्व ।

### । किथाक फिल्लामा कार्का

हिल्ला नशक्काण्डरक मूर्नाणाञ्चनक वीजाण्डिं ।

देख हैयः अम्पर्कृति वर्णाण्डरका छ। सम्बन्धः ॥ ३००७ ॥

खिन्नः नरखावृष्णाः । यथा जावज् जीरमो वावज् को विक्रोभ्यू वावक्रिको ः नाः नरक्षावृष्णे । किस् जाव निवाद का विक्रिक्त विक्रिक्त का विक्र

ক্ষাভিনিষিত্ত ইতি হাপিতঃ লন মুল্ডিভিঃ বোজনাতিঃ দ্বিভিঃ বিভি। ক্লা বং মুল্ছ বোলৰ ব্ৰটো তব। 'মণিঙ বপনে লাঙো মনে মোনে ব্ৰভৌ গতোঁ ইতি গাড়ঃ। কিনিভিহৰঃ ক্ষাৰ্যান্ত আৰু। যক্ষানাঃ বে কাল ইনো হাবল ক্ষণান্ত লানি পন্দপুঃ কুত্বুঃ। হবিজ্ঞাপ্তাা হৰঃ ক্ষাৰ্যাইভাৰঃ। কীলুলা যক্ষানাঃ। ভূলিনপ্তিঃ বৰ্প ইতি ক্ষণনাম। (নিমণ্ড ৭) ভূনীৰি বৰ্পাংলি বেষাং ভে নানাক্ষণাঃ। চিনোভলঃ চিত্ৰা নিচিত্ৰা নানাবিধা উভয়ো কক্ষা অধনানি ক্ষানি ভূপিনি বা মুক্তভান যেবাং তে। মুলা ভূপিভা ইতাৰঃ। বামলাভাঃ বামং বননীয়াৰ ক্ষাৰ্যান্ত ক্ষাৰ্থঃ ক্ষাৰ্থ ক্ষাৰ্থ ক্ষাৰ্থঃ ব্যাহ ক্ষাৰ্থ ক্ষাৰ্থঃ ব্যাহ ক্ষাৰ্থঃ ব্যাহ ক্ষাৰ্থ ক্ষাৰ্থঃ ক্ষাৰ্থঃ ক্ষাৰ্থঃ ক্ষাৰ্থঃ ব্যাহ ক্ষাৰ্থঃ বিশিষ্ট ক্ষেত্ৰাত ক্ষাত্ৰ ক্ষাৰ্থঃ ব্যাহ বননীয়াৰ ক্ষাৰ্থীয়াৰ ক্ষাৰ্থঃ ক্ষাৰ্থঃ ক্ষাৰ্থঃ ক্ষাৰ্থঃ ব্যাহ বিশিষ্ট ক্ষাৰ্থাত ক্লোৎপন্না ইতাৰ্থঃ ৪ ২০৮ক ৪

एक जमत्रवर्षम् (ए ज्या तार्ता धनानि ज्या जमान् पर श्रव्या विद्धात्म। जिल्ला व्याप्त विद्धातम। ज्या व्याप्त विद्धातम। ज्या व्याप्त व्यापत व्याप्त व्याप्त व्या

### जकाषरणाखन्न विख्याम्बाक्र

वाष्ठावानः विव्यव विव्यवर्षेष्ठभिष्ठ प्रशास विश्व शूरता व्यवाः।

ক্ষে ব ক ব ক मध्येषस्य दा मित्रा टेमचार मासूया गुना । 133 ।

উপরিষ্টাডেজ্যাভিঃ। यमाञ्चमः পাদা पाषमाक्षत्राण्डणूर्यार्ष्ठाकतः मार्गाञ्चमः भाषा पाषमाक्रताण्डणूर्यार्षारकतः मार्गाञ्चमः माञ्चा विश्व किताकातः। मञ्चा क्या मञ्चाकाश्चि प्रका कवि व विश्व विभागः। यूर्गा विक (क्य बाकातः। यूगनमः कान ११ हो। यूटेगः काटेनः (भोर्नमामायामापाणिकिमिटेकः नित्र বেদবাচা ক্রবা ক্রবায় বজ্ঞার বা বাম্মিং পুরোহগ্রভঃ পুরভাগে আছ্বনীয়ক্সপেণ দ্বিক্সে म्हानिख्यक्षः। किन्तु इर वायु ख्यान्य यु अमनाक्षिष्ठ वाळ्या छर नखायक्षर । 'हान्परना वीर्ष्ठ। क्ष्मभोविनि (भो वार्टा) वरण्ड मर्जुभ (टिंड (भा• ६.२।३०२) व्यखार्थ वन्धकामः। **भव्यि** मशास्त्र विश्ववर्षा अर्थना वर्षनी भ्रः स्कर्वर मृतूष्ठ देखि स्वय्ती कन्। स्वय्ती कर्ती यना खः। यायकाशास्त्र खरनकारभन कर्नाकाः व्यव मण्यायप्रकोका**वः। नश्चवखमः अवमर** क्षां को किः। 'श्रव श्रावादन' व्यवाप चून श्राह्मः। श्रवना गर वर्षमानः मश्रवाः व्यक्तिम्स् मध्येत्रस्था क्यों किंगस्थः। देवनार द्वा खा देवनास्यः वाद्यं ४९। (१८वटकरे। विक्र । ( >५ व्य- > > > म ) ॥

### वामध्या जिल्ला जिल्ला का का का भाग

नरमञ् एक विश्वतः त्नाम श्वकाम्। खवा वाष्ट्रमा नःगर्थ ॥ ১১२ ॥

(কা০ ১৭:৩।১৬) 'আপাান্ত্রেভি দিকভালন্তনমুগ্ভাাং'। আত্মনি বিস্তারিভাঃ দিকভাঃ শ্লাভ ৰগ্ৰয়েন ঃ গোভমদুষ্ঠাঃ লোমদেবভ্যাভিত্রে৷ গায়তীতিষ্টুবৃষ্ণিক্ছদ্ধাঃ 'আপাায়ত্ব শাদস্বদেশভ (১১৪) জু জীরল্যা বিলিয়েরাগঃ হতে নাজি। হে লোম ! বিশ্বতঃ লবিলাৰ বৃক্তাং বাৰ্বাং লক্ষ্ ভাৎপান্ত গ্ৰাঞ্চ ভে তৰ লমেছ লমাগঞ্ছ। ভেন চ বার্যোণ স্বমাণাায়ত্ব লক্ষ্ডে वर्क व। िक्ष नाधनात्रमा मर्गर्भ मक्त्रमन्निम्खः ७व चत्रमभाष् मक्त्रमरत्र्जार्यः । ५३२ ।

### खर्गाम्द्रणाख्यन्य कालकः।।

गन्ना विष् विष् विषाः वः वृक्षाकृष्टिभाष्टिगादः।

व्यम्जाम (नाम किनि अवाध्याजगानि विष ॥ >> ॥ वानामभारमा

(ए (नाम। भग्नाः नि भक्षमा तनाः (७ ७३ नश्यक जश्भक्काम् जनित माका जन्नानि बरम्ब तुकानि (तक्षानि एक नरम्ब। कोमुनना एक चिमाजिवानः चिमाजिर भान्यामर मुटेकामानाम्यामः वर्षमामः नम् व्यम् छात्र व्ययप्रवर्शार्येना श्रवारिका नुत्वापिष्टेका यव्यामण्ड खररिष (नरः। अग्डनरमन अडा। श्रवाडिकारियाचा। खराह अछः (१।७।)।८७) 'अज्ञानार जम्मू इर व्याजि जमारअव्याजित्र मुर्जि । किक विवि शामारक पेख्यां वि केरकुष्ठामि खराशि ज्यानि जास्छि भरिगायकनि छामि भिष्य भाषम मण्यापम । लाक्षम जाभर मण्णावरम्भावः। 'वि वातर्व' जूमाविः विकत्ववान्ताम व्यान्तरम्भ ह स्वान्तवः 'वस्प्र क्ष्मिनि' हेक्रारक ( भा॰ २.८।१७ ) 'श्रुविक तश्रविष्ठि'कि (भा॰ १८।८६ ) श्रुविक वर्गार्श्वनिगारण। वा वर्रायणार्वि ( )२ व->>०क )।

### **हर्जुक्तः भाखतभाषक्रों कश्विका।**

व्यानाम्य यमिस्य लाम विष्य विष्य ।

### ख्यां नः मध्यथ्यभः म्या युर्व B ১১B B

ছে মদিন্তম ৷ মদয়তি তপ্রতীতি মদী। প্রহাদিশ্বাপ্রনিপ্রভারঃ (পা• ৩ ১।১৩৪ )। चवा चवच्चित्रचाखीं छ मने 'अछ है निर्दर्भा' हे छीन ( পा॰ ८।२ ১১৫) व्यक्तिप्रम मनी মাদক্তমঃ (পা• ৮।২।১৭) ইতি নাম্ভাৎপরণ্য তমপো মুডাগমঃ। ঈদুদ ছে লোম। বিশ্বেভিব্দিবৈঃ দবৈরংশুভিঃ স্ক্রাংশৈঃ অপ্যায়ত্ব প্রবৃদ্ধা ভব। রুদ্ধঃ দল্লোভ্ত্মাকং স্বুৰে वर्षनाम नवा नकारमा खरा। 'ब्लाटार्काककार के कि मर्गक्कामार मीर्थः। को मुनवर। नवावसमा ज्ञाचर नक्षाः नकोविः नक्षवस्यः । ( )२ज — ) ) ।

### भक्षणाः नाखतनकक्री कि कि व।।

ভাং কাময়া मरना यमर भत्रमा कि रम गण्डार ।

( का॰ >नाजार॰-र> ) '(बत्बर्स नेयका। खक्न्छि (बन्नाकारवर्ताकारवर्मके क्षिकाः व्यक्तिमार्ति क्यार्क्स नार्वेष । त्य नार्त्र (यर अन्तर्त क्षेत्र वा विकेष क्षि व्यक्ति । व्यक्तिवार्तिको इंच क्षितिक। क्षितिक वर्ष वर्ष इकि शृष्ट्रमञ्जीकि द्वार्षः। वर्ष-(विवक्तांकित्या भाष्रताः जाकावरमात्रवृक्षां विक्रमपृष्ठा क्रकोत्रा क्रवामिकिवृद्धिन। (स ८७ ७व वरनः পश्चात्रभवादरमनमध्यात्रा यवमानः भन्नमान्तिर।

### (भाष्ट्रणाख्यम् ७ छम्।

তুভাং তা আলরওম বিশাঃ কুফিচেয়ঃ পুধক্। অংগ কামায় খেমিরে ৪ ১১৬ ৪

(र जिल्दा । जिल्हा कार्या । जिल्हा कार्या । विषय कार्या । जिल्हा क्षेत्र । जिल्हा क्षेत्र । जिल्हा कार्या कार्या कार्या कार्या । विषय कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या । जिल्हा कार्या । जिल्हा कार्या । जिल्हा । जिल्हा

### मुख्य (नाख ब्रम्थ छ गो काख का।

অবি: প্রিরের ধানত্র কামো ভূতত ভব্যতা। ল্ডাডেকো বিরাজ্ভি। ১১৭।

ভারিঃ প্রিয়েষ্ অভিক্রচিতের ধানস্থ স্থানের ধিষ্ণোর একোইলহায়সূতঃ লন্ বিরাজিতি বিশেষেণ দীপাতে। কীলুলোহায়। সূতজোহপদ্দা হণাত ভবিষ্ঠত জনস্থ কামঃ কাম্বল্প্রকঃ। গ্রাট্ লমাক্ রাজমানঃ শোভমানঃ। সূত্র ভবাত ল্যাড়ীখর ইভি বা। কামাতে লক্ষিয়াই মিয়াত ইভি কাম ইভি বা। (১২০৮–১১৭ক)।

है जि मान्। जिन् भी प्राप्तार वोजन तम्बन विकासार चान दणा है ना प्राप्ता से उरे ह

क्रियमशे पत्रकुष्ण (यमभी प्यास्त्र । क्रम्मामनाह्मारखाश्यर चामरमाश्र मित्रकः ॥ ১२॥

### यक्दिन-मः हिंग।

.:8 0 8:-

### [ শুক্লযজুর্বেদ — বাজসনেয়িসংছিতা।]

### खद्शां पदमा ३ था। श

### क्षाच्या किका।

मसि र्झामार्था व्यक्ति द्वासरम्भावात व्यक्तिवात व्यनीयात्रा

মাযু দেবভাঃ সচভাগ । ১।

चानरामध्या छेनावानगाई भठाठ व्रम्ण क्र विश्व विषय भगा विषय छेन् । विषय क्ष विषय विषय भगा विषय छेन् । विषय क्ष विषय विषय है । विषय क्ष विषय विषय है । विषय क्ष विषय है । विषय क्ष विषय है । विषय क्ष विषय क्ष विषय क्ष विषय है । विषय क्ष विषय क्ष विषय क्ष विषय है । विषय क्ष विषय क्ष विषय क्ष विषय है । विषय क्ष विषय है । विषय क्ष विषय है । विषय क्ष विषय क्ष

### विक्रोंब्रा किखकान

ंभूकत्व वर्षम् अवस्थि अरच भ्रांचर (का॰ ১१.८०)। अरखंक स्वर्धाः कूच्छ व्यापितः क्ष्मिक ने विकास क्षांचर भ्रांचर क्ष्मिक व्यापित व्यापित

### ज्होश किला।

ন্ত্ৰকা জ্বজানং প্ৰথমং পুৰস্তান্তি সীমতঃ স্কুক্তো বেন আৰ: ল বুগুল উপমা জ্বজ নিষ্টাঃ লড্ড যোনিমণ্ডন্ড বিষয় জ্ব

ভিদ্মিন্ত অ্বর্যা ব্রালিক ব্রুলা অভ্যান্যিতি । কা০ ১৭০.২৯ )। ভিদ্মিন্ত অ্বর্ণার্থ পূর্বিংক্ত ক্রুল্য ব্রুল্য ব্রুল্য

### हरूथीं किशा

চিন্নগর্ভঃ সমণ্ঠভাগ্রে স্ভস্ত জাভঃ পভিরেক আশীৎ।

ल सार्वात शृश्यनीत छ। मूरङभाः करेल (मनात्र र!नवा वित्यम ॥ ८॥

উন্তানং প্রাঞ্চশ্ছিরণাপুরুষং তিমিন হিরণাসর্ভ্যুণ্ড (কা৽ ১৭।৪।০)। ভিম্নিরুষ্ প্রাঞ্চানং হিরণাপুরুষর প্রাকারমূগ্র থেনোপদগাভ। হিরণাগর্ভদৃষ্টা প্রজাপতি বেনজার বিশ্বিশ্ব হিরণাগর্ভার হিরণাগর্ভার হিরণাগর্ভার হিরণাগর্ভার হিরণাগর্ভার হৃত্ত প্রাণিজাভতাত্রে সমণ্ড হ প্রাণিজাভতাত্র সমণ্ড হ প্রাণিজাভতাত্র সমণ্ড হ প্রাণিজাল হ প্রাণ্ড হ স্বালাজাল হ প্রাণ্ড হ হ হিরমাণ্ড হ হ হিরমাণ্ড হ হ হিরমাণ্ড হ হ হিরমাণ্ড হ হিরমাণ্ড হ হিরমাণ্ড হ হিরমাণ্ড হ হিরমাণ্ড হ হ হিরমাণ্ড হিরমাণ্ড হ হ

### भक्षा क अका।

জ্ঞান ক্ষান্ম: চ গোন্ম স্থান্ম: চ গোন্ম হ বশ্চ পুর:।

ন্মানং যোনিসমু সঞ্রমঃ দ্রপ্নং জুহোমানু সন্ত হোতা: । e ।

### मछी क खिना।

ন্ধাহন্ত লপেঁভো। যে কে চ পৃথিবীমকু।

যে অন্তরিকে যে দিনি ভেডা: লপেঁভো নমঃ॥৬॥

(का॰ ১१ ८।६) 'উপিছির্ত্ত যথমানো নমোহার্ত'। यश्वमाনো ছিরণাপুরুষং পশ্রমুক্ত ख्राः পঠেং। পর্পদেশভ্যান্তিলোহমুষ্ট্ ছ:। যে কে চ লে কেচিং সর্পতি পর্পা লোকাঃ পৃথিবীমন্ত্রগভাঃ ভেজাঃ সর্পেজাে। নমোহন্ত নমন্ত্রা জ্বত্ত। জন্তরিক্তে লোকে যে বর্ত্তমানাঃ পর্পাঃ যে চ দিনি গ্রালোকে যে বর্ত্তমানাঃ পর্পাত্তভাঃ সর্পেভাাে নমোহন্ত। 'ইমে বৈ লোকাঃ দ্র্পাঃ' ইভি (৭।৪ ১ ২৪) শ্রুতেঃ পর্পদক্ষেন লোকা উচান্তে। (১৩ ৭—৬কা

### मख्यो क छका।

যা ইববো যাজুগানানাং যে বা বনস্পত্তীপর্ক।

সে বাহ্বটের ভেরতে ভেডা: সর্পেভোগ নমঃ॥ ৭॥

যাতুং বাজনাং জ:খং দধজি জে বাজুণানা রক্ষঃপ্রভেষাং বাঃ দর্পজাতরঃ ইবলো নাক্
রূপেণ বর্তত্তি যে বাজে বনস্পতীন চন্দনাদিরক্ষানমুবেটা ছিভাঃ যে বা বে চাজে অকটেছু
বিলেষু খেরতে অপন্তি ভেডাঃ দর্পেছ্যো নমোহন্তা। ১০অ— ৭ক )।

### बमेंगों क छ छ।।

ষে বামী রোচনে দিশে বে বা স্থাক্ত রশির।

।

।

(যবামণ ক্ম পদস্কত ক্তেডাঃ স্পেডাঃ নমঃ ১৮ ৪

किरम द्वारका (त्राहत्व प्रश्वार र वायो नर्ग। व्याहित पृष्टमागाः निष्ठ 'त्राहत्या क् यदिगय (कारका यदेवय এভए পভो'ि स्कृष्टिः। छना श्र्यामा द्वामायु कित्रत्यमु (य ह मर्थ्यु व्यक्ति (य्याः नर्भागावका व्यक्ति वृत्वाः श्वामः कुछः (७७)ः नर्भाका नर्माक्षाः । ।।

### नगरी कि खिन।।

कुष्ण भाषः खामिष्डिः न भृथीः साहि तार्ष्यसम्बद्धिक।

खुषोयक काणिष्टिः काणाटमाक्षामि विशः त्रक्रमखणिटेर्घः । ১ ॥

(का॰ ১4,819) 'छैनिविक्रं भक्षगृंगे हर स्ट्रांकि भूक्रय क्रुप्य भाव हेकि श्राकुाहर अकिविष् भित्रर्भरे। जाबार मन्द्रश भक्षांशेष्ठमानाभ्राक्षानमाक्रयं भूक्रवास्टिक उभिविश्व @िकिष्यर भित्रक्षा भित्रक्षा भूक्रायाभित भक्षग् उर्क्क्रावाकी क्वार्यक वागरम्ब हो। ब्राक्षाचाः अध्वनद्राः व्यक्तित्वाः भक्ष विष्ठेषः। (व व्यक्तः भावः यगः कृत्य कृत्रम। পাজ ইভি বলনামত্ম (নিশ্ব হাভাহ) পঠিতং। তত্ত্ৰ দুষ্টান্তঃ। পৃথীং বিশালাং প্ৰলিভিং ন व्यविভिष्य। श्रीनिष्ठर्वामः 'श्रीनिष्ठिः श्रानग्रनाष्ठक्षा जामः रा' हेष्ठ (निक्र- ७।১२) बात्कारकः। 'विक् वस्ति' श्रीकर्षण मौत्रदेख वगारख भिक्रत्मा यत्रा मा श्रीमिकिः खार। मकात्र है वार्षः। পक्षि श्रष्टभाग्न श्रमातिष्ठः षानाभव पत्र श्रमात्र दनः श्रमात्र प्रष्टार्षः। खर्खा बाबरव जून देवामवाम महाग्रमानिएकन भरकन याहि व्यक्तनशिक भक्त । अरको कबरम नरक' नमस्ति कवस्ति सामन हेकामाः (नवकारकश्च नकोकामरान्। পচাল্বভাদমলকামতুপ্প্রভামঃ। হে অয়ে। অন্তা লক্ত্রণাং ক্ষেপ্তালি অভাে রক্ষনঃ ब्राक्षमान विभा छाएत। 'वास छाएटन' मिनामियाम्हान श्रामियारमध्यानात्रगर। क्विटिंड: जानककरेमतासूरेमः। जनकि मञ्चानमञ्जेषि ७थ्डांव व्यक्तिकश्चान देकः। 'জুরিছেনের: ছু' ( পা০ ৬।৪ ১৫৪ ) ইতি ইছনি পরে তৃচো লোপঃ। কীদুশবং। তৃষ্টাং व्यमिष्टिर विष्यक्तिवाष्ट्रात्रः। कृष्णा किथ्रता व्यक्तिणा बारणन षण् क्तिणानः वक्तनगात्रत्रन् 'क् हिश्लाद्यार' व्ह्यानिः नानक् क्षण्याः। क्रिनीएक्रिनो क्रिनानः ह ( २००१ - ३०० ) ह

मन्यो किछक।।

खब द्धारण जालग्रा भखका सुन्त्रा थ्याक हातः।

खर्थ ख्या भडकावनिष्टा निष्ट विष्ट विष्ट

হে আরে । ভব বে অমাদঃ অমা বাভোছ্ভা আলাদমূহাঃ পভতি ইভভতো গছতি কীদৃদা
লনাঃ। আজনা আশবঃ শীন্তগমনাঃ। আভলকাংপরলা অসঃ 'রপাং স্কুল্-' ইভাদিনা
যাদেনঃ। ভৈত্র নৈঃ ভপ্বে ভপতি সভাগরতি ভানি ভপ্বে ভাগরিভূপি রক্ষাংলি পভদাস্
পভতঃ সভো গছতীতি পভদাঃ পিনাচান্তাংশ্লাক্স্ন। আলাভিত্তান্দেহভার্থঃ। কীদৃদ্ধং ।
ধ্বভা ধ্যোভীতি ধ্বন ভেন ধ্বস চা প্রগল্ভন ধ্বেইন আলোবেন শোন্তচানঃ দেনীপ্রমানঃ
অভান্তং শোচতে লোন্ডচাতে ইভি শোন্তচানঃ শুচ দীপ্তাবিভাস্বান্তভ্জাক্ষানচ্প্রভারঃ।
ভবা কুলা ক্রচা তুরমান ইভি লেবঃ। অসন্দিভঃ অবভিতঃ। উদ্ধঃ দন্ বিষক্ স্বাক্ষা
ভিত্যগ্র্মণণ্ট উলাং আলা বিক্সে রক্ষোধাভার মুক্ষেভারঃ। (১০ল—১০ক)।।

### প্রকাদনী কণ্ডিক।। থিজি স্পাদো বিস্তল তুর্ণিত্যো ভাগা পায়ুর্সিদো অসা অসমঃ। । বো নো দুরে অধদাশসা বো অস্তারে মা কিটে বাবিরাদধর্বীর ট ১১ ট

নোহস্বাক্তং দূরে যোহ্যলংলঃ অবঃ পাপং লংগভীছাভি অধনংসঃ অস্বংক্তাহী যো দূরে বদভি যশ্চান্তি সমীপে অধলংসঃ হে অবে তং প্রতি স্পলঃ 'স্পল বন্ধনে' স্পলম্বন্তি বপ্নতি স্পলো বন্ধনক্ততঃ প্রণিধী বিস্তুল প্রেরয়। অন্যা অসদালায়ঃ বিলঃ প্রজালঃ পায়ঃ পালালা ভব। কল্লব্রং। ত্রিসঃ ত্র্বং বেগোহ্যাভীতি ত্রী অভাত্তং ত্রী ত্রিজ্মঃ বেগবন্তরঃ। অদক্তঃ লক্ষণবরং। ত্রিসঃ ত্রং বেগোহ্যাভীতি ত্রী অভাত্তং ত্র ভব মা কিঃ মা কল্ডিং ব্যালাঃ ব্যালার বালাঃ বালার ব

### बामनी कि छिना।

उत्तर कि के काश्रम् क्राम्यो ६७वडा विग्राहरू ।

(श भा चत्राणिण् मिशाम हत्या मीहा छ१ वक्षास्त्रम छक्ष्म >२॥

ছে অরে! দুর্ভিট ভভঃ প্রভাতিম্ব জালা বিজ্ঞারর। ভিগা ভেতরো বস্ত দ্ ভিগাছেতি:। ভিগাং ভেঅভেক্ৎদাহকর্মণ:। ভৎদবোধনং ছে ভিগাছেতে উৎদাহ্বদার্থঃ, व्यक्तिम् पर श्विवाद्रिष्ठतार वह। 'छेव वार्ट' 'जूखाखाउड' देख खाडाडारावाडा (जी- का) १०००)। एवं वार्यानः विश्वाद्ध वीकार करताडि वानर श्विवानः खरवपूर्वो एवं विश्वानः व

# ত্ত হো দেখী ক ভি ক।। তিংধৰ তি পৰ প্ৰতিবিধ্যাণ্য আৰা বিষ্ণুত্ব বৈশাক প্ৰে। তিংধৰ তি পৰ প্ৰতিবিধ্যাণ্য আৰা বিষ্ণুত্ব বিশাক প্ৰে। তিংধৰ তি প্ৰতিবিধ্যাণ্য আৰা বিষ্ণুত্ব বিশাক প্ৰে। তিংধৰ তি প্ৰতিবিধ্যাণ্য আৰা বিষ্ণুত্ব বিশ্বাক প্ৰতিবিধ্য বিশ্বাক প্ৰতি বিশ্বাক প্ৰতিবিধ্য বিশ্বাক প্ৰতিবিধ্য বিশ্বাক প্ৰতিবিধ্য বিশ্বাক প্ৰতিবিধ্য বিশ্বাক প্ৰতিবিধ্য বিশ্বাক প্ৰতিবিধ্য বিশ্বাক প্ৰতি বিশ্বাক প্ৰতিবিধ্য বিশ্বাক প্ৰতিবিধ্য বিশ্বাক প্ৰতিবিধ্য বিশ্বাক প্ৰতিবিধ্য বিশ্বাক প্ৰতিবিধ্য বিশ্বাক প্ৰতিবিধ্য বিশ্বাক প্ৰতি বিশ্বাক প্ৰতিবিধ্য বিশ্বাক প্ৰতিবিধ

### हर्ज़िनों कि छिन।।

। বিশ্ব কিবঃ ককুৎপাতঃ পৃথিব্যা অধন। অপাত বেভাতলি ভিত্তি।

रेखर्थ (चोजना नानम्रामि । ) ।

विश्व दिश्व काषाणा। (०।১२)॥ (का॰ ১१।८।১०) धर्मिष्क मेथ्य कि विश्व कि विष्व कि विश्व कि विश्व

### शक्षानी किका।

निवि मुद्धांमर विश्व चर्चार विश्वागर्थ छक्र व स्यागांहम्॥ ১৫॥

ত্তি শিবোদুই গিদেবত্যা তি ই প্। হে অবে! ছং যদা হব্যবাহং হ্বাং বহুতীতি হ্বাণাট্ট তাং হবিনো বেট্নিং জিলাং জালাং চকুবে করেনি লডরে লিট্ন ভলা বজ্জ জব্যদেবজাল্ডাগাল্লনা নেতা ভ্বাং ভবলি। রজাং যজগরিপাসরপাদক চ দেতা ভবলি জগদদার্থং। ভবতেলে টি মণানৈক্বচনে শিশি 'ইভ্যুদ্চ লোগং-' (পাণ এ৪ ৯৭) ইভি ইকারলোপে লেটোইডাটাবিভ্যুডাগমে (পাণ ৩৪ ৯৪) জচি খুধাছিতি ইভ্যুবঙাদেশে (পাণ ৩৪ ৯৭) চ কতে ভ্ব ইভি রুণং। ক্ল নেতা ভবলীভ্যুত আহে। যত্তে যিন্তা নির্ভো নামেরিভ্যুক্তে নির্ভোলাম বাল্লোরখাং (গাব ৬.১৫৷১০) ভাভিক্লামূল ক্যুতে বাল্লা চাজ্মিকং লক্যুতে। নাম বাল্লোরখাং (গিবণ ৬.১৫৷১০) ভাভিক্লামূল ক্যুতে বাল্লা চাজ্মিকং লক্যুতে। যত্ত্ব চিলিব মুদ্ধানমাণিজ্যং দাধ্যে দার্মাল। লিঙ্গুভাল্লা বিভ্গুভা মুদ্ধানং হ্বাং হার পর্বাং গাবে গাব্যালার লিঙ্গুভাল্লা। বিভ্গুলালাক হাছিছি দক্যুক্তাকারং (পাণ ৬:৪৪১)। হবা হাং হার্মিভ ভিঠ্তীতি হ্বাং ভং বােহভাল্পা কিশ্। জন্তাকারে চ যজাভ রন্ধানত নেতা ভবনীভার্থং। বত্ত্বান্তা লংহিভালাং নিপাভাল তেভি দীর্যং (পাণ ৬.০১০৬)। যত্ত ভবৈত্বকর্মাণ ক্রিভালাং নিপাভাল তেভি দীর্যং (পাণ ৬.০১৬৬)। যত্ত ভবৈত্বকর্ম্ম ভং ছাং জ্বন্ধানা নিপাভাল তেভি দীর্যং (পাণ ৬.০১৬৬)। যত্ত ভবৈত্বকর্ম্ম ভং ছাং

### (माष्णी किखका।

ঞ্বালি ধরুণান্তভা বিশ্বকর্মণা।

मा या मम् अवधीना ज्ञू भट्या व्यावमाना श्विनीर पृष्ट । ३७॥

सिंग ११।६ १८ १ क्या विवाद स्वाद स्व

### मक्षमनी किश्वना।

अज्ञानिकर्ता जानप्रचलार पृष्टं जसूक्षरभ्या

पाठवाडीर व्यवस्कीर व्यवस्य श्विमानि॥ >१॥

अञ्च त्। (र प्रमाण्टाः अवानिष्ठः चा चार नावम् प्रानम् । क जानार प्रार्कं किनितः। नम्मण जनन्वाक्ता अभन् अभन् अभन् अभि ज्ञानिस्त । हिना चारणार्थित्वकारम् अमिकि स्वर्थः प्रान्त हिनाः चारणार्थित्वकारम् अमिकि स्वर्थः प्रान्त । विक्रमणाः ज्ञानिक वाक्षणे वाक्ष

আইগ্লশী কণ্ডিক।।

ত্রিদি স্থারভারতিরদি বিশ্বধারা বিশ্বভ জ্বনভ ধর্রী।

পুথিবীং বচ্চ পুথিবীং দুশ্র পৃথিবীং দা বিশ্বাঃ । ১৮ ॥

अशामिक किः नार्षो (हर्थकाम १८ कि मिण्राक्षिण वाल्यकाम । वाल्यकाम हरिने ना अशामिक किः। ना वाल्यकाम वाल

श्वाः विचर निविध्यमाधिक मा। विचना कृष्यमा मर्च्या कृष्यायमा वर्ळी वात्रतिजी छाकृष्टि खर পृथियीर यक्त निवधार कृष्ण। भृथियीर खूरच छुनेकृष्ण। পृथियीर वर्ष क्रिनीः पृथियक्र विश्वार मा कृष्ण ॥ (:>७व्य ->৮क ): ॥

### । किछी किश्मी निकार

विष्टेच व्यागामानाम यागारामानाम व्यक्तिदेव स्वित्यामा

জাষ্টিভিপাতু মহা ভ্ৰমা ছৰ্দিৰা শস্তবেন তন্না দেশতনালিরবদ্ধবা লীলা ১৯ ৮

यस् अकाविकाक्षेत्रहून्। ए प्रमाह्दा निक्षेत्र नर्तिक अविद्यानामा भागात्मानामा आवाद्यानामा अविद्यान कर्तिक अवद्यान करातिक अवद्यान कर्तिक अवद्यान कर्तिक अवद्यान कर्तिक अवद्यान करातिक अव

### मिश्नी क लिके।।

काकारकाकारकारताच्छी जुक्रयः अक्रयन्याति।

असे (मा पूर्व्य क्षडण पश्क्षम प्राप्त का ३० ह

(मा- >१।३।>৮) 'मृनाअवछीर पूर्वार छन्नार पृत्रखार पृत्रिक्षाकार माधारमाछ। किछि'। प्राण्य प्राण

### वब्द्र्यम-गश्चिषा।

### अक्षिश्नी किका।

वा म्हा श्री विद्यादिन ।

ण्डारक (परीष्टरक निर्धम क्रिया प्रम् ॥ २०॥

ए एवि मीनाभार एवं देहेरक! या घर भएकन कालानार श्राम्य विद्यासम्भानः, महत्यन हाक्र्यानार निर्प्राप्तमि विनिधर श्रीकृष्टा छविन। युप्र द्यावा मह एक द्यानर विरुध्य भित्रहा । () १००५ - २००४ ।।

### बानिश्मी किखका।

যান্তে অয়ে কর্মো ক্লচো দিবমাভ্যন্তি রশ্মিভি:।
।
ভাতিবোঁ অন্ত দ্বাভী ক্লচে অনায় নস্কুৰি॥ ২২॥

(কা০ ১ গান্ত ২০০ ) 'যান্ত ইতি বিযজুবং বিতীয়ে'। দুর্নেষ্টকাপুরন্তানি তীয়ে পত্যালাকে বান্ত ইভি ঝগ্রামন বিষজুং লংজাং পতেইকামুপদগাতি ইভি প্রার্থ:। ইজামিদৃষ্টে জ্বিনিধ্যা বে অমুষ্টুতৌ। হে জ্বো! যাং তে তব ক্লচং দীপ্তরং স্বর্ধা স্থামপ্তলে বর্তমানাঃ লতাঃ দিবং ছালোকমাত্রতি প্রকাশরন্তি রশ্মিভিং স্বরূপভূতিঃ কিরণৈঃ। ভাজিং লর্কাভিং ক্লগ্রিং নোহ্মান্ ক্লচে রোচনার শোভারে জ্যাম্মিনাবি ক্লমি কুক্ল। জনার পুরুপৌত্রাদিক ক্ষার চকুক্ল। ছালোকপ্রকাশিকাং ল্বা কান্তাঃ পুরোংশ্চাম্মভাং দেহীতার্থঃ। যথা বিভক্তিন্ব্যার্থঃ। নোহ্মাকং জনার জনং পুরাদিকং ভাজিং ক্লগ্রুভিং ক্লচে শোভারে ক্লা। জগংপ্রাদিকং প্রাদিকং গ্রাদিকং গ্রাদিকং গ্রাদিকং গ্রাদিকং বিহীতার্থঃ। (১০ল – ২২ক)।

### खरत्राविश्मी किखक।।

या त्ना त्मनाः स्ट्रिंग क्राटा त्नाक्रत्थम् या क्रन्छः।

ইস্রাগী ভাভিঃ দক্ষভী রুচং নো গত যুহস্পতে। ২০ g

त्य (मनाः, त्य देखाकी, त्य व्यम्भात्य। त्या प्रवाकः नयक्तिया या क्रवः मीखंबः प्रत्ये व्यक्तियाकः विश्व विश्व प्रत्ये व्यक्तियाकः विश्व वि

#### हर्ज्यः न किका।

বিরাত্**ভ্যোভির**ধারসংখরাত্ভ্যোভিরধারসং।

अवानिक्षा नाम्यकू शृक्ष शृक्षिया (बाजियकोम्।

विषदेच ब्यागात्राभागात्र यानात्र विषः (ब्या छिर्य) व्या

चिति देश्य चित्र के स्वास्ति त्र विद्या की स्वा २८ ॥

(কা॰ ১৭।৪ ২২) 'বিরাট্ স্বরাতিতি রেভঃলিচৌ প্রতিমন্ত্রং'। বিষ্ফুনঃ পূর্বে অক্বহিতে রেভঃলিচৌ বে পজেইকে প্রাণ্ ক্রমণে অনুক্ষতিতা বিরাট্ স্বরাতিতি প্রতিমন্ত্র্যুপকথাতি বিরাতিত্যতরাং স্বরাতিতি ক্রমণামতি ক্রার্থঃ। বে বজুনী ইনংলোকানোলোকদেশতো ক্রমাংযকুরকুষ্টুভৌ। বিশেষেপ রাজত ইতি বিরাট্ অরং লোকো জ্যোতিরাদিভালক্ষণধাররংধারর ধাররতি। স্বেনৈর রাজত ইতি স্বরাট্ অলো লোকো জ্যোতিরাদিভালক্ষণধাররংধারর ভি। 'বিরাত্রং লোকঃ ল ইম্মিরং জ্যোতির্ব্বরম্বতালো বৈ লোকঃ
স্বরাট্ নোহমুমালিতাং জ্যোতির্ব্বরম্বতি' ইতি (৭.৪।২২০) ক্রেতেঃ। (কা॰ ১৭।৪।২৩)
ইতি প্রজাপতিরিতি বিশ্বজ্যোতিবশ্। রেতঃলিগ্ভাাং পুরো ক্রমানকৃতাং প্রথমাং
বিশ্বজ্যোতিঃ লংজামিইকাং পজাং প্রান্ধকান্মন্ত্র্যুধ্বেন্ত্রক উপদ্যাতি। বিশ্বজ্যোতিক্রেতং বজুংশক্রীজ্লুক্ষং। পৃথিবাঃ পুঠে উপরি জ্যোভিন্নতাং আলোমির্কাং প্রান্ধির স্বর্গ্বর প্রাণায়াপানার বাানার
ক্রাণাদ্দিশপত্যর্থং। কিঞ্চ হে ইউকে। তং বিশ্বং দর্বং জ্যোতির্বান্ধ নিস্কুলি দেহি বা ১
অধিশ্ব তে ভ্যাবিপতিঃ আনী তয়া দেবভরায়িলক্ষণয়া প্রণা স্থিরা লভী দীদ্ উপবিশ্ব।
অঙ্গির্বাদ্দিরণাং রন্ধনে বথা স্থিরা সীনঃ ভ্রমন্ত্রাণীত্যর্থঃ (১৩লু—২৪ক) য়

#### शकिविश्नी कि छिक।।

वश्रुक वाववण्ड वानिश्चिकाव्य व्यवस्थः द्वारवार्शन करहार छ। वानिश्विकी

क्ष्मकामान अवस्त्रः क्ष्मकामधंत्रः श्वाम देवाक्षांत्र नद्धकारः

नमनलिश्वमा जापाप्विमी हैरम। यानिकियामु जिल्ह्ममाना हैक्सिम

८वच्छन्ना जिन्च पुरम भीव छम्। २०॥ व्यक्तिश्विष्य छन्ना

( का॰ > १। १। १३ ) 'बखर्या मबून्ट मायगटन्डिं । विषया विषय । विषया विषय भूषा एवं नाम श्री अधिकार्य बाहरमा विक विक के बाहर के विक मूर्व के अन्याकि। बाहर विकास विता विकास वि वाखि। वशूटेम्हत्वा बान्ध बाब्रता टेन्बाब्द खातूरको बानिखिरको बन्छम्बंदिनो बज् व्यवद्रतो । यवा मधुमावरनी यमञ्च अय नामश्चिक बाजूः । विनंत्रम्यक नतेमार्थः । एव छात्रून ममञ्चाना बार्छा । पर ही ब्रमामका दिवस्थः (अदग्रेश चर्चांद्य) यायचिकः मन् त्रायदिका वर्षा कृषाका कर्मात्री स कार्ष्वेभाषामात्रः श्रिष्ठास ७४९। यमाप्तिः हिष्ट्षा चलमान् टेलांकात ट्यार्कबाटबार-क्षात्र है एव खारा १ विशे खारा १ विशे खारा १ विशेष १ व मध्यकि खनवादम बाखाब्रश छानाकृषी खरनारकर्षात्र कल्लाश बालरेन्हायनबन्ह खन ब्बार्कचात्र कल्लकार। नमानर खकर कर्ज रममार एक मलकाश अकल्मिन हत्रमाथाकर्जनानिक्षाः शृबक् नामाकुष्ठाः व्यवसः व्यवस्थाकृक्षात्रा देहेकाः एव टेकाक्षात्र कश्रष्ठार । व्यवस्ता टेक्ट्क श्वशारमणा देहेकाः' देखि व्यरखन्नतिन्यस्महेका किहारख। किक देश जाराश्विनी व्यखना व्यवस्थाक्तायापुवित्यार्ष्यवा यख्यायाः व्यवस्थः अम्बन्यः (य व्यवसः व्यवस्थः विकाः व्यवस्थ यामिक्यावृष्ट् यमस्युष्ट्रमस्थिकस्थानाः भण्णाववृष्टः मसः अस्तिवश्यिष्टि এस्टर्क्यास्रस्य। खळ पृष्टाखाः। इसमिव (प्रयाः यथा (प्रया इस्तर अतिहत्रवामाजिनश्याच अनमरकंडेक्। वनश्रद পরিচরণারাভিদংবিশস্থ। नामप्रकि खद्या (स्वस्था नानिष्ठ (स व्यव्याहरू, सूरायक्तित्रमार कर्षनीय अर्प चिर्म मरकारे मीयक्रम् पिष्ण । ( ) अच - २६ म ) ।

#### वर्षित्नी किलिन।।

व्यसनि मच्याया नम्याता होः नस्य श्रुक्ताप्रकः ।

मध्य योगामि मा मा जिया २७॥

( का० > १ कार ) 'व्यामानी खात्रामार'। व्यामान क्यां विदेश प्रती संस्थित असार शाह्मकांबुक्योाकार र्वेक्शिनेनवांवर्ष केनवंकि। विविक्रेंब्रिक्षिण्डिं। विविक्रेंब्रिक्षिण्डिं ८व हेहेरक ! बनवाहानि मंब्बन्न ववटल हेलावाहां। खबाह स्वर्णः ( १।८।२।७० ) '(छ (वना अवाविष्ठे नावनश्चव्यवाद्यविष्यं व्यक्तिविष्यं व्यक्तिविषयं व्यक्तिविषयं व्यक्तिविषयं व्यक्तिविषयं व्यक्तिविषयं वह स्व स्वावनारकृषि'। कीवृती पर । परमाना पद्य देखि प्रमाना पश्चिमनीया प्रधानकः।

क्रिकावमाधीः ज्यावक्षणाः अवाः वस्याक्षितः। भृष्ठवार नरश्चाविष्यक्षि एक भृष्ठमात्रकि भृष्ठमात्रक्षेकि भृष्ठमात्रकः काञ्चकाष्ट्रक्षकात्रः। जानभृष्ठमात्रकः नरश्चारवस्त्रम् वस्त्रवृत्र नर्य। क्रिक पर नरस्योगां वस्तावक्षां यानि ना या गाः क्रिक श्रीविष्टः। ( २०००—२७ म ) ।

#### मस्तिः मिक्शिका।

मपू वाका बन्नान्नरक मधु क्यांकि निक्षवः। माध्यीर्नः नरकाववीः॥ २१॥

(का० > १। ३। २१) 'क्षंर मिमम्बूद्देशसमिक यस राक्षा देकि'। विक्षिटिक्विमम्बूदेश-कंक्षास्त्र कक्ष्ममास्ति। (शाष्ठमपूर्देश विषय्त्र विषयः शास्त्र शास्त्र शास्त्र स्वाधिक क्ष्मा स्वाधिक क्ष्मा क्ष

#### वकी विश्नी क खिका।

मक्टर व्राजित्नार्याकर वसू वसूबर वसूबत्राण (अवामम्बस्त्रवा) किलाणि ह केल्या वियम क्षणि वसूबक्षः मञ्जा शार्थितर त्रकः शृथिकी (जारका वाक्कूरका वसूबक्षक्षात्रवाणा-(अव्यक्षा निका शिक्कुरका रक्षोः द्वारणारका यसू वसूबाव्यवसूत्रवाणार (अर्थका २५ व

#### क्रमानितः न किना।

मधुमारमा क्रम्भिकिक्ष्रभीर्मक स्वीशः माक्षीभीरवा क्रवक्ष मशायक।

विकास का वि

खनगरता हम्हा 'त्रांना देन मधू' हेलि (१।८।)।८) व्याहिश वाणानि त्रमनहामान्ह हिल्लामानि हम्होसिन्स्सिर्गः॥ (२०५०-२२२)॥

#### बिः भी किछका।

ৰপাং গন্তকীদ মান্তা সংগহিভিভাপ্দীমারিটকাদানর:।

(কা০ ১৭।৪.২৮।৫) 'অরন্ধিনাত্তেহ্বাঢ়াং ছক্ষিণেগার্কাহণরিটাচ পুরুষমভিমুধ্মণাই মন্তন্ধিতি ভিস্ভিঃ'। অবাঢ়াদক্ষিণদেশে হস্তমাত্তে প্রাণাক্ষরমন্তরালে মৃক্তা ভৃতীরে অন্তালাক পূর্বমেব ছাপিতাত্বকাম শেবালের পুরুষসমুগ্রুক্তরেণ কুর্মমুগদ্ধাতীতি স্থাবাঃ । স্থাবি লাক্ষরচতুলাদা কুর্মদেবতা ভৃতীয়ো ঘাদদক্ষরঃ। কুর্মঃ প্রজান প্রত্তাদিতা বা। ভৃতীয়া স্থাবাগ্রিবীয়া। হে কুর্মঃ আপাং অলানাং গন্তন্ গন্তনি প্রতারে হানে রবিমন্তলে ছং গাদ উপবিশ। 'এভজাপাং গন্তিইং বত্তিব এভডপতি' ইতি (ক্রাসচ্চ) ক্রুল্ডা। ভত্তাপবিষ্টং দা দাং স্বোলা মাভিভাল্পাং অভিভাল মা দন্তাপয়তু। বৈশানরঃ দর্মক্রিহিভোহগিল মা দন্তাপয়তু। ঘং চাক্র ছিতঃ দন্ প্রজা ইইকারপা অন্থবীক্ষম্ব নির্ম্বরং পশ্র। কীদুদীং প্রজাঃ অভিন্নপ্রোঃ অভিন্নগ্রান্তনবন্তিভানি প্রাণি অবয়বা যাগাং ভাঃ। অথভিতা ইউকাঃ কুর্মিভার্যঃ। 'ইমা বৈ দর্মার প্রজা যা ইমা ইইকান্তা অনিটা অনার্ত্তা অনুষ্টা আনার্ত্তা অন্তর্তা (বিল্ডা) ক্রিটা আনার্ত্তা বিল্ডা স্থান্তর (ক্রুলা) দিবি ভবা বৃষ্টিঃ দা ভার্মান্ত স্বভাং দেবভামুদ্দকেন দিতাং গিজো ভবেভার্থঃ। (১৩ল—৩০ক্)।

#### जकिली किल्ना।

वीष्मम्खाष्मभञ्भरवानभाः পভিकृष्ण हेष्ठकानाम्।

'।' । ।' ।' ।' ।' পুরীবং বদানঃ স্থকভন্ত পোকে ভত্তা গচ্ছ যত্তা পূর্বো পরেভা:॥৩১॥

(का॰ ১१।६।२) 'चहुत्रिक वधागरत्रिक'। जिल्लाश मधामत्रा कीम नग्छ।निक्ति सह। हछन्। रमना कृषिश कम्लात्रको जिल्लार्थः। कृषिरमण्डा जिल्ले । रह कृषि। रया ज्यान कोन्मम्मान् रमाकान्यक्र नरमगक्षारक्षा ज्याका 'क्ष्रं, गार्को' भूषामीज्ञाविना (भा००।५ १८०) रहत्रु ॥ मम्भाविक ज्यात्रगारमम्हन्को जिल्लाका । कोम्मान्। ज्यान् रक्षानाथनक्षान्।

की बूटमा खरान, । जनार निष्ः जलाः देहेकानार वृषकः विद्या । किक यस यिन जाटन जित्रिन लाटक छाटन घर शक्छ। किर क्रिन । भूरोपर छ्डान भून यनां वह आ कि ८० - १००५ ।

> बाजिः नी किका। मही (छो: पुषिनी ह न हेमर यक्तर मिमिक्काम्। শিপুতাং নো ভরীমভিঃ। ৩২। यहोिक गांभाका ( जिल्ह ) ॥ ०२॥ वश्वाः ने किन। বিফোঃ कथानि नना छ यर्जा खगान भ्रम्भ(भ्रा युष्णाः मथा।। ७७॥

' छिन अनग्रतन यत्रमाष्ट्रधाम् छ द्रिना त्रिमा एक अञ्चत्र अदम्या अदम्या क्ष्रसम्भूषेन भवा-गरग्रीजम्कर प्रखः मिक्नम्म् भगां बर्याः कर्षानीं उ (का॰ >१।६।०) ठजूरकानः नक्षां ठखः था छ-होनमूक्च त ७ तम् भूक्ष भूगृ थगर वष्टर यूगमर एक छएक अम्रभाक्षांखर त रनरम जनागाकक्यांख्य क्छोरत्र (मारक विस्थातिक मस्त्र मरेहरवानमगाओक क्यायः। वाषाणा (५.८)॥ ००॥

#### क्यूंबिःनो किलका।

क्षाणि भक्राप्टिं। काटक व्यवभाष्टिं। यामिरका विष काक्ष्यकाः। बिहु छा न ह (बरवरका। इयार वहकू खेबानन् । उह ।

'डिन् बन खेबार कुरबानबन्नार निष्ट्रे। क्याना भूतकाम् अवानीक्राबाम्' (का ১१।६।६)। भूक्ष्रम् बरमानर्शिवार क्रिकोर क्रवा छ छ छन्न हार युवर निष्ट्री बाज्य विक्रित्र छ खाबार स्वाप्ति प्राणि। ज्यार्थः। ज्याप्ति । त्याप्ति । ज्याप्ति । ज्याप

#### नक्षिःमी क्षिका

ইবে রাদ্ধে রময় শহলে হায় উর্জে অপভাগে।

।

লমাডলি অ্বাডলি লার্থভৌ খোৎনৌ প্রাব্তান্। ৩৫ ॥

अधारमयना त्र्नी। दर छेर्थ, घर त्रमय अख को छार क्रम। किमर्यर। देर अञ्चर्यर आदि धनार्यर महत्व त्याय क्रम क्रम क्रम प्रमाप्त प्राप्त धनार्यर महत्व त्याय क्रम क्रम प्रमाप्त प्रमापत प्रमापत

वर्षिरनी किश्वन।।

व्यक्त युक्ता वि त्य खनाम्हातमा त्वय नायवः।

भार वहां च मक्रावा ७७॥

'आश्व मृक्षा हो कि श्रेष्ठाहरू क्ष्याह हो कृष्ण प्राप्त । क्षित्र क्ष्याह हो क्ष्या क

कुल ल, ७१-७७ क 1]

श्क निक्द्रिश-मञ्जा

मश्राखरनी किना।

र्का हि (२१ हुछगाँ रा १ ज्या जाता विशेषिकाः

নি হোডা পুর্মা: লগঃ । ৩৭ ॥

व्यक्षक्षीक (मगदाः व्यक्षितः। विनयः श्रीरिको। कोष्ट्रनान् (मगद्रक्षमान कान (मगनाः व्यक्षक्षीक (मगदाः व्यक्षक्षाः (मगदाः (मगदाः (मगदाः (मगदाः (मगद्रक्षमाः जान् (मगामाक्षिक्षः । प्राद्रक्षकः) ( गा व्यक्षकः) हिं मरिश्वाद्रात् प्राप्तकः मौर्यः। पृश्वेश्वमाद त्रवीतिकः त्रवीतिकः त्रवीतिकः व्यवस्थाने व

#### बहेबिली किछन।।

स्वाक् स्वाक मात्रका न त्या ज्ञान प्रमानाः।।

अस्य वात्रा ज्ञानक विद्याद्या त्यक्या भर्षा ज्ञान कर्मा

'মুখে করোভ লমাক্সনান্তীতি' (কা-১৭ ৫ ?)। সমাগিতি মল্লেশ পঞ্চপশ্নাং মুখে একৈকং ছিরণাশকলং ক্ষিণভাতি স্থাবি:। লিজেভিদেবতা ত্রিই প্। হিরগ্রপুরুষোগ্রেশনান্ত বিরণাশকলং ক্ষিণভাতি স্থাবি:। লিজেভিদেবতা ত্রিই প্। হিরগ্রপুরুষোগ্রেশনান্ত বিলা প্রাণি নমাক্ স্থাত করান্ত। হ্রমানানি হবীংয় তং প্রতি গছন্তাভাব:। 'লমং বৈ দেনা' (১.৫।২০১) ছাত ক্রেভার করিছা। হ্রমানানি হবীংয় তং প্রতি গছন্তাভাব:। ক্রিভুলেনভাবঃ। ক্রিভুলিনভাবঃ। ক্রিভুলিনভাবঃ। করার ক্রিভুলিনভাবঃ। করার ক্রেভ্রা করার ক্রিভুলিনভাবঃ। করার ক্রেভ্রা করার ক্রিভুলিনভাবি। করার ক্রেভ্রা করার ক্রিভুলিনভাবঃ। করার ক্রেভ্রা করার ক্রিভুলিভার ভ্রাক্ত করার ক্রেভ্রা করার ক্রিভুলিভার করার ক্রেভ্রা করার ক্রেভ্রা বির্ণার করার বির্ণার বির

#### अरकानहचातिश्ली किथा।

থাতে যা রুচে যা ভালে যা জ্যোতিয়ে যা।

অভূদিদং বিশ্বন্য ভূবনক্ত ব্যঞ্জিন্ময়েট্রিশানরক্ত চ। ০১।

হিরণাশকলদেব ভার্যী বৃহতী পালর্থনিয়মাজাবাং। 'মালিকয়োর্থতে খেতি' (কা০)বাং ৯)
মন্ত্রাজানং পশ্নাং নলোঃ দকলপ্রালন্ধিতার্থঃ। তে হিরণাশকল, বাংচ ব্যেণার তত্তকহোঁতাদিলিয়য়ে ড়া ভাং বা মনাল প্রাঞ্জাম। ক্রচে দীপ্তরে শোভাপ্রাইপ্তা ভাং দক্ষিণনাল প্রাঞ্জাম।
'শিরাজ বি প্রভাকীতি' (কা০ ১৭ ৫০০০) আনে বাধনসি তরো দক্ষিণে 'আক্ষোর্ভালে
খেতি' (কা০ ১৭ ৫০০০) ভালে বেতি মন্ত্রাভানে বিজ্ঞান্তর্ভাত্তর ব্যালকলপ্রালনং। ভালে
কাইন্তা ভাং বাগনেত্রে প্রাঞ্জামি। জ্যোত্তিবে তেলুলে তৎপ্রাইপ্তা ভাং দক্ষনেত্রে প্রাঞ্জামি।
'প্রাত্রেরারভ্গিদারতি' (কা০ ১৭ ৫০০) কর্ণরোঃ প্রাঞ্জতি অভূদিনমামর্জ্যোতিবেতি
মন্ত্রাভানে। ইদং প্রাত্রং বিশ্বন্ত লক্ষণ্ণ ভূবনন্দ ভূবভাত বৈশ্বানরক্ষ বিশ্বেভাঃ লক্ষেত্রাল মরেভায় হিতক্তারেশ্ব বাজিনং বাচে। জ্ঞাত্ত অমুহ দক্ষিপ্রালক্ষণ বিশ্বভাঃ লক্ষেত্রেশ্ব
জামুত্তেহতঃ প্রোত্রে হিরণাং প্রাঞ্জামতি লেবঃ। বাচমোত জানাতি বাজিনং। বাচ্—
প্রবিদ্যেত্রেরীণাদ্রেরা নক্সত্রভার:। ছান্দলঃ কুরাভাবঃ। 'জ্ঞাং জলোং জলোহপ্রে' (পা ৮২০৯)
ইতি জল্মং। স্বাধান্তরালক হতুলিক্রম্য 'তত্তিম বোষো ভব্তি যমেত্রকার্ণাবিণিধার
শ্বোতি' ইতি ক্রতাম্বাদ্রেলহ্রং মন্ত্রং। ম্বান্নমর্থঃ। ইদং প্রোত্রেহ্রমানং হিরণাং।বশ্বন্ত
ভূবনন্য বৈশ্বানরল্যানেশ্ব ব্যাজনং বীরাং তেজোজনক ক্রত্ব হ্বাত্ত আভোহন্যানীতি। ১৯ ৪.

চত্বাবিংশী কাপ্তকা।

| | | | | |

ভূমির্ক্রোভিনা জ্যোভিন্মকেক্ষো নর্চনা নর্চনান।

লহম্রনা অনি নহম্রের ছা। ৪০॥

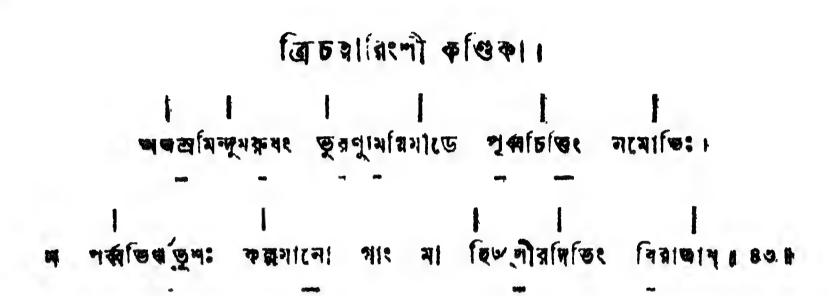
हित्रण च क तर्ति । (यो भाषा न होर्टि ) छ छ दित्रा दाष मारका त्राह्म । प्रक्रिम हित्रण च क विष्ण च विष

भूक्षवित्र जामारमधामरका वक्षामानमरह्मरानमण्डि ज्वार्यः। ए भूक्षम, द महत्वमाः, महत्वमाः महत्वमाः महत्वमाः महत्वमाः महत्वमाः महत्वमाः ज्वार्यः। प्राप्ते भूक्षमः महत्वमाः ज्वार्यः। ज्वार्य

## এক চন্তারিংশী ক ভিকা। । । । । ভাদিতাং পর্থ প্রশা লগভূষি শহস্তা প্রভিনাধ বিশ্রপণ্। । । । । । । পরিরভ্ষি হরণা মাভিষত্মাঃ শতায়ুধং কুপুছি চীয়মানঃ॥ ৪১॥

## 

 स्पा नम्दा चकामः चात्रमामः। 'चन् सन्ति' स्तिषः भागः 'नम्दम-" ( भा॰ ७ ७। ०৮ )ः रेष्ट्राभातानः। 'अञ्जूषानिका जयः' रेष्टि स्वष्टास्ताः। जछ व नमीगाः विस्तः नामः समीभिष्ठः नम्द्रः भिष्ठा चछ व नमीगाः गाण्याछ व्यिष्ठः। चित्रः स्तिष्ट विष्ठं वर्षः यवाकाः गमः स्ति विष्ठः। अञ्जूष्ट्रमिष्ठितिः नृषः जूनः कात्रः यागः छ। स्ति वृषः चान्यक्षाधः। समित्रः च्याः विष्ठः। यदा तृष्ट्रभावः विष्ठः। वृष्ट्रभावः विष्ठः। वृष्ट्रभावः विष्ठः। वृष्ट्रभावः विष्ठः। वृष्ट्रभावः विष्ठः। वृष्ट्रभावः विष्ठः। विष्ठः विष्ठः विष्ठः। विष्ठः विष्ठः। विष्ठः विष्ठः। विष



(शानित वार्त्रगाग्र भाषां । व्या विश्व एको भे के प्र को कृष्य क्षा विश्व क्षा क्षा क्षा कार्त्रगाय कार्त्रगाय

# চতুশ্চ আরিংশী ক তিক। বর্ত্তীং স্বাহু করণা নাভিস্বিং অভানাত, রঞ্জঃ প্রসাহ। বর্ত্তীং স্বাহু করণা নাভিস্বিং অভানাত, রঞ্জঃ প্রসাহ। বহাত পাহত্তীয় বুরণা সাল্ল মা হিচ্ছ নীঃ প্রমে ব্যাসন্ ৪৪৪৪

बाबरगर्विषित्र উপवधां छ। ८व व्यक्त. अत्राम त्यामन् उरक्र हे त्रक्ष वद्यात्म व्याभिजाय-बिर मा विश्नी:। कोषुमीर। चहेः क्रभागार मिर्माजूर्फिरनाञ्च शवावककोर बुर्गाछ कवना बिना छाषप्रकि जाकानिक बक्रधी छार। नक्रमण गांकर नांकरानीपार गांकरजक्षीपार बाक्रनी बाक्षी जांक्श। नत्रबाखकनः जिन्नारहाकाक्करुत्वर कात्रमानर। 'खाखर देव भन्नमध्तरका मिट्ना देन त्याखरे मिनः भन्नमध्त्रकः' (१०१२१२-) हेवि व्यक्तिः। भव्याम्बनः क्ष्यां नार्ख वाद्यां कार्या । वाद्यो नहाट्यानकात्रक्रभार सा। ज्यूतना मात्रामननः श्राणा निष्ठ एक यमा निर्म्यः म**ए**र्व त्रश প্রাণ বজে। মারাং প্রকাং মীরতে জ্যারতেহ্মরা মারা প্রকা প্রাণনাং প্রকাপ্রান্ত। বি: 1888

#### शक्षक वातिरणों क विका।

(या अधितरमञ्जाम् । जाकारश्विता छ वा

भाव (क व्यक्ष । हर । निषक्षी जनान कमायं (इफ:

সম্ভাপাহৎপন্ন: অঞায়িঃ প্রজাপতিঃ। উত্ত বা আপচ দিবঃ পোকাৎ পু'থব্যাল্ড জোকা-(प्रारुषः भर्याषात्रक छर्णज्ञः। व्याध्यश्रीषितार (लाकाप्रकारभाषः व्याख्या। विदेश व्यक्त न(छः (नाकामकामञ्च जाक्त मन पृथिता ह (नाकापकाम्रण' (१ ८।२.२५ ) हो छ । विश्वकर्षा न এन श्रामाणिः रामास्मन नार्गुरणन श्रामा स्थान स्रमानिष्याम्। अध्यक्ष मार्गुन्यश ष्ठः श्राप्तारभाष्ठः क्षण्या 'वाया भरका नाटा देन श्रेमा विश्वकर्मा समास्त्रि' (१८।२.२)। (इ कार्य हिंछा, (ङ छन (इए: क्वांबः छमणः भदित्रमञ्जू भितिष्ठ) वर्षः षत्रात्य कार्णा ग कार्या रेकार्यः। माध्यक्ष श्रीविया छेशीत व्रिष्ठाक्रक या यथा विषश শরি জুলোকোশরি ভিভাৎ ৰোকাৎ 'শুচ দীপ্রে' বঞ্চ। দীপ্রিমুক্তাদল্লেঃ श्रिका निकामारियार्शिक रिमारिकारिया विवादक विषय विवादक विवादक विवादक विवादक विवादक विवादक विवादक विवादक विवादक व्यक्त नक्षमानम् देशकितोत्रकारकारका। 'करकारकक्षम् नः नमकनक्ष्यादेत रमनावाना जानच्छ ভভো বৈ প্রভা: পাশ্নস্ভভেডি ° দেবং পুর্ববং । (১৩ল—৪৫ফ )।

#### भट्टिशातिश्नो कि खका।

हिवार (मनागामूमनामनोकः हक्त्रीक्ष

खावाण्विनो चखात्रकण्य्या चाचा जगक्षत्र्यक । ३७ ॥ वाथा

'চিত্রং দেখানামিভার্কর্চনঃ ক্রণাছতী অধ্যমে' (কা০ ১৭।৫।১৮)। অর্কর্চবরেন পুরুষ-বিশিক্ষান্তিষয়ং ক্র্ছোভীতার্বঃ। ব্যাখ্যাতা (অ০ ৭ ক০ ৪২)॥ (১০ল – ৪৬ক)॥

# লপ্ত হল। বিংশী ক প্তিক। । ইনং মা হিচ্পান্ধ প্তত্ লহ্লাকো মেণায় চীয়মানঃ । মহুং পশুং মেখ্যায়ে জ্বয় তেন চিম্বান্ত বৌনিবীল ।

ময়ুং তে শুগুৰুছ যং বিশ্বত্তং তে শুগুৰুছু। ৪৭॥

'বছির্কের্গন্তিইয়ু ক্রপতির্ঠত উৎপর্টোরমং মা হিল্পীয়িতি প্রতিমন্ত্রং' (কা॰ ১৭।৫।১৯)
আয়েক্কতীর্যা বেদেকাহিদাক্ষণে উদত্যুপতিঠালমং মেতৃহিশ্বগাহিতঃ প্রকাশিদারাংআয়ুলাইতিহেধ্বর্থা একপজপক্ষে তমেব প্রকাভারতারঃ। আয়েদেবতাঃ পঞ্চ বিছুতঃ
আগ্রেরারত্বে যে যজুবী তিস্থামতে জীলিক্তাণ যজুবি। হে আয়ে, দহলাক্ষঃ লহল্রমক্ষানি
বস্তুল হে বিজ্বাপকলার পদহল্রনে ব্রো মেধার মঞ্জার চারমাণঃ চরনেন লং। ইরমানঃ লণ্ আমমং
বিশাবং পঞ্চ পুরুষরপথ মা হিংগাঃ মা দহ। হির্গ্যাশকলৈকা এব দহল্রাক্ষঃ বিপান্ধ
পশুর্বিব্রুষ্ণঃ' ( ৭.৫।২ ০৯ ) ইতি চ ক্রতেঃ। যাল বালনে ছো ত হু মেধং গুলং ময়ুং পশুং
ভুরক্বিদ্না কিংপুরুবং পশুং ভুরম্ব দেবল ভক্ষরেতার্ঝঃ। 'কংপুরুবো বৈ ময়ঃ' ( ৭।৫।২।০২ )
ইতি ক্রতেঃ। ময়ুং ক্রকর্গং বা ভুবল 'ময়ুলুগেহ ক্রবেলনে' ইতি ক্রেণোভেরঃ। তেন ময়ুল্
ভক্ষণেন তবঃ আলারে নাওনুং চিবানঃ পোষরামহ নিবাদ। বিতীয়ারে ভব ইতি প্রথমা। ইতো
বিজ্বং প্রে ভব শুক্ শোকঃ লন্তাপো ময়ুং ক্রেরং মুগং বা গুল্জু প্রায়োজু কিঞ্চ বং
পুরুবং প্রতি বয়ং বিল্বঃ বেবং কুল্মঃ তে তব শুক্ ৩মুদ্ভুতু য় ( ১০০—৪৭ক ) য়

#### विक्वातिर्नी कालका।

ইয়ং মা হিল্লীরেকশকং পশুং কানক্রনং বাজিনের।
গ্রারমারণামল ভে দিশামি তেন চিয়ানস্থা নিয়াব।
গোরং ভে ভগ্ছতু যং বিশ্বস্থা ভে ভগ্নতু । ৪৮।



व्यवाचना । (च व्यक्ति, हेमरमक्वकत्मक वृत्र शक्तिचार मा हिश्मीः। 'अक्वका चा अव अकर्गावयः' ( १।६।२।७०) देखि खेरका। कोषुपर। कनिक्षपत्रकात्तर क्रिकात्रर द्वामापर । क्यान 'नान वि' (ना॰ १।८।७८) इंछानिना वस्त्रुकि निभाष्ठः। चात्वा द्वर्भा विश्वर्थ द्ववार रक्ष वाकिरमा (नगरणः मचर्व हेम्थलामः। (ल्यू भर्षा नाकिनः (नगरणः। एक कुलाबात्रग्रह यनच्दर भी त्रवर्षर मृत्रद विचासि प्रवासि एक छयः विचारमा निविद्या श्र श्रृक्षित्र। ८७ छय खग्रात्रीतर शब्द । ( १७ व - १५ व )।

### पदकानमधानी कृष्कि।। इयण् नाव्यण् मल्यात्र यूर्तः वाहामानण् नित्रेना भर्या या विष्यीः भतरम त्नामन् । चू हर कुरागामिना छर जमासारब প্ৰস্মার্ণ্যমঞ্জ ভে দিলামি ভেস চিম্বামগুরো নিবীদ i ভে গুগুছতু যং विश्वायः (क अर्थक्षेत्र । ८३ ॥

ज्य प्रात्ता व्या विष्णिमण्यार श्वालिकः (भ्याणि पुर्शिकानि वाकारम्ब केलालार (भीरतंषे (इ चार्य, गर्राय दिशायन डेरकुर्ड द्वारन विखानमः भारति । कोपूनर। मारखः नरखम्मा।ईर नराखानकातकभः वा। नरमात्रर नकारवाकिकोत्रवाता-सूछ्य छ वार नार्नः छर्नः क्राः कर्नपुनः छर्न इर्वार्नछः। वह्दाखन्म । नित्रम् मर्या अबु लाटकष्ठः नाहामामः बहेनांकिन्यमहायानवृत्रकोनामानः। 'हरम देव लाकाः गतिवर' (१।८.२ ७८) है जि अं (७३) क्यांत्र म्यांताकांत्र चुक्र क्यांगार चुक्कांत्रमर की वर्ष क्षत्रहोर। अमिलिमथिल हार। एक क्यात्रगार भवत्रर भागकुनर भक्षिविष्यमञ्जिनाम्। लिहेब्स्टर ॥ ( २०व्य — ४२ व ) ॥

#### भकानी किछा। माणिरं पहर भण्नीर विनदार इयम्पास् व्यनिव्ययक्त या विष्नाः भन्नस्य **श** वश धवागार 10 - De



## के द्वेश तथा मध्य एक नियाम एक नियाम कियोग । पेट्वेश एक कश्चल वर विषय वर एक कश्चल ॥ ८०॥

ख्वारियः। एवं कार्यः, नद्रामन् खारम खिल्यमर्थारः या विश्नीः। कीष्म्पर्यास् व्य्वाविकः। छेवीत्रा एम्। नक्ष्मक नाक्षिः नाक्ष्यानोत्रः शित्रयमकाभिकारः। विभवारः नद्रामाः क्ष्मकारः ग्रामी । विभवारः नद्रामाः क्ष्मकारः ग्रामी । विभवारः नद्रामाः किष्णकारः ग्रामी । विभवारः विभवारः विश्वादः विश्वादः विभवारः विश्वादः विष्ठः । विश्वादः विश्वादः

# থেক পকে। কি জিক।। আলে। হারেজনিষ্ট লোকাংলো আপপ্রজ্ঞানিকার্মপ্রে। (জন দেশা কেবজামগ্রমারংকেন রোহ্মার্র সেধানঃ। শরক্ষারণ্যক্ত কে দিশামি ভেন চিন্নানন্তলো বিদীদ। শরকং তে ভগ্নহত্ বং বিশ্বতং তে ভগ্নহত্য ১১ ৪



#### षिशकाणी किला।

पर विश्व पास्तरमा मूँः शक्ति भुत्री भिन्नः। सम्मा स्वापमूख स्मा। ६२ हर

'अष्ठा ह पर यविरक्षेषि हिर्छानश्चामर' (का॰ > २१७) ) वहिर्णस्वत्ताभछ। विनमीरनक्ष्यं किछामूनिक्ष्यं । উत्तर्भवित्तां क्षिण्यं । अपनान् । या विवर्ष यू प्रवर्ष, यथा विश्वविद्य व्यक्ष्य । विश्वविद्य विश्वविद्य । विश्वविद्य विश्वविद्य । विश्ववि

#### ত্রেপকী কভিক।।

व्यापार (व्यव्यावयामानार (व्याप्रव्यावयामानार वा व्यव्यावयामानार वा व्याप्रयामानार वा

कामग्रमाशाश चावरम नावश्रामार्थर च। नगरमः नावश्रामि क्यूरकः च। नगरमः

नावश्रामि निविद्य छ। जन्म नावश्रामा गार- छ। करक नावश्रामा गार-

स्थ मिविष मानवागाभार सा नवटमः मानवामाभार सा नवटक

वाववायां नार वा त्यारमी वाववायां नार का भूगोर वाववायां नार का नाववायां वाववायां

भात्रत्वन का हमाना नावत्रांकि देनहुरकम का हमाना नावत्रांकि कान्द्रकमः

क हिन्दनाः नावत्राभाष्ट्रहरूक का हमना नावताचि नक्षित्र का हमना नावताच हरूक

'ब्लभरत्रव क्त्रमाञ्चारमञ्जानकांश नकनकं मृगांटकक्नांश (पगरत्निक खिक्रम् ( ) १।७२) कीर्यनाधिमाक्रक यम्रगाञ्झामभरत्रव भुकान् काष्ट्ररमजा हजूर्यभान्कारण्यभार (सम्ब्रिक लक्षमानकात्वरकानि शक् हम्प्रभावनकानि । (इ इड्रेट्स जनएक, जनांत्रमम् अमि नार्श्व चा चार जापंत्रामि कानग्रामि। 'हेन गं(डो' মানন্প্তাং: লপ্তমা জুকু ভা ইভাও পর্ত্মণং। कें जा भारममिक । को ने। र कें र का र उन्हरित शास्त्र विष्युत्ता का भारम नारमी का भारमामि ( १।८.२.८७ ) हे खिं खंटडः। बालार्गाम् अम्रीन अवाग्यु धार नामग्रामि । 'डेम्मी क्रिरंप' क्षेत्र रंगा भण्ड खनः मेख्या। ने कृ। 'अवने रमा ना जनार्याचा' (१ ८।२।८१ - ७०) धनमर् अर्था र्फ्रार। ज्यान ज्याना 'जन जारन मनी शाः' मन्। जात 'जल स स जार जार क्या'। ज्यार (ज्यांकिंव विकासि। 'विकास जनार (क्यांकि:'। जनागग्रत प्रभो। 'हेपर श्रीविष्ठभाष्यप्रमाने । व्यर्गाय प्रमान व्यापिक शानकाल मावा 'आत्मा मा व्यर्थः'। ममूत्य मक्रानः का । 'भटना देव ममूजः'। वितिद्र मक्त वा हिला। 'वादेश मित्रम्'। व्यापार करत्र हक्क्वि श्वार जान। 'हक्क्सी व्यनार क्यारें। क्याता निनानः। व्यनार जीविन दिखारता श्वार जान। ्रिलाखः ना ज्ञान्य निवः । ज्ञानः ज्ञानः विवि पार ना । (क्रोना ज्ञान्य ज्ञानः ज्ञानः मबर्ष्य व्यक्तिरक वार मान। 'अव्यक्तिक वा व्यवाध्मनव्यर'। व्यवाद वादनी ममूर् प्र 'नमूत्या ना का नाः (यानिः'। जनार भूतीत्य निकडाञ्च चार नाः। 'निकडा ना व्यापार भूतीयमे । व्यापार भाषांम व्याप्त वार मान । 'व्याप्त या कामार भाषः'। . भक्त हमारा উপদ্ধাতি পঞ্ বজুর্ভিঃ। সায়ত্ত্রেণ সায়ত্ত্বোর সায়ত্ত্বং ভেন ছন্দলা স্বামুপদ্ধামি। ত্রৈষ্টুভেন क्षिन। बाः माः । वाशर्ष्ठन क्ष्मना वाः नाव । वाश्वर्रक्षन क्ष्मना वार माव । वाहर्ष्ठनः हम्मा पार माव । ( २००--- ६०७ ) s

#### हरू: शकाली क खका ।

स्विक्ष्य भाषाक्र नाष्ट्रक्षणाण्ड्या चित्रक्षित । स्विक्ष विक्

ं अध्यानिक गृही चेत्रा चित्रा व्यापार गृह्मानि व्याचा कां । वहा

अविष्ट्रमश्क्षका हेडेक । 'वाक्षावननकित्व जः तन छेख वर्ष्यानााः किन्धानाम् स्त्रिन क्रविष्ठा जक्त्रा नश्मधाः वसमाज्ञान्यात्व नम मरनाननगानी जि एवार्यः। नकामज्ञ श्कि व्यानस्तिहेकारमन्छ। मि व्यक्तिकां कर वन-वन । अन्यर मनकर वाक्ररन वर एन । कपाहिसा श्रार-खिला भट्डा खाना (एना सूर्वारकासाः जमा कानश्रेकागाउत् किंग्रजूरकमाट्ड बायूभ-अक्टिकि। ७ वः कानाश्चर् विषयमः निमा अष्टि न नक्रमेखनमः वया क्वारक दि। खड़ायः। खा अवानिक वाक नत्रम् अर्थ । त्र प्रकारमा अवानिक अर्थानाः अवानिक अवानिक अवानिक अवानिक अवानिक अवानिक अवानिक अवानिक क्षर्या शानान्श्रकत्री कि देहे नानार शानक्ष्मर छ हा छन्। 'श्रामान सिमायाद व्याना उपकारने, ( २।२।२।०) हेल्या, सक्या। अन महानाना। (याईवः नेत्या के का सिक्कि हि देहेटक, पर एक गाव। ज्ञान जनाविष् पा भूतिष्ठीं ज जिल्ला विक्रां वा मूनविधामी छ এবনতোহণি। পুরস্তাত্পধীয়তে প্রাপ্তির্যুতে প্রাপ্ত প্রাপ্তি ইভি পুরোহরিঃ। ভব্ভি দ্বারেশেবেভি ভব্ভামাৎদ্বামিতি বা ভূগোখ্যিঃ তক্রণেষ্টকা ধায়েভি ভাবঃ। ভত্তং अका जार भूरता ज्व केला। शदेन भूतलाजलगार भूत केलि श्राक्ष श्रीम्य तिल श्रीक्ष श्रीक्ष श्रीक्ष श्रीक्ष श्रीक्ष श्रीक्ष खाब यस्व देखाविश्वदेश क्राविश्वविश्व निमान निमान का कि क्षार्था वाश्विक्षा भूत्र वाख्य हो करम জজ্ঞাপমুপদশাভীতি' (৮।১।১৪)। প্রাণস্তপ্তারেরপভ্যমিতি শেবঃ। অতএণ ভৌবার্মঃ खूरकारत्रत्र १७१० (७) वात्रवः । वर्षाम वारकक्। देहेरक व्यावत्रवाः दोर मा । व्यापर खचाळिलाम्द्यान्यंत्रमाखं (৮)। १८७ व्हार्जः। ज्यानजानजार ज्यानाग्रमः कक् देश यमख बाजू खक्त नार ना । 'বস অমুজুং প্রাণালির মিমীভ' (৮।১ ১।৫) ইভি আছে:। 'বস অস্থা-পভাং বাদন্তী 'ভঙ্গাপভান' ( পা॰ ৪০১১২ ) ইভাগ 'টিডটাপঞ্' ( পা॰ ৪ ১১১৫ ) ইভাাদিনা ঙীপ্। যা গায়তা ছন্দতজেপাং লাও। 'গায়তাং ছন্দো বল্লাদুভোরিমমীড' (৮।১।১ ও) गाग्रदेकान गात्रकः हकूनी नक्षमार्खा भाग्रकाः नकानानगाग्रकः नारमार्नन्तरः खळालार मान। 'नात्रदेखाः इन्मरमा नात्रखण्माम नित्रमिमीक' ( काराशिक ) हेलि व्याखाः। পায়তাংলায়ে য উপাং ও প্রত্থে নিশ্ব ১ গুজেপাং লা । 'গায়তাংলায় উপাত্ ওপ্রতং নির্মিমীড' (৮।১।১।৪) ইাভ প্রতেঃ। উপাংশুগ্রহারিশিতো ব্যস্তিরংস্তোমশুদ্রপাং লাএ। "উপাদ্দোগ্রাজন্তামং নির্মিমীড' (৮০১০) ইতি জতে:। ত্রিক্ডঃ ভোমা-লি'ৰ্যভং ষদ্ৰবস্তারং পূঞ্চং ভদ্ৰাণাং লাও। 'ত্রিব্রভঃ ভ্রোমাঞ্রবস্তারং পৃষ্ঠং নির্মিমীত' ( ৮।১।১।৫ ), (७८।) इन्होर्धान कृत्वा (जानः। मन्त्रामात्र ब्रविः क्वाका श्रामखक्तनार मार्। 'खार्नाः देव विषक्ष वाविधारेषण त्यकेरकन वित्रकार्या वर्षकृत्या वनकि एकर्मा अस स्विकेश (७।)।) है वि व्याप्य । व्यापायगृश्यम। गृह्यायः स्टेश्वः। व्यापायम। स्टेशः विदेशक्षेत्रश्चा खानिकश्चा अकाकाः नक्षेत्रवादः शावर शृङ्गांग । अवायार आविविदेश वाय्ववर्ग-बीखार्षेश । जबर भूत केखाणियन्यदेखेः लान्द्रयक्तर लाकाछाः गृङ्गाम । 'द्रय मानाकाबाह ब्राट्न खारब्रक्षांच नकुरनामम्बद्धाकर खरवानर करतांचि ( ।।)। । होंच व्यक्ति । ६६ ।

#### शक्षाणी कालका।

व्यक्त विच्यक्षा उच्च भटमा देवच्यक्ष

त्रीरचा भागमजिष्ट्रम् देवाची जिष्ट्रकः

चात्रभ्यात्रामखर्गारमाखर्गाभारभक्षत्रमः भक्षत्रमाष्ट्र<u>स्य</u> विशः

প্রজাপভিগৃহীভয়। ছরা মনো গৃহামি প্রজাভা: । ৫৫ ।

विश्वकर्षा वासूत्रभ्रः विकाश क्रिक्रणकार विका कार्या। नर्छ। छ । साथ कर्षा भार वार मा । 'क्षप्र देव वाहु विषय कर्षा रयाष्ट्रपः भवरक अय श्रीष्ट्रभक्तः करताकि क्रम्रक्षणाञ्च प्रक्रियणिक क्रमार्यः विक्रित्व कृष्ठिरेर वाकि एका नग्नम्यािक ( जारात्रात्र) देखि स्ट्रिशा खन्न विक्रम्प्रवार नहार मरमार्ष अस देसधकर्षां विश्वकर्षा हेमर । 'खरश्वर' ( भा॰ ८।७ ১२० ) हेस्रान् 'हेननाम-পড়ের' (পা॰ ७।৪ ১৬৪) ইভি প্রকৃত্যা। মনোরূপাং দা৽। 'মনগুমারূপাঘায়োর্নিরমিমী ৬" (৮।১।১।৮) ইতি আতেঃ। মনশোহপত্ত গ্রীম ঋতুভজনাং লা।। बित्रमियोख' ইভি শ্রুতেঃ। গ্রীম্পেরং গ্রেমা গ্রীম্মেংশয়। বিষ্টুণ ছন্দকজনাং লাভ। বিষ্টুভং ছ मा औषा हुए जिंदि मित्री के देखि स्म (७३। जिहे क देवन सर यद या दर मात्र मात्र काम क सामा । °ित्र ७ महत्मनः चात्र माम नित्रभिभो छ' देखि स्म एकः। चत्रादनाम उदल्पाद्याद्यास्य वाह्य-क्कार माव। 'यत्रारमास्य्यामः शहर निर्दाभमी छ' के छ छ। एक वामामाहर महा यह अक्ष्यं (कामका का । 'अव्यागात् अवार शक्ष्यं (कामर नित्रियो क हे कि अटिका । ' व्यक्तिनार्खामाञ्च्यत्र यह स्ट्युर्कः कक्तिभार मा। 'भक्कमनार्खामाह स्ट्युर्कः नित्रः'। खत्रवाक क्षित विख्छोछि खत्रन वाक्यमार यः ग खत्रवारका द्वापक। यनः यनि व्याक खन्नावरना कार्-भएखः विश्व महिल्ला महाताल एक नार मार । 'भहना देव खत्रकाल विश्व खत्र वाहका ह्या देव बर्गा विष्ठि त्रिश्तर वाचर क्रब्रिक क्याग्रात्मा क्रव्याक क्षिः (४।२ २:३) देखि ख्राक्रि बाणाणि गृंशे कत्रा शाक्यका परमहोकता क्या क्यारका मत्ना गृह्याम व्यक्तिमग्रहार्थन व्य ब्रह्मिश्चार्यः ॥ ( २०० - ६६७ )॥

•

#### 295

#### महेनकानी किका।

खन्नर भण्डाविषमाष्ठाण्यण वर्ष्ट्र सिष्यग्रहनर मर्याण्डाच्हा खन्ने वार्षे खन्ना ।

बन्दमम्बन्दमाञ्च क्रिकारमञ्जादमा मर्थनमारेषक्र नर सम्मिविष्ट खाणानिष्ठम्बीसम्भ

#### ৰয়। চকুগৃত্বামি প্ৰকাণ্ডাঃ। ৫৬।

चार्र भन्दा मिन्नो विचित्र विचित्र विभाव मुख्य खार्थिया ब्राया भाषा । भन्दा देखी होर विभागकृष्टि शक्छोडि शन्दार क्षेत्रोहोगमननीत्ना निषर निर्देख छिन्छः नष्टानाममञ्जेषि नियानाठी व्यानिट्छार्मर व्यनिक उक्त गार भा० 'व्याना ना व्यानिट्छा विधनाठी यहा टक्टिवंब উদেত্যখেদখু नर्यर वाटा ভবঙি ভগ্ৰমাহ শশ্চাণিভ ভদাদেতং প্ৰভাঞ্মেৰ বস্তুৎ পখান্তি' (৮।১।২।১) ইভি ঐত্তঃ। তথাদিভাত গম্মি চক্ষ্ত এব বৈশ্বাচনং বিশ্ব-র্ষেক্রপন্নং ভজ্ঞপাং লাত। 'চক্স্তুত্বাক্রপাদাদিভ্যান্নির্মিমীভ' (চাসাহাহ) ইভি माह (मा हाक्युः हक्य छेरशन्ना नद्या अञ्चलार मा। गर्गामिषाञ्चकः विश्वी **अञ्**र थ(जः। म्पूर्या नित्रिमिने हैं (४) २२ ) केंछ व्याप्त । न्याणा छिरमार जग शिक्ष खळा भार क्षण को हिरमा वर्षाका वाटका विविधिकः क्षणको क्षणम दिर्भम्य क्षणमण्डल यरमाम एक नार मार । अन्देश कमान अक्नम् माम नियमि । अक्नाभाक्र निया यह अक्रिश्च खक्र लार ना । अकृतामादनामः खक्रः शुरुर निव्याय । खक्राक्। यः नश्चमण खामखक्रमीर भर ना । खाकामा इारमक्षमण एकामर निव्योग । नक्षमणार एकामाक्र भन्न महेबक्क भर भूकर चक्त भार जा। मञ्जूष्मार एका मादेवक भर पृष्ठर निवामान व्यापाल विश्व विष्ठ व्याप পক্ত ভাষি ভাষা। অকাত সকলে গছতাভাৱিঃ। ঝৰতি ভাষাতি পৰিঃ উদুলং মচ-भू विकाश । 'क फूटेर्स अभागां सभा विमारियार मान अर्था अर्था जार । अर्था अपूर्ण अपाकि भू कि । वारिः' ( भा • ৮ ) । । । वे छ छा छ । श्रामा कि स्टेश वर्ष वर्ष वर्ष । श्रामा वयगदेश महस्त्र्य शृङ्कामि । 'मकुर्गावग्र का कक्तम्: कर्त्राकि' ( ४')। २,० ) हेकि महस्त । ८० ।

#### मश्रमानी किलका।

विषयुस्ततार्यस्य (आज्ञाताम् नतास्त्रीताम् हुन् नावण्यहे अर्ध्यकाम्यी मिष्म

अक्रिक्ष अक्र'नक्ष्मावर निमाणिक मिनः खाकानिकश्रीक्रमा क्रम

ভোত্ত। গৃহাৰি প্ৰধানাঃ॥ ৫৭॥

वषवरिष्ठ महत्र व व क मूख दार नामा ब टकान पर नाकि । देख द का मूख दार 'देख दा व तक कि नामा खिः । र् भा र १० ७८) इंडि व्यांख्यां जारा मन्त्रवाद्यत्वागद्या निषः यनिष् प्रश्चा टमाक छा विक्वर्मक्राश चार मार। क्रिया ग्राशिय विवास न मूरमक द्वार द्वा छ चहनाविषयुष्टवाविष्ठाक्तर । वित्वा ना উভवाভण्या व्यात्वाचवाविष्ठाचना स्वादनस्वावित्वाचन বংশবিভাছ অর্পো হি লোকে দিলঃ শ্রোকে হু দিলে ভূষোভরং ভঙ্গে ভদেভক্রপমূপ-ष्याणि' ( ।।।२।६ ) इंडि स्कट्डः। ७७ वर्गक मच स स्थाताः कीवृष्टा भीवर च्राह देपर र्भावः 'छट्छवः' ( भा॰ ८।७, ३२ - १७।१ वाराविकादेववाग्यः ( भा॰ १।७,८) व्यवग्रामाः টিলোপ:। শ্রোতার পাং বাং সাত। শ্রোত্রণ ভত্মাজাশাদিগ ভা নির্মিমীভ स्काराह) ইতি আহতে। (আলোগৎপরা যা লংডজপাং লাও। 'লরদস্ভুত লোভারিরমিনীড' ( ৮।১।२৫ ) ইভি আং ভেঃ। শর্প উৎপন্নং যদক্ষর পাছ লাখন গাত। আছুই ভং ছন্দঃ শর্প , कारकार्तित्रिकः। व्यक्षेष्ठ छिरशञ्चः यरेमछः माभ कक्षानाः मा। व्यक्षे क्ष्म् मन केष्ठ नाम ्रीनद्रिष•। अंछारमाञ्च **छर**भाक्षा या गञ्च। बादस्यार भा•। अंछारमारमा मिस्नर ब्रह्स শির্মি। মছিগ্রাঃ ওৎপল্লে। য একবিংশক্তোগস্তজ্রপাং গাও। লছিনে। क क निरमा छ। म: इर अञ्चर यदेषता ख पुर्वर एक भार . विश्मण रुष्ठाभः निर्दाभः। . अक विश्ल बादट छा भाटे व ता छ १ पृष्ठ श कि त्रिया । विश्वारिक विश्व ति विश्व मर्दिश मिका दिय ুমিত্রে চার্বী (পা০ ৬৩ ১০০ ) ই'ত দীর্ঘ: তাদুল পাবিঃ শ্রোক্ত শ্রন্ধাঞ্চনাক্ষাশ্রন্ধাৎ-পর্কমিত্রং ভবতি ।বখামিত্রধিরূপং যৎ শ্রোত্তং ভজপাং লাও। 'শ্রোত্তং বৈ বিশ্বামিত্র अविधिरिक्टनम गर्क्य : मृत्या कार्या भवटेश म विद्या भिर्द्धः क्षेत्रकि खन्नारक्कात्वर विश्वाभित्व विधिः (কাসাব ৬) ইতি শ্রুতিঃ। প্রজাপতিক্রমা ব্রেটকরা প্রজাভাঃ শ্রোত্রং গৃহ্বামীতি - অখনৱৈঃ শ্রোত্রেমের লানয়ভি 'যে নানাকানাঃ শ্রোত্রে ভাগভদ্ধাভি লব্ধপাদ্ধভোকং - 地(題)団く ふくさいだ。 ( トン・ち p ) 東 ( 京に c: 「 ( ) の 出 ―― で d か ) A

#### बानिकामी किलाना।

ইন্নস্পরি মভিস্ত হৈ বাধ্যতা৷ ব্যক্তোবাচাঃ প্রুক্তিইন্তী প্রুক্তি

নিধনবিদ্ধনবভ আগ্রন্থ আগ্রন্থ আগ্রন্থ আর্লিভ শো জিব্বজন্তি শোভ্যাত 
শাস্তার হৈ বভে বিশক্ষ আবঃ প্রধাপতি গৃহী ভল্লা ক্লা বাচং

গ্রুমি জাজাভোল লোকং ভা ইন্সেম্প্র ৮৮।

व्यवदेश शक्षेत्रः वर्षकः (त्रष्ठः निग्रष्ठाम् खेवार खेवतार कृषा खोविष्टिश्रामान्द्रवार । 'উन्शानविष्ठार' (ना॰ ६:०।०১) देखि मिनासः। छनति **उद्यानवान्य देवर मण्डिः वाक्** मक्राक काम्राक येथा मा मकिः वार्णन हरका क्राचानि विकिति कक्षाना मा। हत्समा वा छ नित्र ख ख स्वारं हा न ती जा नित्र कि हक्षमा ज्य व यग्रिकिति छ। ह वारेश विक्शाहा ही पण नक्षर ममूर्छ याक हक्षमा कृर्षानित्रिष्ठे छिर्छो छर्वन खळानमूनवर्गाछ ( ৮।५ ३।१ ) देखि स्ट्रेस्ट ह खरेक हक्षक्र भाषाचका मेर छक्र ९ भाषाच्या वर्षा वा वाक्ष्य किया । वाक्ष्य किया भाषाच्या वा वाक्ष्य किया भाषाच्या 'माहर खन्याका भाक्र अभावा भित्रियमो छ' (४।)।२.४) है कि क्षा खा। वादहार भक्षार वाहाः वाहे উৎণরো বে। তেমস্কক্ত লাং লা॰। তেম স্তম্ভুং বাচো নির্মি৽। তেম্কতে সং তৈমন্তী বা পভ জিশ্চপতকাশাং লা।। শঙ জিশ্চলো হেমস্তালুভোনির্মি।। পঙ জেরুৎপ্রং বরিণন্থ-मरखार माम एका ना । । नक देखा हजूर्यी नक्षमार्थ। नक देखा हन्मरमा मिमनवद्यांम मिन्नमि०। मिथनगढः माम्र छेरभाषा य आश्रमा श्र श्रक्तभार मा। नियनगढः माम्र आश्रम् श्रहर मित्रियः। ज्याश्रम्भाष्ट्रभाष्ट्री यो जिन्यज्ञेष्ट्रिश्यो यो एकार्यो छक्तभाः माः। ज्याश्रम्भ हाराज्यिन नक्षत्रिक्ष (मो (स्टार्यो नित्रियः। किनवक्षत्रिक्षिश्माकाामूद्रभास (य एव माकत्रेत्रवर्ष भूषं चाः कक्तभाः मान। विगयवात्रिक्षण्याका। एषामाकाण्याक तरेवयरक भूषं निव्यविक । विश्व क्या विश्व व करता हो छि विश्व क्या अविः वार्शिव राहा हि वर्कः कुक्र छ याग् लार चार मा॰। 'वादेश विश्वकर्णभविश्वाहा कोमळ्मर्या कुछर खन्नाबाधियकर्णस्विष्ठः' ( )।२ २ ) इंकि व्हारा श्रामिक प्रदेश बार्षे करा श्रामा वाहर गृहामि अकिर्मन रेखनी हरमने 'मक्ररमामग्रह कार जवाहर करवानि' (४१५.२:२) देखि खंग्छ।। शृष्ट्रांछि। विकास विकास विकास कार्या कार् क्रज़ीं निष्म खाबार खानानीमाः शहनर नकामितिहेका हान्तम खाबामार महामाना का भषामीनार श्रागामधः भूषे। छर्वाच्छार्यः। श्रकाका देखि भक्षमीभएक श्रकारका। नामा-लाटकछाः जकामार श्रामान गृह्यामि मचमगान्क त्यामी छ खान छ छ मून भारनन मर्साः खर्णा यद्या छन् खु डार्वः। (का० ১१ ७ ८) त्याकश्री पिक्तियाण्यापशापशापशाप। जाजरमो यकिनकानावाज्ञामधाद जिस व्यवमाङ्गानगाञ्च लाकः श्ना छन्यमाङ खानार जाकर-शृतिकाकिमञ्जनः। का व्यामाकि स्मामाकामाकामाञ्चनिष्यमानः व्याद्धा पर्वनिष्ठि स्वाद्धाः। 'মধ্যে পুরীবং নিবপভি পুর্ববং' (কা০ ১৭।৬।৯ )। খরমাভ্রোপরীজং বিখেভি মন্ত্রেপ भृरक्षि । जिस बहः क्षेत्री काकाः भूत्रमुक्षपार ( ज->२ क० स्वास्ट स्क ) । स्प ।

> শী মনাহী ধরক্ততে বেদদীপে মনোছরে। পুক্তরাম্যাদি চিত্তাকো রামেন্দ্রণার উরিতঃ ট ১৩ ট

## यकुटर्सिन-मश्वि।।

#### [শুক্লযজুর্বেদ — বাজদনেয়িদং হিতা।]

#### **ठ कुर्मिटमाञ्**शाहाः।

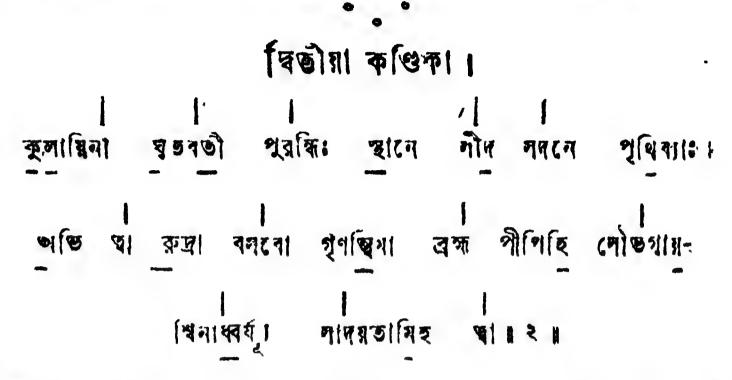
#### खानमा किखना।

ক্রনিক তিপ্র নির্ফোনি ক্রনং গোনিমানীদ দাধুয়া।

না কেছং প্রাথাণ জুবাণাবিনাধ্বর্গু দাদয়তামিহ ছা। ১॥

ত্তি বিষ্ণাৰ প্ৰথম চিভিক্তা সা ভূলোকরপা। 'ভারং বৈ লোকঃ প্রথম চিভিঃ' ইভি (৮২ ১০) ক্রতে । চতুর্দশেৎগায়ে ভিতীয়ালিচিভিত্তয়ং সক্ষান্তে ভূমেণ রাজ্বমন্তরিকালকাগ্রাপা ছিতীয়া চিভিঃ। 'এতাং বিতীয়ালিচিভিত্তয়ং সক্ষান্তে ভূমেণ রাজ্বমন্তরিকালকাগ্রাপা ছিতীয়া চিভিঃ। 'এতাং বিতীয়ার' চিভিমণশুন্ যদুর্জ্বং প্রবিষা অক্ষাচীনমন্তরিকাভেগামের লোকঃ' ইভি (৮২০০২) শ্রুতেঃ! দেবৈর্বিমেটি প্রার্থিতে যাল্লাং ভিবরেল ভঙা বিতীয়াং চিভিম্পণভ্যতি ভালাম্কং চিভ্যুপনানে কিমান্তরাঃ কলমিতি দেবৈক্তাং যুবাং চিভ্যুপনানে দেবানামধ্বগ্রেয়া ভবিষ্ণধ ইভি ভভজাভাগে বিতীয়া চিভিক্রণহিতেভি শ্রুত্যা ভেহখিনাগ্রুবিভাগিকারালেং (৮০২০০০)। ভত্তালে পঞাবিত্ত ইউকাঃ। বিতীয়চিভিমন্ত্রা দেবদেবত্যাঃ। (কালাস্বাহাত 'অধিনীর্জ্বভিরিভি প্রতিমন্ত্রং'। পঞ্চভিক্রাভিরাভিরাভিনিক্তাইউকা বেভঃলিখেলায়াম্পদধাভি প্রতীইকং নিত্যে ইভি ক্তার্থিঃ। পঞাবিনী দেবভায় প্রথমা বিরাই চভল্লিইভা বন্ধ্রভাঃ। অধিনাধ্বযুর্গ ইভাবি যজুঃ। আলিভ্যাভার্যি ত্রিছুবেকানিকা পানানিয়্লাৎ। হে ইউকে! যভ্যং গ্রুবা ছিরালি অভা গ্রুবাং ছিরং যোনিং ছানং বেভঃলিখেলালক্ষণমানীদ অধিভিতিশ্ব ক্রীমুলং সাধ্যা লাধুং শ্রেষ্ঠং 'ক্রণাং ক্লুক্' ইভানো যাছেলঃ। কীমুলী ছং। প্রবিক্লিভিঃ শ্রুবা

चित्रा क्षिजिनिशास्त्र । अना जिन्ना त्यामिः कात्र । या। ज्या जिन्नात्रः अविश्वाद्यः अवस्थित क्षिण्या क्षण्या क्षिण्या क



হে ইউকে! পৃথিব্যাঃ সদলে প্রথমচিতিরণে স্থানে স্থেরণে হং সীদ ডিঠ।
পূলিবী বৈ প্রথম চিতিন্ত লৈ বেজনে সীদ দদনে ইতি (৮২।১০) শ্রুলারা। রেভঃদিখেলারামিউকোপচিতা গা গৃহাকারা ভবাত। 'কুলারমিব বৈ বিভীয়া চিতিঃ' ইতি
(৮২)০) শুলেওঃ। অনু সাদৃশার্থে ইনিঃ। তথা ঘুলবতী হোজ্ঞমাণজ্মেতা বলোদ্ধারা
ফ্র হোল্লেওঃ। পুরন্ধিঃ পুরং বহু ইঠকাজাতং দ্যাতীতি পুরু বহুণা ধীয়তে স্থাপ্ত ইতি
বা। কিঞ্চ রুলা ব্যবশ্চোপল্কাণং। দকে দেশঃ দা দার্মভিগ্রস্ত বস্তু। কিঞ্চ পৌত্যায়
শুর্ঘায় ইমা ইমানি ব্রন্ধ ব্রন্ধাপে মন্ত্রাম্ পীপিহি দ্যালারঃ। ব্রন্ধেতি প্রণাদিঃ। 'বিহুলং ছুলাল' ইতি (পা০ ২ ৪।৭৬) দ্যাঃ প্রাণ্ডিং। 'বহুলং ছুলাল' ইতি (পা০ ২ ৪।৭৬) দ্যাঃ প্রাণ্ডিং। ভ্রেলিঙ প্রণাদিঃ। বিহুলং ছুলালি ইতি (পা০ ৬)১।৭)
বিহুণ কুলালীনাং দীর্ঘাহভাগেন্ত ইতি (পা০ ৬)১।৭) দ্যালাদীর্ঘা। ভ্রন্থিকারাদ্ধিন প্রবিশ্ব। (১৪ল্—২ক্)।

ज्हों। कि छ ।

देशक देशक कि लिख्य भीन कि ताराम स्टार इट्ड त्राप्त ।

शिर् हरेनि स्रान का स्टान शिर्म क्या निर्मिशः

विभाषत् श्री भागत् हानि स्रा ।

(स १६८म ! एवि एको प्राचिश हिल्लो नीन किई रेचर्न्य नीर्वाः नावर्रवाः नव । क्ष्मण्यास्त्र वीर्वाः । 'एक नीर्वाः नव नीर्वः नव नीर्वः । 'एक नीर्वाः नव नीर्वः । किन्न्यः प्राच्याः । किन्न्यः प्राच्याः । किन्न्यः प्राच्याः । विश्वः । विश्वः । विश्वः । विश्वः प्राच्याः प्राच्याः प्राच्याः प्राच्याः प्राच्याः प्राच्याः प्राच्याः । व्यव्याः प्राच्याः प्राच्याः प्राचः प्राच्याः प्राच्याः । व्यवः प्राच्याः प्राच्याः प्राच्याः प्राच्याः प्राच्याः । व्यवः प्राच्याः प्राच्याः प्राच्याः प्राच्याः प्राच्याः । व्यवः प्राच्याः प्राच्याः प्राच्याः प्राच्याः । व्यवः । व्यव

চ্ছুৰ্থী কণ্ডিক।

বিষয়ঃ পুরীবয়সংস্পা নাম ভাং আ বিখে অভিগ্ৰস্ত দেবাঃ।

ব্যোমপূর্ব্য ঘ্রুবভীত দীদ প্রজাবদক্ষে জ্বিণায়জ্বা-

সাদয়তামিত ভা। ৪॥

विना भवर्ग्।

दि हेडेटक ! षर शृथियाः श्रथमित्छः भूतीयर भूतकः वस्ति। शृथिये देव श्रथमाः दिख्या अवरभूतीयित वस्विवीता हेडि (मरा०१)। श्राप्तः। शृथिये देव श्रथमाः दिख्या अवरभूतीयित वस्विवीता हेडि (मरा०१)। श्राप्तः। श्रथमां भूति भूतिया विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या व्या विद्या विद्

#### शक्ती किला।

ख्विछाखा शृद्धं नामद्यायाखित्रक्षक वर्ती विदेखनोर निमायिनकोर जूनवानाम्।

विदेखित्र (अ) जनायिन विचककी छ विदित्र विनाध्यम्। नामद्रशायिक छ। ।

हि हैहेरक। जिल्हाः अवमिक्छित्रभाषाः श्विगाः शृष्ठे छेनति हा पार नामश्रामिक्षान्ताना क्षिण्याम् । क्षिण्यार प्रशिक्षण प्रतानिक्षण पर्जार पात्रिक्षोर। क्षिणार शृक्षानीनार विदेशकोः नरख्यनकर्वीर प्रनानार क्षृष्ठजाशानामिश्वीर वाभिनोर। क्षिण प्रमणार ज्ञाल्या त्रन छात्रान तनक्षणः कर्षानक्ष्मण। विचक्षा श्रामणिकर्ष कर व्याप्त कर्षानक्ष्मण। विचक्षा श्रामणिकर्ष कर व्याप्त कर्षा। छर प्रामणिकर्षा विद्यानक्ष्मण। विचक्षा श्रामणिकर्षा कर व्याप्त करा विचक्षा श्रामणिकर्षा कर व्याप्त विचक्षा विचक्षा

#### वर्षी काश्वका।

শুক্রণত শুচিণত গ্রেমারত অগ্রেরজঃরোধনি করেচাং ভাষাপৃথিবী

ক্ষুপ্তামাণ ওবংরঃ ক্ষুপ্তামারয়ঃ প্রথম বৈদ্যাল সন্তরঃ।

বে অর্বঃ সমনলোহস্তরা ভাষাপৃথিবী ইমে। গ্রেমারত্

(আ০ ১৭-৮।১৬), 'প্রক্রণ প্রতিশেচ্ছাতব্যে প্রবিদ্ধারণারি'। প্রথমির ভিনম্বানিক পরি'। প্রথমির ভারতিলে প্রতিশেষ্ট্র প্রতিশ্বনিক প্রত

#### मखभी किछक।।

वस्ता कृष्टिः नकृष्टिशाणिः नकृष्टितः वकृष्टित्वानादेषत्रवाता

বৈশ্বানরায়াশ্বনাধ্বর্ষ নাদয়ভানিত পা

শজ্পত্তি: শজ্বিণাভি: শজ্বিস্ভি: শজ্দিবৈবিয়োণাধৈর ধ্রে

ছা বৈখানরাগাখিমাধ্বর্গু লাদয়ভামিত ছা

নজুর্পাতৃভিঃ সজুর্বিগাভিঃ সজু রুট্রেঃ সজুর্দেবৈবিয়োনাশৈরপ্নয়ে

ছা বৈশ্বানরায়াশ্বিনাধ্বর্গু। শাদয়তামিহ **ছা** 

मक्ष्यां ज्रांकः मञ्जू विवंगांकः मञ्जू । विदेशः मञ्जू । किरोधाः मञ्जू । विवंशाः ।

क्। देवभानेद्राधाभिगास्तर्गः मामग्रङागिङ् छ।

वक्षा कृषिः वक्ष्मित्रिमाणिः गम् सिर्देश्यान्तरमः गम् एक्टिन्दिशागारेयत्रयस्य छ।

दिचानताश्चाचिनाध्यम भागभकः भिष्ट छ।। १॥

 ষুসুজ্ভিঃ লজঃ জোনণং জুট প্রতিঃ 'কুনী প্রতিলেননয়ে' সম্প্রাদিষ্টারে কিশ্ ।

লমানা জুঃ প্রতিশিক্ষাঃ লা লজঃ 'সমান্ত জ্পত্যুদ্ধ—' ইতি (পা॰ ৬ ৬৮৬) সমানত লালেশঃ। বল্জালিভিয়া হং প্রতিমনী। তথানিশভিং যা হং সজঃ অসি বিল্পতি স্থাজালিভিয়া হং প্রতিমনী। তথানিশভিং যা হং সজঃ অসি বিল্পতি স্থাজালিভিয়া গাণজালিঃ লালেশঃ লালেশঃ বাজালিভিয়া সাণজালিঃ প্রতিলিভিয়া করি কালেশিঃ বিলালিভিয়া সজঃ ভাগালা বালেশি নহাল বালেশি নহাল তে লালেশঃ প্রতিলিভিয়ালি

জ্ঞানি কিংব্রক।।

প্রাণং গে পাহ্যপানং মে পাহি বাানং মে পাহি

চক্ষ্ম উর্না বিভাহি শ্রোক্রং মে শ্লোকয়। দ্বশঃ শিষোবণী জ্ঞিব

(কা০ ১৭।৮২০) প্রাণভূচঃ প্রাণং ম ইতি পঞ্চমজুর্ভিঃ প্রাণভূৎদংজ্ব ইইনাঃ প্রাণিষ্পদণভি। পঞ্চ নায়ুদেশতানি যজুংবি। প্রাণো নৈ বায়ুর্বায়ুদেশালিলেতদ্বণাতীতি (৮২৩২) ফ্রান্ডে:। হে ইইকে! ছং মে মম প্রাণং প্রাণর্জণ নায়ুং পাহি পালম্ব। জবমপানং মম পাহি। বানং নায়ুং চ মে মম পাহি। উর্ব্যা নিজীর্বা দুগা মে চক্ষুর্বিভাছি বিশেষের প্রকালম । দর্শনিবমর্থং কুর্বিভারি:। মম প্রোত্তং কর্বেলিয়ং প্রোক্তম দত্তাতে দত্তং ক্রে। 'শ্লোক সভ্যাতে' (গাহু০ ৪০০) বছলক্ষ্রন্থসমর্থং কুর্বিভারি:। (কা০ ১৭৮২১) ক্রেণ্ডা প্রভারণ প্রাণ্ডাই। পঞ্চমন্ত্রেরপজানংক্তা ইউকা উপদণাতি। জ্বেন্ত্যানি পঞ্চ যজুংবি। হেই ইউকে, স্বমণো জ্বানি পিছ দিঞ্চ। পিষ্ডি: বেচনার্বঃ। ওদ্দীর্জিল্ল প্রীণর। ক্রিছিটি ক্র্যা। বিভারজ্ব ক্রীরমন্ব রক্ষ। চত্ত্বাং পশ্লেরীরং পাহি পালয়। বিশোক্ষাক্রিক্রা বিভারজ্বনির্বার্গ বিশাক্ষাক্রিক্রার্গ বিশাক্রাক্রার্গ বিশাক্রাক্রার্গ বিশাক্রাক্রার্গ বিশাক্রাক্রার্গ বিশাক্রাক্রাক্রার্গ বিশাক্রাক্রাক্রার্গ বিশাক্রাক্রাক্রার্গ বিশাক্রাক্রাক্রার্গ বিশাক্রাক্রাক্রার্গ বিশাক্রাক্রাক্রার্গ বিশাক্রাক্রার্গ বিশাক্রাক্রাক্রার্গ বিশাক্রাক্রাক্রার্গ বিশাক্রাক্রাক্রার্গ বিশাক্রাক্রাক্রার্গ বিশাক্রাক্রাক্রার্গ বিশাক্রাক্রাক্রার্গ বিশাক্রাক্রাক্রার্গ বিশাক্রাক্রাক্রাক্রার্গ বিশাক্রাক্রার্গ বিশাক্রাক্রাক্রার্গ বিশাক্রাক্রার্গ বিশাক্রাক্রার্গ বিশাক্রাক্রার্গ বিশাক্রাক্রার্গ বিশাক্রাক্রার্গ বিশাক্রার্গ বিশাক্রার্গ বিশাক্রার্গ বিশাক্রার্গ বিশাক্রার্গ বিশাক্র বিশাক্রাক্রার্গ বিশাক্রার্গ বিশাক্র বিশাক্রার্গ বিশাক্র বিশাক্রার্গ বিশাক্রার্গ

#### वकूरकान-गश्चिषा।।

#### नग्भी किश्वा।

বৃদ্ধি বয়ঃ প্রজাণভিদ্দেশঃ করে বয়ে সম্বাদ দ্বেশা।
বিষ্ঠিছো বয়েছিবিপভিদ্দেশ। বিশ্বকর্মা বয়ঃ পরমেন্তী দ্বেশা
বিষ্ণা বয়ে বিষলং দ্বেশা বৃদ্ধিক্রিয়া বিশালং দ্বন্ধঃ
শুকুরে বয়ভ্রেং দ্বেশা ব্যাছো বয়ে।হ্যায়ন্তিং দ্বন্ধঃ
শিশ্বে বয়দ্ভাদেশ পূর্তিশাত্রের রহতী দ্বন্ধঃ
ভিক্লা বয়ঃ করুণ্ড্রন্ধং প্রব্রু বয়ঃ শতোর্ভ্তী ভ্রন্ধঃ। ১ য়

'वत्रकाः नक नकान्कारसम् मुद्धा वय देखि व्यक्तियसः हरूतः भूतसार' (का॰ ১१ ৮।२२)। किर्निष्ठ निष्ठ निष्ठ निष्ठ निष्ठ निष्ठ निष्ठ निष्ठ विष्ठ विष्ठ विष्ठ निष्ठ नि (कार्गिवश्विभिदेखिति । व्यः। এ कार्गिनिश्व । कार्याक्ष्य विकारिक । विषय विकारिक । विषय विकारिक । विषय विकारिक मदेखकें गर्थका इंडेकाः। व्यव व्यञ्चाकः निमागः। भूता शृहेव छः व्यवागर्धिका। व्यवाप्तिमाक्नापाद म्हाः भनवम्ह्रकात्रामाञ्चात्र नित्रशंकन्। ७७। श्रेषार्भाष्ठत्रां गात्रकारिक्ट्रकात्रभः चौकुंछा পঞ্ नव'क्रना। ভত परमा नष्म । कान् भणूनारय स्वर्गात्म महाः। 'श्रेषा श्रीक खार प्रमेष धिवकामरण्डमार्थ्या ज्वा जान्गावजो हत्मा ज्वा वत्रगावार' ( ५।२.०३ ) देखि अध्यक्ष । प्रवासि ह्यू चित्रीष्टः शकानर उत्रेश नम्रवादभकः गरमकी क्रमः निम्न ह्या । वृद्धाक्य वानः व्यवा-পভিদ্দো গারত্রীর পো ভূষা বয়:। বিভক্তিবাত্যয়:। বয়লা ক্লমা পশুনার্থানিতি শেষঃ। खळा भार चाबिष्ठेरक छे भवश्योशिक मर्काळ (लयः। कारमम मरम् । कालाम सम्बन्ध विकास सम्बन्ध विकास के सिर्फो। 'अषानि दिसे मुक्का न रामाक्छ रद अषा गिष्ठ मह न है छि अषा गिष्ठ देव व हत्माक्छ रद' ( ७.२।०-১ ) हेचि व्य (७३। व्यक्ताविष्ठ हेकि कवार जाषुनर वक्ष महीत्रावदा व्यक्तानिष्ठ व्यक्त वस्र ख्रवः वशामीक मम्ममनिक्रकः हत्माव्ययः। कटाः यम् वेकि ख्राणीकर्षं क्रवार्ण वर्षार्-अस्यप्रमार क्य देखि। यहा 'व्यानक्षिर ख्यान्यमनिक्रास्ता देन क्षणानिकः क्षणानिक्रियं ह्राक्षिक्ष ( मार्गिक ३३ ) हे कि स्म एवं। अधिमारिक अधिकर भागकः विद्वेशका अभेर-क्षणाणील विश्वेषः विष्यः अवागिकः वम्रस्थरम् वद्याव्यक्षावान् क्षणणाण्यनः रेन विष्यः न यहार्थ्यप्रिमिक्न देखि अवागिकिना विषयि अवागिकिता विषयि ७१९' (७।२०।२१) हेडि व्यंकः। भन्नद्व भरत रिकंते वि भन्नद्वी विश्वकृती

खाना जिस्त मण्ड मण्डा छ नर । 'खाना जिस्त नियम्पा न त्रा १ छ वर ने प्राप्त हिना है छ। ली रैन প্রজাপতিঃ পরমেষ্ঠী ভা ছি ∙পরমে ছানে তিঠন্তি প্রজাপভিরেন পরমেষ্ঠী ছম্পোইভবং ( ।।।।०।>० ) देखि स्पर्छः । अन्र स्विध्यक्षः (यो यान्यव्यानिष्ठाष्ट्रायव्यः स्ववानिष्ठर्गाव्यो-क्रनः পরিক্লিভঃ। তথা চাষ্ট্রণংখাপেভয়াৎদর্কজ্লঃপ্রকৃভিভূতং গায়ত্রীছমে। ভূলা वक्रमा । कृ जी था श्रा व्या विकाश विकाश विकाश विकाश विकाश कर विकाश এতানি চম্বার ব্যাত লি চম্বার ছন্দাত কি ভদ্রাৰ্ত্তাকরা গায়টোষা বৈ লা গায়তী যা ভতুষা প্রজাপভিরেভান্পশৃষয়দাপ্রের (৮।২।১।১৪) ইতি শ্রুডেঃ। বস্তঃ অজঃ। বিভাগ্রৈকবচন্ত্র পুলাং বি'ত পুলাদেশঃ। বয় ইতি ভূতীয়ালুক্। বিবলং বরষুৎক্রষ্টং ছন্দঃ এক পদাধ্যং ছন্দের कृत्वारकास्तर वस्तर लक्षः वस्त्रा उच्चर्या ग्रह्मा ख्वारः। এवभुख्यमञ्ज्ञास्त्र विख् ख्रिनिन्नित्रागर কুত্র। ভত্তজ্বোর প্রাস্থায় প্রজাপতি ওও বয়দা তং তং পশুং গৃহীত বানিতি যোজাং। বিশেবজ नकारक। 'नएका यह देकि नकार नग्रमार्थाचिनमा हम्म देखाक नमा दिनमा हम्म अक्रमा ह जुदाका ऐक क्रम्:' ( । । । । ४ ) इंजि अं कि:। निमाल विश्वाशिक क्रिका ज्वा वृक्षि গেচনদার্থং মেসং সমুসা জাত্রাহ। বিংফাং সমুদাপ্রোবিশালং ছন্দঃ ইভি বিশ্ব। বৈ বিশালং हिला विभाग व क्वा या ऐक क्यू:' कार्क ( काराश्वार ) व्यादाः । ख्यार अह विकाह स्मा कृत्वाद्यभाष्यः भूक्रवः लखः वग्रमारक्षाद । 'भूक्रवः वग्रमार्शाख्याः हम्म हेखि भक्ष्किरेस खस्र इन्पः भढ्किर्र कृषा भूक्ष उक्तकाः देक कार्यः देख (४२ 8 ०) कार्यः। **स्माध्र**ेश विद्राविक्र स्मा कृष्वारकाखर नाविर भक्त नम्रार्थित होर। 'नावर नम्रार्थाननाश्वर क्रम देखि नितांक वा ছলে। ২য়৽ বৈ বিরাজয়মনাধ্রষ্টং বিরাজ্ভুই। ব্যাহ্রা উচ্চ ,' (৮ বার ৪।৮)। ছাদয়ভীভি ছদিরভি-क्रकाहत्मा जुर्द्वादका छर भिरवर भिष्कर नव्या श्राणीय। 'निर्वर नव्या श्रीकृषिक्ष विकासिक्ष विकासिक्ष বৈ ছিলিশ্ছাদঃ লা তি লঠালি ছাদাখ লি ছাদয়ভাভিচ্ছাদা হ ভুৱা সিংহা উচ্চং' ইভি 'অখাভো निक्रक्षात्मर भम् ब्रक्तकानि इन्तार्य्याभवर्षाक देखि खंदकः म्मद्रीनि इन्तार्णि वर्षाठारणा পর্চে পৃষ্ঠ ছালে বহতীতি পর্চবাট পর্কবর্ষঃ পশুঃ বৃহতী ছন্দো ভূষোৎক্রেন্তং পর্চবাহং পশুং বয়ণাতাতীৰ। 'পৰ্চবাহং বয়ণাথোদ্বহতীঞ্জ ইতি বহতী হ ভূহা পৰ্চবাহ উচ্চত' ইভি। উক্ষা গেচনসমর্ব: পশুঃ। আগতাবস্তাকরো পাগে মণাগো ধাদশাকর: লা করুণ করুপ্ছদে। ভূষোৎ-ক্রান্তমুক্তানং পশুং বয়দাগ্রহীৰ। 'উক্ষানং বয়দাপ্লেণ্ডককুপ্ছন্দ ইভি ক্রুব্ভুছোক্ষান উচ্চ॰' हे छ। दुमछः (महनमगर्यार्गप्यान्। यामयाकात्रियामा मर्छाद्वर्शे मा कृर्यारकास्य्यस् বয়পাগ্রহীৎ। ধাষভাং বয়পাগ্নোংশভোৱহ হাছন্দ ইভি সভোৱহতী ভূপর্যভা উচ্চত' ইভি । ১ ।

मभागी किछिका।

व्य । ज्या व्या । अक्षिक्ष्य व्या । अक्षित्र । व्या विषय । व्या विषय । व्या विषय । व्या विषय ।

निकानाष्ट्रवा विवाहे छन्नः शकाविकाद्या गात्रवी

#### ्। इम्बिन्द्रमा नम् दिक्क इम्बर्गानाज्दस्थिषु

#### ह्रात्मा (नाकः छ। हेस्यम् ॥ >०॥

अनः मक्टर नश्कीकामण्यान्नतीनर्भः शक्षिक्षामा कृष्यारकाखगनण्यादर शक्ष वंब्रमा अरोर। व्यमप्रावः नकः वव्रमा अरोर। व्याप् नारः वव्रमा शारमह किम्हम देखि भेक कि ज्ञान क कि ' ( ५ २ 8 २ - २० ) (भक् नर व्यक्ष मर्गा भी: ज्यक्ष क्रामा क्राचारकास्या (मक्र वन्नवाशकोर। '(मक्र वन्नवाश्राक्कनको क्रम देखि वन्नि च ज्वा (यमव ७००॰' होंछ। वक्षानाञ्चेकः कालाश्वः किल्लाह्वरहार्भ खाविः ज्रहोपण-মাদঃ পশুঃ তি ষুপ্ছদে। ভূষোৎক্রাশুং তাবিং পশুং বয়সাগ্রহীৎ তাবিং পশুং বয়সাগ্রহীৎ। 'আবিং বয়লাপ্লোজিষ্প ছন্দ ইভি তিষ্ঠুন্ হ ভূৱা তায়ন উচ্চ-' ইভি। 'দোহৰখণ্নে' किन्शकाभः। দিভিং পঞ্নমইভি দিভাং শাসাং বহুতি দিভাশাট্। যথা বিশর্ম: পশুর্দিভাশাট্ वित्रावृद्धाना कृष्या दकाखर विकास र शक्षर यम्ना शरीर। 'विकास र यम्ना स्त्रावित्रावृ हम्म ইব্রি বিরাড ভূষা দিভাগাহ উচ্চত' ইভি। পঞ্জাগ্রো যক্ত লঃ লাইছবিবর্ধ: পশুঃ গায়ত্রী ভূষে। কোন্তং পঞ্চাবিং পশুগতাগীৎ। পঞ্চাবিং বয়দাপ্লে। গোষাত্রী ছন্দ ইজি গায়ত্রী ছ ভূষা भकाषत्र ऐक्ठ•' हेडि। जिन्दमः जात्रा न्दमाः न्दमताः यश्र मः जिन्दमः भक्षः ऐकिक् हरमा कृष्यारकान्छः जिन्दनः क्यारा 'जिन्दगर नग्नाथाक्षिक् हम हेक्षासिक कृषा खिनरना फेक - ' देखि। जूर्या नाएँ जूर्याः ठजूर्यः वर्षः वर्षः वर्षा ठजूर्वर्यः भक्तः जम्रूष्ट्रभा कृरबादकाखः पूर्यावादर भखः श्रवाणिकित्रमाश्रदीर। 'जूर्गानाद्र नम्नार्थापम्के न् हमा ইভালষ্ট্র হ ভূষা ভূর্যাবাহ ভচ্চ ক্রমু: (৮।২।৪।১৫) ইতি শ্রুতে:। এবং শ্রুতামুলারের मञ्जा वााचारणः। 'मिक्किनट्यारनद्रांव (लाकन्न्न्नाः भूक्तेन्र' (का- ১१४-२८)। प्रक्रिन-ভ্রোণিমারভা লোফম্পুণা উপদশভি (১২ ৫৪ ৫৫।৫৬) পুরীষ্নির্বাণঃ দপুষ্ঠোণস্থানং '८५ छ खार्थ: । देख विखीमा हिछि: मण्युर्गा। (७८८ - > क )।

#### खकाननी किछका।

हेखाशी **ज्या**णमागामिष्टेकार पृथ्वङः प्रम्य ।

পুঠেন জাবাপ্থিবী আন্তরিকাং চ বিবাণলে । ১১।

ष्ण छ्छीता हिन्छः। डेलाघी निषकर्षा ह छनातानाम्निः। 'छ्छीतात्राध्यान्य विश्वादी निष्णां हिन्द्र । 'छ्छीतात्राध्यान्य विश्वादी हिन्द्र मर्गा (का २१ ४।२८)। छ्छीयात्रार हिन्द्रानात्रात्रा गर्गा स्वर्गाण्याम् विश्वादी हिन्द्र हिन्द्राचित्र हिन्द्र हिन्द्र स्वर्गाण्याः । ए हेलाप्ती, यूनर सूनाम्ने

200

#### षावन किका।

বিশ্বকর্মা দ্বা লালগ্রগুরিক্ষপ্ত পূর্চে ব্যচমতীং প্রবন্ধতীমন্তরিক্ষণ

বচ্ছান্তরিকং দৃশ্হান্তরিকং মা হিশ্লীঃ।

विषदेण व्यागामानाम जानादमानाम व्यक्तिंदम हिन्न हिन्न म

বায়ুই।ভিপাত মহা অন্ত্যা ছর্দিবা শস্তমেন ভয়া দেবত গ্রাজির কলুবা দীল । ১২ ।

বার্দেবতাং বিক্তভিচ্নেরং যজুঃ স্থয়মাত্রোণগানে এব বিনিষ্কেং। ছে স্থমাতৃরেঃ
বিশ্বকর্মা প্রজাণতিরন্তরিক্ষণ্ড পৃষ্টে উপরি বা বাং শাদয়ভু স্থাপয়ুজু। কিন্তুলাং বাং।
বাচন্ত্রীমভিব্যক্তিমুক্তাং প্রথমতীং প্রথমং প্রথম বিদ্যারন্তর্গকাং। তেইটকে, স্থমন্তরিক্ষণ
বচ্ছ গল্পপ্রাণালধারকত্য়া নিয়ময়ঃ। অন্তরিকং বৃহত্ব পরোপদ্রশাভাবেন দৃঢ়ীকুরু।
তদভারিক্ষং মা হিংলীঃ। কিমর্বং। বিশ্ববৈদ্য প্রথমি প্রথমি বাণাশানব্যানোগানাখ্যবায়ুর্ভিলাভায়
প্রতিষ্ঠারে স্বগৃহন্তিরিতা চরিজার লাস্ত্রীয়াচরণার। প্রাণিনামেতৎপর্কাং লোক্রাভ্রোভায়
ভবতীতি নভোনিয়মমানি প্রার্থতি ইভি ভাবঃ। কিঞ্চ মহা মহত্যা স্বত্যা বোগক্ষেমসম্পত্যা
লভ্রমেনাভিক্তভ্রারিণা ছার্দ্রিরা ভেজাবিলেখেণ চ ক্রবা বায়ঃ স্থা মাহত্যা স্বত্যা রক্ষভুর্
ভবাবিষ্ঠানী যা দেবতা ভয়া দেবভয়ায়গৃহীতা প্রবা স্থিরা স্কী শীংলাপণিশ। অন্তির্মণ্ড,
আক্রিরণাং চয়নামুষ্ঠানে যথা স্বং প্রবা স্থিতা তবং য় (১৪ল—১২ক) য়

#### खरमाननी किछका।

রাজ্ঞানি প্রান্ত দির রাড্নি দাফণা দিক্সমাড্নি প্রছাটী

बिक्षत्राज्यानीही विगविश्वानिश्रहों विश्व । ३०१

'অন্কের পঞ্চ দিশ্র। বৈশ্বদেবীবদ্ধাঞ্জালীতি প্রতিষয়ং' (কা০ ১৭৮০২৬)। বৈশ্বদেবীবদিছি প্রতিদিশং বেতঃলিফেলায়ামন্কের পঞ্চ দিশুলাংজ্ঞকা ইইকা উপদধাতি পঞ্মীং দক্ষিণামৃত্বেশৈতি প্রোর্থঃ। দিক্দকোপেত্যামান্তালাং দিশুল ইউকাঃ। দিগ্দেবর্ত্তানি পঞ্চ যঞ্ছাবি,
হৈ ইইকে, তাং রাজ্ঞী রাজ্মানা গতী প্রাচী দিক্ পূর্বা দিগ্ভবাল গায়্র রুপাল। বিরাট্
বিবিধং রাজ্মানা দক্ষিণা দিক্ আল ত্রিষ্টুব্রেণাল। শ্রাট্ স্মাগ্রাজ্মানা প্রভীচী দিক্
অগত্যাল। স্বরাট্ পরনিরপেক্ষং স্বর্ষেব রাজ্মানা লভী উনীচী দিগকুষ্টুবল। অধিকং
পাতীতাধিপত্নী বৃহতী প্রোট্রের্রা দিক্ পঙ্কিরেলি। দিক্ছকোর্রাণাং তাং আং লাদ্যামীতি
সক্ষরে লেবঃ। 'ছক্লাত্লি বৈ দিশো গায়্রী বৈ প্রাচী দিক্ ত্রিষ্টুক্কিণা জগতী প্রতীচাত্মইলু
বুদীচী পঙ্কিরর্জে ড' (৮০০১১৪) শ্রুতেঃ ॥ (১৪৭—১০ক) ॥

#### क्ट्रक्रमी क खका।

বিশ্বকর্মা তা দাদর্বস্থারক্ষণ্ঠ প্রেচ জ্যোভিস্থতীম্ ।

বিশ্বক্ষৈ প্রাণায়াশানার বাহানায় বিশ্বং জ্যোভিস্যান্ত !

বায়ুংইছদিশভিস্তরা দেবভয়াক্ষিরক্ষদ্ধেশ দীদ্ধ ১৪ ॥

'বিশ্বক্তে বিশ্বজ্ঞাভিষয়ুপরি পূর্বকে:' (কা০ ১৭।১।৩) প্রথমাপহিভারা বিশ্বজ্যোভিষ উপরি বিশ্বজ্যোভিষমিষ্টকামুপদশাভি। কার্দেকতা: শক্তরীচ্ছলম্বং সজুঃ। তে ইইকে, জ্যোভিমভীং কার্রপাণ দাং নিশক্তরাস্তরিক্ষত্ত পুঠে দাং দাদর্ভু। 'শস্তরিক্ষত্ত পূঠে হাং লোভিমান কার্য়' (৮।৩।২৩) ইতি শ্রুড়ো কিন্দু কর্মপ্রাণাদিলাভার দং দ্বিং জ্যোভিষ্যান্ কার্য়' (৮।৩।২৩) ইতি শ্রুড়ো ক্রিক্ট কর্মপ্রাণাদিলাভার দং দ্বিং জ্যোভিষ্যান্ত প্রস্তু। কার্য় ভ্রাপিপভিঃ ভরা দেশভরা প্রণা কতী সীল ক্রিক্সাং চিভাবিক। (১৪ল-১৪ক্টা

#### शक्तनी कि छक।

রভদ্চ নভক্ত বার্ষজ্ঞারত অবেরন্তঃ শ্লেষ্ট্রিল কল্পেলাপ্থিবী কল্পন্তামাপ

(वनपत्रः क्लाणामक्षतः प्रथाम देवाकाम् मञ्जाः। त्य व्यापतः नमनत्नार्खता

खानान्विनी हेट्य। वार्षिकाञ्चल् अधिकञ्चनाना हेन्द्रशिन (पना-खिन्दिनिष्ण ख्या (पनक्याकित्वम्ख्यान नीपस्म १०६॥

(কা০ ১৭:১।৪) 'শতবো নদশ্চ নজস্ব শেচ<sup>\*</sup>ঙ' পুর্বার্তিশারোরপরি বে শান্তবো উপদশস্তি। ঋতুদৈবভামুৎক্তভিচ্নেক্ষং যজুঃ। নভঃ প্রাবণঃ নভজে। ভাত্রপদঃ। শেবং ব্যাধান্তিং (১৩বং ২৫ক০)। (১৪অ—১৫ক)।

#### (माष्ट्रणी किखका।

ইবশ্চার্ক্তরণ পারদার্ভ্ অথের স্থান্য শেল করে তার পথিবী করুস্থানাপ ওবধয়: করুস্থান্যয়: পৃথস্থন কৈছিলার সক্তরা:। বে অথ্য: স্থান্তরা ভাগাপুথিবী ইমে। শারদার্ভ্ অভিক্রমানা ইল্ফিন দেশা অভিদংবিশস্ক

(का॰ ১१,৯।৫) 'ইयम्हार्व्वरण्डाभद्र'। ज्ञाभद्र कछत्या भृद्धशाक्रभित्र वशास्त्र । स्वयामूद्कृष्ठियक्र्ः। हेसः ज्ञानिमः উर्व्वः कार्त्विकः भन्नमग्रह्मे। ज्ञितेर तथाक्रिकः (१७ज्ञ० - २०क्र०)। (१८ज्ञ-१७क्)।

#### मल्पनी क ! ७ का ।

আয়ুর্ন্মে পাছি প্রাণং মে পাছনানং মে পাছি ন্যানং মে পাছি
চক্ষুর্ন্মে পাছি শ্রোত্রং মে পাছি বাচং মে পিছ মনো
মে জিলালানং মে পাছি জ্যোভির্মে ফছ । ১৭ ।

(का॰ २१।२०७) 'भूकार्क श्राण्डण ममात्र्य हेण श्राण्यात्रः । जान्नाः भूकणात्रः श्राण्डणान् । जान्य विश्वारः । जान्य । जान्य विश्वारः । जान्य ।

#### विष्ठान निष्ठमा

मा ह्रमः श्रमा ह्रमः श्रिष्ट्रमा हरना विदाह हरना गाम्रकी हमाह्रहेन

#### हरमा खन्डी हमः॥ ॥॥

(काः० ১१ २ ৮) 'हम्तका वामन वामना गारभ्यू मा हम्म' हेन्छ। जानारभ्यू भक्षन्युव्हाजा-आक्रिय जियु चामण चामण क्रमञ्चामरका इंडेका उपम्याजीक श्वार्थः। यहेजिरमञ्च रिय मिरमाखरम् नक्षानि। भौग्रेष्ठ देखि मा भिकम्हामनाष्ट्रास्त्रश्र लाकः। एव देखेरक, प्रः खकाभागि। 'ब्बार देव लाटका मात्रर लाटका मिछ हेव' ( ज्ञाञान ) हेखि खर्डा। ब्यान हिलाक्। देशोग्रेश हे जि क्षेत्रा श्विक हिला कर्म । क्षेत्रिक हिला है व क्षेत्रा श्विक हिला है व स्वाह्माकारसमिन हेर' (जाजार) हेनि स्वाहः। श्रीन्या (चोः मा स्वाह्मा व्यक्तिका। 'जानो देव लाकः व्यक्तिम क्छितिक लाटक व्यक्तिक हरविक' (৮.०।०.८) আনুতেঃ। অস্ত্রীবরঃ অক্ততে কিপাতে ইত্যান্ত অন্তি পতন্নীলং বংয়াহরং যত্মান্তদন্তিবরঃ। बीर्षण्डाममः। व्यञ्जीवशः लाक्खभन्नगः छापनाष्ट्रमण्डक्तगानि। 'यरपयु लाटकश्रमः क्षमञ्जीवात्रात्था वाष्ट्रका (नादक क्ष्णान्त्रण खनकि खनकोनम् (৮।०,०।६) हेकि व्यक्तिः। हैकः म्लाडाट्य हमार्गि गड्कानो अस्था 'अस्य निक्कारग्र इनाए शायां छ (४.७.०१) हेडि खंडि:। डेब्रेटक, পঙ্কা ফিগ্রহতা মুষুণ বিরাত গায়তী তি টুখ্-'इं१ च भ छोष्टरमात्र भागी छार्वः ॥ ( 284-264 ) #

#### बदकानितःणी किश्वना

शृशियो हत्नावस्त्रिकः हत्ना (स्त्रोण्हनः नमाण्हत्मा नम्मखानि हत्ना वाक्हरमा मनण्हनः कृषिण्हत्मा हित्रनार हत्मा (गोण्हर्माणा हत्नाचण्डमः। ) ॥ পুৰিবাাদিদেবভানি যানি ছন্দাংলি ভদ্ৰাণালি। দমাঃ সম্বংসরাঃ স্পষ্ঠমন্ত্র । 'বাছেভাছে-মন্ত্যানি ছন্দার্শ লি ভাসেবৈভত্বপদ্ধভীতি' (৮৩৩৬) ইংভে:॥ (১৪অ—১৯ক)।

# विरिणी कि शिका। जिल्ला कि शिका। जिल्ला वाल्डा प्रवंश (मन्डा हस्त्रमा (मन्डा वन्द्रमा (मन्डा क्रिसा (मन्डा क्रिसा (मन्डा व्ह्रमा (मन्डा व्ह्रमा

ইইকে, স্বায়াদিদেবতাক্সপাদি তামুপদশামীত লবজি লেবঃ। স্বায়াদীনাং দেবভাস্থ প্ৰদিদ্ধ। 'স্মাদিদেবতা বাজে৷ দেবতেতে।ভা বৈ দেবতাস্ভাদাত্দি তাস্তেবৈভঙ্গদশাভীতি, (৮০০৬) শ্ৰুতে:। (১৪ল – ২০ক)।

প্রকবিংশী কাণ্ডক।

মুর্নালি রাড ধ্রণলি ধরুণা ধরালি ধরুণী।

আয়ুবে তা বর্চলে তা কুব্রৈ তা ক্ষেমার তা ৪২১ ৪

(কা০১৭৯।১০-১৩)। 'নালনিল্যাঃ নপ্ত পুরস্তাৎপ্রাণক্ত্যা নাপরা দাদশ্ভোহপরাপ্ত
মুদ্ধানি রাডিভি প্রাভমন্তং' প্রাগতক্তনদ্পরাণভ্তঃ পুরা অপরা না লপ্ত বালনিল্যান্ড দাদশভ্রমন্তা।
উপদশতি মুদ্ধানীভ্যানিলপুমইরঃ। তুর্নিশেবে। অপরাঃ নপ্ত বালনিল্যান্ত দাদশভ্রমন্তা।
ভ্যোহপরা এনোপবেয়াঃ বন্ধ্রীভি লপুমইরঃ। বালমারেণাপি নিলা অভিন্না ইভি বালনিল্যাঃ
প্রাণান্তে চ চভূদ্দিন লপ্ত পুরো হত্তো বাহু শিরো গ্রীনা নাভের্দ্বভাগদের্ভ উর আত্মনী
পানৌ নাভের্দ্বোভাগদেরভি লপ্ত পশ্চাদশোভাগে এভেদ্বের্ প্রাণানাং বিভ্রমন্ত্রাভালন্তা।
নাম' (৮০৩৪)১৪-৫) যথা 'উর্ব্রদ্বোর্লংভিন্নং ভরতি বিল ইভি বৈ ভ্যাচক্ষতে
বালমারোক্তেনে প্রাণা অলংভিন্নান্তে ম্বালমারোদসংভিন্নান্তবালাঃ। ১। লপ্ত বা
ইমে পুরস্তাৎপ্রাণান্তবারি লোক্ষাহ্রাণি ভিরো গ্রীনা বহুদ্ধি মাভেন্তব্যস্ত্রাদ্বন্তাদ্ব

মজেৎকে হি প্রাণা এতে বৈ লপ্ত পশ্চাৎপ্রাণান্তাননিরেভদ্বাভী ভি। । । ইতি প্রার্থঃ ।

বৃদ্ধালি অমুষ্টুপ্ গামত্রী পরোফিক্। ওল্পুরে চতুর্দন মঞ্ছির বালবিল্যাদেশভানি। তে

ইউক্, বং মুদ্ধা মুদ্ধান্তভ্যা রাট্ রাজমানা চালি। তে ইউক্, বং প্রবা হিরা পদ্ধা
ধারণহেতুশ্চালি। তে ইউকে, বং ধর্জী ধারণং কুর্বভী ধরণী ভূমিরূপা চালি। এবমিইকাজরুত্ব ত্রিলোকর পর্য। তত্তকং শ্রুভাা 'মুদ্ধালি রাভিভীমং লোকমরোহন প্রবালি ধরণাভাম্ব ভারেদ্রাক্রেলি বাভিভীমং লোকমরোহন প্রবালি ধরণাভাম্ব ভারেদ্রাক্রেলি বাভিভীমং লোকমরোহন প্রবালি বরু ছার্বিছার্ব হামুপ্রবাহি

হামুপ্রধানি। বর্জনে কান্তার্বং হামুপ্রধানি। কুর্বি শ্রুনিল্পার্বে হা বর্জনে হা কুর্বিছা
কল্পাধিত্বপনরক্ষণার হামুণ। ইইকাচতুইয়ত্ত পদ্ধান্তর্পঃ 'আয়ুবে হা বর্জনে হা কুর্বিছা
ক্রেমায় ছেতি চহারশ্রত্পালাঃ পদ্বঃ' (৮০০৪৮) ইতি শ্রুভো: (১৪জ—২১ক) ॥

#### प्रानिस्मी किखका।

যন্ত্যন্ত্ৰ যমনী ধ্ৰাণি ধ্ৰিতী।

हैर्म (चार्डिंक का बहेगा का ल्याबास का ल्याकर का हैसम्। २२॥

তে ইপ্তকে, যা যথী নিয়মোণেতা রাট্ রাজমানা চাদি। তথা যথী স্থামপি দতী যথনী লাকেবাং নিয়মকারিলানি। জ্রণা ছিরা দতী ধরিত্রী ভূমির দ চাদি। তিত্যাং ত্রিলোকদংভবঃ যথ্রী রাড়িতামুং লোকমরোহন যথ্যদি মমনীতান্তরিক্ষলোকং জ্রণাদি ধরিত্রীতীমং
লোকমিতি (৮০৪০) শুতেঃ। তে ইন্তংক, ইবেইরায় ভামুপদধামি। উর্ভে বলায়
ভামুণ। রবৈয় ধনায় ভামুণ। পোষায় ধনপুট্রা ভামুণ। 'ইবে ভোর্জে ভা রবৈয় ভা পোষায়
ভেতি চভন্তলভূলালাঃ পদবঃ' (৮০৪০) ইতি শ্রুভেন্চভত্যণাং পঞ্জবংধা
ভিত্তরশ্রোণেরবিলোকংপুনাঃ প্রবিবং' (কাণ ১৭০০)। উত্তরশ্রোশেরারভ্য প্রথমচিতিভব্বে লোকংপুনা উপদধাতি। তে গুরীবনির্মাপোপভানে । (১৪জ—২২ক)।

#### खरत्रानिश्नी कि कि का।

আভিত্রিতাতঃ পঞ্চদেশ। ব্যোমা সপ্তদেশ। শক্ষণ এক বিত্য: প্রভূতির **টাদশভাপো** 

नवम्याजीवर्षः णिविष्ट्रमा वर्ष्ठा पाविष्ट्मः मश्चत्रवद्धाविष्ट्रमा

গোনিশ্চতুর্কিত শো গর্ভাঃ পঞ্জিত শ ওজ্ঞালনঃ পাতুরেক ত্রিত শঃ

প্রতিষ্ঠা **অম্বরিত দো** ব্রম্ম বিষ্টপং চতুন্দিত দো

माकः वहेतिल्या विनर्श्वाहेशहवातिल्या

थवार हजूरिशायः॥ २०॥

'উखतार भूक्तर्याताखिखद्विषिक' (का॰ ১१।১०।१)। भूक्यान्काखिविधिखर्याकिकिर्णा-खतरमार्यात्मा ऐखतार बज्यामाळीम्मध्मथ উপमधाजीजि एळार्यः। अणार क्षिकामामशामन যজ্ংবি চতুর্ণাং মৃত্যুমোহিম্মাণধানে বিনিয়োগঃ। প্রতৃতিরিভ্যাদীনাং চতুর্ক্ষণার্ক্ষণজ্ঞোপ-थान विनिष्मार्गः। ८ इष्टेरक, पर जित्र एष्टामक्रणानि मासामात्र्षितिरणवाः एष्टामाः एष्ट्रपाः विष्मयगाकाश्विति । को मृभक्षित् । नाश्वः। 'नम् वारक्षी' नम् र वारक्षां छ मर्सान् (स्थाभानिकााभः। एका भार वामू भनभागीकि मर्सका (भवः। 'स्थामाञ्च भनभाकि श्राना বৈ ভোগা: প্রাণা উ বৈ ব্রহ্ম ব্রহ্মবৈভত্পদধাতীতি'। (৮৪/১৩০) প্রুছেঃ। যথা काणः नायः जित्र जित्र लात्मम् नर्सक हेकि जित्र किन् मर्सकृष्ठनाानकवानाणकाम्य क्तर्गामि। जन् कान्यमारत्न मर्याज नाभागर्छ। छभा किछः भ भूत्रष्ठाक्र्रभमभाष्ठां छ-जिद्विषि य এन जिद्वर स्त्राम स्म् श्रम् शामिक एक एक भावा खिति एक । या नामा निर्देश कर्णी वासूर्य। व्याखितिय न अयु जियु लारक्यू वर्षछ उज्जवमाराखिति छाम वि नर्सिमाः कृषामामानि है। বায়ুई ভূষা পুরস্তাতত্বৌ তদেব ভজ্ঞপমুশদশাতীতি (৮৪.১৯)। 'দক্ষিণাং দক্ষিণয়োডান্তঃ পঞ্চদশ' ( কা॰ ১৭।১০।৯ ) ইভি দক্ষিণানুকান্তবিহিত্রাইকিকিশোন্তরপশ্তরোশ্বধ্যে ভান্ত ইভি মস্ত্রেণ দক্ষিণাং পদ্মাং প্রকাল্যুখ উপদধাতীতি স্ত্রার্থঃ। ভাস্তঃ বজ্লরপো যঃ পঞ্চদশঃ (छामः। यदा छाखण्डातः भक्षतमावानि भूग्रमानदारभक्षमावर क्षेत्रमानदार भक्षपाः। छा কান্তিরেশন্তঃ শ্বরণং যক্ত ভজ্ঞাসি। 'য এব পঞ্জন: জোমন্তং ভত্রপদধান্তি ভক্তমান্ত ভাস্ত देखि गरक्षा देन ভাएछ। नक्षः शक्षनरमाश्र्या हस्रमा देन खासः शक्षनमः म शक्षनमा-काळा भूर्या एक नका भक्ती गर्फ कळाख्या र लाख है कि का कि हि हस्त्र माण्ड स्था मिनि गेंड खर्च छरात क का ग्रामिश किं ( ৮ 815-15- ) ट्रांट छ। 'मिनि गां मुख तर हार स्वामा मक्षमण देखि (का॰ ১१।১.।১०)। উखतान्कास्विविकत्यार्फिक्तिर्गाखत्रभक्षत्यार्था मिकिनाः निवारमिक क्षकाधून উপদ্যাতীতি স্তার্থः। विविधमन्छीकि वार्गा প্রজাপতি: সপ্রদশ: জোম:। সম্বংসরো বা ব্যোমা সপ্রদশ: দাদশমালপঞ্জুরূপলপ্রদশাবয়ব-चारुक्तभाति। य এव मश्रमः (स्थामसः स्वर्भमाणि स्थलमा त्यारमि श्रीमाणि स्थलाभणि स्थ (वागा क्षणानिकः मक्षणान्या मक्षणात्रा वा वागा मक्षणान्य यानाः नक्ष वखक्रकाव (कार्यक (कामा वि मयरमतः मयरमता व कृष्यक्रिकक्षा करमव कक्तन-মুপদধাতীতি' (৮।৪।১।১১) আততেঃ 'দক্ষিণামপর্য্যার্ক্রণ একবিংশ ইভি' (কা০ ১৭।১০.৮)। अभितान्काखिविद्यामिकिर्गाखतरत्रार्थरमा मिक्गार वज्यामाकीर सक्रण देखि मिक्गायूव



खिनम्याजीकि श्वार्थश वक्राणा वात्रकः श्रीकर्षाकृष्ठ अक्रिश्यः (खावः। यदा वक्रन व्यानिष्ठाः न এक्विरवायप्रविष्ठारम् कविरवाः । बावव मानाः नक्ष्वरः खर्या लाका व्याविष्ठा क्षणानम्बाक्षक्रभागि। 'य अदेवकनिश्य खामक्षर कक्ष्मण्याचि कक्षक्रमाच यक्रम वेकि अधिक्षी देव है दिय (जाका जनार्यनाविष्णा बक्रन अक्विश्च खाल बक्रन है जि गर्मा (क्रिन्याविष्णाय) प्रम मश्मर अंत्रक जामिरका। व कृषा शम्हाक्ष्ण करमव ऋभम्शमधाकीकि' ( ৮।১।১।১२ ) व्यटका 'চতুর্দদ প্রভিমন্ত্রং প্রভৃতিরিষ্টাদল ইভি' (কা০ ১৭ ১০।১১)। চভন্র উপধায় চতুর্দদার্দ্ধপদ্ধ। किष्यून के नवनाकि हर्ष्यमिद्धितिकि ऋतार्यः। ज्यकः नतः नवरनतस्त्रान्। नवनाकि। व्यक्ति। ভূর্তিশ্বরা যক্ত ল প্রভূতি: অস্তাদদ: স্থোম:। যথা সম্প্রবর: প্রভূতিরিষ্টাদদাবয়বঃ দাদদ্মাণাঃ भक्छवः मच्द्रवा क्षा । 'य এनाहे। एवः एक्षा एकः एक्ष्रवा कार्या वार्य প্রভূরির টাদশক্ত বাদশ মাণা। পঞ্জন: লম্বনম এন প্রভূরির টাদশক্ত ক্রমান্ত প্রভূরির জি मयरनरत्रों वि मर्सानि कुछानि अछित्रिष्ठ खरवन कक्तनमूनमधाकोष्ठि (৮।৪।১।১৩) क्षा ७१। ७८भाक्तरभा मरामाः (छामः। यदा जयरमदखनः मीर्काक्ष गर्रेखनकी जिल लयमनः चाममगानाः यण् जनः मचरनत हेणि एकाशानि। य अव गयमनः (खामखः खरुपम्थाखार्या गयदगरता यात खर्मा नतमध्यक दामम मानाः यक्षानः मध्यत्र अव खर्मा सरमध्य श्राप्त जन है जि मच ९ गरता वि मन्तानि कृतानि जनकि जरमय कक्त नमू भए • ° (৮।৪।১।১৪)। অবির্দ্তান্তে আবর্তান্ত ইডাছীগর্তঃ সমার্ভিরপ: দবিংশ: স্থোমঃ। অভিনর্ত্তরভানের রিভি নর্বাণি ভূডানীভাভীনর সমৎসরঃ। 'উপদর্গত বঞামসুয়ে यहनः (পা॰ ৬'তা১২২) ইভি দীর্ঘঃ। দাদশমাদলপ্রস্তুদদ্দনর্মপ্রিংদভিদংবায়া দছিতঃ निरमः। 'य এन निरमत्यामसः छङ्भमराजीखात्या नम्दन्तः वा च्यकीनकः निरम्खः बाष्णमाणाः मश्रक्षिः मस्दम्य ध्रमाष्ट्रीयकः मविश्मस्य प्रक्रमानाकी वर्क हेकि नस्वद्माता ছি দর্বাণি ভূভাক্তিবর্ত্তভে ভদেভক্রণ॰' (৮।৪১১৫)। বর্চঃ বলনিখেবপ্রদো ভাবিংখঃ यचा नर्फः मचरमतः नर्फिम्डमः चामम मामाः मश्रद्धनः (च चार्चात्राह्य (WINS ! नपरनत्र एकि यानिश्मि जिनश्रयारि जयाण् यानिश्मः एका नानि । 'य अन यानिश्मः (खामखर कत्रभाषाहार्या मध्यमाता वाव वर्ष्का दाविश्मक्त वामम मामाः मक्किर्यो व्यवसाराक मध्य वरमत । এय गर्रा । वादिश्य खाख वाच गर्फ देखि मध्य महा। वि मह्य वाश खाला। वर्फ खिख धा-खान र का व । जरिक्ति में का ना निक्षि के का जा कि लो व का ना निक्षि । यथा मस्त्रज्ञारभाषप्रकि मरश्त्रजि निगामग्रकि ना मस्त्रनः मस्मित्रः खर्त्राप्रमानाशः मश्चिषा (च चार्षावाच्य अमः नचल्नत हेकि जात्राविश्मावत्रचः कक्राभानि। खरमानिः : (खामखर खन्नपराखारवा नचरमदा यान मखन्निवानिः मखन् खरमानम मानाः नश्चित्रा (प परश्वात्ता नपरमय ध्वन मछत्राज्ञत्याविश्मछश्चमाथ मखत्र हेकि नप्रमह्या वि नर्सानि खुणांन नरकुछछान छक्तन॰' ( ৮ 8।)।)। (यानिः श्रावारनामकण्डित्रिरमः वद्या (मागिः पर्वाचानकृष्ठः मचरमत्रणकुर्विः विजन्मारमक्षाक्राभागि। 'व (खायाश्म । . ध्व क्यू विश्वः (कामक्यः कश्वावनाकात्वा मचरनत्ता मान (गामिक्यू विश्वक्यः क्यू विश्व

वित्र देवानाच छ । या निविष्ठ नव १ नत्ता वि नत्ति । क्षाना । देवानि छ । विकार । ( ७१८ . १७७ ) । गर्डाः नाजारम् वस्वर मामगर्जः भकविरमाखात्वावि । यथा गर्छः मण्दमरमा खूर्खादनावक्षाक्रजूर्विरविष्टिः नका अकः नवः नवः वेखि व्यविक्याता कृषा बजुक् नर्खाः क्वकीकि वा गर्कः। 'व अव लक्षतिःवास्त्रामण्डः एकुलम्यास्त्रात्वा वस्त्रात्वा वाव गर्काः लक्ष-বিংলক্ত চতু বিংলভির ইন্মালাঃ পদংশর এব পর্ভাঃ পঞ্বিংলক্ত জন্ত পর্তা ইভি লক্ষ্ণরো ছ ७वची (छवची नाज्या ना ७वः छक्तनाञ्चननः (खामानि। यदा ७वः नपरनत्रम्हणू-खब्नमवाजि खज्रजगारोक हेजि वरका वा अल्या वर्ज्ञ जनरवा नवदनरता वा अविध्वववरूज हर्ज्यान एवं कर्माना एवं कर्माता एवं नवरनत अत्योक जिन नवस्त्र के जिन्दिन है जि जिन्दिन है जिन्दिन है जिन्दिन है जिन्दिन है जिन्दिन है जिन्दिन ह ছি লক্ষেষাং ভূভানামোজস্ভিষ্ঠমন্তলেন তজ্ঞপত' (৮.৪.১।২০ )। ক্রভুষাজ্যোপয়ে ক্র कि विश्व कि । यहा नवरनत कर करता के कि करू: नक्क नवरनता क्र का करता के कि करू विश्मः। 'य करिक किः नष्टिमण्ड जक्र नम्याजात्या मण्डमत्त्रा यात्र क्राप्ट्र करिमण्ड ছি লক্ষাণি ভূভানি করোভীভি' ( ৮।৪।১।২১ ) আছেঃ। প্রভিটা স্থিতিছেডুক্সগাল্পগা (खारमानि। यथा नपरमतः व्यक्तिं। नपरमस्य नर्मक व्यक्तिंक वार नक्त्र द्याताळ-नयरनत्राद्मकष्टाल्यत्रिः मः । य এन खत्राख्यः । ए अत्राख्यः । ए अत्राख्यः । षान व्यक्ति खा जिल्ला क्ष क्ष विश्व कि स्वितानाः वष्ट्र करना एव व्यक्ति वा व्यक्ति विश्व विष्य विश्व विष्व विश्व व विम्शिष्णक्षण्याह लिखिकि नष्रगाति वि गर्यवार क्रिका क्रिका क्रिका ( ७। ८। २२ ) खद्र: १ यहाः । 'वानो मा व्यापिट्या। खद्रः' है कि स्मारकः विष्टे निमानवान् 'ज्यमः निष्ठेभः लाक' केंकि काबार अध्य विष्ठेभः यात्राचाः यज्यसः ज्याभाष्यप्राचाः यण्ड कृत्विश्मः (स्थाभस्यक्राणामि। यथा मस्प्यादा त्र्यंत्र विष्ट्रणः त्रियरेनन काणिन्धाणचार ष्ठ विश्व **७५ नम्या छा । जब निर्देश वार्य अक्षमा विद्वेश ह्या अक्षमा ह्या कि । जब कि मानाः नश्चरिया ८६** भरहात्रारख मचरमत्र अन अधुना विद्वेशः छष्ट्रांखः नच्छ छ । । । विद्या निर्देशमिक वात्राणाः देक खद्भना निष्टेन् करणकक्तन॰ ( ६।८।२।२०)। वाकः वर्त्रश्रमः वहाखरणः (कार्याव्या नव्यव्याद्याः या गाकः कामान केन कर श्रवर ग कमकर प्रथर छत्तां स यद म गाकः यहिन्द्रवृक्ष भक्षामाञ्चक्षार । य अव वहे जिल्ला (सामश्चर कड्मप्रवाकारणा मण्डमरत्रा यान मास् वहे ख़िरम्बना ह्यूकिरम्बिद्रक्रिशना बानम मानाक्ष्यक्रमार माक देवि। मरि खळ गराप्त करेडि हनाकर क्ष्महात्था मस्त्मत्रः मस्त्मत्यायाय गाकः वर्ता (माक्ष्यत्मय कक्त्म॰' ( ।।।।।।२८ ),। विवर्षात्य व्यावर्षात्य नामानि यत्विष्ठ विवर्षः व्यष्टेष्ठात्रिश्यः त्यामकक्तानि। विविवर वर्षा कृषानि वर्षाक विवर्षः नष्टनतः व्यविमानर्यम वष्ट्रियश्यकिः शक्याः मध्यं वह व्यव्यायम मानाः ८ष् व्यव्याया वेषाद्वाच्याचित्रमः व ववाद्याव्याच्याव्य व्यवनाकाद्या न्यवनद्या नाव विवद्धावक्षाव्यातित्ववना विष्ट्रावाला व्यवस्थ নালাঃ লপ্তবিশে দে অংহারাত্রে ভক্তজ্ঞান্ত বিষদ্ধ ইতি লম্বংসরাদ্ধি ল্বাণি ভূভানি বিষদ্ধি ভলেভজ্ঞপত' (৮:৪।১।২৫)। ধর্ত্রং ধারকণ্চভূক্জরন্তোন্দচভূষ্টোনঃ। মধ্যমপদলোপী লমালঃ। জিবুৎপঞ্চল্লপথদলৈকবিংলানাং লম্ভত্জপালি। বায়ুকা ধর্ত্রং জগদাধারত্বা-চভ্ছানিগ্রিঃ জুন্ধানভাচ্চভূষ্টোনঃ। য এব চভ্ষোনত্তঃ ভত্তপদধাতি ভক্তজমান্ত ধর্ত্রামিত প্রভিত্ত বিষদ্ধিগ্রিঃ অভিত বায়ুক্র লক্ষেনাং ভ্রানাং প্রতিশ করেই। দ্রান্তি প্রতিশ ভল্তজ্জিগ্রিঃ অভে বায়ুক্র লক্ষেনাং ভ্রানাং প্রতিশ জলেভজ্ঞপমুণদধাতীতি' (৮।৪১।২৬) শেভেঃ। আদাবদ্ধে চ বায়ুপ্দধাতি বায়ুম্ভমং বায়ুনিব ভলেভানি লক্ষাণি ভূত্যাক্রাভন্তঃ পরিগ্রাভীতি' (৮।৪১)২৭) এতৈরই।দলমন্ত্রঃ ভোমবাদিভিঃ ভোমরপত্বং নীভা ভ্রান্তম্ভন্তঃ পরিগ্রাভীতি' (৮।৪১)২৭) এতৈরই।দলমন্ত্রঃ ভোমবাদিভিঃ ভোমরপত্বং নীভা ভ্রান্তমভ্রাভিপ্রের ভিল্নেইকা

# 

( का॰ ১৭।১০।১২ ) 'দক্ষিণাং প্রবিয়ার রেডি। ইডি' প্রান্কান্তে বিহিতয়ে জিজ্বান্
মান্ত্রোর্গ্রেণ্ড দক্ষিণায়পদধাত্যবস্থাই উত্তরা প্রম্পহিতা। দশ যজংশি চতুর্জির্গু ত্যুমোহিত্যুপধানং ষড় ভিঃ বইপপ্রোপধানং দলেইকাঃ স্পৃৎদংজ্ঞান্ড। জ্ঞার্থবাদঃ প্রভাৱে ছ্ভানি
উৎপল্পেন স্ট্রাদেন প্রজাপতিনা দ্র্বাণি ভূজানি প্রষ্টুং গর্ভে ক্লভানি পর্জ্জান্তের ভূজানি
পাণ্যু মৃত্যুরগৃত্বাং। জন্তঃ প্রজাপতির্দেবাক্ষ্ণাচ যুম্বাভিঃ দহাহিম্মানি ভূজানি
পাণ্যু বিহারের স্থান্তি দেবিক জং জ্ঞান্তাকং কো লাজঃ। প্রজাপতিনোজাং ব্রুল।
বৈত্য ক্রেন্সাকং ভাগোহ্র। জ্যান্ত্র ক্রেন্ড স্থানি প্রভাবিত্য ক্রেন্ড স্থানি

ভাগমণরেভা ভাষিপত্তাং দয়। তৈঃ সহ ভূষানি মৃভ্যোরস্পূণোত্তঃ স্পৃত ইইকা ইভি। खनाठ स्कृष्टिः ब्लब ज्लुब উপদধাভোত্ত অঞাপভিরেত শিল্পাত্মন: প্রভিহি ভে দর্শাবি कृष्ठानि गर्छ। ७ १ छ। अ अ १ ५ ७ व व विष भागा। मृजातश्त्रार। >। व त्यानखगैदाश्वाणिः वरस्यानि न्दानि कृष्ठानि भाभास्म मृत्याः न्यूननानीकि किः नग्रका कित्रम्योकि विश्वमिष्ठाखनीकः काशी (गोर्चिक) क्विन मार्थि अप्तर क्विन स्वाधि का कार्या कि कि कि कार्य कि का मर्कानि पृष्ठानि भाभारमा म्राष्ठाात्रम्भाराष्ठ्रमाष्ट्रमाख्यारम्भृष्ठस्र विरम्ध्यवारामा धागरमस्य छः क्वािश्वारम्हणः नर्वाि वृजाि भागाता मृत्जाः मृत्याजीि ( ৮।৪।२।)। ज्य मञ्जार्थः। ए इष्टेरक, या चमरश्रक्षारमा विकारमार्थन यञ्चाः ठ एप्ति मीकाश्रा वाठ व्याविश्वार স্বামিত্ব ষ্পা চ স্বরা অিরুৎস্থোমঃ। বিভক্তিবাভারঃ। তিবুতা স্থোমেন ব্রহ্ম ব্রাহ্মণাং স্পৃতং পাণানো মৃভ্যোরপনীতং রক্ষিতং। যন্তাং ছয়ি ত্রিরাংস্তোম ইভি বা। ভাং স্বামুপদ-थामी कि (भगः। এवः मन्द्रित नार्थाग्रः। 'च्यु श्रीकित्रक्राक्षाग्रम् वानिः। 'वार्य দীক্ষা' (৮।৪।২।৩) ইভি শ্রুভেঃ। উর্ত্তরামুক্তরয়োরিদ্রক্ত ভাগ ইভি' (১৭ ১০।১৫)। উদগনুকান্তবিহিতয়োর্দিকিণোতরয়োঃ পভায়োর্মধ্যে উত্তরাম্পদ্যাভি দক্ষিণা ভূপচিভেডি पदार्थः। (इ देष्टेत्क, एशिखक पार्शिश्म यकाः पत्रि विश्वातामिनकाः भक्षनत्मन कवः ক্ষত্রভাভিঃ স্পৃতং মৃত্যোর্ডোচিতং 'ইন্দ্রার ভাগং কুরা বিষ্ণব আদিপভামকরে।ব' (৮।৪২।৪) ইতি শ্রুতেঃ। 'উত্তরাং দক্ষিণয়োর্চক্ষপাং ভাগ ইতি' (কা০ ১৭ ১০,১৪)। দক্ষিণানুকাল্ভ-निविख्यार्किक्तिवाखत्राः भग्नाक्षत्राः निष्णां प्रक्तिवागिविखा। नून ख्राख्यक्ष्र्रम् ककरक कागिक एक नृहक्करमा (मरारखनार काश्याशनि । क्या भाषूत्राधिशकार क्या मश्यमणस्थारमन क्षित्वर देनश्रकाण्डिः प्र्युष्ठर । '(परा देन जुडकरमा (परनएका) काशर क्रमा भाव कार्षि, श्रका-মকরোছিতৈ জনিতাং' (৮।৪২।৫) ইতি শ্রুতেঃ। 'উত্তরামপরয়োর্শ্বিত্রস্ত ভাগ ইতি' (কা॰ ১१।১०:১৩) व्यापतान्कास्विविष्ठ एयार्कि कि त्याखि द्वार्थि क्या भारत्या विषया । के क्या मात्वी १ मिक्न गामूथ উপদ্ধাতি দিক্ষিণা ভূপহিতেতি প্তার্ধ:। (२ ३४८क, परिमञ्ज आवश्र छारगानि पश्चि बक्रणकाशानकाशिशकार यहा परम्कितिरत्मन त्यात्मन तियः मयकिनौ दृष्टित्वाक्रक ज्यु क्यार मामग्रामि। 'श्रार्गा देव मिर्छाश्र्मारमा चक्रमः श्रामात्र छात्रः क्रुषानामात्रीसम्बामकरमानि खि (४.८.४।७) अंदर्डः ॥ 

# शक्षिवः भी कि खिका।

ভাগোছলি মক্সভামাধিপভাং গর্ভাঃ তথ্তাঃ পঞ্চিত্দঃ স্থোমোলিত্তৈ ভাগোছলি

श्रुक व्याविनकारमाकः म्युक्त जिन्न व्याप्ता विनक्ष कविकृष्टारभार्तिः

वृक्ष्मारकामिनकारं मभीहीर्किनः म्युकान्हकूरहोमः व्यागः ॥ २०॥

(ফা০ ১৭॥১০।১৬) 'বট্ প্রভিমন্তং বহুনাং ভাগ ইভি'। চতুর্জনভোহপরাঃ বর্ধলৈঃ
ঘট্ পদ্মা উপদ্যাদিভি হ্রার্থঃ। তে ইইকে, দং বহুনাং ভাগেছিল। দ্বরি ক্লুলাণামাধিল
পদ্মা দ্বলা চতুর্বিংশেন স্থোমেন প্রাঞ্জানাং চতুল্পাৎ প্রাঞ্জাদিকং স্পৃতং পাপান্মোচিভং।
'বহুভ্যো ভাগং কুদা ক্রেভা আধিপতাধকরোৎ' (৮।৪।২৭) ইভি প্রুডে:। আদিতানাং
যা দং ভাগোছিল। দ্বরি মক্লভামাধিপতাং দ্বরা পঞ্চবিংশেন স্থোমেন প্রজানাং পর্তাঃ
মৃভ্যোঃ রক্ষিতাঃ। 'আদিত্যেভ্যো ভাগং কুদা মক্লতা আধিপত্যমকরোৎ' (৮।৪২৮) ইভি
প্রেঃ। দ্বানিভ্যা ভ্রেভিয়ো ভাগং কুদা মক্লতা আধিপত্যমকরোৎ' (৮।৪২৮) ইভি
প্রজানামোলঃ বলমন্ত্রা আদিত্যা ভ্রেভিয়োগংল পুষ্ আধিপত্যং দ্বি দ্বা বিশ্বের ভাগং কুদা পুষ্
আবিপত্যত' (৮৪।২।৯)। দং দেবত দ্বিভূল্গাছিল দ্বির বৃহস্পতেরাধিপত্যং দ্বা
চতুষ্টোমেন ভোষেন দ্বীটীঃ দ্বীচ্যঃ স্থাগঞ্জ জনা যালু ভা দিলঃ স্পৃতাঃ। 'দেবাল্প
দ্বিত্রে ভাগং কুদা বৃহস্পত্র জাধিপত' (৮।৪।২।১০) ইভিঃ (১৪ল—২০ক)।

# मिष्ट्रणी किंछिका।

ৰবানাং ভাগোহভাষৰানামাণিপতাং প্ৰজাঃ স্পৃতাদ্ভুদ্ভদারিত্দঃ ভোষ ঋতুগাহ

ভাপে: ছলি বিশ্বোৎ দেবানামাধিপভাং ভূতত স্পৃতং অপ্লিত নঃ ভোম:॥ ২৬.॥

यवागाः भूक्षणकाणाः पः ভागाः नि व्यवागामणयणकाणाः वयागिण्छाः हळ्कवातिः । 'भूक्षणका ते यवा व्यवाणका व्यवात् होनः वक्षः सुन्छ । 'भूक्षणका ते यवा व्यवाणका व्यवात् होनः वक्षः सुन्छ हात्व्छ ह भूक्षणक्ष्याः व्यवाव्य हित्ववाः स्वाव्य व्यवाद्य विद्यवाः स्वाव्य व्यवाद्य व्यव्य व्यव्यव्य व्यव्यव्य व्यव्यव्य व्यव्यव्य व्यव्य व्यव्यव्य व्यव्यव्य व्यव्यव्यव्य व्यव्यव्यव्यव्यव्य

# मखिरिषी किथक।।

महज्रम् देवमिक्यावृष्ट् व्यश्वत्रकः स्माराद्या करञ्जार कावाग्विमी थ्यम् <sup>क</sup> कार्षात्र मञ्जाः ॥ अवप्रः कल्लाकामध्यः नगना खता छ। नाश्विनी हेरम।

रेहमिक्त का किस्त्र का किस्त्र का किस्तर विश्व

खत्रा (मनखत्राक्तित्रवक्तत्त नीमखन्। २१।

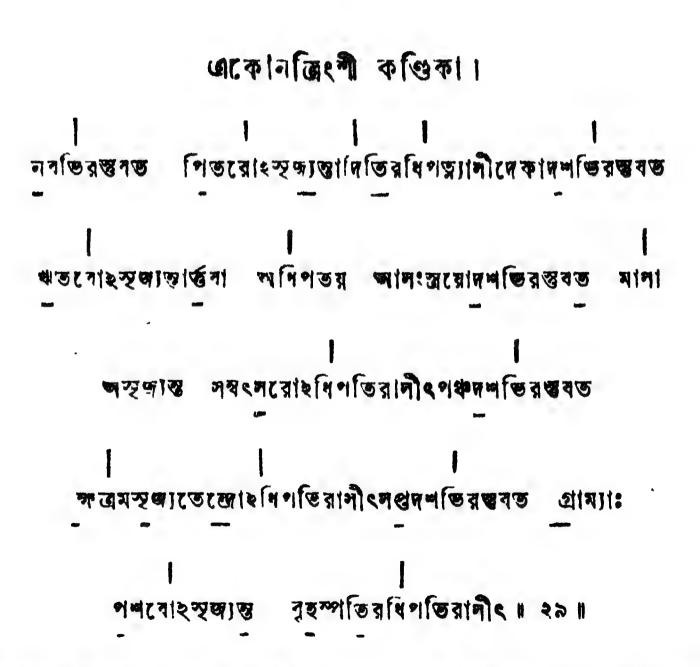
'बाखरवा महम्ह नवज्र एक्डि' (का॰ ১१।১०।১৮)। व्यन्य विख्या (व भरव्य के भाषा विष् बकुरनवछार यक्षः। नरहा मार्गनीर्यः नहकः (भीषः अरको देशस्विको स्थमसायप्रदेश। बिहेर श्रीक्षणाः ( च ॰ ১७ क ॰ २८ )। ( ১८च---२१क )।

# णमे। निश्भी कि खिक।

অধীগন্ত প্রভাপভির্ধিপভিরাসী ভিস্পভির্ভাগভ <u> अभागम्मिकित्रामीर भक्षित्रस्थ वृष्ठा अञ्चाष वृ</u>ष्ठा मार

পভির্ণিণভিরাদীংলপ্তভির্মণভ লপ্ত ঋবয়োহস্ভাক্ত ধাভাগিপভিরাদীং । ২৮॥

( सा० ) १। २०। २०। ) '(त छ: नि(यगासार ह मक्षण्य नसिएडा नन मिल्यान्न प्रशिद्यक्या-चर्छि अधिमञ्चर । नर्नापु विक् द्रिष्ठम्निर्यनामार स्थिनरकाः नश्चम्बरेका छभवनाछि क्यारमा आभ्यान्य किल्लाम नम व्यवापष्ठात्यात्याचि श्वार्वः। मक्षणम यक्षां श्रिकान (वन्डामि। अब मियानः श्रेकाशिक्ष्डानि मुखात्त्रन मुख्या श्रेकाः म्राव्य श्रेकारम् विक्तिका खानाविक्षाकृत्वन विजानीन्त पुत्राकिः मह नत्रमात्रामः खला कममामीक। (षया छेतूः (क्य (क्षामामः। व केट मना युद्धाकिए हिंछ। व्यव्यक्ष्याका श्रीतः श्रीका विमा माखन एक । खना क कि कि 'करेब अवानकि। नक्षानि वृष्ठानि नाश्रामा मुस्तानि क कान- ষয়ত প্রকাঃ স্ত্রের প্রভারেরেতি ॥ ১॥ দ প্রাণানত্রনীর্ব্যাভিঃ স্টেমাঃ প্রভাঃ প্রজনয়ানীতি তে বৈ কেন স্তোম্বামহ ইভি ময়া চৈব যুমাভিশেচভি ভবেভি তে প্রাণৈশ্চৰ প্রজাপতিবা চার্বেড' (৮৪০)ইভি প্রজাপতিরেকয়া বাচা দাহাত্মানম্ভবত বঙ্গান্থ বচনবাভায়ঃ। 'বাঘা একা বাচৈব তদন্তবভ' (৮৪০০)ইভি শ্রুডেঃ। প্রজা স্বীয়ন্ত উদ্বাহন্ত প্রজাপতার্থমন্থাগান্তেতি বা। স্টানাং প্রজানাং প্রজাপভিরেবিদিপভিরাদীংখামাজ্ব। এবং বোড়দ মন্ত্রা ব্যাপোয়াঃ। 'ভিস্ভিঃ প্রাণোদানব্যানৈরভৌৎ ত্রহ্ম ত্রাহ্মালভাই। ত্রহ্মালভাই হামাভূহ। 'এয়ো বৈ প্রাণাঃ প্রাণোদানব্যানাতৈঃ' (৮৪০০)ইভি শ্রুডান স্টানি ভূচানাং পভিদ্বেশিক্ষাং স্থামাভূহ। 'য এবেমে মনঃপঞ্চমাঃ প্রাণাইন্তরের তদন্তবভ' (৮৪০৫)ইভি শ্রুডা। দাহাভিঃ প্রোত্রচক্র্নানাবাগ্রিণঃ দান্তমীর্ব্যাপ্রান্তির তদন্তবভ' (৮৪০৫)ইভি শ্রুডা। দাহাভিঃ প্রোত্রচক্রনাবাগ্রিণঃ দান্তমীর্ব্যপ্রাণারান্তরের বিভাগানিক্তরের (৮৪০৬)ইভি শ্রুডা। দেবঃ স্বামাভূহ। 'য এবেমে দন্ত শীর্ষন প্রাণাইন্তরের' (৮৪০৬)ইভি শ্রুডা। (১৪জ্ব নহচক)॥



ख्रीः। माना क्रिमाञ्च मन प्राचित्र क्ष्म क्

ত্তিংশী কণ্ডিক।

ন্দলভিরন্তবন্ত শৃত্যাব্যাবস্থানতালে আধিপদী

আন্তামেকবিত শভাবিত অধকাঃ পশবোহস্থান্ত

বক্লোহিধিপভিরাদীভারোবিত শত্যান্তবন্ত ক্ষুদ্রাঃ পশবোহস্থান্ত

প্রাধিপভিরাদীৎপঞ্চবিত শত্যান্তবন্ত ভাবাপৃথিবী বৈ্তাং

বার্র্ধিপভিরাদীৎদপ্তবিত শত্যান্তবন্ত ভাবাপৃথিবী বৈ্তাং

বসবো ক্ষুদ্রা আদিত্যা অনুব্যায়ংক্ত এবাধিপভর আলন্য ৩০ ৪

নবদশভিঃ দশ হস্তাস্ত্রয় উর্ধাণঃ ছচ্ছিদ্ররণা নব প্রাণাইন্তবস্থাৎ। ততঃ শ্রার্থা শ্রুইংখ্রান্ত্রেলাভাং ত্রেই। অর্থাঃ স্থানিইন্ড্রেরাঃ। অহোরাক্রে তয়োঃ স্থানিকেনান্তাং।
দশ হস্ত্যা অস্ত্রা নব প্রাণাঃ' (৮।৪।৩।১২) ইভি ক্রুভেঃ। একবিংশত্যা বিংশভঃ করপাদাস্ত্রয় আত্মা চেভি একবিংশত্যান্তোৎ। ততঃ একলফাঃ পশ্বোহশ্বাদয়ঃ ত্রেরাঃ। একং
দক্ষং পুরঃ প্রতিপাদং যেবাং তে একলফাঃ। 'লফং ক্লীবে পুরঃ পুমান্' ইত্যমরঃ। বক্রণভ্রোমবিপভিরালীও। 'দল হস্ত্যা অস্ত্রেরা দল পাত্মা আই্লুকবিংলঃ' (৮৪৩)১৩) ইভি ক্রুভেঃ;
ব্রেরাবিংশত্যা বিংশতিঃ করপালাস্ত্রয়ঃ পাদাবাদ্মা চেভি তৈত্ব ক্রুডাঃ পশ্বোহলাদায়ঃ স্থাঃ
ডেবাং পুষা আ্মান্ত্র। দশ হস্ত্যা অস্ত্রারো দশ পাত্মা বে প্রতিত্তে আ্মা ব্রেরাবিংশঃ'
(৮৪৩)১৪) ইভি ক্রুভেঃ। পঞ্চবিংশত্যা বিংশতিঃ করপাদাস্ত্রয় করেই পাদাবাদ্মেভি
উত্তরম্ভবত ভদারণ্যা বনস্থাঃ পালবঃ ক্রুড্রগাদয়ঃ স্টান্ডেবাং বায়্র আম্যভ্রা। 'দশ হস্ত্যা
অস্ত্রেরা দশ পাত্যাভ্রার্থাকাভ্রান্থা পঞ্চবিংশতঃ (৮৪৩)১৫) ইভি ক্রুভেঃ। সপ্রবিংশভ্রা ক্রুভ

भाषान्त्र (यो स्वान्त । विश्वादि देवत्र विश्व हार्था ज्ञावाशिक कार्या कार्या देवा । विश्वादि । विश्वाद । विश्व

# धकिछा किछा ।

প্রভা অস্তাল্প যবাশ্চার্যাশ্চাধিণভর আলং প্রয়াল্প শভাস্থবত

নংবিংশন্ত্যা করণাদাস্ক্ররো নব ছিত্ররূপাঃ প্রাণাব্রৈরন্তবন্ত ভলো বনস্পতরোহ্ধথবি । তাঃ স্টাঃ ভেষাং স্থানী লোমেংভূব। 'দল হস্ত্যা অনুলরো দল পাল্লা নব প্রাণাঃ' (৮ ৪ ৩০ ১ ৭ ) ইতি প্রতঃ। একরিংশতা করপাদাস্ক্রঃ দলেন্দ্রিরাণি আম্মেতি তৈরক্তাং। ততঃ প্রাণ্ডাঃ স্টাঃ ববাঃ পৃর্বাপক্ষা অরণাঃ অপরপক্ষান্তালাং প্রজানাং স্থানিনাহভূবন 'দল হস্ত্যা অনুলরো দল পাল্লা দল প্রাণা আম্মেকরিলেল্লাং' (৮ ৪ ৩০ ১৮) ইতি ক্রতঃ। পৃর্বাপক্ষাপর-পক্ষা এবারোধিপতর আলন (১৮) ইতি চ। ত্রেরিংশতা অনুলরঃ ইন্দ্রিরাণি পাদে আম্মেতি তৈরন্তবন্ত ভৌতিত্ব প্রজাপতিকৈবিঃ দহ। ততো ভূজানি অলাস্যান্ দর্বাং প্রাণিনাঃ লালাঃ স্থানাহভূবন্। পরমে শতালোকে ভিঠতীতি পরমেন্তী প্রজাপতিঃ প্রজাপালকঃ সর্বোবাং ভূজানামধিপতিঃ স্বাভ্যালীং। 'দল হস্ত্যা অনুলরো দল পাল্লা দল প্রাণা দে প্রতিকৈ আত্মা তার্মিল্লাকং লবভার্মিলেণ্ডার্মিলেন্দ্রালির্মিলেন্ডার্মিলিন্তার্মিলেন্ডার্মিলেন্ডার্মিলেন্ডার্মিলেন্ডার্মিলেন্ডার্মিলেন্ডার্মিলেন্ডার্মিলেন্ডার্মিলেন্ডার্মিলেন্ডার্মিলিন্তার্মিলিন্তার্মিলেন্ডার্মিলেন্ডার্মিলিন্তার স্থানিন্তার্মিলিন্তার স্থানিন্তার স্থানিন্তার ক্রিলিন্তার ক্রিলিন্তার স্থানিন্তার ক্রিলিন্তার স্থানিন্তার ক্রিলিন্তার স্থানিন্তার স্থানিন্

हेखि हजूर्यो हिखिः भूनी ॥ हेखि खीयाबनरमञ्जरहिखात्राः हजूर्फरामार्थात्रः।

विम्महोगत्रकृष्ण (नणमोरणः महमाहरतः। (नणहत्यस्थिष्ट्राह्यारम्। नर्गाविविक्र्याहर्षः। ১৪॥

-

# यজुदर्यप-मश्हिण।

----- 0:8 • §: 0.

# [ শুক্লযজুবের্বদ — বাজসনেয়িসংছিতা।]

# शक्षप्रवाश्यां सः।

व्यथमा कांशका।

व्यक्ति । अहि व्यगमा व्यव्यक्ति । व्याप्त व्यक्ति । व्यक्ति । व्यक्ति । व्यक्ति । व्यक्ति । व्यक्ति । व्यक्ति ।

# षिकीशा किंछका।

काषाम्भाष्यपुषा मः ने ने ने ने भाषान् भाषान् **माजरबरमा** म स्मा

कि कि अभगक्रमारमा रहि अभगक्रमारमा रहि अभ कि व्याप में मुन्ति । र ॥

व्यथ शष्टीक श्रमशिष्ठ। मह्मा वर्णन व्याचायर गतारमारू वाकर मगत्रान् श्रीप नामम । हि जास्त्रत्तः, ज्याषान् उरमर्श्वमानामि श्रिक्षियः। जापारमभार्यः। किक श्चभनक्षमारनार्षात्र क्षक्षां हसः महार्थान् शिक्ति मक्रिकान् वत । वस्मिन प्रश्नामान विभिक्ताः श्वाम खर्मा। त्नार्माकः नगज्ञान् श्रीवृत्तः। श्रीकृत्तित्रापत्रार्था। (पाछनः भरना ষত অমনাঃ অঅধনাঃ শ্বমনা ভবভি প্ৰনত্তমানঃ 'ড্লাদিল্যঃ' ( পা০ তাসাচৰ) ইভি ক্যঞ্ खण्डः भानत् ॥ ( ) ६ अ - २ क ) ॥

# कृशीया किछका।

क्रिनिश ह्यूक्षात्रिध्यः (खार्मा शर्फा

वित्य अधिशृशस (मनाश পুরীষমক্তশো माम छाए पा

(खामश्रेष्ठ) युक्त निष् जीष अकारमण्य प्रस्थित प्रस्थित । अ

व्यन प्रक्रिग्छ। देहेक्रारम्बछ। यञ्हा अक्ष्यक्ष्यक्ष अक्ष व्यक्ति य व्यक्तिकाक्रभश्च श्यामः (वाष्माव्यारणा वा यः (खामः यक अध्या वस्त्रभर अविनर धनर त्व वेष्ट्राक, पर खतुखत्रत्रभागि खार चायूभमवाभि। व्याभाषत्रकः। देष्ठेकारमयकार यक्ः। ह्यूभ्टवातिश्य-मायुद्धा नण्नित्रा यह त्यामि श्रिकुकारभा ना यक नणका भार क्षत्र क्षत्र क्षत्र भार क्षत्र वार्य वार्य वार्य बर्या शक्यो जिहे न ं ज्या छक्र प्रभ क ज्यां छ छक्य छि विभाव हिंची सक्र का माद (यार्शिक्कारमण्डलक्षा अभवनक्ष्य पूरीयमनि भूत्रिकी करनि (इ देहेटक । या वर खाद चार विष्याणमा व्यक्तिगृगस्य खगसा (खाटेम: शृदेशक मूका श्रामागणम् समूका ह मकी ना विश्व ह्यूर्वाः (इट्छ) गोर देशिया । अट्यू अभास श्रकावरशूत्वयुक्त खनिश् वस्त स्क्रय द्वि । ६ ।

# **ह** जूषी कि खिका।

जिवाहिका विति गण्डामाः व्यक्ष्माः भित्रकृष्णा व्यक्षिक्षाः स्व विद्याहिका वि

(का० २१।>> ६) 'वितादका पम पम श्रीकिष्मिः भूत्रकारश्रथमरमवण्क्य देखि श्रीखम्हः' । क्यांकिष्यर प्रम प्रम विदाष्ट्रिश्का देशका উপप्रगांकि काण्ठवादिरम्बर्गका এरविक श्वार्थः । हवातिश्यक्षकः वि देवेकारमयणानि। এতি গছতি সংক্ষা অৱশ্যুছো यश्वित्रिष्णानः भृथिनी-लाकः न अव इत्माद्धर्भन विख्यार हानकषायां हमः। त्व देशकः, यः एकानानि छार षाम्भाषामि। जनम्खतमस्यम् नाथा अञ्चलका (अत्या। 'अत्रर देन लाक जनम्बनः' (৮.৫।२।७) देखि अप्रि:। यतियः श्रष्टामश्रामन वित्रष्ठ वावित्रष्ठ देखि योत्रार्याक्ष्वित्रकः करमग इनाः। 'अखितिकार देव वितिवण्डनाः' (४.६.२.७) हेि व्याप्टः। मञ्जः पर श्रूपर क्ष्वकाषाविक व्यक्ष द्वारमाकः। '(कोर्ट्स म्ब्युक्त्नः' (७) देखि व्यक्तिः। भारत्या क्षविक या। वर्षक इंकि भित्रकृष्टिग्राहकः मकः। 'मिरमा देन भित्रकृष्ट्यः' (०) देखि स्थाप्टः। ज्याञ्चर ज्याञ्चानम् ज्यात्मम नर्सर भन्नीतमिछा। इस जार । 'जन्नर या ज्याञ्च छ सः' (७) के जि अर्छ। ममः क्षेत्रम्प्रेश क्षेत्रान्यायुक्तः यमनः जलत इमः जलाना । क्षेत्रान्छिरेक মনশ্হন্দঃ' (৩) ইভি শ্রুডেঃ। বাচঃ বাচভিক্যাপ্তিকর্মা। বিচভি ব্যাথাভি দর্কাং জগদিভি वाहः। व्यामिखाः 'व्यामो वा व्यामिरछा। वाहण्हन्तः' (७) देखि स्मर्णः। मिन्नः क्षणि गाणीकः मदोतः नात्थाि निकः शाननायः। 'शार्गि दे निक्रण्याः' (৮।६।२।८) देखि क्षा (छः। नगुप्तः नगुप्तः नशुप्ता विकल्पान्या देखि नमुप्तः भनः। यथा नमुप्तकाका। ए-भाक्षीर्यं ममूक्तः मनः। 'मत्ना देव ममूक्तः' ( ८ ) देखि खेल्छः। मनितः निमारं तमस्मादेतकार मत्रिक यमगगव्यत्रानिर्मक्छ जैकि मनित्रः याक्। 'वाग्रेय मनित्रः एमः' ( c ) देखि थण्ड । ककून कर प्रथर भन्नीत्व क्र्यां कि श्रान्त्रकों कि ककून, कर प्रथर कानम् कि श्रीनम्की कि वा 'कून मोखी' हुन्नापिः किन्। भूमिनाम नालानम्हान्यमः। क्कून खानः। 'क्षार्था देव कक्ष्र हमः' हेकि (८) अध्यः। किक्क्र्य क्ष्या कः श्रीष्ठक्ष्य क्ष्णां विकक्ष्म देशायः। 'देशायः देव विकक्ष्म हमः' हेडि (८) व्ययः। कानार करवः भत्रमारका देवर कावार दवलवात्रीक्रभः इन्तरः। 'क्रेन्नी विका कावार इन्तरे हैं कि ( ह ) स्मरका। अनूनम् 'अम क्रूडिनगरडो' अरक्त क्रूडिनगकाः आरक्षाक्रीकाम्बन्धः 'आ'ला वा अक्षर हमः' देखि (8) अंखः। अम्प्रत्मे क्षां माम्य महिला । 'अता देव (नाका हम्प्रत्मे माम्य महिला नहीं क्षां नाम्य महिला । 'अता देव (नाका हम्प्रत्मे क्षां माम्य महिला । 'अता देव (नाका हम्प्रत्मे क्षां माम्य महिला । 'अता देव (नाका हम्प्रत्मे क्षां माम्य महिला । 'अता देव (नाका हम्प्रत्मे क्षां मार्थे क्षां मार्य हिला (8) अंखा । विष्ठा मार्थे क्षां म

# भक्षेत्री किका।

व्याच्छक्तः श्रीक्षक्ताः नःयक्तां विश्वकृत्ता युरुक्ताः व्यक्षयः हृत्याः

निकायण्डरमा विविधम्हत्मा त्रियण्डरमा ख्राबण्डनः

म् । व्याप्त ।

विष्णिक्षाम्ब्रामा विभागर क्रमम्ब्रिम्ब्रामा पृद्वावगर

ह्मखनः हत्ना ६ इन्हः । ८ ॥

जाक्कर जाक्कामग्रीं जरी श्री श्री का क्ष्म । श्री के श्री श्री का क्ष्म श्री का श्री

্জরিক্তি অভ্নত্ত্বাধ্ব (৮) ইতি শ্রুতে। লংভপ্ অসুইপ্ স্বাভ্ ভতাতে রুধাতে ব্রুবিক্তির অভ্যত্তি ক্রমাতে ব্রুবিক্তির অভ্যত্তি করে। বা গংভপ্ অসুইপ্ বান্। 'বাগেব স্প্তুপ্ হলো বাগস্টুপ্ হলা' (৫) ইতি শ্রুতে। এবং বরিবং ইতি পছবংং ব্যাব্যাতং। ব্রুবি বাল্যাদিবরোহেতৃত্ত্ত্ত্ত্ত্বস্থং। 'জরং বৈ বরুত্ত্বস্থং' (৬) ইতি শ্রুতে। বিপর্বিধা বাল্যাদিবরোহেতৃত্ত্ত্ত্ত্রস্থং অঠরারিঃ। 'জরিকৈ বরুত্ত্ত্ত্বয়ে' (৬) ইতি শ্রুতে। বিপর্বিধা করে। বিপর্বিধা করে। বিপর্বিধান করা ব্রেতি বিপর্বিধাং বর্গঃ। 'লগর্ক স্পত্তে ঐর্বাধিক্যান্ত্র্বাহ্ত্ত্ (৬) ইতি শ্রুতে। বিভালং বিবিধা দালতে লোভত্তে করা বিবেদে। বিপার্বাহ ত্ত্ত্ত্বাহ 'অরং বৈ বোকো বিশারাং হলঃ' (৬) শ্রুতে শ্রুতা হিলঃ ছাজতেহক্রিক্তা। 'জরং বৈ বোকো বিশারং হলঃ' (৬) ইতি শ্রুতে। দুরোহণং ক্রাভিনিতির ছিল্পত্তারিক্তা। 'ক্রাবিধা দ্রোহণং ক্রাভালির করে। আলৌ বা আদিত্যো দুরোহণং হলঃ (৬) ইতি শ্রুতে। ভ্রুতে বিদ্যান্তর বিবাহ হলঃ (৬) ইতি শ্রুতে। ভ্রুতে বিবাহ হলঃ (৬) ইতি শ্রুতে। ভ্রুতে বিবাহ হলঃ (৬) ইতি শ্রুতে। ভ্রুতে বিবাহ হলঃ (৬) ইতি শ্রুতে। ভ্রুতা বিবাহ হলঃ (৬) ইতি শ্রুতা বিবাহ হলঃ (৬) ইতি শ্রুতা। ভ্রুতা বিবাহ হলঃ (৬) ইতি শ্রুতা বিবাহ হলঃ (৬) ইতি শ্রুতা। ভ্রুতা বিরাহ হলঃ (৬) ইতি শ্রুতা। ভ্রুতার বিরাহ হলঃ (৬) ইতি শ্রুতার বিরাহ হলঃ (৯) বিরাহ বিরাহ হলঃ (৯) ইতি শ্রুতার বিরাহ হলঃ (৯) ইতি

# 

(काव ३१।३५'३--- १०) 'नर्सरखार्याद्यात्रार्यमात्रार्रखामखाना विभिना नखारविक अखिमश्रद भक्षम पिक्कित्नान्कर व्यावादात्यनात्रार वर्षापिक (खामकाशावरका इंडका छेनवशाकि श्रीचारमणा (चारका निवार भग्नी द्वार । एवार भाषा भक्ष भाषा भागन्त । क्षिर भाषा भागन्त । प्राप्त भाषा भागन्त । प्राप्त भाषा भागन्त । प्राप्त भाषा भाषा । प्राप्त भाषा । प्राप मूक्टर्रियां भर्षत्र वेकि क्वार्यः। এकामविश्मकक्षेत्रोष्ठकारम्यकानि। देश महाः स्मर्धाः खिना गानाणाः। किष्कानम्भाष्यभूतानिह्ना नकाला जिल्लाक अनमः। जलार्कभूत्र बायू भवशामी कि विकीयः। व्यविभिक्तिरार्ध्वार्कः कि विचिक् कृतीयः श्रेकातः। व्यविष्ठ श्रेकातः। 'अयूनात्मा जिचारमार्क्षमूरेण जाविभिज्ञितारकी कर जिल्ला त्या विविज्ञार विविज्ञः खन्नः' (৮ ८।७।०) हेछि। जय शकार्यः। (इ हेष्टेरक, पर त्रिमास्त्रन मछास्त्रानहिन्ना मछी मणाः मणायाः विष जर्भन (जलानुक्तिशपणामनः त्रामाः 'त्रामातनः' ( ४.८।०।० ) हेकि स्मर्णः। व्यक्ष्यं पर्व देशिक्शिक्शिक्ष विश्वित्र एक विष्य । विष्य विश्वित्र । वर्ष (व धर्मारमानिका नकी धर्मर विच श्रीनम् '(अकित्रमर' (७) देखि अंक्षिः। नर्सन्यसम् विकीमर भवः **क्र्याखः कार्याः। अध्यक्ति (महमञ्**राक्त्वीकाचित्रज्ञः क्रिश विदार्शमाणिका मछी मियर प्रामाकर किय। 'व्यविखित्रबर' (७) देखि स्कृट्डः। मिस्ता मगायमानिकर बीम्राङ्कि विश्वित विश्वित । एक व्यक्तिराज्य व्यक्तिकार्यम् शिव्या । शिव्या । शिव्या । एक् चित्रिक श्रिकित इर एक शृथिता उभिष्ठा मछी शृथितीर जिय। विष्ठेष्णम एक्टर विष्ठेख मणील विष्ठे एक इर्डिश डिमिक्स वृष्टि । अवसा क्षेक्र र्यं विष्ठ दिन इर গচ্ছতীতি প্রবারং তেনাহনতে উপভিজাহর্দিনং জিয়। অমুয়া দেহাম্বর্গভ্যাদপ্রতিনাড়ীভির-भूत्राणि जात्याणि (पर्श्तिकासूत्रात्तर क्यां। कृष्टोरेत्रकन्तरन 'जात्कागात्काः' ( পा ७।८ ১৪० ) हैकारमानः। तारेका उपरिचा ताकीः जिया दिल्ला 'रम कारकी' देशारक मर्सिः कामान हैज्ञाणिगन्न एजम मञ्चल्जार्सारमाभविका राष्ट्रन जिया । श्रीकर्तकन श्रीकर्रकर-নেনেভি প্রকেতময়ং ভেনাদিভ্যেভ্যাহর্বায়োপভিভাদিভ্যান্ জিল । (১৫ল – ৬ক ) ।

# 

ভদ্ধনা ভক্ততে বিস্তাগাত ইজি ভন্তরমং তেন। রায়ন্পোষেণ ধনপুথৈ। উপৰিজা সাম্পোষং জিল। দংগর্পেণ দ্যাক্ দর্পাত প্রদর্গতি দেছে ইভি দংদর্পেহিমং ভেন শ্রুভার পান্ধার্মোপহিছা শ্রুছং জিল। ইডামং ইডৈবৈডং স্বার্থেছণ ডেমৌব্যীভিঃ ঔষ্থার্ম্পরিভা खन्नी ब्लिन । छक्ष्यम छम्मछ छ द्या यथार यरबाक्ष्यरमार कृष्टी द्वम खन् किः मंत्री तार्यमू भिक्षा छ मृद्ध मंत्री तार्थ विष्य । यद्वापमा परवा मंत्रीक श्रुकाछ वर्षापा अवः रखनावी छन्। यह मार्था मंत्री मंत्री मंत्री मार्था निवासी छन्। यह मर्थ्यर छ । यह मर्थ्यर छन्। यह मर्थ्यर छन्। यह मर्थ्यर छन्। यह मर्थ्यर छन्। यह मर्थ्य । यह मर्थ्यर छन्। यह मर्थ्य । यह मर्थ्यर छन्। यह स्वास्थ मर्थ्य । यह मर्थ्यर छन्। यह स्वास्थ मर्थ्य । यह स्वास्थ । यह स्वास्थ मर्थ्य । यह स्वास्थ मर्थ्य । यह स्वास्थ मर्थ्य । यह स्वास्थ । यह स्वस्थ । यह

# बहुभी किछका।

शिक्षिभवित्र श्रीष्ठभटम चायूभवज्ञाभटम चा मन्भवित्र मांभटन

चा टंडरबार्शन टंडबरन चा । ৮।

खरणारश्रम्रेश (ष्डि गांगाश्रम्भानां। প্রতিপশ্ততে की गंमगंदगर्गं शिखिणवसः। दि हेहेत्क, पर প্রতিপদমন্ত্রাল প্রতিপদেহয়ায় पाम्भागाशि (भगः। এবং দর্শনে। প্রতিদেনমন্ত্রাল অলুপদেহয়ায় पाम्भागं। হে हेहेत्क, पर मञ्जानয়मनि मञ्जादिक्षां प्राम्भागं पाम्भागं पाम्भाभागं पाम्भागं पाम्भागं पाम्भागं पाम्भागं पाम्भागं पाम्भाभागं पाम्भागं पाम्भा

#### गनभी किंछिक।।

खित्रपनि जित्रदेश को क्षेत्रपनि क्षेत्रदेश का वित्रपनि वित्रदेश को नत्रपनि नत्रदेश काक्रदमां काक्ष्मां मा नर्क्रदमां के नरक्षमां प्रदेश कामान

(श्रांकाष्ट्रित श्रांकारेश सानि निष्टि नार्ष्य । क्रिंश सिंग ।

ক্ষুবির্টিণী জরণেণ ত্রিগুণ ছালিখা বর্ডত ইতি ত্রির্দয়ং উজাণাং খাং ত্রির্ভে উপদণাম। প্রান্থাতি প্রান্থাতি প্রবৃদয়ং বভর্ষং প্রার্থিণ অতঃ প্রবৃদ্ধার স্বায়্পদণাম। বিশেবেশ বর্ডতে ভূতেষু ইতি বিষ্দয়ং খং বিষ্দান বিভেছর্থার স্বায়্পদণাম। দহ বর্ডতে গর্দলি লর্ডেছ্লাল্ল স্বায়্পদণাম। দহ বর্ডতে গর্দলি লর্ডেছ্লাল্ল স্বায়্পদ। আক্রোমভি পরাভবিত ক্লুণামি ভালেখে। মহ স্বাক্রেমাই আক্রমার স্বায়্পণ। বিভে লংক্রামভীতি লংক্রেমাইলং খং লংক্রমার স্বায়্প। লস্তানোহলটো বীজরণেণ পরিণ্যোহক্রামভীত্যুৎক্রেমাইলং খং উপ্রক্রা স্বিশ্বির্দি ভিত্তিশার স্বায়্পণ। উৎক্রইা ক্রান্তির্গমার ব্যেত্যুৎক্রান্তির্লার বিশ্বির্দিণ স্বায়্পণ। উৎক্রইা ক্রান্তির্গমার ব্যেত্যুৎক্রান্তির্লং ছে ইউকে, স্বর্থকান্তির্লি

खेरकारेका व्यविष्ठ खामुनमासि। व्यव कृतिहा गानाएकमः। व्यविकः नाकोकायिनिकिः व्यविक नामाद्यम केका व्यवस्था केक्षमम्बद्धमः विष कर्नम। व्यवस्थादमः व्यवस्थादमः व्यवस्थादमः व्यवस्थाः व्यवस्थाः

#### । कि छोक दिल्ल

ম্বাজ্ঞালি প্রাচী দিখনগতে দেবা অধিগতযোহয়িছেঁতীনাং প্রতিপর্যা ত্রিয়া ভোষঃ
পুরিব্যাপ প্রথমনামুক্ধমনাধারৈ জন্মত রথজবপ্র লাগ প্রতিষ্ঠিত্যা অন্তরিক্ষ
ধাষ্মত্বা প্রথমকা দেবের দিনো মান্তরা বরিম্ণা প্রথম বিষ্টা

চার্গণিণভিশ্চ ভে দা লব্বে দংনিদানা নাকত্ম পুঠে

(का- >१.>२ >) 'गाकन(माध्नृ क्षु प्रविष्क्रम् ७ वादिकाम्रामा। चर्मी व प्राक्ताका नी कि व्यक्तिम् ॥ '। भूकान्तक द्वानाकानार भूकान्क । विष्क कर्तक मुक्त पार्वणामान्काणीत त्राध्येकारिक-भक्काक्षकाष्ट्रिकाचिनावज्ञाकमरभराक्षकेका উभवनाक्षीं यदार्थः। भूतकाक्रमवर्गातः। त्राच्छानि। शक्ष गर्जुश्व लिएकाएक (पन शनि। (द इष्टेरक, त्राच्छी श्राव्यभाग व्याही श्रृद्धी क्षिक भगिमा वम्तार्ही (मनात्य डनामिनड ह्यार्थिकर गाम्या । अधि (ई डीनामून-खाकादिमिनाः भवाश्वधानाः श्राज्ञिभक्तां निवाकका। किथा जिव्दर्शासः चा भार भूषिनार लबंदे क्यानशर् लालागावांगायमंद्रत लखः , त्य (ना रेंधनामांश्रंत है। व. नाता हिछा। पिकरा व्यवस्थित न वाशा व्यवस्था छट्छ हमनाकावास वार खक्राजू। करताज त्रवस्तर माम कर्स्तरक लाएक श्री ठिष्ठित। श्री ठिष्ठा वार ख ना ख श्री श्री श्री वार ख श्री श्री श्री श्री खाबरभाव मही अवहर खाना दलरवर्ष द्वारणाय भर्गा लियः आकाम अ भावत्रा महिमार्यन यश्चिम्ना क्रिक्र कार स्वत्य कारता , क्या मान्य ता होता । तार ०८२१४) द्वा से ना लीस्पार्टिंग कता विष्णानः। 'शाणा ना अवगः श्रामधाः" (४७) इति सार्वः वाकालक वास्त्रन् निमानकः छाप्नंथनानार वार क्रिकि वार्षः। किंगर्छ। देष्टेका । क्लामिका ह भूनतम्मिनपिक-बिहेकाणालकण्ठ छार व्यापम्र । यहा विभक्षः । वालाविष्य वालाक्ष्यामे (सन्ध व्यवस्थित है। त्र का सर्वार्थियां को है जार खलत्र हार । 'विनर्का हास्याप-को विरम्हित अप ह अभाव (त) वोस्थ्र मका (विराद्र मेकार मिकार हा कि कारकार । विकार का न्द्रम् यर्थास्त्रा नपावष्रः निववानाः अक्रम्हानामिन्त्राः नर्षा गाक्य पृश्वं म व्यक्तः पृथ्वर माकर खबर खख शृर्ध चक्रां खबक्रां चर्ग (मार्क बब्बमागर हैहेटक हक्।ताबार ह जानग्रेख । (खायाः नागानि । वाजश्यश्रेकत्त नमस्यक्तारम श्रीहोगारतारक्छ। विक्षिकाञ्च (अ० >० क० >०->८) सावाछावि। ( >६आ-->०स )।

# जकावनी काक्रका।

विद्राखिन किमाना निभुकारण दिन्दा व्यक्तिन कि है स्था दिन्दी

शक्तमचा (थाम: श्रविशाध अत्य अहिगम्क्यगापारेत खण्डाण् यवश्नाम दमरम्यु मिरमा क्षवभवा यश्चिम्या क्षा विवर्षा होत्रमिया जिल्ह एक या मर्त्स जश्चिमा गा

#### MINAM B >> B

व्यथ मिल्लिन इं इ इन्युष् कृष्णिकास (प्रवाद (इन्द्रीनार अधिवर्श्वातः (खामाः देवनावि नामानि हामानि। नमानभगः। 'वासूद्रश्रिगाः' (ज्यानि १९। ए० ७)) हेकि श्रेक्टेन्ट

> स्व'ननी क शिका। नवाछनि अंबोडी फिनाबिडाएथ दिना व्यविभेश्वरत्ने रक्षरम ट्यकीमार क्षिक्षका नक्षयम्या स्थामः भ्रिकाणि, स्प्रकृ वक्षक्रियम्बर्धमारेष खंडाल देवक्रमान वाव खंडिका

व्यविक भाषत्रका क्षणमका (करम्यू किरमा मात्रका पश्चिम्ना

क्षणक निषद्धा छात्रमभिगिकिक एक का नर्स्य नश्चिमामा

गाकक পूर्ण भर्ग (नारक यक्षमानः छ मानव्य । ১२॥

अव नम्हार। अगाआका अञाही। 'आ वा त्वर सरवाकरम्' ( सम्मरः मा ८ १८ वा— ) । विकास विकास विकास । १०० वा— ) ।

# बारगामणी किका।

স্ব্রাভক্ষীটা বিষ্ক্রত্ত্ত্ত বেবা অধিপতর: বোমো হেতীনাং
প্রভিগতৈকবিশ্লন্থা ভোগঃ পৃথিব্যাশ্ শ্রম্ভু নিক্ষেবলামুক্পমব্যদাইর
স্প্রাভু বৈরাজ্প লাম প্রভিত্তিতা অন্তরিক্ষ আব্যক্তা
প্রথমজা দেবেরু দিবো মান্তর্মা ব্রিস্পা প্রথম্ভ বিশ্র্ডা
চায়ম্বিপতিস্চ তে তা লক্ষে দ্বিদ্যা নাক্ষ্প পৃত্তে স্বর্গে

# **उर्जी क**!कका।

अविश्वां वृश्को विधिष एक त्वा अविश्वद्या वृश्कां कर्ष्को गार अधिष्ठी जिन्द्यविद्या वा स्थापो श्विनाल सम्बद्ध

टेनचरमनाश्चिमाक्रटक छक्रब व्यवादित छक्ती आक्र माक्तरेत वर क नाममी खिंछिंडा। व्यक्तिक व्यवस्था व्यवस्था यशिष्या व्यवस्य निथका हान्न्यस्थिकिक (स सा माक्क पृत्वं यार्ग कारक यवसानः ह नामभ्रव । > 8 ॥

व्यव मर्या। (व देहेरक, व्यविकः भागांत्रको त्रवा क्यो हार्या विश्वान विश्ववक्रितार्थः) (खारमो चार प्रिनार खग्नकार। देवधरमनाश्चिमाक्ररक मरख काननाम खन्नोजार। माक्य-देवन एक नामनी हा खित्र क्षा कि छ । एक कि कि । विश्व कि विषय । 'करमां व क्षा नी मरक का २१२०। ) हेका किया विभाक्षकः नखर। ऐस्मिम्बर । । ( २६ म-- २८ म ) ।

### शक्षमा कि का।

व्यवर भूरता इतिरक्षः प्रदार्शायक्षक त्रथग्रमण्ड त्रर्शकाण्ड रममामीशायर्गा ह ष्ठ क्रिक्ट्र का हा का वर्षा मध्य करा वर्षा क्रिक्ट हो क्रिक्ट्र का क्रिक्ट का क्रिक्ट का क्रिक्ट का क्रिक्ट का **८७ ६न। गु**ष्णग्रस

(का० ११ ) राय-७) 'भूतीक्रमारभागशामः भूत है जि भक्ष्माः अध्यक्षः अधिमाः ववानिकर'। माकनरण खुकोर छाषानम्बर व्यक्तिना माकनमाम्निस नर्कावम् ववानिकर निकामिकिक्तरमन यक्तिकरका मञ्जाकिन खन्नरञ्जन नक्ष्मुकानरक्षकाः नरकहेका देनकवाकीकि भक् वसूर्वि निष्णाकरणमञ्जासि। स्थाद्धः , भूरत्रोविशः वेष्ठेकाद्धभः भूत्रखाद्ध-वावीत्रमामचार शुरवाविधः। 'व्यविद्धं भ्रवक्षक्षसार भूत रेकि खाकर स्विगृह्यकि

आक्रम् अवत्या ( ৮'७')। । हिंछ स्मर्टः। की पृनः। इतिरक्षमः इत्राप्ता इतिष्ठवर्भः क्राकार्याः (क्रमाः (क्रमामा खामा मणा 'ग्रिः भिरम एति एति । क्षात्राचाः क्षार्था त्रमातः कित्रा यथ 'स्पार्थित ख्रा त्रमातः' (४।७ > >७) हेडि क्षरकः। जजात्व तथग्रमः तरणेकाः ह तमामी आगरमा तरम श्रूरमा समामी कूमरमा म्बर्गरमः 'गृर्मा (यथानी गृंगारकः खिक्तम्प्रनः' (निम्नं कः कः केखि यास्यारकः। (ननार मग्रजी कि (नमानी: 1 (5) नमूक्तवार्षी । तर्भ अवस्थरमा मण्ड न मर्गामाः। क्षमुद्धक्ष के छ। वी । शामर नयुष्ठी छ। भी । এए सामरको (नगामी शामरनारे निय-हात्रकों टो ह नानां जनाद्र हेरार्यः। 'नानश्चित्नो छात्र्यु' ( ३७ ) देखि स्वर्धः। खना भुश्चकक्ता क्रजूक्ता (हजान्मद्रामी विश्वनितृत्य यश्च निविहादिक। भूश्चकक्र পুঞीक्षण क्रिशावगामिणागामिणागम् क्रिशामात्रज्ञ। পुঞ्जिक्षना। क्रम् नार महस्रागार स्वािष्णामानार ख्ना द्वानपृत्वा क्रश्रुख्ना। श्रीक्षक्ना क्रप्नार ह द्वार यनािम् वि वस्-खीबिस्।। 'भू'अनम्बना ह क्रव्यना हाश्रत्रनाविधि निक् हाभिन्ना हिष्ट ह मारू माहिथिः ( ३७ ) हेडि अंटिः। एड कृति। प्रधानीमाः भवनः गाञ्चापरमा दर्खिनासूवर बळाः। (श्रीक्रावितः श्रुक्ष्यनक्की वनः स्नानः वदः श्राहितः श्राक्षेत्राञ्चनः विकास व्यक्त क्रावनरमय नतन्त्रक त्रिनरमा प्र'छ म रनोक्ररयरका यथः। 'यमरकाम्यः प्र'छ म रनोक्ररयरका क्षारपण्डिः ( ১৬ ) देखि व्याष्टिः । यमारिशाद्रयः मामश्री (२ देखेर क, पः क्षाविषक्र मानीकार्यः । (याक्षमां श्रादी) ह खना (ननानी श्रामरणा) (य हाव्मतरणी (य ह व्यक्तिका एक व्यक्तिका व्यक्तिका वर्षण नरमा गमकारतार्थ। (छ गर्क नार्यान मुक्ते ख्रेष्ठ प्रथेत्र । (छ नार्यानव त्रक्ष यर मझर नग्नर विद्याः यमानिष्ठेर विश्वभामः। यम्व नद्ता त्मार्श्वान् (विष्ठ व्याप्रश्वीिक्र क्रद्राणि खर मस्यापयार शूर्यवाद्धानार का छ प्रदेशकत्रारम मूर्य यम् प्रश्चः श्रीक भाषः। 'खि नापरमः खडार्षंड मान्यांड कडा परद्वे। यात्रज्ञांड खडार मूनर । ( ) क अबस् ) ।

# (माएनी क खिका।

विष्कर्या ७७ त्रभवन्छ - त्रव हिळा (नमामी अध्यत्ना । रमममा ह नवलकार्काव्यवरंगी वाक्यांमा ८०%ी ब्रक्षाण्नि वाद्यांकरकरकार व्यक्त एक रगार्थक रमा मुख्यक रक वर विरक्षा

यन्द त्या- (यहि खाववार व्यास म्याः ॥ ३७ ॥

च्यथ मिन्नगण्ड। एकिनश्रार मिनीस्ति मिन्नगा 'मिन्नगामाह' ( পा॰ ८। ०।०७ ) हैस्ति मक्ष्याक्षाकिनम् मानाइ अञ्चाप्त । विक्रिना पिक्षप्त व्याप्त निष्र मर्भर क्षे वश्व । निष्र करवाकी छ ना निष्कर्णा नायुः। 'अपर देव नायुर्तिषकर्णा (मारुप्तर अवस अप कीवर् म्सर करवाछि छक्षसाइ पक्रियाछ छत्यात्वस धिकरेगन कृतिकर नाछि ( ७ ७। २। २१ ) है छि ঞ্জেঃ। ভত বাগোঃ রগখনঃ শোনানীঃ রথে ছিতঃ খনতি শূরন্ত করে।ভীতি রথখনঃ। व्राव विश: विक भाग्वर्गाकाती त्राव विका शांभवी: 'श्वमखार-' ( भा॰ ७।०)३ ) हेकि मक्ष्मा व्यक्ता (को देशकादकू 'देशको ठाइकू' (२१) है कि क्ष: छः। मानम्रक्षानार (मनका। करेगः गरेनिः गराञ्चा गरकका। व्यथ्मत्रामां च गरामाद्रमाः এट व्यव्यत्रो। राष्ट्रपाना क्रक्रमामनास्त्रसाविष्ण्या (नामाः। (श्वश्रादको समाधूर्धनामानः क्रुता बाजूबामास्त्रेक्र-(विक्रिया। व्यां कार्या या प्राप्ति के विक्रिया । एवं देवे (क. या वार्याविष् नर्भः वः खळागानि। गापााडमण्यः । ( >६ न -- > ७ न )।

#### गश्चमणी किशा

त्रव(श्रीखण्डाममत्रवण्ड (नगामी श्रीमरवारे श व्याप्त्रा ठ थी (न। गृज्यन (ভ भटमा (पष्टि **७** ८ म व । र

व्यत्र भन्द्रावा व्यवतिवान शामान केवार्ष 'भन्द्रार 'भन्द्रार (भा ७ ७०२) हेकि व्यत्वय मिगासः। गर्नादं मंग्निश्माप्यक्षर निष्यं। हाः व्यामिकाः निष्रं मन्त्रेमूम् प्रम निर्मेख काकाप्या वाद्यांक वा विश्ववाधाः अञ्चन गांग्हमामार म्लिट्ड पृष्टि श्रमाहार । 'अटनी वा आ'न्द्रा विभवाठ। यमा (ख्रिय फेल्ला) (वन्न नित्र राहा एवंड एक समाव वन्हां कि क बादनकः चित्रा तर्भ त्थाकः (मानानीः। अमरमार्थेक त्रेषत्रप्रत्मां तर्भ यक त्मारमयत्भा माध গ্রামণীঃ ভৌ চ ণাধিকারতু 'ণাবিংকা ভারতু' (১৮) ইতি আতে। প্রামাটভি মরং ध्य शाचानर वर्षा छोडि अक्षान्यो । अस वातर नातः (माठको शक्य माठको छ। व्यवस्ति नाजाः व्यानिकाः यथ (६ ७:, नर्भाः अत्याखर्गाय ठकानानि उक्तमस्य । १६० - ११क) ॥

# मिना कि शिक्ष

শাসমুজনাৎনংবৰ মুক্ত ভাক্ষ লিছারিইনেমিশ্চ শেনানী প্রাথণা বিশ্বাচী হ ভুলাচী চাক্ষরনাবাণো ভেতিক্ষাত: প্রতেভিতেভো নমো আন্ত ভে নোহণস্ত তে নে। মুজ্যুক্ত তে বং বিশ্বো বন্দ নোভেটি

একোনবিংশী কণ্ডিক।

আরমুণর্ব্যক্তির সেনজিচ স্থবেণ্ড শেনানীপ্রামণ্যাবৃর্বনী চ
প্রাচান্ত লাব্যক্তির (হতিক্রিরাৎপ্রহোভিন্তেভোগ নমো অভা
ভি নোহ্বস্থা তে নো মৃত্যুদ্ধ ভে বং বিশ্বো

বশ্চ নো বেটি ভ্যেম্বাং অভ্যে দ্বাং চ্ঠান ১৯ ৪

व्यथ भरवा । डिनिति डिक्रिक्टिक्ट्यक्त्रायम् १ नक्किः 'डिनर्ज्ञानितिहै। ६' ( ना॰ ८।७.७३ ) हे जि निनाष दिक्र अत्यत्व एकार्व। विश्वारवाम्यः यवस् वनः वनक्रनः यमार्गिश्कायमः। जर्याजनः क्षजारका। नमाकीकार्यः। कथात क्षत्रिः 'गर्व्वरा वा छेनति कश्चमारवानतीका-পরি হি পর্জ্ঞাছৰ যদক্ষায় পুরিত্যাহাতো ফ্রায়র বৃষ্টিরলং প্রজাভা: প্রদীয়তে' (৮ ৬ ১।২০) हैं छ। एक नर्वक क तनार बराको छि तन बिर (माकना तना यरक कि क्रायन: 'भूर्य नपार' (পা০ ৮।৩।১০৬) ইভি বন্ধং ভজে। পদং। ভৌ লেনানীগ্রামণ্যো ভৌ হৈমন্তিকার্তু 'হৈমন্তিকৌ ভার্তু' ( २० ) ইতি শ্রুভেঃ। উক্রঃ পৃথু: কামো শুদা যতাঃ লোকশী। রূপাভিদ্যাৎ পূর্ববেষ পুংলাং চিত্তমূপৈভীভি পৃর্বভিভি:। এতে দিওপদিগুপে অস্পারলো । 'ফুর্জা বজ্ঞ-निर्धारत' अवक्षाकी छ। वक्षाकि । अरहकून मर क्रांत रहिंडः। विद्वाष्ठ भन। श्रार्थिः। निष्ठेर गायावर ॥ ( २६ म- १३ क ) ।

# विश्ली किछिका।

बियः कक्रभिकः श्विगा अप्रम्। जनाण् द्वाण्मि विचिष्ठि। २०॥

'इम्म जा जित्या र न्वार ज वृत्र जा त्या प्राप्त विष्यू (कि छ छ ज हरे (का ० १ १ । २ व का माना গান্ত্রাভাশ্চশভা একৈ কমিন্ স্থানে ভিন্ন উপদ্যাভি ভাশাং মণামা পঞ্চানুকে ভামভিভো দ্বে व्यक्ति । व्यव भूकि कि व्या शामको विभिन्न दिन अकार । वार रक्षामाना ज्यों ज युवार्वः। खिल्य नाटाव्यिष्यवा भाषात्राः। व्याणा वाथाणा (व्यागाः ज **本・>2) 8 ( >6 年一 2 - 年 ) 8** 

# अकविश्णी किछका।

ষাজন্য দভিনম্পতিঃ। সুদা ক

अब्रमश्चित्रीमुम्खः स्वम इंडि (मयः। कीमृमः। नरुखः मःथा अनाखीड नरुखी छना। व्यक्तिः व्यक्तरकान्या वाक्नाज्ञना भिक्षः यागे। व्यक्तकाञ्चन देवार्यः। ख्या त्रज्ञीनार यमानार मुक्ता निद्रायक्षकः। व्यक्षिर्वि नर्वयमानार श्रमानयनः पृष्टापृष्टेनायनेषादः कविश काष्ट्रमण्डा ( १८५—२) । .

# ष्वाविश्नी किखका।

चामरक्ष श्रकतामधाभक्ता नित्रमञ्छ। म्दर्शिविषण वाषण्ड ॥ २२॥

या। था दिकानत्व वा विश्व विषय किया त्रार । ( ) व व - २२क ) ॥

# व्यानिश्न किख्या।

भूरवा यक्क त्रक्षणण्ड स्वक्ष यद्या निवृद्धिः महत्व विवाधिः।

पिनि गुर्कानर परित्य चर्चार जिल्लामर । इकृत्य ह्या वाहम्॥२७॥

কোত ১৭।১২ ৭) 'পুরস্তানিষ্টু ভো রেডঃলিখেলায়াং ভূষো বজ্ঞগোডি'। পূর্বাদিনি রেডঃলিখেলায়াং তিরি পূলি নাম কার্যানাং তিরি পূলি নাম কার্যানার কার্যানার

# ह्यू कि शिक शिका।

অবোধারিঃ সমিধা জনানাং প্রতিধেক্ষয়িবারভীম্বাশস্।

যহ্বা ইব প্রামু'আজহানা: প্রভানবঃ শিল্পতে নাক্সজ । ২৪॥

জনানাং জ্ঞানশ্রম্বাধিকত প্রণাল্যাবিদ্যালামান্ত্রি হোতিলাং দ্বিণা দ্বিদ্যালানান্ত্রি প্রতিবৃণাতে। কর্মণি স্মধিকারং জ্ঞানাতীতার্বঃ। 'দীপজন '(পাণ তাচান্তর) ইত্যাদিনা পুতি কর্মনি চিণ্। তত্ত্ব দৃইাল্ডঃ। জ্ঞান্থতীয়াগছতীং ধেলং যথা বংলঃ প্রতিবৃণাতে যথা চোবদমাগছতীং প্রতি সন্থাঃ প্রতিবৃণাত্তে। দীপ্রণা ভভারের্ডানবো রগান্ত্রো নাক্ষ্ জ্ব হামিভিঙ প্রসিক্ত প্রদার প্রতিবৃণাত্তে। দীপ্রণা ভভারের্ডানবো রগান্ত্রো নাক্ষ্ জ্বানান্ত্র প্রতি সহল্লাম। বছবাঃ মহান্ত্রো জ্ঞান্ত পক্ষাং পক্ষিণো বল্লাং রক্ষ্ণাথাং প্রোজ্ঞিলানান্ত্র প্রাণ্ডালানান্ত্র প্রতি সহল্লাম। বছবাঃ মহান্ত্রো জ্ঞানপ্রতি ভবং। প্রচাহর্বাহ্র বা। জ্ঞানাম্বিক ং স্থান্ত্রভানা নাক্ষ্যালাণং প্রতি প্রবৃণাত্তঃ প্রজ্ঞালার জ্ঞান্ত্র প্রতিব্যাণান্ত উপাপর্তি। ভভ্জালার প্রতিব্যাণান্ত উপাপর্তি। ভভ্জালার নাক্ষ্যাভি প্রাণ্ডালার বিল্লালার বিল্লালার ক্ষান্তর প্রতিব্যাণান্ত বিল্লালার বিল্লালার

# शकितः भी कि खिका।

अतिष्ठित नमन (अभगति क्रिका क्

উদগাভারো বদন্তি। বরং ক্বয়ে ক্রান্তদর্শিনেহয়য়ে বচোহলোচাম ছতিরূপং বাল্যযুক্তবন্ধঃ। কীলুপার ক্বয়ে। মেগায় মেবে বজ্ঞে যোগায়। রবভায় শ্রেষ্ঠায় কামানাং
বর্ষালে । রুফে লেক্তে,। যুনে পরিপামরহিভায়। কীলুপং বচঃ। বন্দারু বন্দমনীলং
ছভিভৎপরং। 'শ্বন্দারারুঃ' (পা- ৩:২)১৭৩ )। ইদানীং গবিষ্ঠিরঃ গনি বাচি ছিরোহপ্রচ্যাব্যো হোভা নমনাল্লেন যুক্তং জ্রোমং স্তভিময়ো আহবনীয়ে জ্লেছে। অন্তভূতপার্বঃ
প্রাতঃ লঙ্গভর্ষে। 'ভ্রমনি লুঙ্গঙ্গিটঃ' (পা- ৩।৪।৬) ইতি বচনাং 'বছলং ছন্দ্রিণ'
(পা- ২-৪।৭০) ইভি শপো লুক্ গুণঃ। হোভারো জ্যোমাপরিক্রভি জ্যান্সবিদ্ধান্ত
য জ্যাত্রাক্যাভিরয়মরিশ্বন্ধং করিক্তভীত্যবঃ। ভল্লে দুইনকঃ। দিবীব রুক্মমুৎপ্রেক্ষতে। দিবি
ছালোকে ক্রয়ং রোচমানমাদিতাং ন্র্যাবন্দনস্ব্রোপন্থানাদিয়ু বিপ্রযুক্তাঃ উরবো বছবো ব্যক্তাঃ
ভক্রয়া গভরো বা বজ্ঞে ভ্রমিনেহবৃৎপ্রেক্ষা। স্থোমঃ স্র্যোপোপমীয়ভে। 'গবিবৃধিভ্যাহি
থিয়ঃ' (পা- ৮০০৯৫) ইভি বরং। (১৫জ -২৫ক)।

# यिंदुः भी किथक।।

আরমিত প্রথমো ধারি বাজ্ভিহোতা যজিতে অধ্যনেশীডাঃ।

।

ব্যপ্তশানো জ্গবো বিক্লক্ত্রিবের চিত্তং বিভং বিশেবিশে। ২৬॥

'बन्न छोण्ड भण्डामत्रमिरहाँ । का॰ ১१।১२।৮) डिम्प डि: भण्डा खादाः । बिख्या बन्छ। बाद्याः । बाद्धः वाद्याः । वाद्यः वाद्यः वाद्यः । वाद्यः वाद्यः वाद्यः वाद्यः वाद्यः । वाद्यः वाद्यः वाद्यः वाद्यः । वाद्यः वाद्यः वाद्यः वाद्यः वाद्यः वाद्यः । वाद्यः वादः वाद्यः वाद्यः वाद्यः व

# मखिनिश्मी किखका।

ভানত পোপা অভনিষ্ট ভাগ্নির্ধি: প্রদক্ষঃ প্রবিতার নব্যদে।

ভাতি বিত্তি বিতার নব্যদে।

ভাতি বিত্তি বিতার নির্দেশ বিতার বিতার নির্দেশ বিতার নির্দেশ বিতার বিতার নির্দেশ বিতার বি

বোহবির্ত্তরে অন্ধি লাঃ নকাশান্তনিই আড়ঃ তৈর্মনিত্বান্তে লাভ ইত্যান্ত ।
ভরতা ইতি ওবিঙ নামর পঠিতঃ। কিমর্বং আড়ঃ। মনালে মনীয়নে মনভরার।
অবিভার ভভার প্রহতার কর্মণে যাগায়। হতেরিভাগন আর্যঃ। অভিনন্ধ ননীয়ন্তলৈ।
লৈগোপ আর্যঃ। লোহরিন্ধিনিস্পূনা তালোকস্পর্শিনা রহতা জ্ঞালানমূহেন তামৎ কান্তিমন্তবা
ভণা বিভাতি বিবিদং দীপাভে। কীদৃশোহরিঃ। অনভ ষত্তমানত গোপাঃ। গোপারভি
রক্ষতীতি গোপাঃ কিপ্ 'লোপে ব্যাকিলি' (পা ভাগভেছ) ইতি ঘলোপঃ। আগ্রিঃ
আগরণশীলঃ কর্মান সান্ধানঃ। অনভ্যা ভোজনো কক্ষ উৎদত্তো যভ অভিকুশলো বা ।
ঘুতপ্রতীকঃ ঘুতং প্রতীকে মুখে যভা। ভটিঃ ভদ্ধঃ নতুনি হ্রীংবি ভক্ষরস্থা উচ্ছিট্রো
ন ভাৎ খোবকো বা । (১৫ অ – ২৭ ফ) ।

# बामें। विः भी किका

भागत्य व्यक्तित्रत्यां श्वदा विख्यविन्यक्षि<sup>।</sup> শ্রেরাণং বনেবনে।

ण जात्राम स्थामानः महासम्बद्धः महणण्या विस्ति । । ।

তে আয়ে, অজিরদঃ অসিরোদংশোন্তনা ঝবয়য়ায়য় বিদ্দন্ লেভিরে। অবিশ্ব প্রাপ্রিভার্বঃ।
কিন্তুভং দাং গুলা গুলায়াং নিস্তৃত্ প্রদেশে বিভং স্থিতং। অস্যুক্' (পা০ গামতঃ)
বিভি গুলাব্দাংশপ্রনিলালঃ। তে আয়ে, পুনর্বইং দাং বনে বনে শিল্লিয়ালং নানাদনশাভিষু
প্রিভালিরণােইমিলালঃ। 'নিভাবীক্ষায়াঃ' (পা০ ৮.১৪) ইভি মনেপদ্ভ দিবং। শ্রমভেঃ
আমচি 'বছলং ছন্দলি' (পা০ ২০৪০৭০) ইভি শশঃ স্কুঃ দিবং চ। য়ং দামজিরলােইলভান্ত ল দং
আর্লেহধুনাপারণভা উৎপদ্দল: কীলুনা। মহৎদহঃ মহভা বহুনা দহলা বলেন মধায়ায়ঃ।
মহৎদহঃশক্তাং ভ্রীয়ালােপঃ। মণানানো আয়ল ইভার্বঃ। তে অক্রিঃ আয়ে, অভারদ্ব
ক্রেণা বলাক পুত্রং দামান্তঃ বদন্তি মুনয়ঃ বলেন মন্তনাজ্যায়মানদাক্ষাপ্রেই বদন্তীভার্বঃ। ২৮৪

# क्रामिक ।

ण्यातः मः यः नभाकिमियण् (खामर हाधर्मः

विशिष्ठी निष्ठी नाष्ट्रविष्ठा निष्ठी नाष्ट्रविष्ठ । २२ ।

(কা০ ১৭।১২:৯')। 'ক্ষপরাক্তাহমুট্ট ল লথায়: লমিডি' কগভীভাহ পরাক্তিক্র ক্রি ক্রিল লথায় ইড়াক্র মেবেডি স্ত্রার্থ:। ভিত্রে চিন্তু ছঃ। ক্রিকাপ্রতি বজনানো ব্রুডে কে লথায়: ক্রিকার্য করিছে, লমাক্রং লমানি নিম্বং ছবিল ক্ষণমূহ লমীচীনং ভাষের বঃ মুরং লম্পালয়ত অল্লার্থং ছবিঃ ক্রুডে। ত্রিরংগঞ্চন লালিভাষাং চ বনতে ভার্থঃ। বাভারেন প্রথমান্থানে ফ্রিলাব্য চনং ক্রমা বলালেশে ব ইভি। লমিড্রাণ পদর্গমাণেক্রিড: বাভারেন প্রথমান্থানে ফ্রিলাব্য বিল্লারাপ্রয়ে। ক্রিকীনাং মঞ্জাবাং। বর্ষিতার প্রের্ডার ব্রুডিলার। 'প্রির্ক্তির—' (পা০ ৬ ৪৷১৫৭) ইড়ালিনা ব্রুড দ্বাজেশ ইন্তিন। ক্রিডার বিল্লারার ভ্যাবিতি ক্রিডরো নরাং কর্ডির ক্রিন। ক্রিপুঞ্জাব্যেভার্থঃ। তথা উর্ক্তেল করার নবলন্তি ভ্যাবিতি ক্রিডরো নরাং কর্ডির ক্রিন। ক্রিপুঞ্জাব্য ক্রিডাপাং পৌরোর ক্রিডাপাং পৌরোর ক্রিডালার ক্রেডির ক্রিন। ক্রিডাপাং পৌরোর ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডাপাং পৌরোহ ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডাপাং পৌরোহ ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রিডালার ক্রেডালার ক্রেডালার

# जिश्मी किलगा।

निष्णान्त युमन्नत्थ निष्णक्या जा।

ইডল্পলে সমিণালে ল নো বস্থাভর। ৩-।

(ए युवन नर्बिड: ८मछः (ए खर्ब, खर्याः चामी घर निमानि नर्दाणि कनानि जा नमसार मर्युवल मर्योवि यस्थातिम नक्ष्मप्रमि। (यो छिसिकत्र गणविष्ठा । 'वर्षाः चामि- देव छर्ताः' ( भा॰ ७। ১०० ) हो छ निभा छः। हे छः हे छात्राः (भाः श्रीका) वा भरि चारिक छर्वे वर्षाः भी भारत म मेनु वर्षः ( नाक्ष्मछः वर्षाः प्रानि जा छत्र जाहरू ( एक्षे छात्रः। इत्र छर्किवादः। ( २६ च - २० क ) ।

# जकिला किला।

चार हिळ्लानसम स्नर्क निम्मू जस्तरः।

(पाहिष्मनः भूक्रशियात्य स्याम (नाहृत्य ॥ ७) ॥

हित्यर नामानिषर खारना गनर को दिन्छ। यण महित्यथाः व्यक्तिमाः विकास निष्यक्ष निष्यक्ष निष्यक्ष निष्यक्ष । एक श्रुक्ति श्रेष्ठ । श्रुक्ति श्रुक्ति श्रेष्ठ । श्रिष्ठ । श्रुक्ति श्रेष्ठ । श्रुक्ति । श्रुक्ति श्रेष्ठ । श्रुक्ति । श्रुक्ति श्रेष्ठ । श्रुक्ति । श्रुक्

स्पर्क ज्ञास्त्रक्ति। '(क्ष्यक ज्ञास्त्रारम' प्रसः मच्छानात्रन्थ' ( भा॰ ७।५ ०२ ) हेकि व्यक्ति मध्यमात्रन्थ खनम्ह। क्रिश्च क्ष्यूर्। स्वाप्त (भाएरव। विकक्तिवाकात्रः। स्वाप्त (वाप्त्र्वः प्रक्ष्यकात्रः। स्वाप्त् (वाप्त्र्वः प्रक्ष्यकात्रः। स्वाप्त्रः। स्वाप्त

ঘাত্তিংশা কণ্ডিক।

এনা বো আনং নমলোজেনানগান্তমান্ত্রে।

থিয়ং চেভিঙমরভিত খ্যাবরং বিশ্বন্ধ দূত্যমূত্তম্য এই।

'व्यवाहारयमात्रार भूत्रखाष्ट्रकीरत्रना य हेकि' (का॰ ১৮ ১२ ১० )। व्यवाहारयमात्राः भूत्र-ভাতিলো বৃহতীষ্টকা এনা ব ইভি ভিস্ভিক্লপদশাতীতার্ব:। ভিলো বৃহতা: প্রগাণ: ঝগ্-षत्र প্রস্থান্ত বাৰ্ম ক্রিয়দম্পাননং প্রাপাণঃ ভঞা বৃহতীদভোবৃহতীভাগে ভিলো বৃহতাঃ স্থৃতাঃ। यक्षाकृ छी त्रा बाववाक्तरमा व्यापार्थे । वा त्रकी। वा त्रकी। वा त्रक्तिः नगला व्यापारकान भाष মাছবে। প্রিরং চেভির্ময়তি৺ খধ্বরং বিশ্বক দূতমমুত্তং' ইতি। যক্তাঃ প্রণম্বিতীয়ে দাদ-षार्गी विकीशकूर्या। यहै। भी नरकाव्यक्षी। 'न साबरक व्यक्रमा निचरकाक्षना न क्रमन चार्छः। जुज्ञमः वक्तः जनमो वस्नार (वन्धः द्वार्या बनागार' देखि। खज वृष्णाखतीत्रर भागर विदायकी मर्छावरकााः भूकार्षिन मह विद्येषा वृष्टी क्रष्ठी । मर्छावर्ष्ठा विद्योप्रभागः चित्रावर्षा एका अरवास्त्रवार्ष्यन नव ज्लोबा तृष्ठी क्रुष्ठा। अवर खिरवा तृष्ठाः नरिकाबार भिक्षिः। छद्धाविकि नामानामवीख्यां ज्ञावाद (च बाटो नापाद्यक्त । अमा यः। विक्रक्त-वाकावः। एव अधिगाणमानाः, द्या भूषाकर मकक्षिना এना अरगम नमनाद्वम हिंग करण-नाशिमहमाहर न जास्त्रामि। त्या युत्राकरममधिर नमनाहर हेकि या। कीपुनमक्षिर। উর্জ্জোনপান্তমপাং পৌত্রং প্রিয়ং ষজ্ঞানামাং প্রীজিবেজুং চেভিষ্ঠমভিশয়েম চেভিয়িভায়ং। 'ভুরিছেমেরদ্রু' (পা০ ৬ ৪ ১৫৪) ইভীন্তনি পরে ভূচো লোপ:। অরভিনলমভিং পর্যাঞ্জ-त्रिक्र भन्न मा स्वादिक । भर्षाक्र मधुक्षिकार्यः । वश्य वर द्याक्ष मा ज्या ज्या व युक्त युक्त खर । ( 76四一四5年 ) 1

ত্রন্তিংশী কণ্ডিক।

বিশ্বপ্ত ভূতনমূতং বিশ্বপ্ত ভূতনমূত্র;

বিশ্বপ্ত ভূতনমূত্র ।

বেশিক্ত অকুষ্য বিশ্বভোজনা ন দুল্লবংখাত্তঃ। ৩৩ ব

চতু দ্রিংশী ক বি কা।

স হলবংখাকতঃ ল হলবংখাকতঃ।

অবসা যক্তঃ অধনী বসনাং দেবশু রাধে। অনানাৰ। ৩৪ ।

দ এবারিঃ রণারাতঃ দন্ স্বান্ততঃ শোভনপ্রকারেণাছতঃ দন্ ভুদ্রব দ্রবভি গছতে 'দ্রুল গতে' 'ণিশ্রিদ্রুক্তভাঃ—' (পা॰ ৩ ১ ৪৮) ইভি দুঙি চঙ্ দ্বিং অভভাবগুণাভাবাবারী। কুরে গছতীভাত আহ মুব্রম্বেতি। বস্থনাথিতি। বছলকো রুলাণিডায়োরুপলক্ষকঃ। বস্থনাথ কুরাণামাদিতানাং দবনজরদেবানাং যত্র বজ্ঞা বত্র চ জনানাং ধজনানাঃ দেবং দীপামানং রাধাে ধনং হবিল ক্ষণং চাত্তি ভত্রামিগছতীভার্বঃ। স্থবদা ব্রহ্মা ব্রহ্মণনং শর্মবিগুণলক্ষণং। শোভনো ব্রহ্মা প্রহ্মা প্রহ্মা ব্রহ্মণনং শর্মবিগুণলক্ষণং। শোভনো ব্রহ্মা প্রহ্মা প্রহ্মা ব্রহ্মণনং শর্মবিগুণলক্ষণং। শোভনা ব্রহ্মা প্রহ্মা ব্রহ্মণনং শর্মবিগুণলক্ষণং। ব্রহ্মা প্রহ্মা প্রহ্মা ব্রহ্মণনং শর্মবিগুণলক্ষণং। ব্রহ্মা প্রহ্মা ব্রহ্মণনং শর্মবিগুণলক্ষণং। ব্রহ্মা ব্রহ্মণনা শ্রহ্মা ব্রহ্মা ব্রহ্মণনা কর্মাণ কর্মাণা কর্মবিগ্রাক্ত ক্ষামান্য প্রহ্মান্ত কর্মবিগ্রাক্ত ক্ষামান্য কর্মবিগ্রাক্ত ক্ষামান্য কর্মবিগ্রাক্ত ক্ষামান্য ক্ষামান্য ব্যক্ত হবির্ভোক্ত মাধাগছতীভি দর্মার্থঃ। (১৫ অ—৩৪ ক)।

পথ জিংশা ক গুকা।

আধা ৰাজ গুনোমত ঈশানঃ সহলো যহো।

আপে ধেহি জাতবেলো মহি শ্ৰবঃ। ০০ ।

# वक्ट्रिंश-गर्विका।

# यहें बिश्नी किखका।

প ইধানো বশুস্থবির্মিরীডেক্তো গরা। রেবদমভাং পূর্বণীক দীদিছি। ৩৬ ৪

ছে পৃথ্বিলিক, পুরু বছ জনীকং মুখং যা। তৎসমুদ্ধি লহ্বিলাহক স্থাৎ। 'বতো ছেব কু ভদ্চামাবভালেখাতি তভ এব প্রদহতি' ইতি ক্রতঃ। হে বছমুখারে, জমভামস্মনর্থে রেবং রিমং শনগদ্ যথা তথা স মং দীদিছি দীপার। দিবেং লপ সুং বিমং 'তুলাদীনাং দীর্ঘোহভাগেলা' (পা০৬০) ইতি মলোপাঃ। রিমিরিজতে যত্র কর্মাণ রেবং 'র্যের্ম্মতো' (পা০৬০) ইতি সম্প্রারণং। তথা ম্বা হাবগ্রাহ্য মণামাকং ধনান্তির্ভবতীভার্যঃ। ল পুর্বেজ্য় কীদুশ্বং। ইথানঃ দীপামানঃ। বল্পা নিবাগহেতুঃ। কবিং জ্যান্তদ্দী। অল্পি: জাগ্রে নায়ভীভাগ্রামঃ। প্রথমং বজ্ঞাব্রক ইভার্যঃ। গিরা জ্যীলক্ষণমা বাচা ক্রডেক্সং কিড্রুং বোগ্যঃ স্বভাঃ। ত্রণান্তিক এক্সঃ ৪ (১৫জ—৩৬ক) ম

# म खिद्धाः भी क खिका।

ক্লো রাজসুত স্বাথে বস্তোক্তোষণঃ। ল ভিগালস্ত রক্সাে দহ এভি।৩৭॥

ছে রাজন দীপামান, হে তিয়৸ত তিয়া তীক্রা জন্তা দংট্রা বছা। যথা তিয়মিতি
বহানাম। হে বজানংট্র অংগ, বত্যোঃ অয়ঃশহান্ধন উভাপি উবদঃ উবঃলালাপথারিনো
রক্ষণো রক্ষাংলি রাক্ষনান্দ হং প্রতিদহ প্রভাকং ভদীকুরু। লিজবাভারেন রক্ষঃলক্ষ্যা পুংস্থং 'ছন্দলি পরেছপি' (পা৽ ১৪৮১) ইতি প্রভাপনর্বনা ক্রিয়াপদাৎপর্বং।
কীলুলস্থং। স্থনা উপ আস্থনাপি স্বভাবতোহিপ ক্ষণঃ ক্ষপয়ভীতি ক্ষপঃ ক্ষপ ক্ষেপে
চুরাদিঃ পচাত্ত স্বভাবতো রক্ষনাং ক্ষপয়িতা। 'ময়েষাভ্যাদেরাম্বনঃ' (পা৽ ৬,৪১১৪১)
ইতি আস্থন আক্রারলোপভ্তীরেক্ষতনে ৪ (১৫ তাক্ষ) ৪

# षष्टिं ने किएका।

ভাষো নো অধিরাহতো হল। রাভিঃ প্রভগ ভাষো অধ্বরঃ।

হ'র। উত প্রদন্তগঃ। ৩৮।

(কা০ ১৭)২২।১১) 'ভজো ন ইতি ককুছভাতাঃ'। ইতি বুহুতীভাঃ পুরস্তাভিত্রঃ কুর্নিইকা ভজো ন ইত্।কুনেশোণদ্বাতীতি শুরার্ছ: প্রাণঃ করুপতাবুহুতীতাঃ ভিত্রঃ করুতঃ পালার্ভা রুতঃ পার্ভসা নার্থান্তরং। ভজো নোহ্রিরাপ্রশান্তর ইতি করুপ্। মধাঃ পালে। ঘালশক আছত্তীয়াবইকাবিতি ভল্লকণ্ই। ছদ্রং মনঃ কুরুদ্ বুরুত্বো যেনা লমবন্দ্র লালহোহন ছিরা ভল্লহি ভূরি শক্তাং বনেমা তে অভিটিভিরিভি লভের্ন্তী। আলভ্তুতীয়ো ঘালশকো বিভাগত্র্যাবইকাবিতি ভল্লকণ্ই। ভল্ল করুব্ ব্যাপ্যার্ভে। যজমানশ্চত্যথায়ং প্রোণ্ড প্রার্থিতে। হে স্বভগ শোভনহণ পোভনই জ্যাপ্যার্ভে। যজমানশ্চত্যথায়ং প্রোণ্ড প্রার্থিতে। হে স্বভগ শোভনহণ পোভনই করাপ্যার্থিত যস্য। 'ঐপর্যান্ত লমগ্রনা পর্যান্তরং আলগ্রহান্তরাক্রান্তরাহ্বান্তর্যান্তর বর্লাই ভল্লই কল্যান্তর ভল্লীরং কল্যান্তর ভল্লই কল্যান্তর ভল্লই কল্যান্তর ভল্লই ব্যাপ্তরাই কল্যান্তর ভল্লই ব্যান্তর ব্যান্

# व्यक्तानह्या तिश्ली काखका।

ভদ্রা উভ প্রশাস্তব্যে ভদ্রং খনঃ কুবুদ বুতাত্রো। যেনা লগৎস্থ লালছ: ॥ ৩৯ ॥

জাব বিতীয়া। হে জারে, যেন মনসা সমৎক্ষু লংগ্রামের ছং লসছঃ জাভিজননি লাজনি, 'বহ মর্গণে' ছন্দনাভিজবে চ লঙ্ বিশ্বভাগনি ছান্দনৌ লংহিভায়ামভালনীয়া। ডানা ভানা বুজা বিজ্বভাগি বুজা পাশং করুষ। তুর্যাভিক্ষণকর্মা। বুজা পাশং পাশা বৈ বুজাং' ইতি শ্রাভাগ (১৫ল – ৩৮ক)।

# ह्यातिश्मी काशका

যেনা দমৎকু দানহোহন ছিরা ভত্তহি ভূরি দইভাষ।

# ননেখা তে অভিষ্টিভি:। ৪০।

# विकाशिक किन्द्राकितका

আগিং ডং মঞে যে বন্ধরস্তং যং যদ্ভি ধেনবঃ।

-----
। তাম্বাস্ত আলগোহতং নিভালো বাজিন ইয়ত জোভ্ডা আভিয়া ৪১ চ

ভিলঃ পশুজিনংজা ইউকা আরিং তামতি' (কাত ১৭।১২।১৪)। দক্ষিণেছনুকান্তে ভিলঃ পশুজিনংজা ইউকা আরিংতমিতি তিন্তাভিন্তগদগাতীকৈ স্কার্থঃ। তিন্তঃ পশুজেগঃ খল্য ছো পালানইকো লা গঙ্জিঃ। যো কলঃ ভাপপাকপ্রকাশৈক্ষপকৃষ্ণন্ ধনরপো কলুরিভাচিতে। কলুর্বাদ্যিতা বা যঃ ভগাগ্রং মজে জানাছি। ধেনবো গাবো যমন্তিন্দুতাতে। কলুর্বাদ্যিতা বা যঃ ভগাগ্রং মজে জানাছি। ধেনবো গাবো যমন্তিন্দুতাত জালা অভং গৃহং সন্তি গদ্ভি দোহকালোহ্যাকং হোমার্থং প্রাপ্ত ইতি। আলবঃ শীল্রগাহিনোহকক্তে হবা যং দৃষ্ট্যান্তং যজনানগৃহং যন্তি গদ্ভিন্ত। নিভ্যানঃ নিভ্যাঃ শাল্তাঃ লক্ষকালভাবিনেং নাজিনো কলবজোহ্যাঃ। নৈল্পালাভ প্রান্তার প্রকাল বা বা মুলাসঃ সাম্বাদকং লভাত ইতার্থঃ। ভালুল হে জারে, ভোলুভাঃ ভিজিলারভা যজনাতে ইবালুলার বা বাল্যারিভা বা বাল্যানিক লাভর দেহিন (১৫ল—৪১ক)।

# विष्ठशिक्षा कि किना

्मा अशिर्या। नकुर्न् मर यमाश्रीक (सन्तरः ।

অনক্জো রঘুদ্ব: লখ্ খ্লাভান: প্রয় ইবখ্ জোভ্ভা আভার। ৪২।

যোহ শ্বিক প্রবাস থিত। স অগ্নিঃ। বিছ জিনাতায়ঃ। তমগ্নিং গ্ণে ভৌমে 'গুল জে' আলিঃ
লটি ভঙা তথৈ কবচনং আলি হাজ লঃ। গোল ৭০৮০)। যথা লোহগিঃ গ্ণে ভূমতে হথাভিঃ।
কর্তি এতাম কর্মার বিশেমং। শেনবো ষমাগ্রং নমাগ্রি নমাগভিত্ত। অক্তভোহখা বং
লমারভি। কালুলা অক্সঃ। রঘুক্রনঃ রলগোর কাং। লঘু কি প্রমারং ক্রতং' লখু জীত্রং
ক্রমারভি। কালুলা অক্সঃ। রঘুক্রনঃ রলগোর কাং। লঘু কি প্রমারং ক্রতং' লখু জীত্রং
ক্রমারভি গভ্তি লঘুক্রনঃ ক্র বনগভো!: আলি: ক্রাণালিন্দ ক্রিপ্। প্রমার বিষাংলো যোগ্যা
ক্রিলো বং সমারভি যত্ত্বাগকং দক্ষে ভক্তে ভভার্ব:। কীলুলাঃ প্রয়ঃ। স্ক্রভালঃ
লোভনং আভং জন্ম বেধাং তে স্থলাভানি ক্রাভান জাভাগেঃ (পা০ ৭০০০০) ইভাস্কর্
ভালুল ব্ অগ্রে, বং ভ্রোভ্রা ইবনয়মাভর ॥ (১৫ অ—৪২ক)

# खिडंबाबिश्ली किखका।

উত্তে स्म्हल वर्षिया पर्यो जीवीय जानित।

हिछ। न छेरपूर्गा উक्**ष्यू स्वनम्भड हेर**ू (श्वाङ्का जाकत ॥ ८०॥

हिला भू मकारतर्गिछ भर्गण्याः हर्षः गर्त रामका भागमः। एव रहा हिला स्थानिछ हिलागाम। (माण्याः हला हिलागाः या। वदा (माण्याः हला हेन हर्षाः प्रमानाः। (माण्याः हला स्थानिछ विशेषः व्यापः हला प्रमानाः। (माण्याः हला ममक्षानिछ विशेषः व्यापः हला प्रमानि हला हला हला । विशेषः हला भागमः हिला मक्षानि प्रमानाः विशेषः विशेषः । विशेषः । विशेषः मक्षानिः विशेषः । विशेषः मक्षानिः विशेषः । विशेषः । विशेषः विशेषः विशेषः विशेषः । विशेषः विशेषः विशेषः विशेषः विशेषः । विशेषः वि

# हर्ष्ट्र विश्वी क छक।।

व्यक्त क्ष्मश्राचि न एखारेमः कक् न क्षम् क्षिण्मृषम्।

चागामा क स्टेबः ॥ ८८ ॥

(কা০ ১৭।১২।১৫) 'উত্তরে পদপত্কী অংগ তমিতি'। উত্তরান্দাতে ভিত্রঃ পদপত্কীউলাঃ অংল তাগতি ভিত্রাক্রণদাতীতি হ্রার্ণ। তিতঃ পদপত্কারঃ যভাঃ পঞ্জারগাল আলঃ বত্রি লা পদপত্কি। যকা ব্রের পঞার্ণাল কুর্বাল কাল আলঃ বত্রি লা পদপত্কি। যকা ব্রের পঞার্ণাল কুর্বাল কাল কাল ব্রের বত্রি লা পদপত্কি। যকা ব্রের পঞার্ণাল কুর্বাল কাল কাল ব্রের বত্রিক কর্বামেতারঃ। বালিবি লােটু। বিভালেঃ। তরাজারাং চতুর্বালত্কা। হে অংল, তে তাল তং কর্বামেতারঃ। আনিবি লােটু। সংক্রিয়াং লার্বা। ক্রিয়াং লাবাল কিনে ব্রম্পান দমর্ক্রান। দম্কং কর্বামেতারঃ। আনিবি লােটু। সংক্রিয়াং লার্বা। কৈঃ। ক্রেটিয়া অভিতর লামলম্বিঃ। ক্রীত্বালার বিভালে। ব্রেটিয়া বর্বাল ক্রিয়াং। বর্বাল ক্রিয়াং। বর্বাল ক্রিয়াং। বর্বাল ক্রিয়াং। বর্বাল ক্রিয়াং। ক্রিয়ার্বালিক কর্বাল ক্রিয়ার্বালিক কর্বালিক ক্রিয়ার্বালিক ক্রিয়ার্বালিক ক্রিয়ার্বালিক ক্রিয়ার্বালিক ক্রিয়ার ক্রিয়ার্বালিক ক্রিয়ার ক্রিয়ার্বালিক ক্রিয়ার ক্রিয়ার্বাল ক্রিয়ার ক্রিয়ার্বালিক ক্রিয়ার ক্রিয়ার্বালিক ক্রিয়ার ক্রিয়ার্বালিক ক্রিয়ার ক্রিয়ার্বালিক ক্রিয়ার ক্রিয়ার্বাল ক্রিয়ার লক্ষ্রালের ক্রিয়ার ক্রেয়ার ক্রিয়ার ক্রিয়ার ক্রিয়ার ক্রিয়ার ক্রিয়ার ক্রিয়ার ক্রিয়ার ক্র

# शक्रिषातिः भी कि कि का।

स्था क्रिका क्रिक प्रकार मार्थाः। त्रथीय क्रिक त्रव्या नष्ट्रथा वर्ष

- অপেজ্যবেছবেজানারং। 'নিপাজন্য চ' (পা০ ৬ ৩।১৩৬) ইজি লংছিভারাং দীর্ঘঃ। हि भामभूत्रनः। (ह जारतः, ज्यम मध्यस्यात्राम ख्राष्ट्राः आवाध्यक्रमा त्रेषीः भातिवित्रिष यकृष खन । 'तकृशाङ्ख्य-' (भा॰ १२७४) हेखाकिताष्ट्रणानः। त्रशह्माखोष तथीः मात्रभी ब्रभामीत् द्वीत्रहानिकाञ्चार्थ केत्रह श्रकामः। मात्रभिर्याभा त्रभनिर्याद्यः करवाञ्च ख्या वक्षितिक्वावरका कर्वकार्यः। कीवृत्तमा करकाः। एखना कनानक्रमा। पक्षमा नमुक्तमा व्यक्तमाननगर्वत्माणि या। नात्याः नावात्ण निष्णाण्यत्य देखि नायुष्णमाणिषम्ययुक्तत्माणार्यः। अखना जित्याचकत्रा। तृह्छः मह्छः (अोत्या। ( २८ ज - १८क )।

# महेठ्यातिः नी किका। এভিনো অকৈছিল। নো অকান্ত, পর্বজ্যোতিঃ।

विष्यक्तिः स्थाना व्यनौटेकः ॥ ८७ ॥

(इ चारशः निर्धां कः निर्धः नर्देश्वत्रभीटेकः मृत्यः क्रचा नाश्यान् श्रीष्ठ **अस्ता**ढ् चिम्र्या खर। जनतः नगोनरमन्यकेषाक्षाः। जन्नग्रारन्यकः। कोन्नः। भिंदिख वर्टिक वर्ष कि वो देश में देश कि मानाः (माखनमनकः। श्रीनवः नव मायरनम्पूर्ण करवलार्यः। खल मुक्टोकः यः न (ब्याब्धः यः नत्कन पूर्याः। न हेरार्ष। यथा यत्राविक्राक्रमण (ब्याब्धिः व्यक्तिः खल्म्मामात्रका मर्माधानिमम्मून कर्नाक। 'कारहार्काखढः' ( ना॰ ७ ०, ১०८ ) देखि कर्वकाना नीर्यः। ( > व न - 8 क )।

# मश्रु वा तिः भी किका।

व्यक्षिण (श्राकातः मरक मायकः नव्यं रक्षण मर्मा व्यक्षां विश्वेर काक रनवनमा व छक्षा अभारता (वरवा (ववाहरा युष्टमा निलाधिभक्षः । (भाष्टियांकृष्ट्यानमा मर्भिमा ॥ ६९॥

'প্রীম্বতাঃ পূর্বাহিত্তিক্ষণ প্রাহেন) প্রীম্কবিতে ভল্লা রাভিক্ শ্রভ্বিছিলারিং বোভারমিন্তি' (কা০ ১৭।১২।১৬)। অন্যে প্রীম্কনীক্তি প্রীম্পাকতা রল্লেণাক্তিতা প্রীম্বতী ভল্লা প্রীম্বতী ভলাঃ প্রীম্বতী ভলাঃ প্রীম্বতী ভলাঃ প্রীম্বতী ভলাঃ প্রীম্বতিক্ষণ বিশ্বতা কর্মারিং বোভারমিত্যা। প্রীম্বতা ভিচ্নে ক্রেল্বির ক্রুভার চভ্তুত্ত ক্ষরকার করারিং বোভারমিত্যা। প্রীম্বতা ভিচ্নে ক্রেল্বির কর্মার কর্মার বিশ্বতা কর্মার বিশ্বতা কর্মার কর্মার কর্মার কর্মার কর্মার কর্মার কর্মার কর্মার ক্রিল্বির কর্মার ক্রিল্বির ক্রেল্বির ক্রিল্বির ক্রেল্বির ক্রির্ব ক্রেল্বির ক্রির্ব ক্রেল্বির ক্রির্ব ক্রেল্বির ক্রির্ব ক্রির্ব ক্রেল্বির ক্রির্ব ক্রেল্বির ক্রির্ব ক্রেল্বির ক্রির্ব ক্রেল্বির ক্রির্ব ক্রেল্বির ক্রির্ব করেনির ক্রির্ব ক্রেল্বির ক্রির্ব করেনির ক্রির্ব ক্রেল্বির ক্রির্ব করেনির ক্রির্ব ক্রেল্বির ক্রির্বার ক্রির্ব করেনির ক্রির্বার ক্রির্ব করেনির ক্রির্বার ক্রির্বার ক্রির্বার ক্রির ক্রেল্বির ক্রির্বার ক্রির্বার ক্রির্বার ক্রির্বার ক্রির্বার ক্রেল্বির ক্রেল্বির ক্রেল্বির ক্রেল্বির ক্রেল্বির ক্রেল্বির ক্রির্ব ক্রির ক্রির্বার ক্রির ক্রেল্বির ক্রেল্বর ক্রেল্বির ক্রেল্

# अमे। ह्या तिश्मी क खिका।

আরে যং নো অন্তম উত জাতা শিবো ভবা বর্ষণাঃ।।
বস্থারিক্সিল্লবা আছে। সক্ষি ক্যমন্তম্ রারিং ঘাঃ।।
তং দ্বা শোচিঠ দীদিব: সুয়ায় ন্ন্মীমহে শ্থিভাঃ ॥ ৪৮ ॥

# धरकानभ्यानी किखका।

'পুনশ্চিভিং টোপরি ভবজেন ঝয়য় ইভি প্রাত্তাহং' (য়া৽ ১৭)২।১৯ ) মণ্যোপরিভালালোইকলা গার্হপভালোপরি গার্হপভারদের পুনশ্চিভিমুপদণাভি যেনেভাইটেন প্রভাটবিভার্জঃ। আরের্যাহটো বট্ ত্রিটুভঃ বে অলুটুভে)। ঝয়য়ঃ মুনরো বেন ভপলা চিভৈভাগ্রোপ লত্রং যজ্ঞারয়াগতাঃ যজ্ঞং কর্তুমুল্ড। ইভার্জঃ। কীলুলাঃ। অরিমিল্লানাঃ দীপমন্তঃ।
ভবা মঃ মর্গলোকমাভরতঃ আহরতঃ বীক্র্বাণাঃ 'সনলশ্চেক্রিমাণাং চ উকাত্রাং পরমং
ভবঃ' ইভাুভেঃ। ভামন ভপলি লাভ নাকে মর্গলোকনিমিভমরিমছং নিদধে স্থাপয়াম।
মনমঃ মননপ্রধানা বিঘাংলো যুগরিং ভীপন্র্যাভ্রম্পন্তি ভীপ্রাজ্ঞানিতং বর্ত্বিত্র ভং বর্ত্তিবাজ্ঞলাধনোপলক্ষকং। যজ্ঞলাধনন্ত্তিমিভার্তঃ 'ষে বিভাগ্লিতং মনবঃ' (৮০৩)১৮)
ইভি ক্রাভেঃ ৪ (১৫ল – ৪৯ক) ৪

# शकानी किछका।

তং পত্নীভিরত্মগক্ষেম দেবাঃ পুঠেএত্রাভৃতিক্লন্ত বা ভির**শৈ**। ।

नामः গৃভ্পানঃ সক্তক্ত লোকে ভৃতীয়ে পৃষ্ঠে অধি রোচনে দিয়ঃ s ৫০ s

ছে দেবাং দীপাষানা ঋষিত্বং, পদীভিঃ কলতিঃ লগ প্রৈক্ত পুরেরণি লছ
ভাতৃত্তিকা ভাতৃতিল হিরথাঃ তুবণাদিত্রগৈয়ক লছ ভমরিমত্বগড়েষ বয়মত্বসরেষ।
লেবেদেভার্বঃ। বরং কীদুদো। তৃতীরে তৃমিমারতা ত্রিলংখ্যাপ্রকে দিবঃ পৃষ্ঠে রবিমন্তলে নাকং ছঃখহীনং ছানমভিগৃত্পানাঃ অধিকং প্রপদ্ধানং স্বীকুর্কজঃ। কীদুদো
দিবঃ পৃষ্ঠে। অ্রুড্ড লোকে ভঙ্গপ্রণং ফলতৃতে রোচনে দীপামানে। 'এতকৈ
ভৃতীরং পৃষ্ঠং রোচনং দিনো যত্রেক এড্ডপ্রতি' (৮০৮৩১৯) ইতি ঐতেঃ। ৫০৪

# जक शकाभी किका।

আ নাচে। মণামরুহতুরপুরেরমধিং লংপভিদেভকিভানঃ।

পৃষ্ঠে পৃথিবয়া নিহ্নিভো দনিহ্নভদশম্পদং ক্লবুভাৎ যে পৃত্তক্তবঃ॥৫১।

खात्रपतिः गाष्टा यथार हम्मद्धानभाक्रकर हम्याभर्यात्रहः। 'अङ्क गाष्टा यथार वर्षेत्रक अख्छोत्रष्ठ' ( ५।७।७।२० ) देखि' व्याप्तः। (मार्भम्भिः (म शृक्षक्रमः सूष्क्रभूमाः भाभूषामः खात्रपत्रमार कृतृकार भाष्ट्रमुद्धवः कर्त्राष्ट्र । भाषरमात्रपार्थमञ्जापर कञ्चामिकारमः ( भा० ५). ৪৮) প্রনাং (লনাং যুদ্ধ বা ইছেভি পৃত্তরান্ত 'হল আহ্না: ফাচ্' (পা০ পা১৮) 'ভবাদার—'
(পা০ বা৪া০১) ইভ্যাদিন। পৃত্তবাদারিলোণ: ভভঃ 'ক্যাচ্ছন্দান' (পা০ পা২।১৭০) ইলুক
প্রভার । 'অবম্পদং কুক্রভাং লকান পাপ্ননঃ' ইতি ক্রাভেঃ। ফীল্নোহরিঃ। ভূরপুর
লগভার। 'ভ্রবুনরিভি ভত্তেভাতং' ইভি ক্রাভেঃ। লংপভিঃ নভাং পালকঃ। চেকিভানঃ
চেভয়মানঃ। পৃথিব্যাং পৃঠে ভূম্বপরি নিহিতঃ স্থাপিতঃ। দাগহাত্তবভাত্তং ভোভমানঃ
'লাবতি-' (পা০ বা৪া৬৫) ইভ্যাদিনা বঙ্কুকি শত্তাে নিপাভঃ। (১৫ল-৫১ক) ॥

# विश्वानी कि कि का।

অরমগ্রিকীরভথো বরোদাঃ প্রতিষ্ঠা ভোভভাগপ্রত্ন।

বিজ্ঞান্তবাদঃ পরিরক্ত মধা উপপ্রায় দিবাদি ধান ৫২৪

# जिशकान किल्का

मर क्षका वस्त्रभूभ मच्छा भागा । प्रतिभागान् कृत्स्यम्।

পুন: কুরানা: পিত্রা যুবানাহ্যাতাত্সাক্ষি ভস্তমেত্ম ॥ ৫০॥

मञ्जू कृतिनाह। (इ सर्वाः, अख्यविः वृतः नष्टाता स्ववितः श्राणामकः। উপ नष्टात्राकः । उप नष्टात्राकः । उप नष्टात्राकः । उप नष्टात्राकः । अव्यक्षात्रकः । अव्यक्ष

नकत्वी कृषामाः कृषीणाः। चारणः कृषाः वायह्। निकत्वामानः। नश्मकावार वायमवाकारमय वळनावमार (क नश्यरक कृतानाः किर्छातमा वेळार्वः। शूमः कृत्वानाः शिखना मुनारमिख दयां वाक् देवन ममन्द्र निखना नामूना (२२) हे कि स्मर्फः। ६७ व

# हजूः भकानी किछका।

छ । यादा श्रीक विभाग्ति विभिष्ठा भूछ मण्यू प्रकाशभाग ।

হে অংগ, অমুধুণাম উষ্দ্ধো ভব সাবশানো ভব। এনং যভমানং প্রভিকাগৃহি প্রতিদিনং যজমানং ভাগরকং লাবগানং কুক্র। তত ইয়াপুর্তে শ্রৌভখার্তে কর্মণী क्षरम् (जवाः वक्षमात्मन महः मरम् हे जवार। पर श्रमाणार कारः ह मक्रमान हेर्डा भृष्टीकाः मरम्बाकाः। পুরুষণাভায়ः। কিঞ্চ তে বিখেদেবাঃ, যুরং কুভেইপুর্টো নিপাপো যঞ্মানশ্চ बद्ध (पटेनः मह व्हिलिरगारणा व्याप्तिज्ञ खर्यायन मर्स्या करित त्रीनरमारण क्रारमारक मीपक ভিত্তত অধি অধিকং। চিরং ভিষ্টভেতার্থ:। 'স্মৌর্ব্ব উত্তরংলণস্থং' (৮৬:৫।২৩) ইভি व्याप्तः। विदेशाकितः नारमाकः राज्यानचा श्राष्ठि केचि कावः। ( ३६ ज – ६६ क )॥

# भक्षभकामी किखका।

नश्नि नव्यः (मनाद्यं नर्नार्यक्रम्। ८यग

गम् भएक(नम् अखरन . ee B ৰো ভেনেমং

(इ बार्स, (यम नामर्खीम नव्यः नव्यनिक्नाकः यखाः दः रवनि लानप्रिन । (यम ह मर्कारमान नर्मः (नामा पनर प्राप्तिन। यदा छर मर्कायमानिनाकर यख्कर नव्नि एकम माभाषीन নোহস্বাক্ষমিমং যজ্ঞং দেশের গক্ষণে দেবান প্রতি গল্ভং সঃ সর্গং নয় প্রাপয়। ভুষর্বে গ্রেঃ य (छ पर्गर गर्राक्यां क्यां प्रकार नार्रा (नार्षाय (यम लाक्ट्यांक टिश्रांक कमन्त्री पिक्या गार प्रपांक देशिक पिक्यामयात्रका मक्यामः ( : २ ) है कि क्षा । जा विकास अर्थनमार क्षावारक। १८ ज-१८ क)।

# वहें शकानी क खिका।

व्यत्रः ८७ (यानिक'विष्या यटका व्यादका व्यत्राहवाशा

व्यानक्ष व्याद्याचा । त्या वर्षका व्यवस्था व्यवस्था **ड**१

हेबर गानाका (०१७८१८२)। (१८म-१६क)।

# मखनकानी किका।

खनगण्ड देनभित्रावृष्ट् चार्त्रवेषः स्थारमार्थनि कर्यकार जारां भृविची **अवश्यः क्षेत्रधारवंत्रः भृषद्मन टेकाक्षात्र मञ्जूषाः** । दय व्यवप्रक नमंत्रत्नारखता छायांश्विची देत्य। देननित्राध्य **जिक्कमधार्गा देशस्य (१४) जिन्हरियस** (क्वकत्राक्तित्रकृत्य मीक्कम्। ११ ।

अयर जूमिक्काश्वानमृष्ट्रा नक्षितिक्ष्रिक्ष्यक्ष्रिकाश्वारम महा केहारक। 'बक्रस्य चनक जनगरकि' ( का॰ ১१/১२।२२ )। यज्ञरम (व नरबहेरक छनवर्गकि। बकूरवर्गकार वकः ७२क्विष्टमाः। ७८ना मापः छनमः काखनः देनिषद्शे बक् निनित्रदेशिवपरिते। निहेर षावाधार ( २०१२८ ) ॥ ( २८५ - ८१३ ) ।

# बहेलकानी कलिका।

चा नावत्रष्ट् विवन्नृदर्क ट्याण्डियकीम्। विचटेच खानात्रानातात्र

विषर (क्यांकिर्माक्त ।। क्यांकिर्मिशकिया (क्यक्यांकियक या नीवा रम ।

( का॰ ১৭ ১২।২০) 'বিশ্বজ্যোভিষং প্রমেষ্ঠা থেডি" যজমানকুতাং পঞ্চাং বিশ্বজ্যোভিষং ভূটারোপহিভায়া বিশ্বজ্যোভিষ উপর্বাপদগাভীতি প্রোর্বঃ। স্বাবেশভাং ঘজুং শকরীক্ষাং। প্রাপ্তে ভ্যাদিপভিঃ পালক ইভি বিশেষঃ। শক্ষাখ্যাতং ( অধ্যা ০ ১৪, ক১৪ )। ( ১৫ল – ৫৮ক )।

# अटकान्यकी कि कि का। (जाकरण्य हिन्दर प्रयाद्या मीम क्ष्या प्रम्य | भ रेकाभी का ग्रुरम्मिक्ति जिल्लानायमीयमन् ॥ ८२॥

(কাত ১৭-১২.২৪) 'দক্ষিণাংলাৎপ্রত্যাপরত্মিয়াত্রাদ্ধি লোকংপৃণাঃ পূর্বাবং'। আত্মদা ক্ষিণালায়েরকোণাদপরভাং দিশুরত্মিত্রাদ্ধি সন্তালাক্ষরং পরিত্যাল্য ভৃতীরলোকাদারত্য প্রথমতিতিবলোকংপৃণা উপদ্ধাতীতি স্ত্রার্জ্য। 'তিল্লোহ্শি বাদ্দে' (১২ ৫৪-৫৬) ব্যাধ্যাভাঃ। (১৫ জ-৫৯-৬১ক) ব্

মন্ত্রী কণ্ডিক।।
ভা অঞ্চ সদলোহণ: লোগত প্রবিদ্ধান ।
ভা অঞ্চ সদলোহণ: লোগত প্রবিদ্ধান ।
ভা অঞ্চ সদলোহণ: বিশাল্লিভারোচনে দিবঃ ॥ ৬০।
ভা কণ্ডিকা।
ইত্রং বিশ্বা অবীরণভা সমুদ্ররাচনং গিরঃ।
বিশী হলং বিশ্বা ভালাত সংগতিং পতিম্ব ৬০।
ভিশ্বী কণ্ডিকা।
ভিশ্বী কণ্ডিকা।
ভিশ্বী কণ্ডিকা।

मान्त्र वाट्या मस्वाधि त्यावित्र म ८७ जनगर कुरुविश्व ७२ ४

ক্ষেত্র বিক্রীং । পঞ্চান্ত প্রীকেন বিক্রীকার্যান্ত্রে শক্রে নত্লান্ত ছিল্লে প্রোধন্ধ ইত্যান্তরা বিক্রীং । পঞ্চীং চিতিং প্রীবেন পূর্বাং প্রন্থান পক্রামধ্যা পরন্ধরণ পর্বাং বিক্রীং । পঞ্চীং চিতিং প্রীবেন পূর্বাং প্রন্থান পর্বান্তরা পরন্ধরণ প্রান্তরা পরান্তরান্তরা নির্দান ক্ষেত্র ক্রিকে উপনের। ভর্মের্বারের উভ্যানভান্তরা প্রোপদ্ধ ইভি বিক্রীকার্যান ক্ষেত্র ক্রিকে জন্মবার্ত্তা ক্রার্থা। বলা বিনি কালে বহুং সহতঃ সম্বনাৎনাজ্য তেহনিয়ান্ত্রিরিভি সম্বন্ধরণিকাইং জন্মবার্ত্ত। বলা বিভিন্ন প্রান্তরালা ভরতি ভলা প্রোধহ প্রোব্যান ক্রিরিভি সম্বন্ধরণিকাইং জন্মবার্ত বিভিন্ন কর্মের্বান ক্রিরিভি সম্বন্ধরণিকাইং জন্মবার্ত বিভিন্ন করে ক্রিরান্তরা ক্রিরিভি সম্বন্ধরণ ক্রিরিভি সম্বন্ধরণিকাইং জন্মবার্ত্ত ক্রেরিরিভি সম্বন্ধরণ ক্রিরিভি সম্বন্ধরণ ক্রিরিভি সম্বন্ধরণ ক্রিরিভি সম্বন্ধরণ ক্রেরিরিভি সম্বন্ধরণ ক্রিরিভি সম্বন্ধরণ ক্রিরিভি সম্বন্ধর বাহ্বরেরাং সম্বানিরিভি স্বন্ধরার ক্রিক্রান ক্রিরিভি স্বন্ধরার ক্রিক্রের্বার ক্রিক্রের্বার ক্রিরিভি স্বন্ধরার ক্রিক্রের্বার ক্রিক্রের্বার ক্রিরিভি স্বন্ধরার ক্রিক্রের্বার ক্রিক্রিভি স্বন্ধরার ক্রিক্রিভি সম্বন্ধর ক্রিক্রিভি স্বন্ধর ক্রিক্রের্বার ক্রিক্রের্বার ক্রিরিভি সম্বন্ধরি স্থান ক্রিরিভি স্বন্ধর ক্রিক্রিভি স্বান্ধরার ক্রিক্রের্বার ক্রিরিভি স্বন্ধর ক্রিরিভি স্বন্ধর ক্রিরিভিল ক্রিরিভি স্বির্বার ক্রিরিভিল ক্রেরিরিভিল ক্রিরিভিল ক্রিরিভিল ক্রিরিভিল ক্রেরিরিভিল ক্রিরিভিল ক্

# विश्वी किला।

चारमाद्वीः नक्षरम नाक्सभागकम्ब्रामाण्यम् **स**न्दम्।

त्रणीनडीर काक्डोमा या छार काळाणूणिको स्थानका त्रमम् । ७०।

কোন ১৭।১২।২৫ ) "লায়েট্রেভি অর্মাভ্রাং"। আরেরিভি কণ্ডি লাবের বিকর্ণান্ধিল কণ্ডি লাবের বিকর্ণান্ধিল ক্রিয়াল্যালির । আরের পর্বার্থিক বিভার্থান্ধিল ক্রিয়াল্যালির । কে অর্মাভ্রার্থানির বিভার্থানির ভিত্তানির । কে অর্মাভ্রার্থানির বিভার্থানির । ক্রিয়ালির লাবের লাবের ক্রিয়ালির লাবের ক্রিয়ালির লাবের ক্রিয়ালির লাবির লাবের লাবের ক্রিয়ালির লাবের ক্রিয়ালির লাবির লাবির লাবের ক্রিয়ালির লাবের ক্রিয়ালির লাবির লাবের ক্রেয়ালির লাবির লাবের ক্রিয়ালির লাবের ক্রিয়ালির লাবির লাবের ক্রিয়ালির ক্রিয়ালির ক্রিয়ালির ক্রিয়ালির ক্রিয়ালির লাবের ক্রিয়ালির ক্রিয়ালির ক্রিয়ালির ক্রিয়ালির ক্রিয়ালির ক্রিয়ালির লাবের ক্রিয়ালির ক্রিয়ালির ক্রিয়ালির ক্রিয়ালির লাবের ক্রিয়ালির ক্রিয়ালির ক্রিয়ালির ক্রিয়ালির ক্রিয়ালির লাবের ক্রিয়ালির লাব

# ह्यू:भड़ी किका।

भगरवंकी का माक्सक विवन्तुर्द्ध सहस्रकोर क्षेत्रकोर विवर सक

कियर मुण्ड कियर या विज्ञीः।

विष्टेष लागात्राभाष गामारवाषामा लिखिदे हिन्द्र हिन्द्रावा

प्रशासिनाच् मद्या चया। हर्षिया भवत्मन छत्रा (क्यस्त्रानित्रक्ष्युत नीक्स्य् । ७० ह

411411年( 28175176164 ) 1 (264 - 484 ) 1

# भक्षम**ही क**खिका।

প্রবাদি সহজ্ঞ প্রতিযাদি সহজ্ঞানাদি লাহজােচদি সহজার স্বার্থ ১৫ 🛊

(কা৽ ১৭-১২-২৭) 'ভিঠন্নরিং প্রোক্ষতি হিরণাশকলনহম্রেণ লভে 😝 বে প্রকির্ভি मक्षकः वत्रः (मावक्षिकंनक्षकोत्रकोत्रार्थः। भकाश्यानि यक्ष्रास्। एव पास, महस्य-(अहेकार्याः क्षेत्रां क्षेत्रां व क्षेत्रां व क्षेत्रां व क्षित्रां व क्षेत्रां व क्षेत्रा पूर्वानि। नाग्यः मक्यार्श्वावि। मक्यात्रामस्म्नारेश को वार त्याकानि। ७०॥

वेकि माधान्यिनीप्राप्तार याच्यास्मप्रमारविकाषार शक्यस्थार्थाप्रः । ১৫ ।

विभक्तकी पत्रकृष्ण (नक्तिर्भ महमात्रक। व्याचन न व्यापार व विका नक्षेत्रे हिन्द्र । ३६ ॥